RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 February, 2017

अंक - 8 (मासिक) वर्ष - 12 फरवरी, 2017 मूल्य 30/-

अपनों के लिए- अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

आ धरती गोरा धोरां री
आ धरती मीठा मोरां री
इं धरती रो रुतबो ऊँचो
आ बात कहे कूँचो कूँचो

जोधपुर विशेषांक

आतिथ्य का पर्याय 'जोधपुर माहेश्वरी समाज'
विदेशों में भी फैला 'जोधपुर' का प्रकाश
देश की सांस्कृतिक राजधानी 'जोधपुर'
स्वतंत्रता आन्दोलन में अग्रणी रहा 'जोधपुर माहेश्वरी समाज'

हर पानैं मं जोधाणे रो प्यार
हर आखर मं सिंह हुंकार

अन्तर्राष्ट्रीय वैवाहिक डायरेक्ट्री
श्री माहेश्वरी मेलापक-8
से जुड़े सैकड़ों रिश्ते

प्रति मंगलवार देखें
SMT NEWS
WHATSAPP VIDEO BULLETIN

युवा शक्ति का नया नेतृत्व
राजकुमार काल्या

श्री महालक्ष्मी शिक्षण संस्थान, जोधपुर

1920

ई–सेक्टर प्रताप नगर, जोधपुर 0291–2620634

Laxmi Devi Mundra Public School

(An English Medium, Co-Educational School)

Affiliated With CBSE

Affilation No. 1730596

"E" Sector Pratap Nagar, Jodhpur Ph. 0291-2763467/ 68

श्री महालक्ष्मी बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय

'ई' सेक्टर प्रतापनगर, जोधपुर फोन: 0291–2620634 / 6058111

श्री महालक्ष्मी बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय

जालोरी गेट के अन्दर, जोधपुर फोन: 0291–2620636 अंग्रेजी माध्यम

श्री महालक्ष्मी बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय

जालोरी गेट के अन्दर, जोधपुर फोन: 0291–2620636 हिन्दी माध्यम

श्री महालक्ष्मी महिला बेसिक स्कूल ट्रेनिंग कॉलेज

'ई' सेक्टर प्रतापनगर, जोधपुर फोन: 0291–6058222

श्री महालक्ष्मी महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय

'ई' सेक्टर प्रतापनगर, जोधपुर फोन:0291– 2763191

श्री महालक्ष्मी गर्ल्स कॉलेज

'ई' सेक्टर प्रतापनगर, जोधपुर फोन: 0291–2763475

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

▸▸ अंक-8 ▸▸ फरवरी, 2017 ▸▸वर्ष-12

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

♦

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

♦

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

♦

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)

♦

अतिथि सम्पादक
स्वाति जैसलमेरिया 'सरु' (जोधपुर)

♦

जोधपुर विशेषांक प्रभारी
हरिप्रकाश राठी (जोधपुर)

♦

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

♦

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

♦

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

♦

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' (इन्दौर)

कार्यालय- 90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे), साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Bank A/c Detail-
Sri Maheshwari Times
■ **PNB A/c. No. : 0459002100043471**
IFSC- PUNB0045900

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

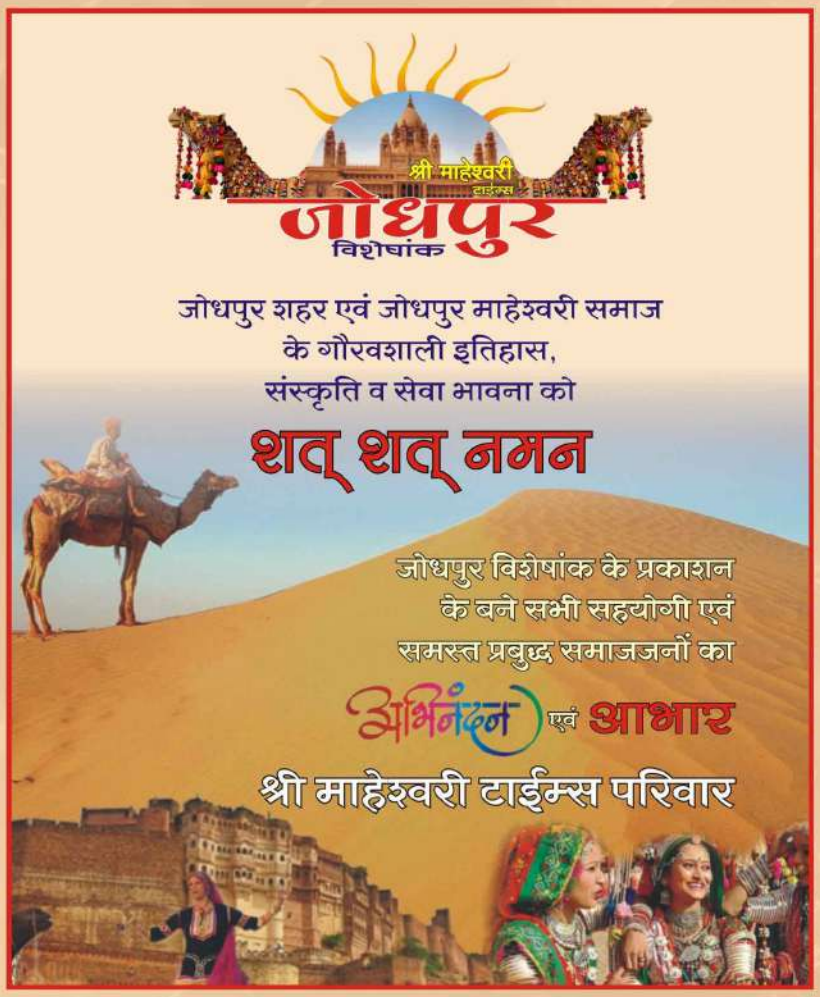

विचार क्रांति

अप्राप्त की तृष्णा पर करें नियंत्रण...

मनुष्य की यह प्रवृत्ति है कि वह अप्राप्त को प्राप्त करना चाहता है। जो प्राप्त है, उससे वह संतुष्ट नहीं होता है। असंतुष्टि का यह भाव ही उसे लगातार अप्राप्त को प्राप्त करने के लिए अग्रसर करता रहता है। मन की कामनाएं, कभी तृप्त ही नहीं होती है। मन का स्वभाव है कि वह हमेशा अतृप्त बना रहता है, कितना भी उसे मिले, वह संतुष्ट नहीं होता है। इसीलिए मनुष्य जीवन भर अपनी आकांक्षाओं के अनुकूल अप्राप्त को प्राप्त करना चाहता है। वह लगातार इस प्रयास में रहता है कि अधिक और अधिक प्राप्त करता जायें, यह मृगतृष्णा उसे लगातार दौड़ाती जाती है। जितना वह प्राप्त करता है, उससे अधिक प्राप्ति की चाहत बढ़ती जाती है। इस अप्राप्त की तृष्णा पर नियंत्रण लगाने के लिये मनुष्य को अपने विचारों पर नियंत्रण रखना चाहिए। विचारों पर नियंत्रण रखना चाहिए। विचारों पर नियंत्रण रखने से मन संयमित होता है। मन से वही विचार जुड़ते हैं, जो वह चाहता है। इसलिए उसे प्राप्त है उसमें संतोष रखते हुए अप्राप्ति की कामना नहीं करनी चाहिए।

अतः मनुष्य अपनी प्रवृत्तियों पर अपने विचारों के माध्यम से अंकुश लगा सकता है और अपने मन को नियंत्रित कर वह पूर्ण रूपेण आनंद की प्राप्ति करने में सफल रहता है।

- आचार्य शैलेंद्र पाराशर, उज्जैन

जोधपुर विशेषांक

सूर्य नगरी के सूर्यों को अर्घ्य

जोधपुर, यानी चमकते सूर्य की नगरी। जहां पर हर मौसम में सूर्य अपनी आभा दिल खोलकर लुटाता है। शास्त्रों में सूर्य को देवता की उपाधि दी गई है। ऐसा देवता जो सफलता देता है। ऐसी सफलता जो हमें औरों से अलग करे, जिसकी निराली चमक हो। सूर्य के उत्तरायण में यह विशेषांक निकालने का विचार यहीं से उपजा। सूर्य के उत्तरायण होने का इंतजार भीष्म पितामह ने तीरों के बिछोने पर लेट कर भी किया था। सूर्य के उत्तरायण का धर्म ग्रंथों में महिमागान है। सूर्य ही धरा के जिस हिस्से पर मेहरबान हो तो समझा जा सकता है, वहां के बाशिंदों की जिंदगी में कितनी चमक होगी। उनकी चमक से अपने पाठकों को अवगत कराने के लिए हमने जब जोधपुर के नीले आंगन में झांका तो ऐसे असंख्य सूर्य दमकते दिखें। इन्हें एक अंक में समेट पाना मुश्किल है। हमने कोशिश की है, उन दैदीप्यमान व्यक्तित्वों को जानने की, जिनसे हम प्रेरणा ले सकें। जिनकी रोशनी हमारी पथ प्रदर्शक बन सके।

जोधपुर को जानने समझने में हमारी सबसे ज्यादा मदद की स्वाति जैसलमेरिया और हरिप्रकाश राठी ने। इसी कारण यह विशेषांक गढ़ने में हम सफल भी हो सके। इस अंक में हमने जोधपुर को हर नजरिये से समाहित करने की कोशिश की है। वस्तुतः यह अंक जोधपुर के उन सभी चमचमाते सूर्यों को अर्घ्य के समान है, जिनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व से समाज रोशन हो रहा है। इसमें दामोदरलाल बंग, आनंद राठी, कमल किशोर चांडक, शिवरतन मानधना, सोहन भूतड़ा जैसे सभी समाजसेवी शामिल हैं। हमने जोधपुर के कई समाजसेवियों से बातचीत की जिसमें कई मुद्दे भी उभर कर आए हैं। उन पर समाज को मंथन करना चाहिए। हमने सूर्यनगरी के इतिहास को भी जाना। स्वतंत्रता आंदोलन में हमारे पूर्वजों ने किस तरह महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और आजाद भारत को बनाने में किस तरह से योगदान दिया, यह भी पाठक इस अंक में जानेंगे। जोधपुर के इतिहास और वर्तमान को समेटने के इस प्रयास में हम उन सभी के कृतज्ञ हैं, जिन्होंने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग दिया। यह अंक आप को कैसा लगा इस बारे में अपनी प्रतिक्रिया से अवगत करना न भूलें।

अ.भा. युवा संगठन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजकुमार काल्या को भी माहेश्वरी टाईम्स परिवार की ओर से बधाई और शुभकामनाएँ। युवा संगठन की बागडोर थामने के साथ ही उन पर समाज की युवा पीढ़ी के दिशा-निर्देशन का महत्वपूर्ण भार भी आ गया है। कहते हैं, युवा ताकत ही देश और समाज के नव निर्माण और भविष्य की नींव होती है। देश की युवा पीढ़ी के सामने आज अपने भविष्य निर्माण की सबसे बड़ी चुनौती है। यह चुनौती न केवल आजीविका को लेकर है, बल्कि पहचान को लेकर भी है। इस आपाधापी में दिशाहीन युवा का भटकना असंभव नहीं है। युवा संगठन को बहुदिशा प्रयत्न करने होंगे ताकि समाज के युवाओं का मार्गदर्शन किया जा सके। यही संगठन के कुशल नेतृत्व की कसौटी भी है। समाज युवा नेतृत्व से कई उम्मीदें रखता है।

जय महेश !

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अंजाम उसके हाथ है आग़ाज़ करके देख....

बाड़मेर (राजस्थान) में श्री जगदीशप्रसाद पुंगलिया के यहाँ 11 जून 1974 को जन्मी जोधपुर निवासी स्वाति 'सरू' जैसलमेरिया साहित्य के क्षेत्र की एक उदीयमान नक्षत्र है। एम.ए. संगीत एवं समाज विज्ञान तक शिक्षा प्राप्त श्रीमती जैसलमेरिया साहित्य के साथ ही संगीत व समाजसेवा के क्षेत्र में भी अपनी विशिष्ट पहचान रखती हैं। वर्ष 2012 में आपको पर्यावरण के क्षेत्र में उच्च लेखन के लिये जोधपुर महाराज गजसिंह जी द्वारा मैडल व प्रशस्ति पत्र तथा दिल्ली में साहित्य लेखन के लिये 'महिला रत्न' सम्मान से नवाजा गया। वर्ष 2013 में पूर्व सांसद द्वारा 'श्रेष्ठ लेखिका' तथा वर्ष 2014 में जोधपुर माहेश्वरी समाज द्वारा साहित्य क्षेत्र व बीकानेर माहेश्वरी समाज द्वारा साहित्य लेखन के लिये सम्मानित किया गया। इसी वर्ष मुक्त ऑडिटोरियम में दिल्ली में 'सरस्वती सम्मान', वर्ष 2015 में एकता मैगजीन भीलवाड़ा की ओर से 'विद्या रत्न सम्मान', जोधपुर महिला संगठन द्वारा साहित्य में श्रेष्ठ योगदान व जिला महिला संगठन द्वारा 'साहित्य लेखन में उत्कृष्ट कार्यों' के लिये सम्मानित किया गया। राजस्थान साहित्य अकादमी द्वारा जोधपुर में साहित्य में योगदान के लिए सम्मानित किया या। उनकी कविताओं का प्रकाशन 'दू मीडिया', 'दैनिक नवज्योति', 'विचार एक प्रयास', 'समर सलिल' सहित देश की कई पत्रिकाओं में हो चुका है। दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी भाषा सहोदरी के 'सहोदरी सोपान-2' में भी उनकी कविताओं का चयन हुआ। 20 जून 2016 को जे.एम. पब्लिकेशन दिल्ली द्वारा भारत की प्रतिभाशाली कवियित्री काव्य संकलन में उनकी कविताओं को सम्मिलित कर 'भारतीय श्रेष्ठ कवियत्री सम्मान' से सम्मानित किया गया। 19 नवम्बर 2016 को नई दिल्ली में 'हिन्दुस्तानी भाषा साहित्य समीक्षा सम्मान 2015' से सम्मानित किया गया। इन अनगिनत साहित्यिक सम्मानों के साथ आप 'स्वाति नक्षत्र ग्रुप' के माध्यम से असहायों की मदद कर रही हैं। 'कम्युनिटी वेलफेयर एण्ड क्रिएटिविटी ट्रस्ट' के माध्यम से पारिवारिक समस्याओं का समाधान कर रही हैं। विभिन्न सेमीनारों में आपने सामाजिक विषयों पर वक्तव्य दिये हैं। आप अपनी सफलता का श्रेय अपनी दादी सास श्रीमती पार्वतीदेवी जैसलमेरिया और बेटी नेहल को देती हैं।

लोकविख्यात शायर डॉ. नवाज देवबन्दी का शेर 'अंजाम उसके हाथ है आग़ाज करके देख, भीगे हुए पंखों से परवाज़ करके देख' देशकालिक ही नहीं सर्वकालिक है। किसी भी कार्य के प्रारंभ में हमें कितना डर लगता है, अनेक कपोल कल्पित आशंकाएँ हमारे विचार गगन पर बादलों की तरह मण्डराती हैं, लेकिन यह सभी आशंकाएँ तब निर्मूल सिद्ध होती हैं, जब हम साहस का प्रथम कदम आगे रख देते हैं। 'नील आर्मस्ट्राँग' ने चाँद पर प्रथम कदम रखते हुए क्या खूब कहा था 'चाँद पर मेरा पहला कदम समूची मनुष्यता के लिये कदमताल सिद्ध होगा।' सच ही है, एक से एक मिले तो कतरा बन जाता है दरिया। लोग मिलते हैं, सहयोग करते हैं, तो कारवां भी बन जाता है।

श्री माहेश्वरी टाइम्स, उज्जैन के यशस्वी संपादक श्री पुष्करजी बाहेती ने मुझे जब जोधपुर विशेषांक का संपादकीय भार सौंपा तो मुझे खुशी भी हुई, लेकिन यह सोचकर मायूस हो गई कि इस दुरूह कार्य को अकेले करना मेरे लिए लगभग असंभव होगा। पुष्करजी ने तब मुझे कहा आप अकेले नहीं हैं, ख्यात साहित्यकार श्री हरिप्रकाशजी राठी न सिर्फ आपके सहयोगी होंगे, इस विशेषांक के प्रभारी भी होंगे, तो मेरा साहस परवान चढ़ गया। मैंने पहलकर उनसे मुलाकात की तो पहली ही मुलाकात में उन्होंने विशेषांक की रूपरेखा तय कर दी।

उन्होंने जब कहा यह विशेषांक आपके लिए जन्मभूमि एवं यहां के बाशिंदों का ऋण उतारने का अनूठा अवसर है, तो मेरा हौंसला दोगुना हो गया। उन्होंने कहा कि हम तो लेखक हैं, नित्य कुछ लिखकर छप जाते हैं, लाखों लोग हमें जानते भी हैं, लेकिन उनके बारे में दुनिया कैसे जानेंगी, जो वर्षों से समाजसेवा कर रहे हैं एवं वह भी बिना किसी यशलिप्सा के तो अनायास मेरा दायित्व-बोध सोये हुए अजगर की तरह जाग उठा, मैंने कमर कस ली कि चाहे जितना कष्ट क्यों न हो, मैं इस विशेषांक को पूरा करके ही दम लूंगी। मेरी आशंकाओं के तमाम बादल तब इस तरह फट गये, जैसे सूर्योदय होते ही बादल बिखर जाते है। श्री राठीजी ने इस विशेषांक की विषय-वस्तु, साक्षात्कार, जोधपुर शहर एवं हमारी जाति के इतिहास इत्यादि कार्यों में मेरा जी भरकर सहयोग किया। वस्तुतः जोधपुर शहर के इतिहास वाला प्रथम आलेख, ''शहरे-आफ़ताब, सूर्यनगरी जोधपुर'' उन्होंने ही लिखकर दिया। उनके इस अपूर्व सहयोग के लिए मैं उनकी ह्रदय से आभारी हूँ।

कहते हैं, जब आप नेकनियति के साथ आगे बढ़ते हैं तो समूची कायनात आपके साथ हो जाती है। इस विशेषांक की रूपरेखा के दरम्यां ही हमने सोच लिया था कि इस विशेषांक में हमें पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ, गरीबी-अमीरी के तमाम अवरोधों को भुलाकर, हर उस समाजसेवी को समाहित करना है, जो वास्तविक अर्थों में मानवसेवा कर रहे हैं। हमारा मंतव्य स्पष्ट था कि हमें हर जायज समाजसेवी एवं आयकॉन को लेना है एवं यहीं से ईश्वर हमारे साथ हो गया। इस विशेषांक के दौरान हमारा अनेक समाजसेवियों से मिलना हुआ एवं उनके सेवा कार्यों को जानकर मैं आश्चर्यमुग्ध हो गई। मुझे सचमुच लगा क्या मैं एक ऐसी महान जाति से हूँ, जिस जाति के लोग 'आत्मवत सर्वभूतेषु' के सिद्धान्त को ह्रदय में धारण कर समाज के अंतिम व्यक्ति की खुशी के लिए अहोभाव से सेवाकार्य करते हैं। सच मानें तो जीवन में प्रथम बार मुझे इस बात के लिए गर्व की अनुभूति हुई कि मैं माहेश्वरी हूँ, एक ऐसी जाति की महिला, जहां लोग अपने आराध्य एवं जनक शिव की तरह कठोर श्रम एवं सर्वस्व त्याग का विषपान कर समूची मनुष्यता को राहत एवं त्राण देते हैं।

इस विशेषांक में मुझे अनेक माहेश्वरी बंधुओं ने सहयोग दिया, विज्ञापनदाताओं ने भी खुले मन से विज्ञापन दिये, विशेषांक के शहरभर में वितरण हेतु भी वांछित सहयोग मिला, मैं उन सभी बंधुओं के प्रति कृतज्ञ तो हूँ ही, ह्रदय से आभारी भी हूँ। इस विशेषांक में मेरी भरपूर कोशिश रही कि जोधपुर मूल के सभी समाजसेवी एवं गणमान्य लोग समाहित हों, फिर भी संभव है गागर में सागर भरने के क्रम में कतिपय लोग हमसे छूट गये हों, मैं उन सभी से ह्रदय से क्षमा मांगती हूँ। पत्रिका के राष्ट्रीय स्वरूप को ध्यान में रखते हुए भी अनेक स्थानीय मुद्दों पर समायोजन करना होता है। विशेषांक में हुई किसी भी त्रुटि की जिम्मेदारी मेरी है, कार्य करते हुए त्रुटियाँ हो ही जाती हैं, लेकिन मुझे पूरा विश्वास है, आप सभी खुले मन से अपनी इस लाड़ली बहन की त्रुटियां बिसरा देंगे। अंत में आप सभी उदारमना बंधुओं को प्रणाम कर इस संपादकीय को विराम देती हूँ।

स्वाति 'सरू' जैसलमेरिया
अतिथि संपादक

श्री पाढ़ाय माताजी माहेश्वरी समाज के मानधनियाँ, मानुधणा, चौधरी, देवपुरा, बिदादा, खटौड़, गगराणी, बजाज, कलंत्री, बाहेती, कचोल्या, चेचाणी, नौलखा, खांप की कुलदेवी हैं।

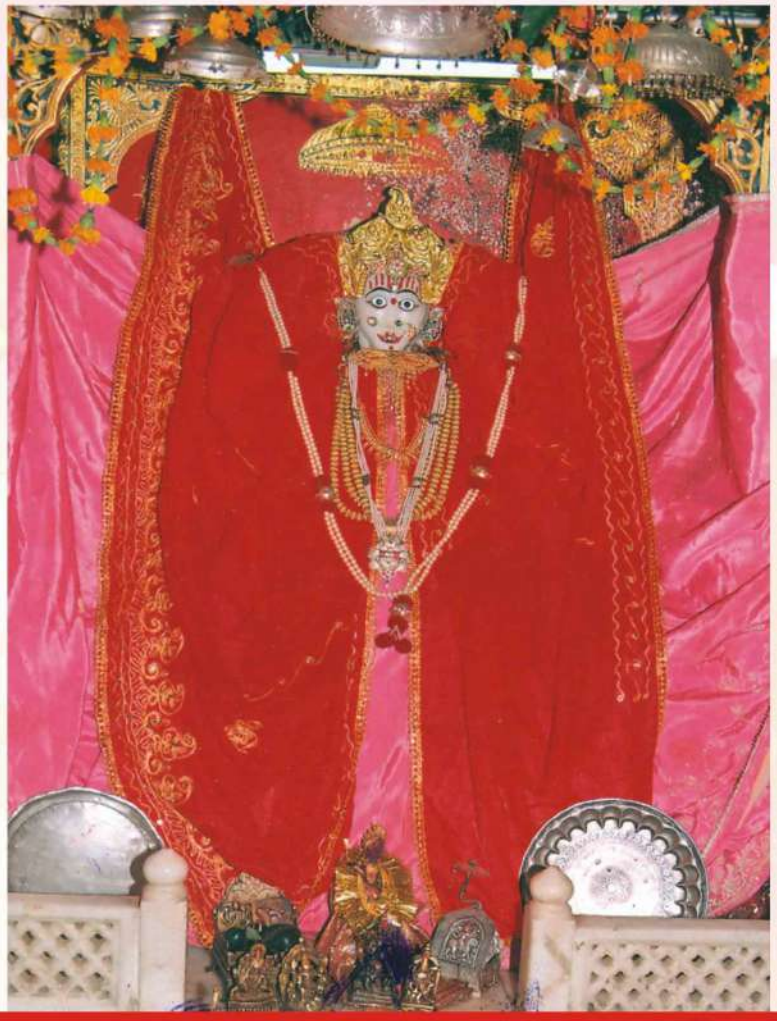

श्री पाढ़ाय माताजी

कैसे पहुँचें

यह स्थल नागोर जिले का डीडवाना तहसील मुख्यालय है। मीटर गेज लाइन पर बेगाना व रतनगढ़जंक्शन के बीच ही डीडवाना रेल्वे स्टेशन स्थित है। सड़क मार्ग से जाने पर यह नागोर अजमेर मार्ग पर नागौर व सुजानगढ़ के बीच आता है। नागौर से दूरी 90 कि.मी. है।

नागौर (राजस्थान) से 90 कि.मी. दूर पश्चिम में डीडवाना की सबसे पुरानी बस्ती कोट मोहल्ला में श्री पाढ़ाय माताजी का मंदिर स्थित है। मंदिर पुजारी श्री सुरेश श्रीराम व्यास के अनुसार यह मंदिर लगभग 1125 वर्ष पूर्व स्थापित होने से अति प्राचीन है। माहेश्वरी समाजजनों के साथ ही डीडवानावासी भी माताजी के प्रति गहरी आस्था रखते हैं। मनोरथ पूर्ति करने वाले माताजी के रूप में प्रतिदिन होने से ये जन-जन की आराध्य बन चुकी हैं। प्रमाणित दस्तावेजों व शिलालेख अनुसार मंदिर का प्रथम जीर्णोद्धार सं. 947 में हुआ। इसके बाद भी लगभग तीन बार जीर्णोद्धार हो चुके हैं।

विगत लगभग 50 वर्षों से पाढ़ाय माताजी मंदिर में दोनों नवरात्रियों में अष्टमी के दिन देवीयाग अर्थात चण्डी यज्ञ किया जाता है और विशाल मेला लगता है। यहाँ तीन बार शतचंडी यज्ञ का आयोजन भी हो चुका है। मंदिर में वंशानुगत रूप से शाकद्वितीय ब्राह्मण पूजा करते आये हैं। यहाँ गणेश, शिव व भैरव की प्रस्तर प्रतिमाऐं भी स्थापित हैं।

यहाँ आने वाले दर्शनार्थियों के ठहरने के लिये यहाँ चार कमरे बने हुए हैं जिनका निर्माण डीडवाना के सारडा परिवार ने करवाया है। भोजन की व्यवस्था माँग पर न्यूनतम शुल्क पर उपलब्ध हो जाता है।

विशेष

यहाँ तीन आरती होती हैं प्रथम प्रातः कालीन मंगला आरती, शाम को संध्या आरती व रात्रि में शयन आरती। यहाँ माताजी का विशेष भोग तो हलवा है मगर इच्छानुसार मावे-बुंदी या अन्य मिष्ठान का भोग भी लगाया जा सकता है।

समीपस्थ दर्शनीय स्थल

डीडवाना से मात्र 7 कि.मी. की दूरी पर श्री शाकम्भरी माताजी का प्रसिद्ध मंदिर भी है। किवदंती के अनुसार भक्त के इच्छा व्यक्त किये जाने पर माताजी ने यहाँ पर नमक की झील की उत्पत्ति की थी।

युवा संगठन की बागडोर अब काल्या के हाथ

अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन ने भी किया सर्वसम्मति से निर्वाचन, सभी ने हर्ष के साथ किया भव्य स्वागत

चित्तौड़गढ़। अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन की राष्ट्रीय कार्य समिति की यहां एक होटल में बैठक सम्पन्न हुई। इसमें सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से नवीन 12 वें सत्र के लिये समाजसेवी राजकुमार काल्या को राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित किया।

संगठन के दक्षिणांचल प्रदेश महामंत्री अनंत समदानी ने बताया कि बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष कमल भूतड़ा सूरत ने की। राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारियों सहित सभी अंचलों के प्रदेशाध्यक्ष, महामंत्री व कार्य समिति सदस्यों ने बैठक में भाग लिया। शुरुआत कमल भूतड़ा, चुनाव अधिकारी अशोक ईनाणी इंदौर, संजीव चांडक वाराणसी एवं नारायण मालपानी मुंबई, सीए अर्जुन मूंदड़ा के आतिथ्य में हुई। बैठक में सर्वसम्मति से विभिन्न विषयों पर चर्चा कर आवश्यक निर्णय किए गए। इसके बाद सर्व सम्मति से राजकुमार काल्या को संगठन के 12वें सत्र के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। पूरे देश से करीब 100 से अधिक प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से यह निर्वाचन किया।

ये थे बैठक में मौजूद

बैठक में प्रदेश अध्यक्ष सीपी नामधराणी, प्रदेश महामंत्री अनंत समदानी, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष ओमप्रकाश तोषनीवाल, उपाध्यक्ष शैलेंद्र झंवर, कोषाध्यक्ष राजेंद्र गगरानी, जिला अध्यक्ष प्रदीप लड्ढा, पूर्व जिला अध्यक्ष भरत लड्ढा, धर्मेंद्र मूंदड़ा, मनीषा मंडोवरा, देवकरण सोमानी, बालकृष्ण सोनी,अखिलेश बसेर, अशोक कलंत्री, महेश चेचानी, शरद झंवर, आदि विशेष रूप से मौजूद थे। देशभर से आये प्रतिनिधित भी इस अवसर पर मौजूद थे।

स्वागत समारोह में हर्ष की गूंज

शाम को वाहन रैली निकाल नवनिर्वाचित अध्यक्ष का स्वागत किया गया। वाहर रैली में खुली जीप में अध्यक्ष काल्या सहित कई पदाधिकारी उपस्थित थे। वाहन रैली कुंभानगर से कलेक्ट्री, नदी पुलिया होकर द्वारिकाधाम पहुंची। यहां नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या के लिए अभिनंदन व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला अध्यक्ष प्रदीप लड्ढा ने किया। अतिथियों में जुगलकिशोर गिड़ला अध्यक्ष माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर, देवकरण गग्गड़ अध्यक्ष यूआईटी, भरत जागेटिया, उपसभापति नगर परिषद, कमल भूतड़ा राष्ट्रीय अध्यक्ष, अशोक ईनानी पूर्व राष्ट्रीय युवा संगठन अध्यक्ष, नारायण मालपानी निर्वतमान युवा राष्ट्रीय महामंत्री, संजीव चांडक निर्वतमान युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष, लोकेश अगाल निर्वतमान युवा प्रदेशाध्यक्ष, अनंत समदानी निर्वतमान युवा प्रदेश महामंत्री, सीपी नामधारी नवनिर्वाचित युवा प्रदेशाध्यक्ष, ममता मोदानी महिला उपाध्यक्ष, शिखा भदादा महिला प्रदेशाध्यक्ष, कुंतल तोषनीवाल, कैलाश मूंदड़ा उपाध्यक्ष सेवा सदन पुष्कर, कैलाश कोठारी जिला अध्यक्ष भीलवाड़ा आदि उपस्थित थे। स्वागत उद्बोधन सीपी नामधरानी दिया गया। इस अवसर पर अनंत समदानी, निर्मल काबरा, देवकरण गग्गड़, ममता मोदानी, जुगल बिड़ला, कमल भूतड़ा आदि ने संबोधित किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री काल्या ने अपने उद्बोधन में महिला संगठन व महासभा के साथ मिलकर समाज के विकास में योगदान देने की इच्छा व्यक्त की। साथ ही युवा संगठन की भावी योजनाओं के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। आभार लोकेश आगाल द्वारा प्रकट किया गया।

श्रीमद्भागवत का आयोजन

भीलवाड़ा। श्री कामधेनु मंदिर समिति एवं बंशीलाल गोविंदप्रसाद सोडानी, बंशीलाल कृष्ण गोपाल कोठारी व रूपलाल सुरेशचंद्र देवपुरा के संयुक्त तत्वावधान में संत श्री कमलकिशोर नागर के श्रीमुख से श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन गत 25 से 31 दिसम्बर तक मोदी ग्राउंड में किया गया। इसमें हजारों भक्तों ने कथा का रसपान किया। यह कथा एक ऐतिहासिक कथा रही व आसपास के ग्रामीण अंचलों के श्रद्धालुओं के आने जाने के लिए 50 बसों की व्यवस्था भी की गई थी।

माहेश्वरी सीओए सदस्य

जयपुर. हैंडीक्रॉप्ट कारीगरों के लिये विशेष रूप से कार्य कर रहे समाजसेवी लेखराज माहेश्वरी पुनः एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल फॉर हैंडीक्रॉफ्ट नईदिल्ली के चुनाव में पुनः निर्विरोध रूप से कमेटी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन मेंबर चुने गये। इस संस्था के देशभर में 10 हजार से अधिक सदस्य हैं। श्री माहेश्वरी वर्ष 1997 से सतत रूप से इस पद पर अपनी सेवा दे रहे हैं।

बैडमिंटन में केशव रहे अव्वल

भीलवाड़ा। अंडर 14 वर्ग की 61वीं जिलास्तरीय बैडमिंटन खेलकूद प्रतियोगिता में 13 वर्षीय केशव समदानी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके पश्चात केशव ने राज्यस्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में भी भीलवाड़ा का प्रतिनिधित्व किया। केशव वरिष्ठ समाजसेवी उदयलाल समदानी के पौत्र व कार्यकारी मंडल सदस्य दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महासभा के महावीर समदानी के सुपुत्र हैं। उल्लेखनीय है कि केशव ने महेश नवमी 2016 में (कक्षा 6 से 8) की टेलेंट सर्च प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त कर स्कॉलरशीप प्राप्त की है।

सोश्यल क्लब अध्यक्ष बने राठी दम्पत्ति

उज्जैन. स्थानीय संस्था माहेश्वरी सोशयल क्लब के चुनाव में नरेंद्र शीला राठी सर्वसम्मति से अध्यक्ष एवं ओमप्रकाश-सुमन पलौड़ सचिव चुने गये। कोटेश्वर में आयोजित पारिवारिक कार्यक्रम में वर्तमान अध्यक्ष नवल-रजनी लखोटिया ने राठी एवं पलौड़ दम्पत्ति को पद की जिम्मेदारी सौंपी। उपस्थित सभी सदस्यों ने लखोटिया दम्पत्ति का उनकी सेवाओं के लिए अभिनंदन किया। कार्यक्रम संयोजक प्रमोद-वंदना जैथलिया थे।

''बैक टू बचपन'' का हुआ आयोजन

मुरैना. माहेश्वरी मंडल जिला सभा द्वारा गत 8 जनवरी को खेल 2017 बैक टू बचपन ''आओ चलें बचपन की ओर'' का आयोजन किया गया। सचिव अजय माहेश्वरी ने बताया कि इसमें नाम के अनुरूप ही क्रिकेट, कपल क्रिकेट, बास्केटबॉल, बैडमिंटन आदि के साथ खो-खो, सितोलिया, जावेलीन थ्रो, रस्साकशी, चेयरसेस जैसे पुराने खेलों का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को पुराने खेलों से परिचित करवाना तथा नई पीढ़ी को बचपन की यादों में ले जाना था। इनका आयोजन डॉ. विवेक राठी व डॉ. अवनिश लड्ढा के सफल निर्देशन में हुआ। इसके साथ बच्चों व बड़ों के स्टेज परफॉर्मेंस का आयोजन भी किया गया। सुभाष राठी, मृदुल सारडा, मितेश भट्टड़, अमित कोठारी आदि ने प्रेरक उद्बोधन दिया। माहेश्वरी महिला व युवा मंडल का भी विशेष सहयोग रहा।

"करोड़ों की भीड़ में 'इतिहास' मुट्ठी भर लोग ही बनाते हैं,
वही रचते हैं 'इतिहास' जोआलोचना से नहीं घबराते हैं।"

दिल्ली प्रा. महिला संगठन की प्रथम बैठक सम्पन्न

दिल्ली। प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा सत्र का भव्य शुभारंभ गत 13 जनवरी को प्रथम कार्यकारिणी बैठक, कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर व नव निर्देशिका के लोकार्पण के साथ किया गया। अतिथि के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना गगरानी, पूर्व अध्यक्ष शोभा सादानी, संगठन मंत्री मंजू बांगड़, उत्तरांचल उपाध्यक्ष कांता गगरानी व उत्तरांचल सहमंत्री शर्मिला राठी उपस्थित थीं। महासभा के नवनिर्वाचित सभापति श्याम सोनी विशेष रूप से उपस्थित थे। विनिता बियाणी, आशा जैथलिया, स्वागताध्यक्ष कृष्णा काबरा ने अपना विशेष सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर मनोरंजक खेलों के माध्यम से कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया। एकादश सत्र की समिति के प्रभारियों ने भी अपनी-अपनी कार्य योजनाओं के बारे में अवगत कराया। प्रदेश अध्यक्ष किरण लड्ढा ने सभी का स्वागत करते हुए आगामी सत्र के लक्ष्य व योजनाओं के बारे में बताया। सचिव श्यामा भांगडिया ने संगठन की विशेष उपलब्धियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। डायरेक्ट्री की सम्पादिका अंजू सोमाणी व रीतु कोठारी ने नवनिर्देशिका का अतिथियों से लोकार्पण करवाया।

तमिलनाडु केरल पांडीचेरी प्रदेश सभा के चुनाव सम्पन्न

चेंगलपेट. तमिलनाडु केरल पांडीचेरी प्रादेशिक माहेश्वरी सभा की एकआम सभा गत 14 जनवरी को चेंगलपेट श्री माहेश्वरी सभा के तत्वावधान में आयोजित की गई। इस अवसर पर चुनाव अधीक्षक विनयकिशोर कासट द्वारा चुनाव सुचारु रूप से संपन्न किए गए। इसमें अध्यक्ष अमृतलाल चांडक, उपाध्यक्ष शंकरलाल राठी, जगदीप्रसाद पोरवाल व आलोककुमार साबू, महासचिव प्रेम बिसानी, सहसचिव कैलाश सारडा, किशोरीलाल बिसानी, जीवनसिंह मोहता, कोषाध्यक्ष प्रमोदकुमार मालपानी व संगठन मंत्री मनोहरलाल सांवल चुने गये। इसी अवसर पर महासभा कार्यसमिति सदस्य चंद्रप्रकाश मालपानी तथा तमिलनाडु केरल पांडीचेरी प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन में अध्यक्ष पुष्पलता झँवर, मंत्री सुनीता बिसानी चुनी गईं।

हृदय को स्वस्थ रखने के लिये स्वास्थ्य वर्धक खान-पान

अकोला. हृदय को स्वस्थ रखने के लिये स्वास्थ्य वर्धक खान-पान अर्थात् भोजन में ताजी सब्जियों, साबुत-फायबर युक्त अनाज एवं फलों का अधिक मात्रा में सेवन करें। चाय-कॉफी , जंकफूड से दूर रहे, पर्याप्त नींद लें व तनाव से उबरने के लिये योग क्रिया का सहारा लें। कम से कम आधा घंटा, रोज यथासंभव गति से सैर करें। उक्त जानकारी डॉ. दिनेश राठी ने अकोला माहेश्वरी समाज वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ की त्रैमासिक सभा में सुदृढ़हृदय विषय पर दी। मंच पर प्रकोष्ठ अध्यक्ष मोहनलाल नथाणी के साथ मुख्य अतिथि डॉ. एम.एल. राठी, प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष रमणभाई लाहोटी, पूर्व अध्यक्ष शंकरलाल बियाणी, शिवभगवान भाला आदि उपस्थित थे। प्रकोष्ठ सचिव देवकिशन भट्टड ने बताया कि दिवंगतों को श्रद्धांजलि देने के बाद जिन सदस्यों का जन्मदिन था उनका एवं नए सदस्यों का स्वागत किया गया। इसी के साथ दाम्पत्य जीवन के पचास वर्ष पूर्ण करने वाले सदस्यों का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रकोष्ठ सहसचिव जयप्रकाश अट्टल एवं डॉ. देवकिशन बाहेती ने किया। इस अवसर पर डॉ. एम.एल. राठी द्वारा सड़क सुरक्षा सप्ताह संबंधी जानकारी दी गई।

मकर संक्रांति पर किया भंडारा

रायपुर. मकर संक्रांति पर छत्तीसगढ़माहेश्वरी महिला संगठन ने जगदलपुर शहर के मेन बाजार संजय मार्केट में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। 5 घंटे के इस विशाल भंडारे में जनमानस के लिए पूड़ी, सब्जी, बड़ा, तिल्ली के लड्डू, चाय, पानी आदि का वितरण किया गया। सभी सदस्याओं का अंतिम दौर तक सहयोग मिलता रहा। बिलासपुर महिला मंडल द्वारा ब्लाइंड गर्ल्स स्कूल व आवास में 100 बेडशीट प्रदान की गयी। महिला मंडल की सदस्याओं ने उनके सांस्कृतिक प्रोग्राम में अपनी उपस्थिति दी। मकर संक्रांति के पर्व पर रायपुर जिला के कार्यक्रम में बाल आश्रम के बच्चों को भोजन करवाया गया व वृद्धाश्रम में आंख एवं जांच शिविर का आयोजन डोगरगढ़ माहेश्वरी महिला द्वारा करते बालाश्रम एवं वृद्धाश्रम में भोजन व जरूरत का सामान बांटा गया। जानकारी प्रचार-प्रसार मंत्री रूपा मूंधड़ा ने दी।

आकांक्षा बनीं सीए

भीलवाड़ा। समाज सदस्य रमेशचंद्र-चंद्रादेवी की सुपुत्री आकांक्षा जागेटिया ने सीए परीक्षा उत्तीर्ण की। आकांक्षा शुरू से ही मेधावी छात्रा रही। आकांक्षा जून 2016 में सीएस भी उत्तीर्ण किया है। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

> हे ईश्वर...
> आईना साफ किया
> तो 'मैं' नजर आया
> और 'मैं' को साफ किया
> तो 'तू' नजर आया।

छात्रावास में स्वेटर वितरण

उदयपुर। राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद द्वारा संचालित राणा पूंजा जनजाति महाविद्यालयी छात्रावास उदयपुर के 43 विद्यार्थियों को समाज सेवी अर्जुनलाल जमनेश एवं राजकुमारी धुप्पड़ ने 10 हजार रुपये के स्वेटर वितरित कर शीतलहर में राहत प्रदान की। इस कार्य के प्रेरक वरिष्ठ समाजसेवी मुरलीधर गट्टानी थे। इस अवसर पर जमनेश धुप्पड़ ने विद्यार्थियों को संबोधित भी किया।

नामधराणी बने युवा संगठन प्रदेश अध्यक्ष

गंगरार (चित्तौड़गढ़)। समाजसेवी सी.पी. नामधरानी को दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन का निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष चुना गया। मुख्य चुनाव अधिकारी रमेशचंद्र राठी ने बताया कि एक होटल पर आयोजित चुनाव में 65 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सभी ने एक मत से श्री नामधरानी का प्रदेशाध्यक्ष के लिए नाम प्रस्तुत किया। इस अवसर पर महामंत्री राजकुमार काल्या, प्रदेश अध्यक्ष लोकेश आगाल, महामंत्री अनंत समदानी, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री शिव काष्ट, जिला अध्यक्ष प्रदीप लड्ढा एवं महामंत्री राकेश जैथलिया अतिथि के रूप में उपस्थित थे। गंगरार आगमन पर मिट्ठूलाल काखानी, तहसील अध्यक्ष रामस्वरूप मूंदड़ा, कन्हैयालाल काखानी आदि ने श्री नामधरानी का स्वागत किया।

> क्रोध के समय
> थोड़ा रुक जायें
> और गलती के समय
> थोड़ा झुक जायें
> दुनिया की सब समस्याऐं
> हल हो जायेंगी।

अकोला माहेश्वरी ई संपर्क एप लोकार्पित

अकोला. स्थानीय माहेश्वरी भवन में जिला माहेश्वरी संगठन द्वारा सर्वसम्मति से चयनित अ.भा. माहेश्वरी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्यामसुंदर सोनी सम्मान समारोह एवं अकोला माहेश्वरी सर्कल द्वारा संचालित अकोला माहेश्वरी ई-संपर्क ऍप का लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मंच पर श्री सोनी के साथ राष्ट्रीय महिला संगठन अध्यक्ष कल्पना गगडानी, विदर्भ प्रदेशाध्यक्ष मदन मालपाणी, विदर्भ प्रदेश महिला संगठन अध्यक्ष ज्योति बाहेती, बेंगलुरु के उद्योगपति आनंद साबू, माहेश्वरी समाज ट्रस्ट अध्यक्ष रमेश चांडक, जिलाध्यक्ष राजेश राठी एवं डॉ. देवकिशन बाहेती आदि अतिथि थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्रीकांत मालपाणी एवं आभार प्रदर्शन राजेश मानधणे ने किया। संजय सारडा, नंदकिशोर बाहेती, खूबचंद राठी, गणेश मूंदड़ा, मंगल करवा, कृष्णा लड्ढा, पूजा पनपालिया, संयुक्ता हेड़ा सहित समाज के समस्त संगठनों के सदस्यों का योगदान रहा।

बड़ी धूमधाम से मनाया गया मकर संक्रांति पर्व

भीलवाड़ा. आर.के. व आर.सी. माहेश्वरी मंडल द्वारा अध्यक्ष वंदना नुवाल व सचिव इंदिरा हेड़ा के नेतृत्व में मकर संक्रांति पर्व व नववर्ष धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम के तहत मंडल की सदस्याओं द्वारा कई खेल तथा व्यंजन बनाओ स्पर्धाएं आयोजित की गईं। मुख्य अतिथि के रूप में शिखा भदादा, ममता मोदानी, शोभा भदादा, सीमा कोगटा व अनिल अजमेरा को आमंत्रित किया गया। अंत में स्नेहभोज का आयोजन किया गया।

जिलाध्यक्ष एवम् सचिव ने किया दौरा

पिपरिया। माहेश्वरी युवा संगठन के जिला अध्यक्ष व सचिव ने पिपरिया बनखेड़ी का दौराकर युवा संगठन के कार्यकर्ताओं से मिल सामाजिक गतिविधियों पर चर्चा की। इसके अंतर्गत जिलाध्यक्ष सर्वेश सोमाणी हरदा, सचिव ऋषभ खटलोया सिवनी मालवा, ए.के. तोतला हरदा, पूर्व जिलाध्यक्ष जगमोहन बाहेती पिपरिया ने जिलाध्यक्ष बालकिशन टावरी के निवास पर पहुंच कार्यकर्ताओं की बैठक ली। इस दौरान सेवा मंडल के सचिव अजय घुरका, युवा संगठन के अध्यक्ष निखिल सर्राफ, सचिव पराग लोया, राजेंद्र गोदानी, नंदकुमार चांडक, दीपक मूंदड़ा, गोविंद गट्टानी सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

प्रदेशाध्यक्ष ईनानी ने थामी पश्चिमी म.प्र. की बागडोर

प्रदेश के साथ आगर जिला संगठन ने भी ली पद की शपथ, महासभा सभापति सोनी भी पहुँचे शुभकामना देने

आगर-मालवा. नववर्ष की शुभ बेला में 1 जनवरी को आगर माहेश्वरी भवन में प.म.प्र. प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजेंद्र ईनाणी और समस्त पदाधिकारियों ने पद की शपथ ली। इसके साथ ही आगर-शाजापुर जिला माहेश्वरी सभा के नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष विनय मालानी के नेतृत्व में गठित जिला पदाधिकारियों और महिला संगठन जिलाध्यक्ष वंदना मालानी के नेतृत्व में गठित जिला महिला संगठन का शपथविधि कार्यक्रम भी सम्पन्न हुआ। खराब मौसम के कारण फ्लाइट देर से आने से मुख्य अतिथि महासभा सभापति श्याम सोनी देरी से पहुँच पाए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मनोहर ऊंटवाल सांसद एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री थे। गोपाल डाड (उपसचिव मप्र शासन), महेश तोतला, राजेंद्र ईनाणी, गोविंद मालू (वरिष्ठ भाजपा नेता), विनय मालानी, सुशीला काबरा, निर्मला बाहेती, अरुणा बाहेती, वंदना मालानी, शिरोमणि गिलड़ा, डॉ. आरएस माहेश्वरी (लुधियाना), द्वारका मंत्री (भजन सम्राट), सागरमल खटौड़, संपत मोदानी, चतुर्भुज माहेश्वरी, महेंद्र माहेश्वरी सहित प्रदेश सभा के वर्तमान और नवनिर्वाचित पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति थी। कार्यक्रम का आतिथ्य कर रहे आगर माहेश्वरी समाज की ओर से महेश माहेश्वरी ने तथा आयोजक आगर-शाजापुर जिला की ओर से स्वागताध्यक्ष सागरमल खटौड़ और प्रदेश सभा की ओर से अध्यक्ष महेश तोतला ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। इसके पूर्व सभी आगंतुक समाज बंधुओं का पंजीयन कर तिलक लगाकर उपरना ओढ़ाकर आगर युवा संगठन और महिला संगठन सदस्यों ने आत्मीयता से स्वागत कर स्वल्पाहार कराया। स्वल्पाहार के बाद ख्यात भजन गायक द्वारका मंत्री ने अपनी मधुर आवाज और साज की टीम के साथ भजनों की प्रस्तुति दी। आगर माहेश्वरी समाज के कार्यों और गतिविधियों से सभी समाजबंधुओं को हरिवल्लभ मूंदडा ने अवगत कराया।

25 फीसदी समय व आय दोनों समाज के : श्री सोनी

खराब मौसम के कारण कार्यक्रम में देरी से पहुँचे अभा माहेश्वरी महासभा के नवनिर्वाचित सभापति श्यामसुंदर सोनी ने पहुँचते ही सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएँ देते हुए अपने उद्‌बोधन में कहा कि पद या सम्मान समाज की दिशा व दशा बदलने के लिये हैं। अतः सभी पदाधिकारी अपने पदों की जिम्मेदारी समझें। समाज को दिये अपने संबोधन में श्री सोनी ने घोषणा की कि वे अपने कार्यकाल के इन तीन वर्षों में अपना 25 प्रतिशत समय व 25 प्रतिशत आय दोनों समाज को समर्पित कर देंगे। श्री सोनी ने अपनी भावी कार्ययोजना की जानकारी देते हुए बताया कि महासभा के नागपुर कार्यालय में हेल्पलाइन नंबर शुरू किया जा रहा है। इस पर मिस्ड कॉल देने पर आगामी 6 माह में समाज के हर समाजजन के मोबाइल नंबर दर्ज हो जाएंगे। इसके द्वारा समाजजन अपनी समस्या महासभा के सामने रख सकेंगे। इसके साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग भी 6 माह के अंदर प्रारंभ की जाएगी, जिससे प्रतिमाह अंचलों के पदाधिकारी सीधे चर्चा कर सकेंगे। उन्होंने समाज के प्रतिभाशाली बच्चों की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह हमारे जींस की विशेषता है, इसके साथ ही उन्होंने कमजोर बच्चों के लिये भी विशेष प्रयास करने पर बल दिया, जिससे वे अव्वल आ सकें। समाज सुधार के मुद्दे पर श्री सोनी ने कहा कि 100 साल की महासभा के कर्णधार शुरुआत से ही समाज सुधार करते रहे हैं। इसमें समयानुसार समस्याएँ बदलती रहीं, लेकिन हर समस्या का समाधान हुआ। इसी तरह आवश्यकता वर्तमान समय की कुरीतियों को पहचानते हुए इन्हें दूर करने की भी है। इसके लिये समाज में जनजागरण करना होगा।

जिला संगठनों ने भी ली पद की शपथ

सांसद मनोहर ऊंटवाल ने आगर-शाजापुर जिलाध्यक्ष विनय मालानी के नेतृत्व में सभी नवनिर्वाचित जिला पदाधिकारियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलायी। अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला काबरा ने महिला मंडल जिलाध्यक्ष वंदना मालानी सहित समस्त जिला पदाधिकारियों को शपथ दिलाकर पदभार ग्रहण कराया। वर्तमान जिलाध्यक्ष शिरोमणि गिलड़ा ने नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष वंदना मालानी को बैच लगाकर दायित्व सौंपकर शुभकामना दी।

चुनाव अधिकारी ने दिलाई प्रदेश संगठन को शपथ

रवींद्र राठी संयोजक महेश पैनल ने मंच से संबोधित करते हुए नवनिर्वाचित महेश पैनल की चुनावी रणनीति और सफलता के प्रयासों, विशेषकर जिलाध्यक्ष विनय मालानी के प्रथम शंखनाद को जीत की नींव रखने वाला बताकर सभी समाजजनों का धन्यवाद दिया। इसके साथ ही उन्होंने नवनिर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष राजेंद्र ईनाणी सहित समस्त पदाधिकारियों को शपथ लेने के लिये मंच पर आमंत्रित किया। प्रदेश के मुख्य चुनाव अधिकारी गोविंददास मोदानी ने सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को प्रमाण-पत्र सौंपने के बाद शपथ ग्रहण करवाई। पुराने पदाधिकारियों ने नए पदाधिकारियों को पिन लगाकर पदभार सौंपा।

ईनानी युवाओं को सौंपेंगे बड़ी जिम्मेदारी

नवनिर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष ईनाणी ने अपने पहले अध्यक्षीय उद्बोधन में सभी को धन्यवाद देते हुऐ आगामी योजना, कार्यक्रम व प्राथमिकताएँ बताईं। उन्होंने अपने कार्यकाल में द्रुतगति से काम करने और युवाओं को महती जिम्मेदारी देने की अपनी मंशा जाहिर करते हुए विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रभारियों के नामों की घोषणा के साथ अतिमहत्वपूर्ण 'राजनैतिक प्रकोष्ठ' का प्रदेश प्रभारी विनय मालानी को बनाया। उपस्थित सभी समाजबंधुओं ने घोषणा का करतल ध्वनि से स्वागत किया। इसके साथ ही रवींद्र राठी के मुख्य संयोजकत्व में गठित प्रदेश की 'संविधान संशोधन समिति' में भी श्री मालानी को सहसंयोजक की महती जिम्मेदारी सौंपी।

समाज के गौरव का किया सम्मान

इस अवसर पर अपने विशेष सराहनीय कार्यों से माहेश्वरी समाज का नाम प्रदेश और देश में चमकाने वाले समाजबंधुओं को सम्मानित किया गया। इनमें उपसचिव मप्र शासन व पूर्व अपर मेला सिंहस्थ अधिकारी गोपाल डाड, न्यायमूर्ति बी.डी. राठी, डॉ. आरएस माहेश्वरी (डायरेक्टर लाइफ लाइन हॉस्पिटल) तथा द्वारका मंत्री (भजन सम्राट) शामिल हैं। इन्हें 'समाज गौरव-रत्न' सम्मान से अलंकृत कर विशेष स्मृति-चिह्न देकर शॉल-श्रीफल और पगड़ी पहनाकर मंचासीन अतिथियों ने सम्मानित किया। सभी समाज गौरवों ने अपने अनुभव और विचारों से सभी को अवगत कराया। अ.भा. माहेश्वरी महासभा के मोहन राठी (उपसभापति-मध्यांचल) ने स्वागत पश्चात संबोधन में आगामी कार्ययोजना रखी। सांसद और विशिष्ट अतिथि मनोहर ऊंटवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'कैशलेस' आह्वान का अधिकतम पालन करने की शपथ दिलायी। मंचासीन अतिथियों ने प्रदेश सभा के नये वर्ष के कैलेंडर का विमोचन किया। इस अवसर पर मानद मंत्री पुष्प माहेश्वरी, देवास जिला अध्यक्ष राजेश धूत, श्री माहेश्वरी टाईम्स सम्पादक पुष्कर बाहेती व गोविंद मालू सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

जोधपुर विशेषांक प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएँ

Undergarments
Night Suites
Yoga Sets
Nighly
Slips
Gowns
Bath Gowns
Shorts Capri
Slimming Items

स्वयं को सर्वोत्तम बनायें

शुभम् अपेरल्स

प्रथम बी रोड, कमल टॉवर के पास, सरदारपुरा,
जोधपुर (राज.)-342003, मो. 93094 49900
E-mail : naturaljodhpur@gmail.com

कैसे रहें सड़क पर सुरक्षित

अकोला। गत 11 से 17 जनवरी तक राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह में अकोला माहेश्वरी समाज वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ द्वारा शहर के नागरिकों, विशेषतः युवाओं में ट्रेफिक के नियमों के पालन हेतु जनजागृति अभियान पूरे सप्ताह चलाया गया। इस के अंतर्गत सड़कों पर राह चलते घटित होने वाली दुर्घटनाओं के कारण व उपाय संबंधी जानकारी तैयार कर स्कूल, कॉलेजेस, कोचिंग क्लासेस के छात्रों को दी एवं जगह-जगह पेट्रोल पम्प्स पर पेम्प्लेट्स वितरित किये गये। 16 जनवरी को खंडेलवाल महाविद्यालय में प्रकल्प प्रमुख अस्थिरोग विशेषज्ञ डॉ. एम.एम. राठी द्वारा स्लॉइड शो के माध्यम से देश में होने वाली दुर्घटनाओं का प्रमाण, उसके कारण, परिणाम व रोकथाम पर छात्रों को मार्गदर्शन दिया गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. जगदीश साबू ने भी छात्रों का यातायात के नियमों का पालन करने के लिये आह्वान किया। इस कार्यक्रम में प्रकोष्ठ के पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य मोहनलाल नथ्थाणी, शंकरलाल चांडक, शंकरलाल बियाणी, ओमप्रकाश जाजू, देवकिशन भट्टड, घनश्याम भट्टड, कमलकिशोर बियाणी, चौथमल सारड़ा, बालकिशन मानधणे, चंद्रमोहन टावरी, दिनेश मंडोरा, शिवभगवान भाला, राधेश्याम भंसाली, गोकुलचंद झंवर आदि का सहयोग प्राप्त हुआ।

"अच्छे लोगों की इज्जत कभी कम नहीं होती
सोने के सौ टुकड़े करो,
फिर भी कीमत कम नहीं होती।"

सेवल्या माताजी के जयकारों से गूँजा ओसियाँ

चतुर्थ पाटोत्सव को लेकर हुए अनेक धार्मिक कार्यक्रम, स्वागत सम्मान समारोह के साथ संगोष्ठी

ओसिया। गत 11 व 12 जनवरी को सेवल्या माताजी ओसिया का चतुर्थ पाटोत्सव स्वागत सम्मान समारोह व संगोष्ठी के साथ धूमधाम से सम्पन्न हुआ। इसमें अनेक धार्मिक आयोजन हुए, जिसमें देशभर से आये श्रद्धालु शामिल हुए।

मंदिर ट्रस्ट के सचिव जे.पी. सोनी ने बताया कि पाटोत्सव को लेकर मंदिर परिसर को आकर्षक रोशनी से सजाया गया व मार्ग में अनेक जगह स्वागत द्वार लगाये गये। 11 जनवरी रात्रि में मंदिर परिसर में जागरण का आयोजन हुआ, जिसमें कानूडा भक्त मंडल द्वारा माताजी के भजनों की प्रस्तुतियाँ दी गई। जिसमें श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। अगले दिन 12 जनवरी को सुबह से पाटोत्सव को लेकर अनेक कार्यक्रम प्रारंभ हो गये। इसके अंतर्गत प्रातः 9.30 बजे मंदिर परिसर से विशाल ध्वज यात्रा शुरू हुई जिसमें आगे युवा साथी दुपहिया वाहन पर सेवल्या माताजी के जयकारे लगाते हुए शामिल हुए। सभी भक्तों के हाथों में लाल ध्वजा, गले में दुपट्टा व माथे पर माताजी की पट्टी लगाये हुए थे। यह ध्वज यात्रा शहर के मुख्य मार्ग देवला घेरा, सदर बाजार, तहसील रोड, माहेश्वरी बगीची आदि से होती हुई मंदिर परिसर पहुंची।

महाअभिषेक, हवन व महाप्रसादी

महाअभिषेक व हवन के कार्यक्रम के यजमान मुकुंदचंद रमेशचंद सोनी व बाबूलाल घनश्याम सोनी भोजासर परिवार थे। हवन में भक्तों ने आहुतियाँ देते हुए सर्वमंगल कामना की व अंत में शाम को महाआरती हुई। इसमें सैकड़ों भक्तों ने माता के दर्शन कर महाप्रसादी का भोग लगाया, जिसमें शहर के कई गणमान्यजन मौजूद थे।

स्वागत सम्मान समारोह के साथ संगोष्ठी

माहेश्वरी भवन में समाज के उच्च पदों पर नवनिर्वाचित समाजजनों का स्वागत समारोह व सामाजिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें मंचासीन अतिथि नवनिर्वाचित अ.भा. मा. महासभा के सभापति श्यामसुंदर सोनी, महामंत्री संदीप काबरा, राज. पश्चिमांचल प्रादे. माहे. सभा के अध्यक्ष जे.एम. बूब, जोधपुर जिला माहेश्वर सभा के अध्यक्ष रतनलाल डागा, महिला मंडल की जिला अध्यक्ष उर्मिला तापड़िया का मंदिर समिति ओसिया महिला संगठन व युवा संगठन द्वारा माल्यार्पण कर स्मृति चिह्न भेंट करते हुए शाल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर श्री राम ग्रुप के भंवरलाल सोनी, जोधपुर

माहेश्वरी समाज के मंत्री दामोदरलाल बंग, तहसील अध्यक्ष चांदमल डागा, सचिव सुनील लाहोटी, जिला संगठन मंत्री नथमल सोनी, भगवानदास राठी, सेवल्या माता ट्रस्ट अध्यक्ष रामविलास सोनी, सचिव जे.पी. सोनी, माहेश्वरी समाज सचिव पुखराज चांडक, तहसील युवा अध्यक्ष मुकेश चांडक, दिलीप सोनी, महिला मंडल अध्यक्ष पूनम चांडक, पूर्व महिला मंडल अध्यक्ष गायत्री सोनी, जिला महिला उपाध्यक्ष ललिता सोनी सहित बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं व पुरुषों की उपस्थिति थी।

समाज को दिखाई दिशा

इस अवसर पर नवनिर्वाचित सभापति श्री सोनी ने कहा कि आज समाज का एकजुट होकर आगे बढ़ने की जरूरत है। आज समाज में प्रभावशाली व्यक्तियों की कमी नहीं है, बस जरुरत है तो उनके द्वारा समाज के दुर्बल व आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को आगे लाने का प्रयास करने की। साथ ही उन्होंने महासभा की नई बन रही योजनाओं के बारे में अवगत कराया, जिसमें लिंगानुपात की समस्या के लिए तीसरी संतान लड़की के जन्म पर 21000/- की एफ.डी. देने की योजना व 80 प्रतिशत लोग जो महासभा की योजनाओं से नहीं जुड़े उनको एसएमएस, वाट्सएप के माध्यम से जोड़ना शामिल है। महामंत्री श्री काबरा ने कहा कि समाज में स्वागत सत्कार की चल रही परम्परा को छोड़कर एक नई सोच के साथ युवा पीढ़ी का समाज हित में कार्य करने के लिये आह्वान किया। जे.एम. बूब व रतनलाल डागा ने भी अपने विचार रखें। ट्रस्ट सचिव जे.पी. सोनी ने अपनी बात रखते हुए कहा कि जिसके भी तीसरी संतान वर्तमान में हो उसको भी महासभा की चलने वाली 21 हजार रुपये की एफ.डी. योजना में शामिल किया जाये।

ये बने कार्यक्रम के सहयोगी

सेवल्या माताजी समिति के सभी ट्रस्टी, संरक्षक भंवरलाल सोनी, अध्यक्ष रामविलास सोनी, कार्यवाहक अध्यक्ष भंवरलाल सोनी, उपाध्यक्ष सेवाराम सोनी, कैलाश नारायण सोनी, सहसचिव मुकंदचंद सोनी, वीरेंद्र सोनी, कोषाध्यक्ष नंदकिशोर सोनी व व्यवस्थापक पवन सोनी का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन रोहित सोनी ने किया। सभी कार्यक्रम सम्पन्न होने के बाद साधारण सभा की बैठक मंदिर परिसर में सायं को सम्पन्न हुई, इसमें सभी ट्रस्टियों ने भाग लिया। इसमें विधान में परिवर्तन करते हुए सर्वसम्मति से निर्णय लेकर संवत 2080 तक हवन यजमान बनाने हेतु राशि 11000/- से बढ़ाकर 15000/- की गई।

जिला माहेश्वरी सभा कार्यसमिति की बैठक सम्पन्न

भीलवाड़ा. जिला माहेश्वरी सभा कार्यसमिति की बैठक उपनगर सांगानेर स्थित निजी फॉर्म हाउस पर जिलाध्यक्ष कैलाश कोठारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इसमें कई मुद्दों पर चर्चा के साथ ही जिलाध्यक्ष कोठारी ने कार्यकारिणी का गठन किया। इसमें देवेंद्र सोमानी जिला मंत्री, दिनदयाल मारू वरिष्ठ उपाध्यक्ष, मुरलीधर काबरा व सत्यनारायण मंडोवरा उपाध्यक्ष, रमेश राठी कोषाध्यक्ष, कमल बांगड़ संगठन मंत्री, शंकरलाल गग्गड़, कृष्णगोपाल सोनी व लोकेश आगाल संयुक्त मंत्री एवं राजेंद्र भदादा कार्यालय मंत्री मनोनीत किया गया।

गरीबों को कंबल बांटे

वरंगल. माहेश्वरी महिला मंडल, वरंगल ने ठंड को देखते हुए गरीबों को कंबल वितरित किए। सदस्यों की ओर से भीषण सर्दी में रोड, मंदिरों के बाहर रहने वाले 100 गरीबों को कंबल बांटे गए। इस वर्ष ठंड ज्यादा रहने से माहेश्वरी महिला मंडल के सदस्यों के इस कार्य की सभी ने सराहना की। अभियान में सभी सदस्यों का सहयोग रहा।

कविता -
सौ. सुमिता-राजकुमार मूंधड़ा

परणावन री उमर है बीते कीन्हे दीज्यो दोष

छोटो मुँह बड़ी बात कहूंए दीज्यो क्षमा दान।
मंसूबो नहीं तनिक भी म्हारो करणा रो अपमान।।

ताली एक हाथ सूं ना बाजैए यो है जगजाहिर।
छोरा.छोरियां दोनू है दोषी कोई नहीं कम माहिर।।

छोरा सूं आदमी बणग्या एडग्या सगळा बाल।
पर छोरी स पहलपूछ नौकरी और पगार।।

कमाऊ बीवी री चाहत मंए उमर हो रही पार।
पर डिग्री वारी छोरी रीए है चाहत बड़ी अपार।।

जॉब व्यापार करणों चावै पढ़ी.लिखी मॉर्डन नार।
मेट्रो सिटी को घर.वर होव् होव् बंगलो . कार।।

संयुक्त परिवार लागे जंजाल सास ससूर लागे भार।
घूमन फिरने स नेह अपार पाटिऱ्यां स रेव प्यार।।

महँगाई री मार पड़ हैए दिखाओ बण्यो संसार।
एक अकेलो नहीं कर पावैए जीवन नैया पार।।

माँ. बाप भी मूक खड्या है खुद नं समझ गंवार।
पढ़या.लिख्या टाबरां क आगे कोनी कर तकरार।।

ना दोष दयो माँ बाप नं एष्सुमिताष् करे है विचार।
छोरा. छोरियां दोनू चावए बराबर रो जोड़ीदार।।

अमित व अक्षय बने सीए

धामनगांव रेलवे. घुसली कामलापुर कस्बे के वरिष्ठ चंपालाल व रुक्माबाई चांडक के सुपौत्र तथा कमलकिशोर चांडक व ललिता चांडक के सुपुत्र अमित तथा अक्षय चांडक दोनों ने सीए की परीक्षा उत्तीर्ण की है। उल्लेखनीय है कि उनका परिवार एक ग्रामीण कृषक परिवार है। अमित एवं अक्षय दोनों ने ही अपनी बारहवीं तक की पढ़ाई धामनगाँव रेलवे स्थित हाईस्कूल से पूर्ण की। अमित ने सीए फाइनल और आर्टिकलशीप मुंबई से पूरी की है। अक्षय को बेस्ट आर्टिकल के प्रथम पुरस्कार से भी नवाजा गया है। सभी स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है।

महिला संगठन ने मनाया बड़े अनोखे ढंग से संक्रांति पर्व

हैदराबाद। आंध्रप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन ने अपना संक्रांति उत्सव बड़े अनोखे ढंग से मनाया। इस बार संस्था के सदस्यों ने निम्बोलीअड़ा "गवर्नमेंट आब्जर्वेशन होम फॉर गर्ल्स" में जाकर लगभग 150 बालिकाओं को दुपट्टे, स्नेक्स, जरुरत के कपड़े, नैपकिन इत्यादि वितरित किये। इसके साथ ही उन बच्चों की शारीरिक सफाई पर कार्यशाला भी आयोजित की। बच्चों के साथ दिनभर समय व्यतीत करने के साथ शाकाहारी भोजन पर भी प्रकाश डाला गया। संस्था अध्यक्ष रेणु सारड़ा ने बताया कि इस कार्यक्रम में विजयलक्ष्मी काबरा, संस्था मंत्री उर्मिला साबू, कोषाध्यक्षा रजनी राठी, रत्नमाला साबू, पुष्पा दरक, संतोष मालपानी, मंजू लाहोटी, लता दरक, सीमा इन्नानी, किरण बंग, संगीता भूतड़ा, चंद्रकला बंग, सीता बजाज, अनसूया पसारी, मंजू पोरवाल, संतोष लाहोटी, पदमा बजाज आदि का सहयोग रहा।

'आशीर्वाद दादा-दादी सम्मान समारोह' व सांस्कृतिक कार्यक्रम

वाराणसी. माहेश्वरी क्लब वाराणसी के तत्वावधान में महमुरगंज स्थित शगुन लॉन में "आशीर्वाद-दादा-दादी सम्मान समारोह" व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता क्लब के अध्यक्ष मनीष माहेश्वरी ने की। भजन के साथ पुष्प धूत व श्रेया सोमानी ने परिवार के साथ मंच पर प्रस्तुति तथा श्वेता राठी ने गीत की प्रस्तुति दी। इसके बाद दादा-दादियों के सम्मान में सुंदरदेवी मारू, जेठमल चांडक, विमलादेवी राठी, गोदावरीदेवी झंवर, कौशल्यादेवी सोनी, मथुरालाल राठी, भंवरलाल राठी, पुरुषोत्तम जाजू, डॉ. प्रेमनारायण सोमानी सहित 60 दादा-दादी का सम्मान श्रीराम माहेश्वरी व रितु दुजारी द्वारा किया गया। मनीष माहेश्वरी व आनंद झंवर ने सभी दादा-दादियों को सम्मान पत्र भेंट किए। राम दुजारी, गौरीशंकर नेवार, ऊँकार माहेश्वरी, श्रवण करवा, धीरज मल, सुभाष राठी, कोमल मूंदड़ा, दीपक माहेश्वरी, अशोक डागा, समेत पूरा समाज उपस्थित था। संचालन रवि सारडा व सिद्धार्थ मारू ने किया। स्वागत निकुंज सोनी, सोनिया मूंदड़ा ने किया। आभार आलोक झंवर ने माना।

महिला समिति द्वारा मकर संक्रांति पर जनसेवा

बरेली। स्थानीय माहेश्वरी महिला समिति द्वारा मकर संक्रांति पर्व जनसेवा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान शंकर की पूजा से हुआ। तदुपरांत राहगीरों व जरूरतमंदों को चाय, समोसे, गजक, रेवड़ी आदि का वितरण किया गया। आयोजन को सफल बनाने में दिव्या, मनीषा, रेखा, रुचि, कुमकुम, इंदिरा, मंजू आदि ने सहयोग दिया। दुर्गा देवी झंवर, सुनीता देवी साबू, नितिन अंजलि कासट, किशन काबरा आदि समस्त सदस्याओं का योगदान रहा। आभार रुचि व शशि साबू ने माना।

बच्चों को दिया प्रकृति प्रेम का संदेश

बीकानेर. बी.के.बी. माहेश्वरी पब्लिक स्कूल द्वारा स्कूल प्रांगण में मेले का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सरला लोहिया व कल्पना जैन की उपस्थिति में मेले का शुभारंभ हुआ। संस्था प्रधान डॉ. सुधा सोनी के अनुसार मेले का मुख्य आकर्षण प्रकृति थीम पर बच्चों द्वारा बनाए गए मॉडल व चार्ट रहे। साथ ही जाने-माने आर्टिस्ट ठाकुरदास द्वारा विभिन्न जानवरों व पक्षियों की आवाज व कठपुतली प्रदर्शन कर बच्चों का मनोरंजन किया। संस्था के किशन दम्माणी के अनुसार शाला के विद्यार्थी, अन्य स्कूलों व संस्थाओं से आए विद्यार्थियों ने प्रस्तुतियां दी। पुस्तकों, खिलौनों, गेम्स व फूड स्टॉल पर दिनभर भीड़ रही। संस्थान के अध्यक्ष बृजमोहन चांडक ने बताया इस तरह के आयोजन सभी संस्थाओं व वर्गों को जोड़ने का काम करते हैं। अविनाश जोशी, रघुवीर झंवर, सुरेश दम्माणी, रेखा लोहिया, टी.के. जैन, नारायण दम्माणी, किरण झंवर आदि मौजूद थे।

With Best Compliments From

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

NATURAL STONE

Granite | Marble | Tiles | Sand Stone

62, Shri Rawat Ram Nagar, Near Dhanwantri Hospital
Pal Road, Jodhpur (Raj.)-342001, Tel : 93094 49900, 94149 17082
E-mail : naturaljodhpur@gmail.com

नारी सशक्तिकरण पर सेमिनार

छिंदवाड़ा. नारी सशक्तिकरण पर छिंदवाड़ा जिला माहेश्वरी महिला मंडल के द्वारा गर्ल्स कॉलेज में सेमिनार आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि कामना वर्मा थीं। पुलिस अधिकारी आरआई अनिता शिवड़े ने छात्राओं को सशक्तीकरण के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का संचालन मंजू चांडक द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन सचिव अल्पना भैया ने किया। जिला माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष रेणु चांडक ने बताया कि कार्यक्रम में ममता मालपानी, कुंजबाला काबरा, रेखा काबरा, लता चांडक, संगीता राजकुमार राठी, मालती डोंगरा, मंजू चांडक, प्रतिभा बुराड़िया, रीता माहेश्वरी सहित समस्त सदस्यों का सहयोग रहा।

फ्रेंड्स ग्रुप की कार्यकारिणी गठित

नारायणदास-श्यामा माहेश्वरी

इंदौर. माहेश्वरी फ्रेंड्स ग्रुप की साधारण सभा आनंद सागर स्क्रीन नंगर 71 में आयोजित हुई। इसमें संस्था संरक्षक सुरेशचंद्र-जमना राठी एवं रमेशचंद्र-सावित्री राठी ने सन् 2017 के नवीन पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों की निर्विरोध घोषणा की। इसमें अध्यक्ष नारायणदास श्यामा माहेश्वरी, सचिव दिनेश विनीता माहेश्वरी (जेठलिया), प्रचार मंत्री संपतकुमार राधा साबू, उपाध्यक्ष युगलकिशोर सुधा राठी एवं पुरुषोत्तम रमा मानधन्या, सहसचिव कैलाशचंद्र गीता सोमानी, कोषाध्यक्ष बलराम कुसम मंत्री, संगठन मंत्री प्रकाशचंद्र शकुंतला धूत चुनी गईं।

"हँसता हुआ चेहरा
आपकी शान बढ़ाता है
मगर....
हँसकर किया हुआ कार्य
आपकी पहचान बढ़ाता है।"

कड़ाके की ठंड में खुशियों का मेला

उज्जैन. माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा 2 दिवसीय शीतकालीन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें प्रथम दिवस को आयोजित आनंद मेले में तरह-तरह के स्वादिष्ट पकवान व नाश्ता रखा गया था। दूसरे दिन "हसीनों का कसीनो" कार्यक्रम का आयोजन महेश भवन में किया गया। इसमें बड़ी संख्या में लड़कियों व महिलाओं ने प्रस्तुति दी। कार्यक्रम समापन के पूर्व सभी ने भोजन का आनंद लिया। मंडल की अध्यक्ष व सभी सदस्याओं का इस कार्यक्रम में सहयोग रहा।

माहेश्वरी दिग्दर्शिका के द्वितीय संस्करण का विमोचन

ब्यावर। स्वामी श्री 108 कपिलमुनि जी महाराज महामंडलेश्वर श्री हरे राम आश्रम हरिद्वार, स्वामी श्री 108 सत्यानंद महाराज वृंदावन व संतश्री अर्जुनराम जी महाराज जोधपुर द्वारा स्थानीय ब्रह्मानंद धाम में अनंत श्री विभूषित ब्रह्मलीन स्वामी श्री अनुभवानंद जी महाराज की 39वीं बरसी पर गत 2 जनवरी को आयोजित धर्म सभा में सत्यनारायण असावा द्वारा संकलित एवं प्रकाशित ब्यावर माहेश्वरी दिग्दर्शिका के द्वितीय संस्करण का विमोचन किया गया। श्री असावा द्वारा प्रकाशित 650 पेज की इस पुस्तक में ब्यावर में निवास कर रहे माहेश्वरी परिवार के प्रत्येक सदस्य की पूर्ण जानकारी मय जन्म तिथि, विवाह तिथि, शिक्षा, व्यवसाय तथा उनके माता-पिता, दादा-दादी, नाना, कुल देवी-देवता व उनके स्थान आदि के साथ प्रकाशित की गई है। इस अवसर पर ब्रह्मानंद सत्संग मंडल ब्यावर के अध्यक्ष गणपत सर्राफ, मंत्री नरेंद्र झंवर, प्रचार मंत्री शिवचरण लड्ढा, मदनमोहन मोदी, श्री माहेश्वरी पंचायत बोर्ड ब्यावर के अध्यक्ष सत्यनारायण झंवर, महेश वरिष्ठ संघ ब्यावर के अध्यक्ष तेजकरण डोडिया, कोषाध्यक्ष श्यामसुंदर चितलांग्या, नगर परिषद् ब्यावर के उपसभापति सुनील मूंदड़ा, श्री माहेश्वरी पंचायत बोर्ड ब्यावर के भूतपूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश हेडा, बालकिशन राठी सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

> "अगर मरने के बाद भी जीना चाहो तो एक काम जरूर करना,
> पढ़ने लायक कुछ लिख जाना या लिखने लायक कुछकर जाना।"

स्नेह मिलन एवं महिला संगठन ने ली पद की शपथ

जयपुर। गत 26 नवंबर को आयोजित दीपावली स्नेह मिलन एवं शपथ ग्रहण समारोह में महिला संगठनों के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुमित्रा काबरा एवं विशिष्ट अतिथि पद्मिनी फलोड़ (सीए) थीं। इसमें पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष सविता पटवारी, मंत्री सुमन राठी, कोषाध्यक्ष जयश्री परवाल, उपाध्यक्ष संगीता मोदानी एवं सीतारानी राठी, संयुक्त मंत्री रानी तोषनीवाल एवं मीरा मारु, संगठन मंत्री सोनिया परवाल तथा सांस्कृतिक मंत्री सुनीता जैथलिया ने अपने पद की शपथ ग्रहण की। जयपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष उमा परवाल, मंत्री अनुराधा कचोलिया, कोषाध्यक्ष चंद्रिका परवाल, उपाध्यक्ष नीता बिहानी, सविता राठी एवं रेनू जाखोटिया, संयुक्त मंत्री मंजू सोडानी, अल्पना सारड़ा एवं संजू मालपानी, संगठन मंत्री कृष्णा सोनी, सांस्कृतिक मंत्री रजनी पेड़ीवाल एवं सह सांस्कृतिक मंत्री मधु जैथलिया ने भी अपने पद की शपथ ली। इनके साथ जयपुर के चारों क्षेत्रीय संगठनों के पदाधिकारियों ने भी अपने पद की शपथ ग्रहण की। कार्यक्रम का संचालन सुनीता जैथलिया ने किया।

महिलाओं को बताये स्वास्थ्य के गुर

देवास। स्थानीय भारत विकास परिषद् द्वारा महिलाओं के लिए स्वास्थ्य कार्यशाला का आयोजन किया गया। देवास की प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. प्राची माहेश्वरी एवं इंदौर से आयीं आयुर्वेदिक फिजिशियन डॉ. वीना नाईक ने महिलाओं की समस्याओं एवं उनके समाधान पर प्रकाश डाला। स्वागत भाषण परिषद अध्यक्ष वैशाली आप्टे ने दिया। अतिथियों का स्वागत पर्यावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तुलसी के पौधे प्रदान कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रकृति बांठिया ने किया तथा आभार सचिव रचना तलाटी ने माना। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ। उक्त जानकारी प्रचार प्रमुख निशा सोमानी ने दी।

जीरापुरवासा गोविंदा मंदिर में धनुर्मास

जीरापुर। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री व्यैंकटेश मंदिर में श्री धनुर्मास उत्सव का आयोजन किया गया। गत 14 दिसम्बर से 14 जनवरी तक प्रातः 5 बजे मंगला आरती, 6 बजे शृंगार आरती एवं भजन, 7 बजे गोष्ठी प्रसाद वितरण हुआ। इस गोष्ठी प्रसाद में 700-800 सदस्यों ने भाग लेते हुए खीरान, पागेल, केशरिया भात आदि ग्रहण किया। 13 जनवरी को पुष्य नक्षत्र में श्री गोदादेवी का कल्याण उत्सव (विवाह) श्री रंगनाथ भगवान के साथ मध्याह्न बैला में सम्पन्न हुआ। श्री गोदा देवी को वस्त्राभूषण आदि प्रदान करने का सौभाग्य राजेंद्र मूंदड़ा को मिला।

स्व. राठी की स्मृति में स्वेटर वितरण

वर्धा। माहेश्वरी नवयुवक मंडल ने स्व. श्री ताराचंद राठी की स्मृति में मनोज एवं राजेंद्र राठी के सौजन्य से शालेय विद्यार्थियों को स्वेटर बांटे। कार्यक्रम का उद्देश्य यही है कि बच्चे ठंड के कारण स्कूल में अनुपस्थित ना रहें। सलोड के पुनर्वसन स्कूल में 100 बच्चों को स्वेटर बांटे गए। गोपाल धीरण, रमेश केला, राजेंद्र राठी, नंदकिशोर दरक, अनिल केला, संजय मोहता, रितेश कुलधरिया, लतीश पनपालिया एवं माहेश्वरी नवयुवक मंडल के समस्त कार्यकर्ताओं का सहयोग रहा।

पुण्य स्मृति में नेत्र शिविर

माचलपुर। श्री गुरुदेव सेवा संघ ट्रस्ट आनंदपुर द्वारा जिला अंधत्व निवारण समिति के सहयोग से स्व. श्रीमती नीलूदेवी धर्मपत्नी ज्ञानस्वरूप मूंदड़ा उद्योगपति ब्यावरा जिला राजगढ़(मप्र) की पुण्य स्मृति में नववर्ष 2017 के प्रथम दिवस 1 जनवरी को लालाराम फ्यूल सेंटर पेट्रोल पंप (भारत पेट्रोलियम) के परिसर में निःशुल्क नेत्र शिविर आयोजित किया गया। इसमें मोतिया बिंद ऑपरेशन हेतु भर्ती मरीजों को जांच, ऑपरेशन, लैंस, दवाइयाँ, चश्में, नाश्ता एवं भोजन सहित वाहन की सुविधा भी निःशुल्क ज्योति मूंदड़ा व लोकेंद्र कुमार मूंदड़ा (पेट्रोल पम्प संचालक परिवार) की ओर से उपलब्ध कराई गई। उक्त जानकारी देते हुए अभिषेक मूंदड़ा ने बताया कि उनकी बड़ी माता की पुण्य स्मृति में नये वर्ष पर यह कार्यक्रम रखा गया था। इसमें 257 मरीजों की जांच की गई एवं 57 मरीजों को ऑपरेशन हेतु आनंदपुर बस द्वारा भेजा गया। 257 मरीजों को परीक्षण उपरांत निःशुल्क दवाई वितरित की गई।

दिव्यांग सक्षमीकरण शिविर सम्पन्न

खामगांव (महा.). अभा भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमल भूतड़ा गत 5 जनवरी को खामगांव (महाराष्ट्र) में श्री माहेश्वरी मंडल द्वारा आयोजित दिव्यांग सक्षमीकरण निःशुल्क कृत्रिम पैर/कैलिपर्स प्रत्यारोपण के त्रिदिवसीय शिविर में विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। मुख्य अतिथि के रूप में महासभा के सभापति श्याम सोनी व विशेष अतिथि के रूप में विदर्भ प्रदेशाध्यक्ष मदन मालपानी उपस्थित थे। श्री भूतड़ा ने अपने उद्‌बोधन में श्री माहेश्वरी मंडल द्वारा उठाए गए नर सेवा-नारायण सेवा के इस कदम को सराहते हुए बधाई दी। श्री सोनी ने महासभा की आगामी योजनाओं की रूपरेखा बताई। इस कार्यक्रम में विवेक मोहता, संजय सातल, प्रकाश राठी, दिनेश गाँधी सहित समस्त सदस्यों का योगदान रहा।

तापड़िया विकास परिषद् ने मनाया वार्षिकोत्सव

कोलकाता. स्थानीय तापड़िया विकास परिषद ने गत 18 दिसंबर को स्थानीय ओसवाल भवन में एक रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें संस्था के लगभग 300 सदस्य मौजूद थे। हजारीमलजी व प्रहलादजी द्वारा आसापुरा माताजी व गणेशजी का पूजन करके विधिवत उद्‌घाटन किया गया। संस्था सचिव देवकिशन ने संस्था की गतिविधियों व आय-व्यय की जानकारी दी। संस्था अध्यक्ष भीकमचंदजी द्वारा संस्था को मजबूत करने के विषय में वक्तव्य दिया गया। बलदेवजी, नारायणजी, हरिओमजी आदि ने भी अपने विचार रखे। तत्पश्चात हास्य नाटक, गीत-संगीत व नृत्य के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। सतीश जी, मनोज जी, चंद्रप्रकाश जी, विनय जी, रविप्रकाश जी, सनतजी, सुमित जी, रमेशजी तथा अभिषेक आदि का विशेष सहयोग रहा।

जिला सभा के चुनाव सम्पन्न

उदयपुर। उदयपुर जिला माहेश्वरी सभा के चुनाव हींता में निर्वाचन अधिकारी डॉ. बी.एल. हेड़ा की देखरेख में सम्पन्न हुए। इसमें अध्यक्ष सीए मोहनलाल देवपुरा, उपाध्यक्ष मुरलीधर गट्टानी, मदनलाल मंडोवरा द चंद्रप्रकाश मंत्री, मंत्री सम्पतलाल मंडोवरा, अर्थमंत्री राजेंद्र काबरा, संयुक्त मंत्री श्यामसुंदर चेचानी, रामपाल मालू एवं मिठुलाल समदानी, संगठन मंत्री राधेश्याम बाघला सहित 12 कार्यकारिणी सदस्य निर्वाचित किये गये। इन्हें निर्वाचन अधिकारी ने पद की शपथ दिलाई। चुनाव प्रदेश पर्यवेक्षक हरकलाल बसेर, नवनीत मंत्री एवं विष्णु सोमानी मौजूद थे।

"दुनिया में सिर्फ
दिल ही है
जो बिना आराम किये
काम करता है,
इसलिए उसे खुश रखो
चाहे वो
अपना हो या अपनों का।"

भूतड़ा ने की इंदौर के युवाओं से मन की बात

इंदौर. अखिल भारतीय माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष कमल भूतड़ा ने इंदौर में युवाओं से अपने मन की बात की और भविष्य के प्रति सुझाव लिए। इंदौर जिला युवा माहेश्वरी संगठन अध्यक्ष रूपेश भूतड़ा ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में युवाओं की उपस्थिति रही। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मधुसूदन भलिका, माहेश्वरी युवा संदेश के संपादक श्याम सारडा, पश्चिमी म.प्र. माहेश्वरी सभा के मानद मंत्री पुष्प माहेश्वरी एवं संगठन मंत्री अनिल मंत्री सहित सभी पदाधिकारी, क्षेत्रीय अध्यक्ष मंत्री के साथ ही कई गणमान्य समाजजन मौजूद थे। इसमें सभी युवाओं ने खुलकर अपनी बात रखी। इस दौरान कमल ने साफ-साफ शब्दों में युवा संगठनों में चल रहे उम्रदराज वरिष्ठ समाजसेवियों के युवा संगठन में वृहदस्तर पर चल रहे हस्तक्षेप को खत्म कर युवाओं को कमान सौंपने पर जोर दिया, ताकि युवाओं का मन संगठन की ओर से नकारात्मक ना बना रहे। कार्यक्रम का संचालन अक्षत झँवर द्वारा किया गया। आभार संगठन मंत्री हर्ष राठी द्वारा माना गया।

हुरकट सम्मेलन का होगा आयोजन

टूंकलिया (गोठण). संस्था रामेश्वरीदेवी शंकरलाल हुरकट चेरिटी ट्रस्ट मुंबई द्वारा गोठण रेलवे स्टेशन के समीप टूंकलिया में धर्मशाला का निर्माण किया जाएगा। संस्था के मैनेजिंग ट्रस्टी रामविलास हुरकट ने बताया कि यहां पर हुरकट धर्मशाला के निर्माण के लिए पंचायत से 6 हजार वर्गफीट की भूमि प्राप्त हो गई है। गत वर्ष सालासर धाम में हुरकट सम्मेलन का आयोजन किया गया था, उसी तरह इस बार भी 26 फरवरी को सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। श्री हुरकट ने समस्त हुरकट बंधुओं से एक दिवस पूर्व ही सालासर आने की अपील की। इस सम्मेलन के अवसर पर 50 लाख रूपये की लागत से टूंकलिया में धर्मशाला निर्माण की रूपरेखा तैयार की जावेगी। इसके अंतर्गत 4 लाख रूपये का सहयोग देने वाले दानदाता का नाम एक कक्ष पर लिखा जावेगा।

प्रदीप मंत्री बने रोटरी अध्यक्ष

भौंरासा। संस्था रोटरी क्लब ऑफ भौंरासा मंडल 3040 के आगामी वर्ष 2017-18 के वार्षिक चुनाव सम्पन्न हुए। इसमें समाजसेवी प्रदीप मंत्री (माहेश्वरी) को सर्वानुमति से अध्यक्ष चुना गया। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

हमारे अति प्रिय भाई

श्री रमेश जी तापड़िया

को समाज की शीर्षथ संस्था
अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के
गरिमामय उपसभा (पूर्वांचल) पद पर निर्वाचित होने पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

चन्दा चकोरी
Chanda Chakori
Baidya Arcade, Makhan Tole, Kathmandu
Ph. 4244374

House of Exclusive Sarees, Lehanga, Kurta Salwar

॥ जय श्री कृष्णा॥

हमारे प्रेरणास्त्रोत

स्व. श्री अनिल राठी

स्व. श्री मोहनलालजी - स्व. श्रीमती कमलादेवी राठी

राठी परिवार की ओर से
नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ

गोविन्द मोहता

- सचिव- माहेश्वरी समाज नागदा
- अध्यक्ष- किराना व्यापारी संघ नागदा
- सदस्य- पश्चिमांचलमाहेश्वरी महासभा
- उपाध्यक्ष- लायन्स क्लब नागदा

प्रतिष्ठान

- शिवनारायण दामोदरदास राठी (एशियन पेन्ट डीलर)
- माहेश्वरी ट्रेडर्स किराना एवं होलसेलर,
- राठी एजेन्सी
- कमला कृषि फार्म हॉउस, ग्राम-हतई पालकी
- मोहन राठी मांगलिक परिसर

प्रोप्राइटर : मुरलीधर राठी, अजय राठी, रेयांश राठी, नागदा, मो-9826047139

जगमोहन बाहेती व मनीष मोकाती का सम्मान

पिपरिया. मप्र पूर्व क्षेत्रीय प्रादेशिक युवा संगठन की बैठक में होशंगाबाद हरदा जिला माहेश्वरी युवा संगठन के जिलाध्यक्ष शोभापुर निवासी जगमोहन बाहेती व बनखेड़ी निवासी सचिव मनीष मोकाती को क्रमशः सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष व सचिव का सम्मान मिला। गाडरवाडा में आयोजित म.प्र पूर्व क्षेत्रीय प्रादेशिक युवा संगठन की बैठक में प्रदेशाध्यक्ष दीपक चांडक एवं महामंत्री उत्तम चांडक जबलपुर द्वारा जिलाध्यक्ष श्री बाहेती व सचिव श्री मोकाती को प्रशस्ति पत्र व प्रतीक चिह्न से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सर्वसम्मति से प्रदेशाध्यक्ष के लिये उत्तम चांडक जबलपुर व महामंत्री हेतु स्वरूप मोहता विदिशा का चुनाव हुआ।

राठी बने सहकारी संस्था उपाध्यक्ष

धामनगाँव रेलवे. दत्तापुर सेवा सहकारी संस्था मर्यादित में समाजसेवी नंदकिशोर फूलचंद राठी उपाध्यक्ष चुने गए। उल्लेखनीय है कि श्री राठी विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी संगठन के कार्यकारिणी सदस्य तथा गौरक्षण संस्था सचिव के रूप में भी अपनी महत्वपूर्ण सेवा दे रहे हैं।

आयुष बने नगर सहमंत्री

राजोद. अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद राजोद की नवीन कार्यकारिणी गठित की गई। इसमें आयुष बाहेती को नगर इकाई राजोद के नगर सहमंत्री का दायित्व सौंपा गया।

चतुर्थ रक्तदान शिविर एवं निःशुल्क चिकित्सा शिविर सम्पन्न

उदयपुर. श्रीमती हेमंत बाला मानसिंह कोठारी मेमोरियल चेरिटेबल ट्रस्ट एवं नगर माहेश्वरी युवा संगठन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित चतुर्थ रक्तदान शिविर एवं निःशुल्क मेडिकल कैंप में 81 यूनिट रक्त संग्रह हुआ एवं 157 व्यक्तिओं ने बी.पी., शुगर, कैल्शियम, अस्थिओं से संबंधित जांच कराकर हाथों हाथ निदान भी प्राप्त किया। राज्य के गृहमंत्री गुलाबचंद कटारिया, उदयपुर के सांसद अर्जुनलाल मीणा, शहर के मेयर चंद्रसिंह कोठारी, नगर विकास प्रन्यास अध्यक्ष रवींद्र श्रीमाली, माहेश्वरी समाज के समाजसेवी जानकीलाल मूंदड़ा, नगर माहेश्वरी युवा संगठन अध्यक्ष पंकज तोषनीवाल, सचिव प्रदीप कचोरिया, जिला सभा के अध्यक्ष मोहनलाल देवपुरा, चित्तौड़गढ़ टैक्स बॉर एसोसिएशन अध्यक्ष रामपाल काबरा आदि मौजूद थे। हेमंतबाला मानसिंह कोठारी मेमोरियल चेरिटेबल ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी आशीष कोठारी व उमा कोठारी ने बताया कि यह रक्तदान महाराणा भूपाल हॉस्पिटल के ब्लड बैंक के सहयोग से एवं मेडिकल कैंप मेवाड़ आर्थोपेडिक के सहयोग से आयोजित हुआ।

लायंस क्लब ने किया मोहता का सम्मान

नागदा. लायंस क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक गवर्नर लायंस क्लब की लगातार 40 वर्षों तक सेवा करने के कारण माहेश्वरी समाज नागदा के समाजसेवी लायंस गोविंद मोहता का पीन लगाकर से स्वागत किया गया। साथ ही उनके द्वारा गत वर्षों में किये गये कार्यों को देखते हुए क्लब को 1 शील्ड प्रदान की गई। जानकारी समाज के प्रवक्ता विपिन मोहता ने दी। समाज अध्यक्ष प्रदीप राठी, सचिव घनश्याम राठी, जिलाध्यक्ष वासुदेव काबरा, सचिव गोपाल मोहता, राजकुमार मोहता, गोपाल बजाज, अशोक बिसानी, प्रशांत राठी, वल्लभ मोहता, झमक राठी, गिरिराज मालपानी, मनोज राठी बारदान, राजेंद्र मालपानी, राजेंद्र गोयदानी, बंशी राठी ने हर्ष जताया है।

भव्य सभागृह का किया निर्माण

आर्वी (वर्धा). समाजसेवी रमेशचंद्र राठी ने कोंडेनेपुर स्थित अंबिका माता मंदिर में 2 करोड़ की लागत से भव्य सभागृह का निर्माण करवाया है। श्री राठी एपीएमसी मार्केट के डायरेक्टर, वर्धा जिला युवा संघ के माजी अध्यक्ष और डायरेक्टर तथा वर्धा जिला बापूराव युतकारिणी के डायरेक्टर भी हैं। अपनी सेवा गतिविधियों के कारण श्री राठी विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी समाज द्वारा ''आर्वी भूषण'' सम्मान तथा महाराष्ट्र शासन से भी सम्मानित हो चुके हैं।

"
'परिवार' से बड़ा कोई 'धन' नहीं!
'पिता' से बड़ा कोई 'सलाहकार' नहीं!
'माँ' की छाँव से बड़ी कोई 'दुनिया' नहीं!
'भाई' सेअच्छा कोई 'भागीदार' नहीं!
'बहन' से बड़ा कोई 'शुभचिंतक' नहीं!
'पत्नी' से बड़ा कोई 'दोस्त' नहीं
इसलिए
'परिवार' के बिना 'जीवन' नहीं !!!
"

युवक-युवती परिचय सम्मेलन सम्पन्न

राजसमंद. जिला माहेश्वरी सभा द्वारा आयोजित माहेश्वरी युवक-युवती परिचय सम्मेलन अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन नाथद्वारा में गत 8 जनवरी को सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में भगवान महेश की पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलित कर सम्मेलन की शुरुआत की गई। मंचासीन अधिकारी रमेशचंद्र छापरवाल। महामंत्री अखिल भारतीय सेवा सदन, मुख्य अतिथि इंद्रलाल छापरवाल महामंत्री दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक महासभा, नवनीतलाल मंत्री जिला अध्यक्ष राजसमंद जिला माहेश्वरी सभा, कैलाश मूंदड़ा उपाध्यक्ष अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन, विष्णु गोपाल सोमानी संयोजक परिचय सम्मेलन एवं सत्यप्रकाश काबरा सह प्रभारी परिचय सम्मेलन का जिला सचिव भगवतीलाल असावा आदि द्वारा उपरणा ओढ़ाकर स्वागत किया गया। स्वागत उद्‌बोधन विष्णुगोपाल सोमानी, सत्यप्रकाश काबरा, इंद्रलाल छापरवाल, रमेश छापरवाल एवं नवनीत मंत्री द्वारा किया गया। सम्मेलन में 223 युवक-युवतियों का पंजीयन हुआ व लगभग 205 युवक एवं युवतियों ने अपना परिचय मंच पर आकर दिया। युवक-युवतियों की कुंडली मिलान के लिए पंडित की भी अलग से व्यवस्था की गई थी। युवक-युवतियों के अभिभावकों के आपस में मिलने मिलाने एवं समीक्षा के लिए अलग से भी व्यवस्था की गई थी। जानकीलाल मूंदड़ा, उपाध्यक्ष प्रदेश सभा, मोहनलाल देवपुरा अध्यक्ष उदयपुर जिला सभा, पूजा बंग अध्यक्षा राजसमंद जिला माहेश्वरी महिला संगठन, ओम बिड़ला एवं रामनारायण चेचानी उपस्थित थे। सचिव भगवतीलाल असावा ने आभार व्यक्त किया। मंच संचालन के.जी. माहेश्वरी, श्यामसुंदर झँवर एवं चंद्रेश काहल्या द्वारा किया गया।

तुलसी प्रतियोगिता में प्रथम

डायटेटिक्स दिवस 10 जनवरी पर इंडियन डायटेटिक्स एसोसिएशन की मुंबई शाखा द्वारा प्रायोजित ज्वार से निर्मित खाद्य सामग्री प्रतियोगिता में कुल 81 प्रतियोगिताओं में तुलसी टवानी सुपुत्री महेश टवानी को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। तुलसी न्यूट्रिशियन-डायटिशियन का मास्टर कोर्स मुंबई के कॉलेज से कर रही हैं तथा ट्रेनिंग एमजीएम फोर्ड अस्पताल व मेकडोनाल्ड से पूरी हो चुकी है।

दो शिविरों में हुआ रक्तदान जीवन दान

भीलवाड़ा. गत 4 जनवरी को भीलवाड़ा में दो जगह रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। मरुधरा माहेश्वरी संस्थान के अध्यक्ष गजानंद बजाज व मंत्री राकेश काबरा ने बताया कि राधाकिशन सोमानी व मरुधरा माहेश्वरी संस्थान के सहयोग से औद्योगिक परिसर में रक्तदान शिविर लगाया गया। इसमें 401 यूनिट रक्तदान किया गया। शिविर का शुभारंभ महंत बाबूगिरी के आतिथ्य में किया गया। इसी तरह दूसरी जगह तिलक नगर माहेश्वरी क्षेत्रीय सभा द्वारा गुलाब वाटिका में रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर प्रभारी रामकिशोर सोमानी व अध्यक्ष राजेंद्र जागेटिया ने बताया कि पहली बार क्षेत्र में ऐसा आयोजन हुआ। इसमें युवा व क्षेत्रीय संगठन के पदाधिकारियों ने उत्साह के भाग लेते हुए 133 यूनिट रक्तदान किया। दोनों स्थानों पर रक्त संग्रहण रामस्नेही ब्लड बैंक द्वारा किया गया। अभा महासभा के पूर्व सभापति रामपाल सोनी, उपसभापति पश्चिमांचल देवकरण गग्गड़, दक्षिणी राज प्रादेशिक सभा के अध्यक्ष राधेश्याम सोमानी, जिलाध्यक्ष कैलाश कोठारी, जिला मंत्री देवेंद्र सोमानी, नगर अध्यक्ष केदार जागेटिया, प्रदेश युवा संगठन अध्यक्ष सी.पी. नामधरानी, सुरेश कचौलिया, लोकेश आगाल, रमेश राठी एवं क्षेत्रीय संगठनों के कई प्रतिनिधियों ने शिविर में पहुंचकर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया।

पश्चिमी म.प्र. माहेश्वरी महिला संगठन ने ली पद की शपथ

उज्जैन। जिला महिला संगठन एवं उज्जैन नगर महिला संगठन के तत्वावधान में पश्चिमी म.प्र. माहेश्वरी महिला संगठन के सप्तम सत्र का शपथ विधि एवं सम्मान समारोह सम्पन्न हुआ। प्रदेशाध्यक्ष निर्मला बाहेती ने अपने कार्यकाल का विवरण दिया। सचिवीय प्रतिवेदन अरुणा बाहेती ने प्रस्तुत किया। आय-व्यय का ब्योरा कोषाध्यक्ष शांता मंडोवरा द्वारा प्रस्तुत किया गया। प्रधान अतिथि गीता मूंदड़ा व राष्ट्रीय महिला संगठन की महामंत्री आशा माहेश्वरी कोटा ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को संगीतमय तरीके से पद की शपथ दिलाई। तत्पश्चात, नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्षा अरुणा बाहेती ने अपने स्वीकृति उद्‌बोधन में आंचलिक सम्मेलन, संगठन को सब तक पहुंचाने एवं राष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर काम करने का संकल्प लिया।

> "जब तक आप अपनी समस्याओं एवं कठिनाइयों की वजह दूसरों को मानते हैं, तब तक आप अपनी समस्याओं एवं कठिनाइयों को मिटा नहीं सकते।"

महिलाओं ने ली स्वच्छता की शपथ

मंदसौर. मंदसौर माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा मलमास के उपलक्ष्य में बड़ा चौक स्थित चारभुजानाथ मंदिर में खीरन की प्रसाद का भोग लगाया गया। इस दौरान मंडल द्वारा विवाह में चाक-चवरी के लिये जो 11 जोड़े नये कलश बनवाये गये उनका पूजन रखा गया। इस अवसर पर माहेश्वरी महिला मंडल की सदस्याओं को पश्चिमांचल की कोषाध्यक्ष गीता झँवर ने स्वच्छता अभियान की शपथ भी दिलाई। इस अवसर पर सुशीला छापरवाल परिवार की ओर से प्रसाद वितरण किया गया। मंडल की अध्यक्ष भावना सोमानी, सचिव संध्या काबरा, चंदा चिचानी, सुनीता बाहेती, आशा काबरा, इंद्रा झँवर, सरोज सोमानी, मणी मालू, सुशीला छापरवाल, मीना जाजू, तारा कासट, सुषमा भदादा आदि कई सदस्याएँ मौजूद थीं। यह जानकारी प्रचार मंत्री राधिका जागेटिया द्वारा दी गई।

इंदौर जिला महिला संगठन ने ली पद की शपथ

इंदौर. जिला माहेश्वरी महिला संगठन का शपथ विधि समारोह गत 3 जनवरी को संयोगितागंज माहेश्वरी भवन पर सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि समाजसेवी पुष्पा रवींद्र राठी थीं। अध्यक्षता अभा माहेश्वरी महिला संगठन की पूर्व अध्यक्ष सुशीला काबरा ने की। शपथ अधिकारी अभा माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट की कार्यवाहक अध्यक्ष गीता मूंदड़ा थीं। विशेष अतिथि के रूप में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सागर भट्टड़, प्रादेशिक अध्यक्ष निर्मला बाहेती एवं नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष अरुणा बाहेती मौजूद थीं। अतिथियों का स्वागत श्रीफल से संस्था की निवर्तमान अध्यक्ष वीणा सोमानी, नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रमिला भूतड़ा, सचिव सुमन सारड़ा, सुलेखा मालपानी, नम्रता राठी, सुनीता लड्ढा, अर्चना माहेश्वरी, कुसुम लाहोटी एवं डिंपल माहेश्वरी ने किया। स्वागत उद्‌बोधन वीणा सोमानी ने दिया।

'स्वागत 2017' कार्यक्रम का किया आयोजन

बूंदी. श्री माहेश्वरी महिला मंडल के तत्वावधान में जैतसगर रोड स्थित माहेश्वरी भवन में 'स्वागत 2017' का आयोजन किया गया। शुभारंभ सरोज बिड़ला, मीनाक्षी काबरा, पुष्पा बिड़ला ने दीप प्रज्वलित कर किया। महिला मंडल अध्यक्ष प्रेरणा न्याति ने मंडल के आगामी कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। सचिव सोनल मूंदड़ा ने मंडल सदस्यों का तिलक लगाकर स्वागत किया। स्वागत 2017 में आकर्षक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रश्नोत्तरी में सदस्यों ने 16 शृंगार में काम में आने वाली वस्तुओं के प्रश्न पूछे। धार्मिक प्रश्नों के आधार पर हाऊजी गेम भी खिलाया। संचालन श्रुति मंडोवरा ने किया। विजेताओं को पूर्व अध्यक्षों ने पुरस्कार बांटे।

पिकनिक के साथ नववर्ष का स्वागत

सागर। माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा नववर्ष के आगमन के अवसर पर पिकनिक का कार्यक्रम 2 जनवरी को दीपधाणी में रखा गया। पिकनिक कार्यक्रम का समाज की सभी महिलाओं ने आनंद लिया। इस कार्यक्रम में बैलगाड़ी की सवारी,ऊँट की सवारी, दौड़ व कई तरह के गेम्स रखे गये। उक्त जानकारी देते हुए सचिव ममता चांडक ने बताया कि इस अवसर पर समस्त पदाधिकारी सहित कई सदस्य उपस्थित थीं।

कन्हैयालाल खटौड़ बने सहयोग संस्थान जिलाध्यक्ष

बागोर (भीलवाड़ा). जिला ग्रामीण माहेश्वरी सहयोग संस्थान की छठवीं आमसभा, चुनाव प्रक्रिया और सम्मान समारोह का आयोजन गत दिनों हुआ। संस्थान के जिलाध्यक्ष रामराय सेठिया ने बताया कि भीलवाड़ा ग्रामीण क्षेत्र के माहेश्वरी समाज की ओर से आयोजित इस आमसभा में भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ एवं राजसमंद जिले के 90 गांवों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर हुए चुनाव में रायपुर के कन्हैयालाल खटौड़ को जिलाध्यक्ष व पूर्व जिलाध्यक्ष रामराय सेठिया को संरक्षक चुना गया। उपाध्यक्ष मुकेश गग्गड़, मंत्री रामजस बिड़ला, कोषाध्यक्ष सुशील मरोठिया, सहमंत्री महावीर अजमेरा, निदेशक वितरण समरथलाल बाहेती चुने गए।

योग प्रशिक्षण शिविर का हुआ आयोजन

बनखेड़ी. गत 21 दिसंबर से पतंजलि योग के तत्वावधान में स्थानीय माहेश्वरी भवन में तहसील प्रभारी शिखा माहेश्वरी द्वारा योग शिविर आयोजित किया गया। इसमें प्रतिदिन लगभग 50 लोगों ने योग सीखा। योग का प्रशिक्षण श्री अरविंद ने दिया। घनश्याम डांगरा, जीवनलाल मालानी, मधुलाल सांवल, चंद्रिका मालानी ने अपने-अपने विचार प्रकट किए। शिखा माहेश्वरी ने आभार माना।

युवा संगठन ने करवाया वन भोज का आयोजन

पिपरिया. माहेश्वरी युवा संगठन के तत्वावधान में वन भोज का आयोजन समीपस्थ ग्राम अन्होनी में किया गया। युवा संगठन अध्यक्ष निखिल सर्राफ व सचिव पराग लोया के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष बालकिशन टावरी, जिला माहेश्वरी युवा संगठन अध्यक्ष जगमोहन बाहेती, माहेश्वरी सेवा मंडल पिपरिया के सचिव अजय घुरका आदि विशेष रूप से उपस्थित थे। प्रतीक टावरी ने पर्यावरण को ध्यान में रख अपनी बात रखते हुए कहा कि शहर में हम ज्यादा से ज्यादा जितने पौधे लगा सकते हैं व इन्हें पाल पोसकर बड़ा कर सकते हैं, यह उनकी जिम्मेदारी तय कर लें। हम संकल्प लें कि पर्यावरण की सुरक्षा का ध्यान रखेंगे। इस हेतु सभी ने एकमत होकर शहर में जनवरी माह में 500 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। इसे सर्वम्मति से तय करते हुए 26 जनवरी को पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है। इसके पूर्व एक पर्यावरण विशेषज्ञों व पर्यावरण प्रेमियों का सम्मेलन आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया।

ब्रेनविटा का पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न

जयपुर. ब्रेनविटा अबेकस का छठवां नेशनल लेवल पुरस्कार वितरण समारोह गत दिनों रुक्मणि बिड़ला हाईस्कूल सभागार में आयोजित किया गया। इसमें राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु एवं दिल्ली से आये विजयी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम में ब्रेनविटा के निदेशक नरेश जाखोटिया, कविता जाखोटिया एवं मुख्य व्यवस्थापक कौशल भावन, डीडी भंडारी एवं डॉ. मंजू शेखावत उपस्थित थीं। मुख्य अतिथि मोहनलाल गुप्ता, अशोक लाहोटी मेयर जयपुर व अशोक बागला प्रमुख समाजसेवी थे।

न्यास भोग से चक्र संतुलन

सलूम्बर. न्यास भोग चिकित्सा शिविर के दूसरे दिन ऊर्जा चक्रों के बारे में जानकारी देते हुए योगाचार्य डॉ. रीता सिंह द्वारा ऊर्जा चक्रों का संतुलन करना सिखाया गया। न्यास योग के प्रवर्तक वी.पी. साही द्वारा प्रतिपादित न्यास योग आध्यात्मिक चिकित्सा से सलूम्बर की सैकड़ों महिलाएँ व लड़कियां लाभान्वित हुईं। इस अवसर पर माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष शारदा मंत्री एवं डॉ. विमला भंडारी द्वारा डॉ. सीमा सिंह का अभिनंदन पत्र देकर शॉल, उपरना और मेवाड़ी पगड़ी से सम्मान किया गया। माहेश्वरी समाज की कर्मठ महिलाओं के सम्मान के तहत तारा मंत्री, स्नेहलता कचौरिया, कला मूंदड़ा, स्नेहलता भंडारी, मंजू मंत्री का अभिनंदन किया गया। भगवती मूंदड़ा ने आभार प्रकट किया।

श्यामसुंदर नौलखा बने एसोसिएशन अध्यक्ष

भीलवाड़ा. मोटर पार्ट्स डीलर्स एसोसिएशन के चुनाव गत दिनों आजाद नगर में संपन्न हुए। इसमें श्यामसुंदर नौलखा अध्यक्ष पद के लिए लिये प्रतिद्वंद्वी को भारी मतों से हराकर विजयी हुए।

चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

बूंदी. श्री माहेश्वरी पंचायत संस्थान के तत्वावधान में सिलोर रोड स्थित जैन दादाबाड़ी में एक दिवसीय बहुचिकित्सकीय जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला कलेक्टर पी.सी. पवन ने किया। अध्यक्षता आयकर अधिकारी बी.एल. मीना ने की। विशेष अतिथि समाजसेवी हरिप्रसाद तापड़िया थे। माहेश्वरी पंचायत अध्यक्ष जगदीश जैथलिया ने शिविर की जानकारी देते हुए कहा कि आगे भी समाज की ओर से इस तरह के शिविर आयोजित किए जाएंगे। अतिथियों एवं चिकित्सकों का सचिव विजेंद्र माहेश्वरी, जिलाध्यक्ष रेवती बिड़ला, महामंत्री द्वारका जाजू, आयोजन मंत्री संजय मंडोवरा, महिला मंडल जिलाध्यक्ष किरण लखोटिया, मंडल अध्यक्ष प्रेरणा न्याति, युवा संगठन जिलाध्यक्ष अनंत तोषनीवाल, युवा मंडल अध्यक्ष गौरव जैथलिया ने स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन आशुतोष बिड़ला ने किया।

> "मनुष्य के जीवन में आधे दुःख गलत लोगों से उम्मीद रखने से होते हैं, और बाकी आधे सच्चे लोगों पर शक करने से होते हैं।"

जाजू परिवार का प्रथम अखिल भारतीय स्नेह सम्मेलन सम्पन्न

मेड़ता रोड. जाजू परिवार के प्रथम अखिल भारतीय स्नेह मिलन समारोह का आयोजन गत 24 व 25 दिसंबर को किया गया। नेपाल व वियतनाम आदि देशों से आये सदस्यों के कारण यह आयोजन राष्ट्रीय से आगे बढ़कर अंतरराष्ट्रीय हो गया। महेश फाउंडेशन संगमनेर के अध्यक्ष अजय व राकेश जाजू की टीम के संयोजन में आयोजित इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित संगमनेर के सुपुत्र व भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू (नईदिल्ली) उपस्थित थे। माता रानी की महाआरती हुई। श्याम भाई इस सम्मेलन हेतु 2 दिन उपस्थित थे। इंदौर के उद्योगपति तथा माहेश्वरी बोर्ड, नागपुर अध्यक्ष रामअवतार जाजू ने समारोह की अध्यक्षता की। भास्कर ग्रुप के बी.आर. जाजू (मुंबई), रामअवतार जाजू (सूरत) विशेष अतिथि थे। नईदिल्ली के उद्योगपति तथा सामाजिक कार्यकर्ता दयानंद जाजू आरती के यजमान थे।

ये बने सहयोगी - समारोह सफल बनाने में ओमप्रकाश जाजू जलगांव, पुखराज जाजू जोधपुर, राजेंद्र जाजू इंदौर, ब्रजगोपाल जाजू हैदराबाद, पुरुषोत्तम जाजू मंचरियाल, पन्नालाल जाजू बंबई, अनिलकुमारजी जाजू आकोला, किरीटभाई इंदौर का विशेष योगदान रहा। उल्लेखनीय है कि संयोजक अजय जाजू ने इस आयोजन के लिये सोशयल मीडिया के माध्यम से 850 माहेश्वरी परिवारों से संपर्क किया। इसका परिणाम यह रहा कि इस प्रथम आयोजन में ही 750 सदस्यों की उपस्थिति रही। भविष्य में इस आयोजन में संख्या और भी बढ़ेगी। कार्यक्रम का संचालन प्रतिभा जाजू जलगाँव तथा मिनल जाजू (मुंबई) ने किया। आभार प्रदर्शन राकेश जाजू (इंदौर) ने किया।

महिला संगठन के चुनाव सम्पन्न व स्वागत

उदयपुर. सितंबर माह में उदयपुर जिला माहेश्वरी संगठन के चुनाव हुए। इसमें कविता बल्दवा अध्यक्ष चुनी गईं। इसी के साथ जोधपुर, अजमेर, चित्तौड़गढ़ आदि जिले में भी कौशल्या गट्टानी पश्चिमांचल संयुक्त मंत्री ने चुनाव संपन्न कराए एवं कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। गत माह अक्टूबर में अभा माहेश्वरी महिला संगठन के कार्यकारिणी मंडल का अधिवेशन हरिद्वार में आयोजित हुआ। इसमें कौशल्या गट्टानी उदयपुर राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष चुनी गईं। श्रीमती गट्टानी के हरिद्वार से लौटने पर अनेक संस्थाओं व क्लबों ने जगह-जगह उनका स्वागत किया। नवंबर में श्रीमती गट्टानी ने राजस्थान प्रदेश में जहाँ-जहाँ संगठन का गठन नहीं हुआ, वहाँ जाकर गठन किया एवं नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ ग्रहण भी कराई। इसी माह में दीपावली मिलन एवं जाने वाले वर्ष की विदाई को देखते हुए कई गांवों एवं शहरों में रंगारंग कार्यक्रम आयोजित करवाए। नववर्ष के स्वागत पर अनेक प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की गईं।

वृद्धों को सामग्री भेंट की

गुना. स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा वृद्धाश्रम जाकर वृद्धों को खाना खिलाया गया। इसके अलावा वेसलीन एवं बोरोलीन का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर कई सदस्याएँ मौजूद थीं।

रामगोपाल मूंदड़ा बने राजस्थान परिषद् अध्यक्ष

सूरत. अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा मध्यांचल के निवर्तमान उपसभापति रामगोपाल मूंदडा तीसरी बार सर्वसम्मति से वर्ष 2017-2019 के लिए राजस्थान परिषद, सूरत के अध्यक्ष चुने गये। नवीन कार्यकारिणी का गठन भी हुआ। राजस्थान परिषद के सभी सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया है।

भागवत कथा का आयोजन

बीकानेर. गौरक्षा सेवा संस्थान द्वारा श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन मुरलीधर व्यास नगर रोड स्थित विवेक बाल निकेतन सीनियर सेकंडरी स्कूल में किया गया। समाज के मीडिया प्रभारी पवन राठी ने बताया कि कथा के मुख्य आयोजक कृष्णचंद्र अनेजा थे।

> "माँ-बाप हमें शहजादों की तरह पालते हैं, लिहाजा हमारा भी फर्ज है कि हम भी उन्हें हमेशा बादशाहों की तरह रखें।"

राष्ट्रपति के कर कमलों द्वारा नर्सिंग कॉलेज का शुभारंभ

डॉ. सरोज बजाज के प्रयासों से मिली चौथी सौगात, अब पीजी नर्सिंग की तैयारी

हैदराबाद. ख्यात समाजसेवी डॉ. सरोज बजाज के प्रयासों से संस्था महिला दक्षता समिति के द्वारा ''महिला दक्षता समिति एवं बंशीलाल मालानी कॉलेज ऑफ नर्सिंग'' की सौगात मिली है। इसके साथ संस्था द्वारा संचालित यह चौथा प्रकल्प प्रारंभ हो गया।

राष्ट्रपति महामहिम श्री प्रणब मुखर्जी के कर कमलों द्वारा महिला दक्षता समिति एंड बंसीलाल मालानी कॉलेज ऑफ नर्सिंग का उद्घाटन, हैदाराबाद इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर पर गत 24 दिसंबर को किया गया। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में तेलंगाना के राज्यपाल ईएलएल नरसिम्हन, तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मुहम्मद महमूद अली, केंद्रीय श्रम व रोजगार मंत्री बंगारू दत्तात्रेय, सांसद विश्वेश्वर रेड्डी शामिल हुए। इस अवसर पर माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ ब्रजभूषण बजाज, नथमल डालिया, लक्ष्मीनारायण काकाणी सहित कई गणमान्य उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि डॉ. बजाज के प्रयास से प्रथम सोपान के रूप में संस्था द्वारा सुमन जूनियर कॉलेज का निर्माण किया गया। जिस का उद्घाटन 13 जुलाई 2002 को डॉ. श्री.सी. रंगराजन तत्कालीन राज्यपाल आंध्रप्रदेश के द्वारा किया गया। इसी क्रम में 9 जुलाई 2005 को डिग्री कॉलेज (उस्मानिया विवि से संबद्ध) का उद्घाटन तत्कालीन राज्यपाल आंध्रप्रदेश सुशीलकुमार शिंदे के द्वारा हुआ। अध्यक्ष के.एस. शर्मा चीफ एग्जीक्यूटिव अफसर प्रसार भारती नईदिल्ली ने की थी। इसके पश्चात व्यावसायिक शिक्षा में निपुणता प्रदान करने हेतु वोकेशनल जूनियर कॉलेज का उद्घाटन 7 जून 2010 को ईएसएल नरसिम्हन, राज्यपाल आंध्रप्रदेश ने किया था। के. रोशय्या मुख्यमंत्री आंध्रप्रदेश ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की थी। इस कॉलेज में एपीएचडब्ल्यू (नर्सिंग), फिजियोथैरेपी, मेडिकल लैब तकनीशियन व कम्प्यूटर साइंस की शिक्षा दी जा रही है।

कैसी है कॉलेज व्यवस्था

महाविद्यालय में ऑटोमेटिव ऑफिस, स्टॉफ रूम व प्रिंसिपल रूम के साथ भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, वनस्पति शास्त्र, जीव विज्ञान तथा वोकेशनल विषयों की बड़ी-बड़ी लैब्स तथा डिग्री कॉलेज के लिए इंग्लिश, गणित, कम्प्यूटर लैब एवं नर्सिंग डिग्री कॉलेज की आवश्यक प्रयोगशालाएँ आवश्यकतानुसार इंफ्रास्ट्रक्चर से युक्त है, साथ में संगीत कक्ष, योग कक्ष व विशाल पुस्तकालय है। भवन की दूसरी मंजिल पर गोयनका सभागृह है, जिसमें 300-400 छात्राओं की बैठक व्यवस्था है। समय-समय पर समाजसेवी, प्रोफेशनल्स, विभिन्न विषयों के एक्सपर्ट आदि को महाविद्यालय में बुलाकर छात्राओं को उच्च लक्ष्यों के लिये प्रेरित किया जाता है। ऊपर की मंजिल पर जाने के लिये लिफ्ट का इंतजाम भी है।

कैसे मिली उन्हें प्रेरणा

पूर्व में डॉ. सरोज बजाज अपनी साथी कर्मठ सदस्याओं के साथ छोटे-छोटे गांवों में लड़कियों को उच्च शिक्षा/व्यावसायिक शिक्षा (इंटर/डिग्री/इंजीनियरिंग/चिकित्सा/नर्स) के लिये प्रेरित करती थीं। तब लोग कहते थे कि यहाँ गांवों में ऐसी व्यवस्था नहीं है। शहर में हम बेटियों को कहाँ रखें, जहाँ वे सुरक्षित रहकर उच्च शिक्षा प्राप्त कर आत्मनिर्भरता प्राप्त कर सकें। गरीबी भी एक कारण था। उन लोगों को ''बेटियों को आगे पढ़ाइये'', यह समझाना मुश्किल होता था। तदर्थ सुमन निलयम का निर्माण प्रथमतः करना निश्चित कर शिक्षा गतिविधियों का विकास किया गया।

अब नर्सिंग में पीजी की तैयारी

डॉ. सरोज बजाज के यशस्वी व आत्मविश्वासी नेतृत्व में महिला दक्षता समिति ने अपने सम्मुख नर्सिंग कॉलेज के लिये होस्टल और एमएससी नर्सिंग कॉलेज खोलने का लक्ष्य भी रखा हुआ है। डॉ. बजाज स्त्री समाज के प्रति उत्तरदायित्व का निर्वाह कर्त्तव्य मानकर करते हुए प्रतिपल स्त्री सशक्तीकरण के लिये उच्च शिक्षा व व्यावसायिक शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिये पूर्ण रूपेण समर्पित हैं। उनका ध्यान ग्रामीण क्षेत्र व विपन्न वर्ग की लड़कियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष रूप से रहता है।

> मन में बैर रखकर
> ऊपर से मीठा बोलने के बजाय
> मन में सद्भावना रखकर कड़वा बोलना बेहतर है।

बजाज को अंतरराष्ट्रीय अवॉर्ड

नागदा जंक्शन. लायंस क्लब्स इंटरनेशनल द्वारा लायंस क्लब नागदा ग्रेटर के पूर्व अध्यक्ष सतीश बजाज को वर्ष 2015-16 हेतु एक्सीलेंस प्रेसिडेंट के अवॉर्ड से नवाजा गया है। श्री बजाज द्वारा अपने कार्यकाल में समस्त प्रशासनिक गतिविधियों इंटरनेशनल ड्यूज, मेंबरशिप ग्रोथ एवं सेवा गतिविधियों को अंतरराष्ट्रीय एवं डिस्ट्रिक्ट के मापदंडों का पालन करते हुए पूर्ण करते हुए इस अवॉर्ड को प्राप्त किया गया। श्री बजाज को तीन वर्ष क्लब अध्यक्ष बनने का अवसर भी प्राप्त हुआ। तीनों बार लायंस इंटरनेशनल द्वारा उन्हें एक्सीलेंस प्रेसीडेंट के अवॉर्ड से नवाजा गया है। श्री बजाज पहले ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्हें तीनों कार्यकाल में एक्सीलेंस प्रेसिडेंट का अवॉर्ड अंतरराष्ट्रीय द्वारा मिला है।

भागवत कथा में शोभायात्रा

ब्यावर. नितिन तोषनीवाल परिवार की भागवत कथा में शोभायात्रा गत 24 दिसंबर को निकाली गई। यह माहेश्वरी भवन, पाली बाजार ब्यावर से निकली। इसमें सैकड़ों धर्मप्रेमी बंधुओं ने भाग लिया। यात्रा कथास्थल अशोक पैलेस से निकली।

> सुंदरता से बढ़कर
> चरित्र है
> प्रेम से बढ़कर
> त्याग है।
> दौलत से बढ़कर
> मानवता है
> परंतु
> सुंदर रिश्ते से बढ़कर
> दुनिया में
> कुछ भी नहीं है।

योग-ध्यान व प्राणायाम शिविर

पिपरिया. योग-ध्यान-प्राणायाम शिविर का हुआ आयोजन प्रशिक्षक आनंद सोडानी के मार्गदर्शन में योग-ध्यान व प्राणायाम शिविर आयोजित हुआ। माहेश्वरी सेवा मंडल, माहेश्वरी महिला परिषद एवं माहेश्वरी युवा संगठन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस शिविर योगा ट्रीट में सरल योगासन के साथ ही आयुर्वेदिक भोजन शैली का महत्व भी बताया गया। सेवा मंडल के सचिव अजय घुरका ने सभी सामाजिक बंधुओं की उपस्थिति पर आभार व्यक्त करते हुए प्रशिक्षक को धन्यवाद ज्ञापित किया। शिविर में माहेश्वरी महिला परिषद की अध्यक्ष बीना मूंदड़ा और सेवा मंडल के कोषाध्यक्ष सुशील गांधी विशेष रूप से मौजूद थे।

'नानीबाई को मायरो' कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सूरत. माहेश्वरी मुस्कान महिला मंडल की ओर से 20 से 22 दिसंबर तक 'नानीबाई को मायरो' का आयोजन वरिष्ठ समाजसेवी रामअवतार-विमला साबू के फॉर्म हाउस पर हुआ। गोवत्स श्री राधाकृष्णजी महाराज के मुखारविंद से शाम 3.30 से 6.30 बजे तक श्रद्धालुओं ने इसका धर्मलाभ लिया। प्रतिदिन कार्यक्रम का आरंभ शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में महाराज के सान्निध्य में प्रभातफेरियों से किया गया। इनमें 500 श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। मंडल पदाधिकारी सरला मालू, वंदना भंडारी, पुष्पा सोमानी, संतोष जाजू, किरण जाजू ने बताया कि पर्वत पाटिया से कथा स्थल तक लाने ले जाने के लिए बसों की व्यवस्था रखी गई।

मंगल महोत्सव से किया नववर्ष का स्वागत

बैंगलुरु. माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा धार्मिक आयोजन के अंतर्गत नूतन वर्ष पर मंगल महोत्सव का दो दिवसीय आयोजन गत 31 दिसंबर व 1 जनवरी को माहेश्वरी भवन में किया गया। इसमें श्री मारुतिनंदन 'वागीश जी' महाराज वृंदावन धाम के श्रीमुख से संगीत के सुमधुर वातावरण में प्रवचन संपन्न हुए। दो दिवसीय प्रवचन में प्रथम दिन स्वामीजी ने कृष्ण लीला की कथा का वर्णन किया। साथ ही कृष्ण लीला झांकी मंडल ने प्रस्तुत की। 1 जनवरी को रुक्मणि विवाह महोत्सव कथा हुई, जिसमें महिला मंडल ने गाजे-बाजे के भगवान श्रीकृष्ण की बारात निकाली। इसके साथ ही रुक्मणिजी व भगवान श्रीकृष्ण का विवाह संपन्न हुआ। बधाई के गीता का आनंद समाज सदस्यों ने नृत्य के साथ लिया। महाप्रसाद के साथ ही सफलतापूर्वक कार्यक्रम का समापन हुआ।

प्रगतिशील मारवाड़ी समाज के चुनाव संपन्न

वरंगल. प्रगतिशील मारवाड़ी समाज के चुनाव गत दिनों हुए। डॉ. विष्णुकुमार बल्दवा और संपतकुमार लाहोटी चुनाव अधिकारी थे। अध्यक्ष वेणुगोपाल मूंदड़ा, उपाध्यक्ष गोपाल तोषनीवाल, श्यामसुंदर जाखोटिया, मंत्री रामकिशन बोहरा, सहमंत्री नंदकिशोर शर्मा, सहमंत्री रामकिशोर मनियार, कोषाध्यक्ष रामनिवास मनियार, सहकोषाध्यक्ष श्यामसुंदर व्यास, सांस्कृतिक मंत्री नवलकिशोर मूंदड़ा, सहसांस्कृतिक मंत्री दामोदर लाहोटी तथा संगठन मंत्री सत्यनारायण कालाणी चुने गए। 20 सदस्यों की कार्यकारणी की घोषणा भी की गई। यह जानकारी सहमंत्री रामकिशोर मनियार ने दी।

डॉ. माहेश्वरी की स्मृति में निःशुल्क चिकित्सा शिविर

देवास. मध्यप्रदेश पश्चिमांचल माहेश्वरी महिला संगठन की पूर्व अध्यक्ष, प्रसिद्ध समाजसेवी और वरिष्ठ चिकित्सक स्व. डॉ. वैजयंती माहेश्वरी की स्मृति में निःशुल्क परामर्श एवं चिकित्सा शिविर आयोजित हुआ। अशोक सोमानी एवं संजय परवाल ने बताया कि इस शिविर में डॉ. प्रमोद, डॉ. पुनीत एवं डॉ. प्राची माहेश्वरी ने सेवाएं प्रदान की एवं 132 मरीजों का निःशुल्क इलाज कर दवाइयां प्रदान की गईं। शिविर में नगर के प्रसिद्ध चिकित्सकों के अलावा रोटरी क्लब देवास एवं अन्य सामाजिक संगठनों के सदस्य मौजूद थे। अभा माहेश्वरी महासभा के कार्यकारिणी सदस्य एवं साहित्यकार मुरली मानधन्या ने भी अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। शिविर का शुभारंभ मोहनलाल परवाल एवं कमल भुराड़िया इंदौर द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन अशोक सोमानी ने किया। आभार डॉ. पुनीत माहेश्वरी ने माना।

कुकिंग क्लासेस का हुआ आयोजन

रायपुर. स्थानीय माहेश्वरी महिला समिति द्वारा गत 21 व 22 दिसंबर को दो दिवसीय कुकिंग क्लासेस का आयोजन 'संस्कार भवन' रायपुर में किया गया। कुकिंग क्लासेस नागपुर की प्रसिद्ध शेफ नीरज जैन द्वारा ली गई। श्रीमती जैन ने दो दिन में 35 तरह के व्यंजन बनाने की विधि सिखाई। इस शिविर में 100 से ज्यादा सदस्यों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि केक बनाते हुए नीबू की बूंदें डालने से बिना अंडे का केक बहुत ही नरम बनता है। इसी तरह माइक्रोवेव के इस्तेमाल का तरीका भी बताया। सुनीता लड्ढा, भावना मर्दा, लीना लखोटिया, मंजू राठी आदि का विशेष योगदान रहा।

प्रवीशा को स्वर्ण पदक के साथ पीएचडी

कन्नौद. वरिष्ठ समाज सदस्य पुरुषोत्तमदास धूत की पौत्रवधू एवं देवास जिला माहेश्वरी समाज अध्यक्ष राजेश धूत की पुत्रवधू प्रवीशा-भरत धूत ने पी.एचडी. में महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि उदयपुर से स्वर्ण पदक प्राप्त किया है। प्रवीशा ने अपना शोध अमरूद में सघन बागवानी के क्षेत्र में किया है। उन्हें स्वर्ण पदक राजस्थान के राज्यपाल कल्याण सिंह (पूर्व सीएम यूपी), राजस्थान के गृह मंत्री गुलाबचंद कटारिया, कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी ने उदयपुर में विगत दिनों प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि प्रवीशा इससे पूर्व एम.एससी. में भी विवि स्तर पर स्वर्ण पदक प्राप्त कर चुकी हैं।

भीलवाड़ा की पूर्वा समदानी को कराते में सिल्वर मेडल

भीलवाड़ा. शास्त्रीनगर निवासी समाज सदस्य अमित-दीपाली समदानी की 6 वर्षीय पुत्री पूर्वा ने स्कूल कराते ऑफ इंडिया द्वारा गत 30 दिसंबर को क्राउन होटल दिल्ली में आयोजित 7वीं अंतरराष्ट्रीय कराते स्पर्धा में सिल्वर मेडल प्राप्त किया।

"हमें हमेशा अपनी ही भाषा बोलनी चाहिए,
क्योंकि कोयल
अपनी भाषा बोलती है
इसलिये आज़ाद रहती है
किन्तु तोता
दूसरे की भाषा बोलता है
इसलिए जीवन भर
पिंजरे में गुलाम रहता है।"

परिवार निर्माण पर आयोजित हुई कार्यशाला

दुर्ग. जिला माहेश्वरी सभा, जिला महिला व जिला युवा संगठन ने संयुक्त रूप से श्री माहेश्वरी पंचायत दुर्ग के आतिथ्य में परिवार निर्माण के रचनात्मक सूत्र विषय पर एक व्याख्यान बाबा रामदेव मंदिर में गत 23 दिसंबर को आयोजित किया। अतिथियों का स्वागत व अंत में सम्मान पुष्प-कली व स्मृति चिह्न भेंटकर किया गया। छग प्रादेशिक माहेश्वरी सभा अध्यक्ष विट्ठल भूतड़ा, संयुक्त मंत्री राधेश्याम राठी, श्री माहेश्वरी पंचायत दुर्ग अध्यक्ष ओमप्रकाश टावरी, दुर्ग जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष व कार्यक्रम संयोजक राजकुमार गांधी, दुर्ग जिला सभा सचिव जगदीश चांडक, कार्यक्रम सहसंयोजक संतोष चांडक, दुर्ग जिला महिला सभा अध्यक्ष निधि झंवर, महिला मंडल अध्यक्ष रुचि सोमानी आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन जिला सभा सचिव जगदीश चांडक ने किया।

पश्चिमी उप्र महिला संगठन की बैठक सम्पन्न

अलीगढ़. पश्चिमी उप्र माहेश्वरी महिला संगठन (तदर्थ समिति) की प्रथम कार्यकारिणी की बैठक गत 15 दिसंबर को श्री महेश्वर इंटर कॉलेज में आयोजित हुई। शुभारंभ पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा माहेश्वरी, राष्ट्रीय महासचिव कांता गगरानी, प्रदेशाध्यक्ष विनीता राठी और प्रदेश सचिव मंजू हरकुट ने किया। महिला संगठन द्वारा एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन भी किया गया। इसमें डॉ. अशोक माहेश्वरी द्वारा 78 लोगों के ब्लड ग्रुप की निःशुल्क जांच की गई। डॉ. अमिता माहेश्वरी ने वजन कम करना, थायराइड, हार्ट आदि से संबंधित समस्या के कलर थैरेपी और सीड थैरेपी द्वारा इलाज के फायदे और उपाय बताये।

पोष बड़ा कार्यक्रम का हुआ आयोजन

भीलवाड़ा. काशीपुरी वकील कॉलोनी माहेश्वरी महिला मंडल की ओर से मकर संक्रांति पर्व के अंतर्गत पोष बड़ा कार्यक्रम आजाद नगर स्थित माहेश्वरी भवन में मनाया गया। मंडल की सदस्याओं ने भोग लगाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। सभी क्षेत्रीय समाज की महिलाओं ने नृत्य प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम भोपालगंज, द्वितीय आजाद नगर और तृतीय चंद्रशेखर आजाद नगर महिला मंडल रहा। अध्यक्ष गायत्री बिड़ला ने बताया कि मुख्य अतिथि ममता मोदानी, शोभा भदादा, अनिता अजमेरा व सीमा कोगटा थीं। इस दौरान मंडल की शशि, रेणु, चंद्रकांता, लीला राठी, ललिता आदि मौजूद थीं।

छप्पन भोग प्रसादी का हुआ आयोजन

लखनऊ। ट्रांसगोमती माहेश्वरी महिला संगठन के द्वारा ठाकुरजी के 56 भोग का आयोजन अध्यक्ष ममता राठी के निवास स्थान पर हुआ। इसमें सभी सदस्यों ने 56 प्रकार के व्यंजन तैयार किये और ठाकुरजी को भजन, नृत्य व आरती के साथ भोग लगाया। इस अवसर पर मंत्री बबीता सोमानी, कोषाध्यक्ष सुमन गट्टानी, उषा झँवर, माया माहेश्वरी, गीता राठी, राजश्री सोनी, स्वाति सोमानी, लक्ष्मी सोमानी, राधा राठी, अमृता सोमानी, अरुणा केला, करुणा माहेश्वरी सहित सभी सदस्याएँ मौजूद थीं।

रांगोली प्रशिक्षण शिविर का हुआ आयोजन

रतलाम. माहेश्वरी महिला जिला संगठन द्वारा एक दिवसीय रांगोली प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। इसमें महिलाओं एवं युवतियों को आधुनिक एवं पारंपरिक ढंग से रांगोली बनाना सिखाया गया। उक्त जानकारी देते हुए जिलाध्यक्ष चंदादेवी भंसाली ने बताया कि इसमें 100 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को इंदौर की ख्यात प्रशिक्षक कांता लड्ढा ने प्रशिक्षण प्रदान किया। रमा मालपानी, चंदा भंसाली, शारदा मूंदड़ा, मधु सोमानी, कांता काकाणी, पुष्पा राठी, पुष्पा असावा आदि विशेष रूप से मौजूद थीं।

नगर परिषद् चुनाव में विजयी हुए राठी

आर्वी (वर्धा). सामाजसदस्य गणेशकुमार रमनलाल राठी उर्फ रामू भारतीय जनता पार्टी से वार्ड मेंबर के नगर परिषद के चुनाव में विजयी हुए। वे भाजपा आर्वी युवा संगठन के अध्यक्ष भी हैं।

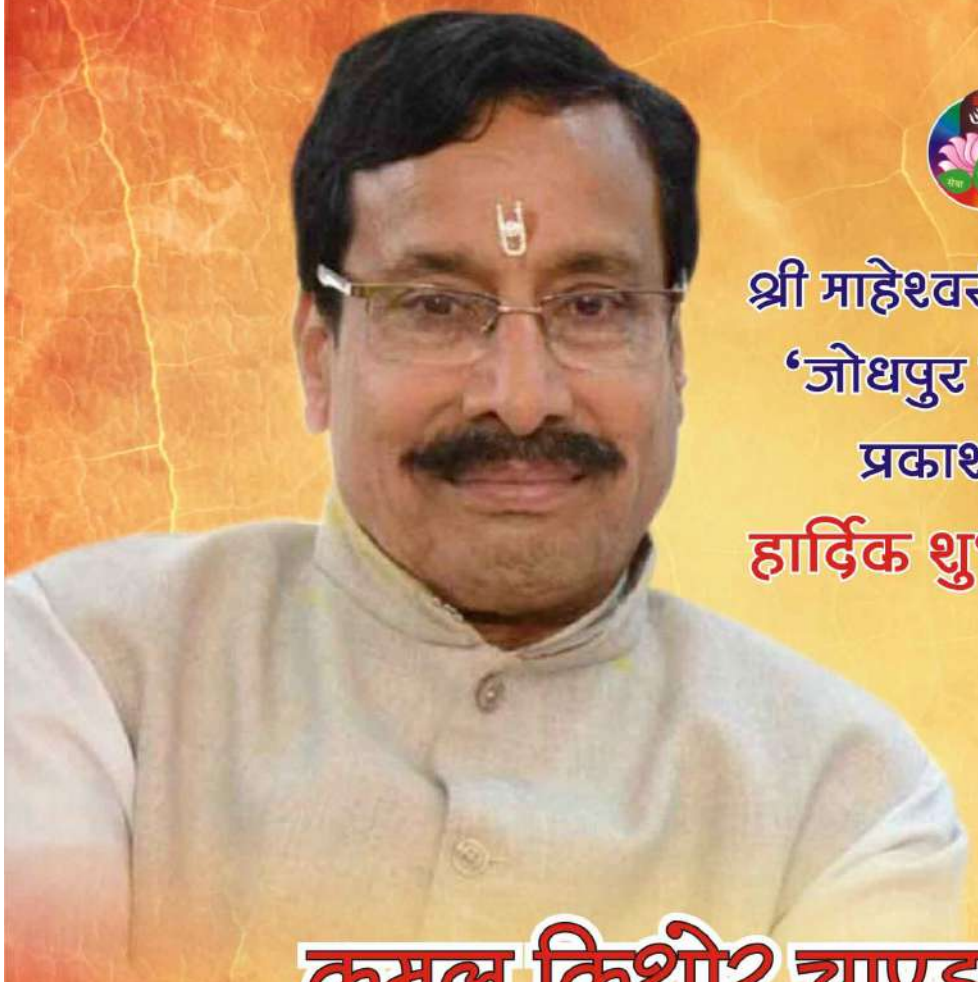

श्री माहेश्वरी टाईम्स के
'जोधपुर विशेषांक'
प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाएँ

कमल किशोर चाण्डक

पूर्व संयुक्त मन्त्री- अ.भा. माहेश्वरी महासभा
पूर्व कोषाध्यक्ष- श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर

लक्ष्मीनारायण कमलकिशोर चाण्डक
ए-7, मण्डोर मण्डी, जोधपुर (राज.)

दिनेश मशीनरी स्टोर्स
चाण्डक मार्केट, खींवसर (राज.)

शहर-ए-आफ़ताब

सूर्यनगरी जोधपुर

थाल भरां गजमोतियां उण पर नैण धरां

हरिप्रकाश राठी

दिनांक 5 नवम्बर 1955 को जोधपुर शहर में जन्मे हरिप्रकाश राठी ख्यात समाजसेवी एवं स्तम्भ लेखक होने के साथ नामचीं साहित्यकार भी हैं। उन्होंने 140 से अधिक कहानियाँ लिखकर साहित्यिक जगत को तो धन्य किया ही है, उनके कॉलम भी राष्ट्रीय स्तर की पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहते हैं। उन्हें 'विद्यावाचस्पति', विद्यासागर, तथागत सृजन एवं मानसश्री सम्मान सहित अनेक प्रतिष्ठित साहित्यिक पुरस्कारों से नवाजा गया है। वर्तमान में उनके दस कथा-संग्रह जन-जन की जुबान पर हैं। उनकी कहानियों का अंग्रेजी, सिंधी, संस्कृत, राजस्थानी एवं अन्य भाषाओं में भी अनुवाद हो चुका है। प्रखर वक्ता, चिंतक एवं महासभा परिवार परिवेदना निराकरण समिति के संयोजक श्री राठी 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' के नियमित लेखक एवं इस जोधपुर विशेषांक के प्रभारी भी हैं। जानें सूर्य नगरी जोधपुर की वे खास जानकारियां जो आप जानना चाहते है, श्री राठी की कलम से।

राजस्थान के पश्चिमी सिंहद्वार 'सनसिटी' जोधपुर का महत्व इसकी प्राचीनता, कलात्मकता, मौलिकता एवं गौरवशाली इतिहास के कारण तो है ही, जोधपुर अपणायत, मीठी बोली एवं लज़ीज़ पकवानों का भी शहर है। यहां के लोग बात के धनी तो होते ही हैं, बात करने में सिद्धहस्त भी होते हैं। उनकी वाक्पटुता, बुद्धि-विलास एवं रचनात्मकता देखते ही बनती है। विश्वप्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक 'फ्राइड' ने कभी कहा था कि जिस देश के लोग आपस में बात कर मन हल्का कर लेते हों, वहां मनोरोग हो ही नहीं सकते। ऐसे लोग स्वभाव से ही निर्मल, पारदर्शी एवं सहज बन जाते हैं। जोधपुर की इसी खूबी के कारण जो भी इस शहर में कुछ वर्ष रह लेता है, यहीं का होकर रह जाता है। इस शहर में कोई हजार 'हत्थईयां' होंगी जहां लोग हर शाम आपको ताश खेलते, भजन गाते, विभिन्न विषयों पर बतियाते हुए मिल जायेंगे, यहां के लोगों को पेट भरने के लिये' बात एवं भात' दोनों चाहिये।

अत्यंत गरिमामय संस्कृति

जोधपुर शहर अपनी तहज़ीब के लिये भी जाना जाता है। यहां की वेशभूषा, यहां के वाशिंदो के 'मैनर्स' जगतविख्यात हैं। घूमर नृत्य की प्रसिद्ध पंक्तियां' मनै राठौड़ां रे घर भल दीजै ए माय..... घूमर रमवा मैं जास्यां' नवयौवनाओं के इसी भाव का इज़हार है। यहां की लहरिया पाग, बंधेज साड़ियां एवं जोधपुर कोट भी इसीलिये आज विश्वभर में 'इवेंट मैनेजमेंट' एवं फैशन डिजाइनिंग का अहम् हिस्सा बन गये हैं। यह वह शहर है जहां गहने-गांठे पहनी औरतें देर रात तक बेखौफ आ-जा सकती हैं। कहते हैं अन्य शहरों में कार है तो यहां संस्कार है। यही कारण है कि यह शहर इस प्रदेश की 'सांस्कृतिक राजधानी' के नाम से भी विख्यात है। यहां का 'छितर का पत्थर' अपनी बेमिसाल खूबसूरती के चलते विश्वविख्यात है, यह पत्थर हर बारिश के बाद और उजला होता जाता है, यहां के अधिकांश मकान इसी पत्थर के बने हैं। पहले घर बनाने के लिये कारीगर महीनों टांकी-हथौड़ों से इन पत्थरों को गढ़ते थे लेकिन अब यह चमत्कार मशीनों ने कर दिखाया है, जो बहुत कम समय में इस कार्य को अंजाम दे देती हैं। इसी के चलते इस पत्थर का टर्नओवर पहले से कई गुना बढ़गया है। जोधपुर के पत्थर व्यवसायी यहां के मानी लोगों में हैं एवं अनेक बार इस शहर को 'पत्थरों का शहर' भी कहा जाता है। शहर भले पत्थरों का हो लेकिन यहां के वाशिंदे मक्खन की तरह कोमल हैं। बकौल शायर मखमूर सईदी 'हर रास्ते में फूल बिछाता जरूर है, यारों ये पत्थर का शहर जोधपुर है।' यहां के लोगों को आप बात करते हुए गौर से देखिये, वे तहज़ीब, मोहब्बत एवं अपनापन का खजाना लगते हैं। वे खुद भीगते हैं, दूसरों को भी भिगोते हैं। इसीलिये शायर रम्जी इटावी कहते हैं' और शहरों में खून मिलता है, जोधपुर में सुकून मिलता है।'

कुँवारे खाते है बैंत की मार

यहां के पुरुषों का स्त्रियों के प्रति आदरभाव भी देखते बनता है। यहां के अनेक पुरुष बहुधा अपनी पत्नी के साथ एक ही थाली में नित्य भोजन करते देखे जा सकते हैं, इतना ही नहीं अनेक पुरुष संबोधन में अपनी पत्नी को 'भागवान', 'लक्ष्मीजी', 'आप' कहकर पुकारते हैं। यहां का एक त्यौहार 'बेंतमार गणगौर' अपने अनूठेपन के कारण विश्वभर में प्रसिद्ध है। यह त्यौहार सांझ ढलने के पहले प्रारम्भ होता है एवं उस पूरी रात शहर में 'लुगाइयों का राज' रहता है। इस पूरी रात सजी-धजी औरतें चमकीले रेशम से बन्धी बेंतें हाथ में लेकर आने-जाने वालों पुरुषों विशेषतः अविवाहितों की पिटाई करती हैं। किंवदंति है कि जिस लड़के को बेंत लगेगी, उसका शीघ्र विवाह होना तय है। इसी के चलते अनेक कुंआरे इस रात इन बेंतमार औरतों की बेंत खाकर चुहल करते हैं, अपने भाग्य को सराहते भी हैं। मीठी बोली एवं अपणायत यहां की हैरिटेज है। जोधाणा के लोगों को देखकर ही प्रसिद्ध राजस्थानी कवि कन्हैयालाल सेठिया ने अपनी लोकविख्यात कविता 'धरती धोरां री' में लिखा था-पंछी मधरा-मधरा बोलै, मिश्री मीठे सुर स्यूं घोलै, झीणो बायरियो पंपोलै.....धरती धोरां री-क्योंकि थार के गोरे धोरों का प्रारंभ भी तो जोधपुर से सुदूर इलाकों तक है।

इतिहास-पुराण की मुकुट मणि

जोधपुर की संस्कृति जितनी ऊंची है, इसका इतिहास उतना ही गरिमामय है। यह उस वीर दुर्गादास की भूमि है, जिसके शौर्य की कथाएँ दिल्ली मुगल दरबार तक में सुनाई जाती थी। कहते हैं दुर्गादास हाथ में

तीखा भाला लेकर घण्टों मारवाड़ की पहरेदारी करते थे। ऐसे कई चित्र देखने को मिलते हैं जहां दुर्गादास घोड़े पर बैठे भाले से ही अंगारों पर सिकती बाटियां उठाकर खा लेते थे। दाल-बाटी-चूरमा यहां के खानपान में विशेष स्थान भी रखते हैं एवं मानसून के दिनों में यहां के वाशिंदे बहुधा अपनी पिकनिक-गोटों में इसी का आनंद लेते हैं। जोधपुर नौ कोटि मारवाड़ भी कहलाता है। राज के दिनों में जोधपुर अपने मुख्य किले 'मोरध्वज' जो मेहरानगढ़नाम से भी विख्यात है, के साथ आसपास के अन्य अनेक किलों का भी स्वामी था। जोधपुर राज की सीमाएँ तब थार अंचल में दूर-दूर तक फैली थीं। तब जोधपुर की राजधानी मण्डोर थी, जो आज भी यहां का प्रमुख दर्शनीय स्थल है। यह स्थान मीलों तक फैला है एवं यहां अनेक बाग-बगीचे-बावड़ियां एवं पुरातत्व महत्व के मंदिर देखते ही बनते हैं। रावण की पत्नी मंदोदरी यहीं की राजकुमारी थी। राम-रावण युद्ध पूर्व उसने रावण को बहुत समझाने की कोशिश की कि राम कोई साधारण मनुष्य नहीं है, वह अवतारी है पर अभिमानी रावण नहीं माना। अंततः 'भयऊ कंत पर विधि विपरिता' जानकर वह भी चुप हो गई। वह प्रखर पतिव्रता एवं विदुषी स्त्री थी एवं यहां के श्रीमाली ब्राह्मण प्रतिवर्ष श्राद्धपक्ष में आज भी अपने दामाद रावण का श्राद्ध करते हैं।

पुरातत्व की अमूल्य सम्पदा

जोधपुर राजस्थान प्रांत का दूसरा सबसे बड़ा शहर है। राजस्थान का हाईकोर्ट भी इसी शहर में है। पहले यह शहर चारों ओर परकोटों से घिरा था, जिनके अवशेष आज भी देखें जा सकते हैं। जोधपुर का किला 'मोरध्वज' जो मेहरानगढ़नाम से भी जाना जाता है, के लिये किसनिया 'कवि' ने क्या खूब लिखा है - गढ़ऊंचौ चितौड़, आबू पर छायां पडै, मोरध्वज री मोड़ (मुकुट), कमती किणसु किसनिया। इस किले पर खड़े होकर जोधपुर का चितराम, विहंगम दृश्य देखते बनता है। राव जोधा ने

कभी इसी मगरी पर खड़े होकर इस शहर को बसाने की कल्पना की थी। राठौड वंश के इस राजपूत ने यह शहर वर्ष 1459 में बसाया था। कृष्ण भक्त मीरा का ननिहाल इसी वंश से है। इन छः शताब्दियों के अन्तराल में यहां के वीरों ने शौर्य के अनेक आख्यान गढ़े हैं। यह परमवीर चक्र विजेता मेजर शैतानसिंह की भी भूमि है जिन्होंने 1962 में चीन युद्ध में चीनियों के दांत खट्टे कर दिये थे। यहां के दर्शनीय स्थानों में मंडौर, उम्मेद भवन पैलेस, जसवन्तथड़ा, कायलाना, कदमकण्डी, अरणा-झरना आदि मुख्य हैं। इन सब स्थानों से भी इतर यहां के भीतरी शहर की छटा देखते बनती है। यह शहर हवेलियों वाला शहर भी कहलाता है क्योंकि यहां की नक्काशीदार हवेलियां एवं उनके झरोखे देखते बनते हैं।

व्यंजनों की भी विशिष्ट पहचान

यहां के स्वादिष्ट पकवानों में मावे की कचौरी, बूंदी के लड्डू, ठोर, मालपुए, कीटी की चक्की एवं प्याज की कचौरी आदि हैं। यहां एक व्यापारी 'चतुर्भुज' के गुलाबजामुन की तो विश्वभर में पहचान है। दो ब्रेड के बीच मिर्चीबड़ा दबाकर खाना यहां का खास ब्रेकफास्ट है। यहां की मखनिया लस्सी का स्वाद भी अनूठा है, घण्टाघर स्थित मिश्रीलाल की दुकान पर तो मखनिया लस्सी के लिये भीड़ लगी रहती है। लस्सी पीकर मूंछें पोंछना मानो यहां के तृप्तिभाव को इंगित करता है। जोधपुर में नित्य दो हजार किलो बेसन तो मिर्चीबड़ा बनाने में ही खप जाता है। बेसन के गट्टे, कैर-कुमटिया, कैरदांख, चक्की एवं गुलाबजामुन आदि की सब्जियां यहां की खास पहचान है। कालबेलिया, घूमर नृत्य यहां के तीज-त्यौहारों की शोभा बढ़ाते हैं।

विकास के आईने में शहर

विश्व रंगमंचों पर मोरचंग एवं खड़तालों की धूम मचाने वाले लंगा, मांगणियार वादक-गायक भी इसी क्षेत्र से हैं। व्यावसायिक कौशल तो यहां के डीएनए में है। जोधपुर हैण्डीक्राफ्ट्स, ग्वारगम, इंजीनियरिंग,

स्टेनलैस स्टील, खनिज आधारित उद्योग, होटल व्यवसाय आज देशज एवं वैश्विक व्यापार में धूम मचा रहे हैं। जोधपुर अब शिक्षा का भी अहम केन्द्र बनता जा रहा है। यहां के न्यायाधीशों ने उच्चतम न्यायालय में ही नहीं, विश्वमंचों पर भी अपनी योग्यता सिद्ध की है, यही कारण है कि एनएलयू जोधपुर की देशभर में प्रतिष्ठा है। कुछ वर्षों पहले खुले 'एम्स' चिकित्सालय ने इस प्रतिष्ठा में और इज़ाफा किया है। सीए, सीएस की तो यहां गिनती मुश्किल है। इसी अकेले शहर से प्रतिवर्ष 100 से ऊपर सीए पास होते हैं।

कृष्ण-उतंक संवाद की पावन भूमि

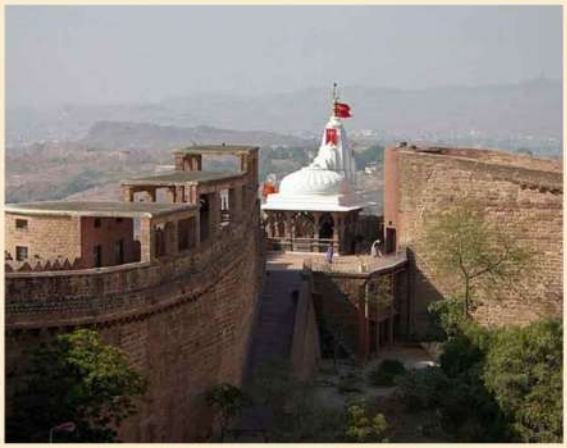

वैसे तो यहां सभी देवों के मंदिर हैं लेकिन यहां के मंदिरों में कृष्णभक्ति का प्रभाव स्पष्ट है। महाभारत का कृष्ण-उतंक संवाद मारवाड़ के आध्यात्मिक इतिहास का अमिट आलेख है। तब हस्तिनापुर जाते हुए कृष्ण ने मारवाड़ में तपोधनी उतंक मुनि के दर्शन किये थे। तब द्वारिका से हस्तिनापुर का मार्ग मारवाड़ होकर ही था। उतंक ने कृष्ण को आगाह किया कि तुम परम विद्वान हो, युद्ध के प्रलयंकारी परिणामों को जानते हो, अतः तुम किसी स्थिति में युद्ध नहीं होने देना। दुर्योधन की हठधर्मिता, दुराग्रह के चलते युद्ध हुआ जिसमें भीषण जनहानि हुई। युद्धोपरान्त हस्तिनापुर से द्वारिका लौटते हुए कृष्ण ने पुनः उतंक मुनि के दर्शन किये एवं कहा कि मेरे तमाम प्रयासों के बावजूद भी जब दुर्योधन ने कहा कि मैं सुई की नोक बराबर भूमि नहीं दूंगा, तो युद्ध अपरिहार्य हो गया। उतंक तब कुपित होकर बोले, बुद्धिमानों की बुद्धि का फिर क्या प्रयोजन? कृष्ण तुम्हें युद्ध रोकना ही था, अब मैं तुम्हें श्राप दूंगा, तब कृष्ण हाथ जोड़कर बोले, मुनिवर! आप अपनी चिर साधना से संचित तप से मुझे श्राप न दें, मैंने प्रयासों में कोई कसर नहीं छोड़ी, उतंक तब ठण्डे हुए और बोले, मेरे श्राप से मुक्ति चाहते हो तो तुम्हें मुझे दो वर देने होंगे, एक-तुमने कुरूक्षेत्र में जिस विराट स्वरूप के दर्शन अर्जुन को दिये थे, वही दर्शन तुम्हें मुझे इस मारवाड़ में देने होंगे, कृष्ण उतंक का मंतव्य समझ गये। उन्होंने उसी विराटस्वरूप के दर्शन उतंक को करवाये जिसे देखकर अर्जुन ने कहा था जैसे हजारों सूर्य आसमान में एक साथ दीप्त हो उठे हों। दूसरे वर के रूप में उतंक ने कहा हे कृष्ण! मारवाड़ में वर्षा बहुत कम होती है, यहां का जनजीवन इससे त्रस्त रहता है। आप कोई ऐसा उपाय बतायें कि इस विकट समस्या का निदान हो, कृष्ण तब उत्तर देते हैं, 'मुनिवर! जब भी यहां के लोग मुझे 'घनश्याम' नाम से पानी के लिये पुकारेंगे, मैं उतंक बादल बनकर बरसूंगा। कृष्ण से यह रहस्य जानकर लोककल्याण प्रणेता उतंक भाव विहल होकर रो पड़े। उनकी दाढ़ी आंसुओं से भीग गयी।

अतिथियों की शहद से मीठी 'मनवार'

यहां के शहर का आतिथ्य जिसे यहां 'मनवार' भी कहते हैं, यहां का विशिष्ट मौलिक अंदाज है। जोधपुर वाले थाली समाप्त होने तक चुप रहते हैं, फिर मनवार करते हैं। मीठी वाणी में भीगी इस मनवार को 'ना' कहना लगभग असंभव है। यहां के वाशिंदे इस कला में पारंगत हैं। कभी यहां केसर के पानी तक से अतिथियों के पांव धोये जाते थे। 'केसरिया बालम आवोनी' गीत के यह अंश जोधपुर की मनवार पर सटीक उतरते हैं, जहां एक नवब्याहता विवाहोपरांत ससुराल आने पर अपने पति का स्वागत इन पंक्तियों से करती है- ''साजण आया ऐ सखि कांई भेंट करां, थाल भरां गजमोतियां उण पर नैण धरां..... पधारो म्हारे देश।''

आतिथ्य व अपणायत का पर्याय है जोधपुर माहेश्वरी समाज

जोधपुर माहेश्वरी समाज का इतिहास गरिमामय होने के साथ अनूठा एवं अनुकरणीय भी है। पुरुषार्थ एवं प्रतिभा के दो विरल गुण जोधपुर के माहेश्वरियों में कूट-कूट कर भरे हैं। यह वे लोग हैं जिन्होंने अपनी प्रतिभा का लोहा स्थानीय अन्य लोगों एवं प्रशासन से ही नहीं, दूरदराज तक से मनवाया है। आतिथ्य एवं अपणायत का भाव उनकी धमनियों में बहता है। जोधपुर के किसी भी लोकोपकारी कार्य में यहां के माहेश्वरी अग्रणी होते हैं। यह लोग अपने समाज के लिये ही नहीं अन्य जातियों विशेषतः नीचे तबके के लिये भी अनेक लोककल्याणकारी योजनाओं को शहर में यत्र-तत्र चलाते हैं।

यदि आज जोधपुर का नाम देशभर में गौरव के साथ लिया जाता है तो उसकी इस कीर्ति की नींव में जोधपुर के माहेश्वरी समाज का योगदान अविस्मरणीय है। चाहे इतिहास हो या वर्तमान वह हर परिस्थिति में अपने सहयोग में कभी पीछे नहीं रहा।

भूखों के लिये खोली थी तिजोरी

वर्ष 1936 के भीषण अकाल में यहां के सेठ श्री रघुनाथ राठी ने यह कहकर अपनी तिजोरियाँ शहर भर के लिये खोल दी थी कि मेरे जीते जी इस शहर का एक भी बाशिंदा भूखा नहीं सो सकता। तत्कालीन राजा ने उनके इस कार्य की सराहना करते हुए उन्हें शाह उपाधि से अलंकृत किया था। ऐसे माहेश्वरी आज भी अपना सरनेम 'शाह राठी' लगाते हैं। जोधपुर माहेश्वरी समाज ऐसे एक नहीं अनेक उदाहरणों से भरा पड़ा है। स्वातंत्र्य पूर्व अनेक आन्दोलनों में माहेश्वरियों के जत्थे दर जत्थे निकलते थे। इनमें से कईयों को तो कारागार की कठोर यातना तक सहनी पड़ी। यहां के अनेक माहेश्वरी 'अंत्योदय' योजना' तक में आर्थिक भागीदार हैं। कुछ माहेश्वरी बिना जाति भेदभाव के घर-घर जाकर विधवाओं, अशक्तजनों एवं अन्य मजबूर परिवारों को बिना अपना नाम बताये प्रतिमाह पेंशन तक देते हैं।

हर क्षेत्र योगदानों का गवाह

जोधपुर शहर में माहेश्वरियों के तकरीबन 6500 परिवार एवं जनसंख्या बीस हजार के लगभग है। यहां के माहेश्वरी कृषि उपज मण्डी, ग्वारगम, ओटोपार्टस, शेयर मार्केट के अतिरिक्त अन्य कई व्यवसायों एवं उद्योगों में अपना वर्चस्व रखते हैं। शिक्षा एवं प्रशासकीय क्षेत्र में भी यहां के माहेश्वरियों की तूती बोलती है। यह वह शहर है जहां हर पांच में से एक माहेश्वरी घर में सीए मिल जाता है। यहां माहेश्वरी समाज के अनेक जनोपयोगी भवन एवं स्थान हैं, जिनका समय-समय पर जीर्णोद्धार भी हुआ है। हाल ही में माहेश्वरी बगीची पर अत्याधुनिक सुविधाओं वाले नवनिर्मित रातानाड़ा भवन के अतिरिक्त यहां हरनाथ का बेरा, माहेश्वरी समाज न्याति नोहरा जालोरी गेट, द्वारिकाधीश वाटिका, माहेश्वरी भवन सिवांचीगेट, श्री माहेश्वरी छात्रावास एवं वृद्धाश्रम, शिक्षण संस्था, माहेश्वरी स्वर्गाश्रम आदि अनेक ऐसे स्थान हैं जहां जनम-मरण-परण, पूजा-अर्चना के अतिरिक्त अन्य अनेक कार्य भी संपादित होते हैं। हाल ही में शहर के माहेश्वरियों ने 'मनोकामनेश्वर महादेव मंदिर, डूंगरिया' का जीर्णोद्धार कर इसे एक जन उपयोगी भवन एवं मंदिर ही नहीं, प्राकृतिक छटा से परिपूर्ण एक दर्शनीय स्थान में तब्दील कर दिया है।

पंचों वाला समाज संगठन

यहां खांप प्रतिनिधि जो पंच कहलाते हैं, अन्य नोमीनेटेड एवं कोओप्टेड पंचों के साथ मिलकर स्थानीय पदाधिकरियों का चुनाव करते हैं। इस चुनाव में महिलाओं को भी समुचित प्रतिनिधित्व दिया जाता है। जोधपुर मुख्य माहेश्वरी समाज के अतिरिक्त यहां कमलानेहरू नगर, मसूरिया, नागोरी गेट आदि समाज हैं जो क्षेत्रानुसार विविध गतिविधियों, उत्सवों आदि का संचालन करते हैं। शहर भर में महेशनवमी महोत्सव एवं इससे जुड़ी प्रतियोगितायें भी यहां चर्चा का विषय रहती है। 'माहेश्वरी महिला संगठन' एवं उनके सभी पदाधिकारी भी यहां सक्रिय हैं तथा महिला विकास, उद्यमिता, ग्रीष्मकालीन अभिरुचि शिविर आदि अनेक योजनाऐं चलाते रहते हैं।

माहेश्वरी समाज, जोधपुर

श्री दामोदर बंग
मंत्री, जोधपुर माहेश्वरी समाज

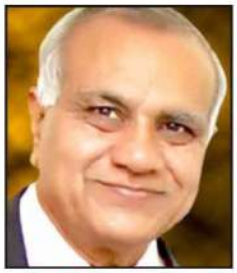

श्री हरिगोपालजी राठी
उप-मंत्री
जोधपुर माहेश्वरी समाज

श्री एस.एन. गट्टानी
कोषाध्यक्ष
जोधपुर माहेश्वरी समाज

श्री ओमप्रकाश लाहोटी
अध्यक्ष
कमला नेहरू नगर, समाज

श्री रामधनजी डागा
अध्यक्ष-नागोरी गेट
माहेश्वरी समाज

श्री भंवरलालजी चाण्डक
अध्यक्ष-मसुरिया
माहेश्वरी समाज

उर्मिला तापड़िया
अध्यक्ष-पश्चिमांचल,
प्रादेशिक महिला संगठन

डा. फूलकौर मून्दडा
संयुक्त मंत्री-पश्चिमांचल,
अ.भा.माहेश्वरी महिला संगठन

श्रीमती रामेश्वरी भूतड़ा
कार्यसमिति सदस्य
अ.भा.माहे.महिला संगठन

श्रीमती प्रभा वैद
अध्यक्ष-जोधपुर जिला
माहेश्वरी महिला मण्डल

श्रीमती सुशीला बजाज
अध्यक्ष-जोधपुर शहर
महिला मण्डल, पूर्वी क्षेत्र

श्रीमती मधु समदानी
अध्यक्ष-जोधपुर शहर माहेश्वरी
महिला मण्डल, दक्षिण क्षेत्र

श्रीमती रीना राठी
अध्यक्ष-जोधपुर शहर
महिला मण्डल, मध्य क्षेत्र

श्रीमती नीलम भूतड़ा
अध्यक्ष-जोधपुर शहर
महिला मण्डल, पश्चिमी क्षेत्र

श्रीमती मीना साबू
अध्यक्ष-जोधपुर शहर
महिला मण्डल, उत्तरी क्षेत्र

श्री भंवरजी गांधी
अध्यक्ष लालसागर

श्री मुरलीधरजी जाजू
(पोतेदार) गत 50 वर्षों से
समाज में सेवा

हम साथ–साथ हैं

जोधपुर शहर में वर्तमान में ऐसे कई माहेश्वरी प्रशासनिक अधिकारी भी तैनात हैं जो मूल जोधपुर के तो नहीं हैं पर वर्तमान में इस शहर में तैनात हैं। इसके अतिरिक्त भी ऐसे माहेश्वरी अधिकारी हैं जो प्रशासनिक क्षेत्रों में यत्र-तत्र कार्य कर रहे हैं एवं शहर तथा समाज के विकास कार्यों में समभागी होकर मदद करते हैं। जोधपुर माहेश्वरी समाज इन्हें बधाई भी देता है एवं इनका आभार भी प्रकट करता है।

श्री रतनजी लाहोटी
कमिश्नर, जोधपुर

श्री दीपकजी माहेश्वरी
न्यायाधिपति राज. उच्च न्यायालय

श्री रवि गांधी
डीआईजी (इंटेलिजेंस) बीएसएफ

श्री ललित माहेश्वरी
एसपी (जीआरपी)

सुश्री मूमल बूब
आबकारी अधिकारी

सुश्री प्रिया टावरी
आरजेएस

श्री पुनीत डागा
सह आयकर कमीश्नर आईआरएस

साहित्यकार हरिप्रकाश राठी का कथा–संसार

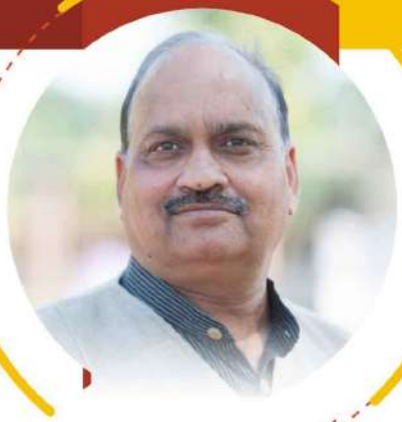

नाम कथा-संग्रह	मूल्य
अगोचर	100.00
सांप-सीढ़ी	100.00
आधार	100.00
पीढियां	100.00
पहली बरसात	100.00
माटी के दिये	100.00
नेति-नेति	100.00
कायनात	100.00
प्रतिनिधि कहानियाँ	400.00
हरिप्रकाश राठी की कहानियाँ-भाग एक	400.00
हरिप्रकाश राठी की कहानियाँ-भाग दो	400.00
ओन द विंग्स ऑफ कुरजां (कतिपय कहानियों का अंग्रेजी अनुवाद)	200.00

खरीदने हेतु बैंक सन्दर्भ :
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, ओमएससी शाखा, जोधपुर

IFC code UBIN 0550370
Account Name: Hariprakash Rathi
Account Number : 503704010018023

साहित्य जिनकी आत्मा - उषा माहेश्वरी

माहेश्वरी स्त्री साहित्यकारों में सिरमौर उषा माहेश्वरी साहित्य जगत में एक जाना-माना चेहरा है। वर्ष 1973 में उनकी प्रथम कविता 'चेतन प्रहरी' में प्रकाशित होने के पश्चात् से उनकी साहित्यिक यात्रा निर्बाध जारी है। उन्हें यह अभिरुचि विरासत में मिली है। उनके पिता साहित्य पठन में विशेष रुचि रखते थे, उन्हीं पुस्तकों को पढ़ते-पढ़ते वह स्वयं भी साहित्य-सृजन की ओर उन्मुख हुई। हिंदी में एमए, पीएचडी उषा ने अब तक तीन कथा-संग्रह, एक काव्य-संग्रह, एक नाटक एवं एक उपन्यास का सृजन किया है। कई पुरस्कारों से नवाजी उषा का कहना है कि दुःख पीड़ा एवं संत्रास सृजन की खाद है। उनका मानना है कि साहित्य लेखन एक कला है एवं यह कला ईश्वर प्रदत्त है। जैसे मुट्ठी में प्रकाश बंद नहीं किया जा सकता वैसे ही कला भी समय आने पर प्रेरी हुई-सी प्रकट हो जाती है। आपके भीतर का द्वंद, कश्मकश, उमड़-घुमड़ तब आपको सृजन हेतु बाध्य कर देता है।

एक विरल नेत्री - उमा बिड़ला

जिला माहेश्वरी महिला मण्डल की पूर्व अध्यक्ष उमा बिड़ला विरल नेत्री तो हैं ही, अपने अनूठे समाजसेवी कार्यों से शहर में सेवा एवं सहयोग का पर्याय भी बन गई हैं। वे बहुमुखी प्रतिभा की धनी तो हैं ही, उनका कार्यकौशल भी अद्भुत है। बात महिलाओं को जागरूक करने की हो अथवा मुद्दा फिर कन्या भ्रूण हत्या के विरोध का हो, महिलाओं की ब्रेस्टफीडिंग, ब्रेस्टकैंसर, रजोनिवृति आदि महत्वपूर्ण विषयों पर जागरुकता का हो, महिलाओं की व्यवसायिक प्रतिभा उजागर करने का हो, उमाजी सदैव व हर गतिविधि में अग्रणी रहती हैं। पारिवारिक परिवेदना की सम्मानित सदस्या के रूप में उन्होंने न सिर्फ अनेक टूटे परिवारों को मिलाया है, कई परिवारों को आर्थिक सहयोग, ऋण इत्यादि दिलवाकर भी ऊपर उठाने का पावन कार्य किया है। आपने शहर के जनाना अस्पताल, अनाथ आश्रम एवं अनेक स्वास्थ्य केन्द्रों पर भी जागरूकता कार्यक्रम चलाये हैं। महिला स्वरोजगार एवं स्वावलंबन को वे सर्वाधिक वरीयता देती हैं। आप स्थानीय एवं राज्य स्तर भी अनेक पुरस्कारों से नवाजी गई हैं। आपके समाजसेवी कार्यों की पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गेहलोत एवं वर्तमान मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने भी भूरि-भूरि प्रशंसा की है। उन्होंने मारवाड़ की संस्कृति को मुखर करने के लिए 'मारवाड़ी गीत-संग्रह' भी प्रकाशित करवाया है।

मारवाड़ की सुरीली धड़कन - विशाखा आगल

होनहार बिरवान के होत चीकने पात' अर्थात मनुष्य की छुपी प्रतिभा अल्पायु में ही उजागर हो जाती है। 16 जुलाई 1992 को जन्मी विशाखा ने मात्र 12 वर्ष की उम्र में 'सिंगर ऑफ जोधपुर' बनकर इस मुहावरे को चरितार्थ कर दिखाया। क्लासिकल संगीत में रुचि रखने वाली एवं सीए फाईनल की विद्यार्थी विशाखा यहीं नहीं रुकी, आगे वर्ष 2004 में 'सुरसंगम राष्ट्रीय प्रतियोगिता' में भी तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके बाद भी संगीत के अनेक मंचों पर विशाखा ने अपनी गायन प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उन्हें 'माहेश्वरी गोल्डन वॉयस' एवं 'मारवाड की आवाज' जैसे प्रतिष्ठित खिताबों से भी नवाजा गया है। उनकी इसी प्रतिभा के मद्देनजर उन्हें मात्र 19 वर्ष की उम्र में 'वीर दुर्गादास अवार्ड' भी प्रदान किया गया। विशाखा ने उस्ताद शकूर खां एवं डॉ. बृजभान व्यास जैसे प्रख्यात गुरुओं से क्लासिकल गायन की शिक्षा ली और मीनाज मसानी, दीपक पण्डित, अश्विनी भिड़े, शाल्मिली जोशी, अमजद अली खां जैसे दिग्गजों के साथ मंच पर गायन भी प्रस्तुत किया है। पण्डित जसराज जैसे राष्ट्रीय लिजेण्डस ने भी उनकी प्रतिभा की सराहना की है। असीम संभावनाओं से भरी विशाखा, लताजी एवं रफी साहब की आवाज से अत्यधिक प्रभावित है। उनका कहना है कि इन दोनों की गायकी में क्लासिकल टच है। विशाखा ने संस्कार, भक्तिसागर एवं सत्संग राष्ट्रीय चैनल्स पर भी अपनी प्रस्तुति दी है।

चाह को राह दिखाती - कंचन जाजू

अगर मनुष्य की अभिरुचि, हॉबी को पंख मिल जाये तो मनुष्य आसमान छू सकता है। इसी अभिरुचि को अगर व्यवसायिक बाना पहना दिया जाय, तो यही आपके रोजगार एवं प्रतिष्ठा की भी अहम सूत्रधार बन सकती है। कंचन जाजू ने यह सिद्ध कर दिखाया है। संगीत, नृत्य, वाद-विवाद प्रतियोगिता आदि में बचपन से रुचि रखने वाली श्रीमती जाजू शहर की संगीत संध्याओं में आज एक नामवर चेहरा बन गया है। उनकी इंवेट मैनेजमेंट कंपनी शहर के वैवाहिक कार्यक्रमों के आयोजन, संचालन प्रतिभागियों को नृत्य आदि सिखाने व उन्हें प्रोत्साहित करने की अहम संस्था बन गई है। श्रीमती जाजू के वाणी पर सरस्वती सवार है एवं उनका वक्तव्य एवं कार्यक्रम की अदाकारी देखते बनती है। श्रीमती जाजू को अनेक निजी संस्थाओं एवं राजकीय स्तर पर तो पुरस्कार मिले ही हैं, ऑल इण्डिया रेडियो पर भी उनके कार्यक्रम प्रसारित होते रहते हैं। उनके पति सुरेश जाजू भी सहयोगी बनकर उनकी अभिरुचि एवं व्यवसाय दोनों को उन्नत कर रहे हैं।

||श्री||
आपके घर, ऑफिस की सजावट के लिए
EXCLUSIVE SHOWROOM OF HOME FURNISHING
jh
Naveen Jaisalmeria
94141-30356
Distributor
SPRINGFIT
MATTRESSES & SLEEP SYSTEMS
WELSPUN
Nakul Rathi
70739-37500
JAISALMERIA HANDLOOMS
Manufacture & Dealer of Handlooms Product
Tambaku Bazar, Jodhpur Ph : 0291-2624805 jaisalmeriahandloom@gmail.com
• गद्दे • बेडशीट • पिल्लो • कारपेट • कम्बल
* BED SHEETS * TOWELS * CURTAINS * DUVET * BLANKETS
* MATTRESSES * PILLOWS * QUILTS * CARPETS & MATS * SOFA CLOTH
JAISAL HOME DECOR
HOTELS | OFFICES | HOMES

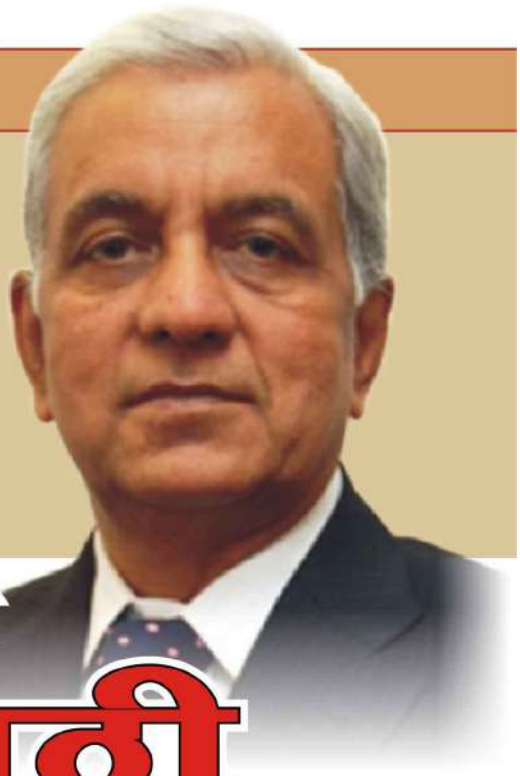

शेयर बाजार किसी भी देश के औद्योगिक विकास की वह आधारशिला है, जिसकी मजबूती के बिना सशक्त अर्थव्यवस्था तय नहीं की जा सकती। मुम्बई स्टॉक एक्सचेंज वर्तमान में देश ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण विश्व में अपनी सुचारु व्यवस्थाओं के कारण जाना जाता है। यदि इसके अतीत को देखें तो इसे आधुनिक स्वरूप देने में जिनका योगदान रहा है, वे हैं मुम्बई स्टॉक एक्सचेंज के पूर्व अध्यक्ष आनंद राठी।

शेयर संसार के जादूगर
आनंद राठी

आज से पांच दशक पूर्व शायद ही किसी ने सोचा होगा कि साधारण घर से संबंध रखने वाला इक्कीस वर्ष का एक युवक, जो अब तक अपने पिता के प्रोविजनल स्टोर पर बैठा करता था, आने वाले समय में देश के स्टॉक ट्रेडिंग की तस्वीर एवं तकदीर बदल देगा। वर्ष 1966 के सीए गोल्डमेडलिस्ट श्री राठी ने यह संपूर्ण यात्रा अपने पुरुषार्थ एवं प्रतिभा के दम पर की है। आज वे जोधपुर के गौरव हैं। स्टॉक मार्केट ट्रेडिंग को पेपरलेस, त्वरित एवं पारदर्शी बनाने में उनकी भूमिका अविस्मरणीय है। 'जेतो मीठो होत है तेतो नमत रसाल' के भाव को चरितार्थ करते हुए श्री राठी परिवार को साथ लेकर चलने में यकीन रखते हैं। उनका पारिवारिक संगठन एवं प्रेम शहरभर के लिये एक नज़ीर है। राष्ट्रप्रेम को श्री राठी एक अहम गुण मानते हैं एवं नवयुवकों को बताते भी हैं कि किस तरह चीन युद्ध में जोधपुर के मेजर शैतानसिंह ने देश के लिए कुर्बानी देकर 'परमवीरचक्र' प्राप्त किया था।

सहज-सरल व्यक्तित्व

आनंद राठी का व्यक्तित्व जितना ऊंचा है, वे उतने ही विनम्र, सरल एवं सहज हैं। आप एक बार उनसे मिलेंगे तो कहे बिना नहीं रह सकेंगे कि अपने व्यावसायिक निर्णयों से देशभर को चमत्कृत करने वाली यह शख्सियत कितनी सरल एवं सहृदय है। आनंद राठी अपनी इन ऊंचाइयों का श्रेय समाजसेवा एवं गौ सेवा को देते हैं एवं यही कारण है कि वे समाजसेवा के अनेक आयामों से जुड़े हैं। जोधपुर शहर के युवकों के लिये आनंद राठी एक गॉडफादर की तरह हैं। शहर के किसी भी शिक्षित युवक विशेषतः सीए, एमबीए आदि को वे उसके केरियर का प्रथम पायदान देते हैं। आज शहर के अनेक उच्च पदासीन प्रोफेशनल्स यह कहते भी हैं कि श्री राठी एवं उनकी कंपनी 'आनंद राठी फाईनेंशियल सर्विसेज' उनके केरियर की नींव है।

जोधपुर का विकास हमेशा लक्ष्य

अपने केरियर के प्रारंभिक दिनों में वे डीसीएम एवं आदित्य बिड़ला जैसे प्रतिष्ठित ग्रुप से भी संबंध रहे हैं। वर्ष 1974 में उन्होंने 'इण्डियन रेयन' ज्वॉइन किया एवं मात्र 8 वर्ष की अल्पावधि में इसके अध्यक्ष बन गये। जोधपुर शहर के विकास में भी वे गहरी दिलचस्पी रखते हैं एवं इस हेतु हाल ही एक संस्था 'जोधपुर इनिशियेटिव' का आग़ाज भी किया है। उन्होंने जोधपुर शहर को सदैव तरज़ीह दी है। वे जब बिड़ला समूह में थे तब जोधपुर के समीप गोटन में 'बिड़ला व्हाइट' कंपनी का शुंभारम्भ करवाया, जो आज जोधपुर के अनेक लोगों को रोजगार दे रही है।

www.brbirla.org

B.R. BIRLA
PUBLIC SCHOOL

An English Medium, Co-Ed, CBSE Affiliated School

ADMISSIONS OPEN

Classes
Nursery To 12th
Science, Commerce & Humanities

Learn. Aspire. Lead.

- Modern Infrastructure & Facilities
- CCTV Serveillance System Equipped Campus
- AC Pre-Primary Section
- Digital Class Rooms
- Sports & Performing Arts Curriculum

JODHPUR
Beyond CHB, Green park,
Jhawar Road
Contact :0291-2713954
9875175107

PALI
Naya Gaon,
Nr. Bangur College, Pali
Ph. : 02932-201594
9875175116

BARMER
Rai Colony - 306401
Contact : 02982-225217
8104683344

समाजसेवा के क्षेत्र में सम्पूर्ण समाज में कमलकिशोर चाण्डक एक ऐसी विभूति है, जो जोधपुर के सेवा संस्कारों के पर्याय है। आपके दृढ़संकल्प से उन्होंने जहाँ कदम रखा वहाँ अपनी सेवा का बिगुल ऐसा बजाया, जिसकी गूंज से सम्पूर्ण समाज गूंजे बिना नहीं रहा। चाहे अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन जैसी शीर्ष संस्था हो या फिर अ.भा. माहेश्वरी महासभा जैसा समाज का शीर्ष संगठन कोई भी उनकी सेवाओं को विस्मृत नहीं कर सकता।

दृढ़ संकल्पों के समाजसेवी कमलकिशोर चाण्डक

जोधपुर निवासी कमलकिशोर चाण्डक क्षेत्र या प्रदेश ही नहीं बल्कि राष्ट्र स्तर पर समाज के बीच एक जाना माना नाम है। उनका लगभग सम्पूर्ण जीवन ही समाज के विभिन्न संगठनों से संबद्ध होकर सेवा के प्रति समर्पित रहा है। उन्हें समाज में एक दबंग समाजसेवी माना जाता है। आप व्यावसायिक रूप से ट्रेडिंग व्यवसाय से संबंधित रहते हुए भी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा में लम्बे समय तक कार्यकारिणी सदस्य, संयुक्त मंत्री, उपाध्यक्ष व प्रदेशाध्यक्ष रहे हैं। अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन को मंत्री के रूप में सेवा दे चुके हैं और कोषाध्यक्ष के रूप में सतत तीन सत्रों में अपनी सेवा दे रहे हैं। महासभा के गत 27 वें सत्र में महामंत्री के कार्यालय संयुक्त मंत्री के रूप में भी सेवा दे चुके हैं। महासभा के पूर्व सभापति पद्मश्री बंशीलाल राठी एवं सेवासदन के पूर्व अध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा समाजसेवा में उनके प्रणेता ही नहीं आदर्श भी रहे हैं।

कठोर संघर्ष से जीवन की शुरुआत

20 मई 1953 को खींवसर जिला नागोर (राज.) में श्री लक्ष्मीनारायण व हरिबाई चाण्डक के यहां जन्मे श्री चाण्डक का सम्पूर्ण जीवन ही चुनौतियों से गुजरा। परिवार की आर्थिक स्थिति साधारण होने व पढ़ाई रूचि न होने से वे उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाये और उन्हें परिवार को आर्थिक सहयोग प्रदान करने में जुटना ही पड़ा। कृषि उपज मण्डी एवं अन्य व्यवसायों से जुड़े श्री चाण्डक ने अपने व्यावसायिक कैरियर में फर्श से अर्श तक की यात्रा की है। उनके जीवन के प्रारंभिक दिन अत्यंत चुनौती भरे रहे एवं उन्होंने गोली, बिस्किट बेचने से लेकर फेरी लगाने तक के कार्य से गुरेज नहीं किया। धीरे-धीरे उनकी मेहनत रंग लाई एवं कुछ समय के पश्चात उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। व्यावसायिक जगत में इसीलिये वे छोटे से छोटे व्यवसायी की समस्या को शिद्दत से पहचानते हैं एवं उन्हें हर प्रकार का सहयोग करने को भी तत्पर रहते हैं। वर्तमान में श्री चाण्डक का सुस्थापित व्यवसाय है, जिसे उनके पुत्र दिनेश व राधेश्याम चाण्डक कुशलतापूर्वक सम्भाल रहे हैं और स्वयं श्री चाण्डक समाज सेवा को समर्पित हैं।

संस्कारों में मिली समाजसेवा

शून्य से प्रारंभ कर व्यवसाय को सुस्थापित करने के बावजूद भी समाज सेवा की भावना दब न पायी। समाज सेवा की ओर रूझान का श्रेय श्री चाण्डक पूर्व सभापति पद्मश्री बंशीलाल राठी व अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन अध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा को देते है। वर्ष 1987 में श्री भूतड़ा नागौर के समाज अध्यक्ष बने, तो उन्होंने इनकी क्षमता को पहचानते हुए इन्हें सचिव का पदभार सौंप दिया। फिर क्या था, दिशा मिली तो समाज सेवा की यात्रा चलती ही रही। अपने गांव के उपसरपंच भी रहे। वर्ष 1987 से सतत रूप से अ.भा. माहेश्वरी महासभा के कार्यकारी मंडल सदस्य बने और आज भी है। श्री चाण्डक आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केन्द्र को सदस्य के रूप में भी अपनी सेवा दे रहे हैं। इसके अतिरिक्त बालचंद छात्रावास एवं रामस्नेही सम्प्रदाय खेड़ापा में ट्रस्टी के रूप में अपनी सेवा दे रहे है। बांगड़ वेलफेयर सोसायटी (ब्यावर), बद्रीलाल सोनी माहेश्वरी शिक्षा सहयोग केन्द्र व सेठ गंगाधर बंशीलाल राठी छात्रावास (पुणे) तथा श्रीमती सीतादेवी जयनारायण जाजू माहेश्वरी छात्रावास (इन्दौर) को सदस्य के रूप में सेवा दे रहे हैं। इसके साथ ही आप श्रीमती हरिबाई चाण्डक नेत्ररोग निवारण समिति (खींवसर) को व्यवस्थापक, रामसुख राठी उच्च माध्यमिक विद्यालय (खेड़ापा-जोधपुर) को आजीवन सदस्य, रामस्नेही सत्संग समिति (खेड़ापा-जोधपुर) को अध्यक्ष, शाला सुधार समिति (खींवसर) को सदस्य तथा महेश गौरसेवा समिति (खींवसर) को मंत्री के रूप में भी अपने सेवा प्रदान कर रहे हैं। उन्हीं के पद चिह्नों पर चलते हुए पुत्रवधू श्रीमती कल्पना चाण्डक जोधपुर माहेश्वरी महिला संगठन के सचिव पद पर अपनी सेवाएं दे रही है।

व्यावसायिक कौशल हमारे रक्त में

अनेक ट्रस्टों एवं गौशालाओं से संबंध रखने वाले श्री चाण्डक का कहना है कि पीढ़ियों का अंतराल आज के समय की सबसे अहम समस्या है। यह अंतराल, गैप कभी इतना ज्यादा नहीं था जितना आज है। हमें बिना विरोध एवं विद्रोह का भाव पैदा किये नई पीढ़ी में उन चिरपोषित संस्कारों का रोपण करना है जो हमारी थाती एवं विरासत ही नहीं, धरोहर भी है। व्यावसायिक कौशल हमारे रक्त में है एवं हमें हर हाल में बच्चों में इस कौशल को आगे लाना होगा। हम बच्चों की रुचियों का भी आदर करें। श्री चाण्डक अपने गांव खींवसर के उप-सरपंच भी रहे हैं। उन्होंने इस गांव को आदर्श ग्राम बनाने में भगीरथ श्रम किया। गांव को कलुषित राजनीति से मुक्त कर इसे विकासोन्मुख बनाने का श्रेय भी श्री चाण्डक को ही जाता है।

HOTEL
Kasturi
Orchid

LUXURIOUS ROOMS
GARDEN &
BANQUET

Landscaped
Garden
Oval Shaped 1,00,000 Sq. feet Garden could accommodate up to 5000 guests at a time.

Elegant
Banquets
Thematic Pillar-less Banquet Hall, sized 9000 square Feet, for 1000 People.

Luxurious
Rooms
44 Deluxe rooms and 2 Luxuries Suites, equipped with latest technologies.

Ample
Parking
Large meticulously planned + internal parking area to accommodate 300 cars

BAHETI

Near DPS School, Pal By-Pass Road,
Pal Village, Jodhpur, Rajasthan 342008
+91 98295 99111

Follow us @ kasturiorchid
www.kasturiorchid.com
hello@kasturiorchid.com

शिवतत्व ही जिनका मर्म
शिवरतन मानधना

समाजसेवा का पथ वास्तव में शिव की तरह ही निःस्वार्थ पथ है। दूसरों के आंसू लेकर उनके चेहरे पर खुशियाँ देने का नाम ही समाजसेवा है। इन्हीं आदर्शों का जीवंत उदाहरण हैं वरिष्ठ समाजसेवी शिवरतन मानधना। वे वास्तव में अपने नाम को चरितार्थ कर रहे हैं।

वरिष्ठ समाजसेवी श्री शिवरतन मानधना का जीवन तुलसी की उक्ति 'जग बहु नर सर सरि सम भाई, जे निज बाढबढ़ई जल पाई, सज्जन सुकृत सिंधु सम कोई, देखि पूरी विधु बाढई जोई' अर्थात् संसार में अधिकांश लोग ताल-तलैया जैसे होते हैं, जिनके भीतर पानी आता है। अर्थात जब वे स्वयं पाते हैं, प्रसन्न होते हैं लेकिन समुद्र जैसा पुण्यात्मा कोई कोई ही होता है, जो ज्यों-ज्यों चंद्रमा बढ़ता है, अपना ज्वार ऊंचाकर प्रसन्नता जाहिर करता है। श्री मानधना एक ऐसे ही विरल समाजसेवी हैं, जो लोगों का कार्य कर प्रसन्न होते हैं। देने का सुख उनकी आत्मा को तो पुष्ट करता ही है, वे स्वयं भी किसी का कार्यकर एक विचित्र आभा से आलोकित हो उठते हैं। ऐसे सकारात्मक समाजसेवियों का सान्निध्य ही आपको ऊर्जा से भर देता है। वे अक्सर कहते हैं हम भगवान शिव की संतान है। पुत्रों में पिता जैसे ही गुण तो होने चाहिए। अगर शिव हलाहल पीकर त्याग और कुर्बानी की सीख देते है तो हमें भी दूसरों की आलोचनाओं, उपक्षाओं का जहर पीना आना चाहिए। तभी हम परम त्याग के अहोभाव से भर सकेंगे। इन्हीं मायनों में वे सचमुच 'शिव' तत्व के साखी एक अनूठे समाजसेवी है। वे हर समय कोई न कोई कार्य करने को तत्पर रहते है, उन्हें ना कहना आता ही नहीं। किसी का कार्य पूरा कर देने को ही वे अपने कर्म का पुरस्कार मानते हैं।

शिवरात्रि के दिन हुआ जन्म

दिनांक 22 फरवरी 1944 महाशिवरात्रि के दिन जन्म होने से आपका नाम शिवरतन रखा गया। उनके लालन-पालन में मां के साथ दादी का भी अहम योगदान था, इसी कारण संस्कार इन्हें विरासत में मिल गए। स्कूल जीवन में आप शिक्षणेत्तर वादविवाद प्रतियोगिता आदि में आगे रहे एवं इसी विरल गुण के चलते नेतृत्व के गुण भी प्रस्फुटित हो गए। व्यायाम, मलखंभ में आपकी बचपन से ही रुचि थी एवं वे आज भी बच्चों को व्यायाम हेतु प्रोत्साहित करते हैं। 19 वर्ष की अल्पायु में श्री मानधना का विवाह लीलादेवी से हुआ जिनके सहयोग ने समाजसेवा के भाव को प्रोन्नत किया। तीनों पुत्रों प्रेमरतन, केवलरतन एवं हेमरतन ने भी इसमें भरपूर सहयोग दिया। आपने कोस्ट एण्ड एकाउन्टेन्सी वर्क्स में डिप्लोमा किया एवं आगे कोस्ट एण्ड एकाउन्टेसी एसोसियएशन के अध्यक्ष पद को भी सुशोभित किया।

व्यवसाय के साथ सेवा का संतुलन

आपने प्रारंभिक केरियर में कुछ वर्ष नौकरी करने के उपरान्त स्वयं का जीआई वायरनेटिंग का उद्योग स्थापित किया। उद्योग जगत में आपके कार्यों की इतनी धूम थी कि कालान्तर में आप जोधपुर इंण्डस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष भी बने। आप रोवर्स एवं जेसीज से भी जुड़े रहे एवं जेसीज के तो प्रांतीय उपाध्यक्ष भी निर्वाचित हुए हैं। इसी अहम योगदान के मद्देनजर जिला एवं राज्य प्रशासन द्वारा भी श्री मानधना को सम्मानित किया गया। आपके नेतृत्व एवं समाजसेवा के कारण ही पूर्व वित्तमंत्री यशवंत सिंहा द्वारा भी श्री मानधना को सम्मानित किया गया। आप जोधपुर आईटीआई प्रबंधन समिति में अध्यक्ष भी रहे। आप स्थानीय माहेश्वरी समाज के सक्रिय सदस्य हैं एवं आपके अनवरत सहयोग एवं योगदान के चलते स्थानीय महालक्ष्मी शिक्षण संस्थान के दो बार निर्विरोध अध्यक्ष भी निर्वाचित हुए हैं। आपने न सिर्फ इस विद्यालय को प्रोन्नत किया वरन माहेश्वरी जनोपयोगी भवन, माहेश्वरी बगीची रातानाडा के निर्माण में भी अभूतपूर्व योगदान दिया। आपने युवाओं को रोजगार देने के लिए 'महेश रोजगार प्रकोष्ठ', कोई भी माहेश्वरी छात्र शिक्षा से वंचित न हो इसके लिए 'माहेश्वरी छात्रवृति निधि' में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। आपके समाजोपयोगी क्रियाकलापों की सूची बहुत लम्बी है एवं जोधपुर माहेश्वरी समाज ही नहीं बल्कि शहर भी आपके योगदान को नहीं भुला सकता है।

Vinayak Vihar
...beyond the horizon of dreams

Vinayak Residency

2 & 3 BHK Apartments & Pent Houses

JDA Approved

Smart Location

- Petrol Pump 1 Km.
- School / Hospital with in 1 Km.
- City Bus-Local 15 No. bus available on the Gate
- Railway Station - 9 Km.
- Market Just Out Side the Gate

Facilities

- Entrance Gate with Security Guards.
- Kid's Play Park
- Temple
- Park
- Land Scaped Garden
- Water Supply 24 Hr. by Tube-well
- Stilt Parking
- Earthquake Resistant RCC Structure
- High Speed Elevators

The Club*

- Swimming Pool
- Badminton court
- Community Hall

Ready for possession Flats available in Phase I & II

Personalized Payment Plan

Main Gate

Temple

Garden

Phase I & II

Road

*T&C APPLY

Finance Available from

HDFC HOME LOANS WITH YOU, RIGHT THROUGH

Union Bank of India

स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर
STATE BANK OF BIKANER & JAIPUR

Address : Vinayak Vihar, बिड़ला डे स्कूल के पास, डालीबाई मंदिर रोड, चौपासनी, जोधपुर

Disclaimer : The information / specifications contained herewith is indicative only and subject to change.

For more details call

9784988881
9784988882

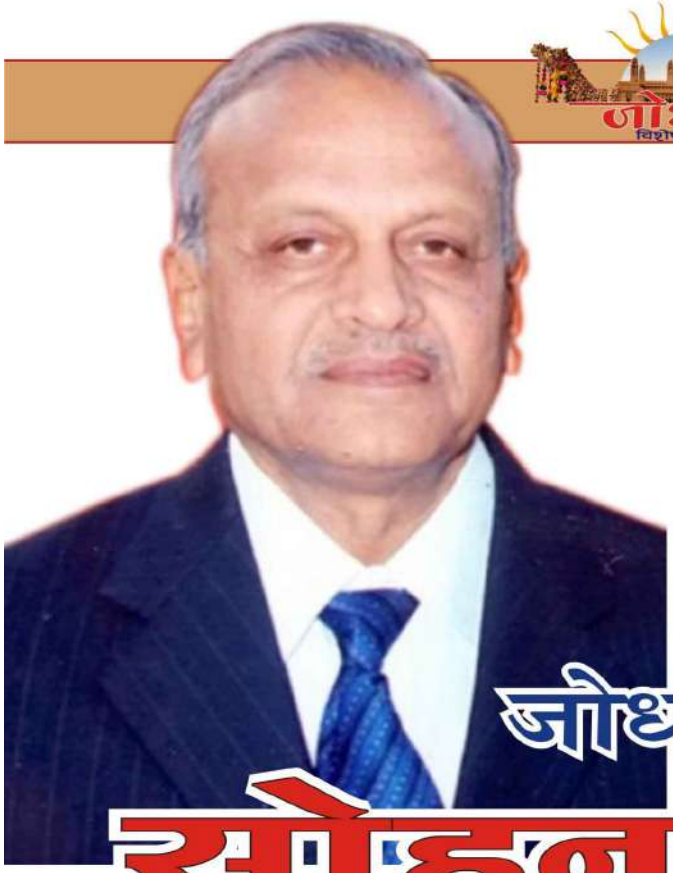

यदि यह कहें कि जोधपुर शहर के कायाकल्प में समाजसेवी सोहन भूतड़ा का योगदान भगीरथ की तरह अमिट है, तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। पीने के पानी से लेकर आई आई टी जैसे शीर्ष संस्थान यदि यहाँ है, तो इन्हें यहाँ लाने में अहम योगदान श्री भूतड़ा का रहा है।

जोधपुर के भगीरथ
सोहन भूतड़ा

सहृदय, सौम्य, सहज एवं परदुःखकातर श्री सोहनजी भूतड़ा अनुशासन, श्रम एवं संस्कारों को मनुष्य की सफलता का अहम सोपान मानते हैं। अपनी दैनिकचर्या में वे स्वयं भी अनुशासित हैं एवं संभवतः इसका मुख्य कारण उनका 'सैनिक स्कूल चितौड़गढ़' से शिक्षा प्राप्त करना है। उन्होंने स्कूल शिक्षा के पश्चात जोधपुर शहर के प्रतिष्ठित 'मगनीराम बांगड़ इंजीनियरिंग कॉलेज' से इंजीनियरिंग शिक्षा प्राप्त की एवं तत्पश्चात ट्रांसपोर्ट व्यवसाय से जुड़ गये। कालांतर में अपनी दूरदर्शिता एवं संघर्ष से उन्होंने अपनी फर्म 'दिल्ली राजस्थान ट्रासपोर्ट कंपनी' को नयी ऊंचाइयां दी है। यह ट्रांसपोर्ट कंपनी आज शहर की अग्रणी ट्रासपोर्ट कंपनियों में है एवं इसकी देशभर में 120 शाखायें हैं।

हर मोड़ पर बने सहयोगी

राजस्थान लिफ्ट कैनल में पाईप सप्लाई का अहम कार्य भी उनकी देखरेख में संपन्न हुआ। इस लिफ्ट कैनल ने सतलज का पानी शहर में सुलभ कर सदियों से पानी की समस्या से जूझते जोधपुर को अमृतदान दिया है। वे चार वर्षों तक 'जोधपुर मगनीराम बांगड़ एलमुनि एसोसिएशन' के अध्यक्ष भी रहे एवं उन्हीं के कार्यकाल में देश के इस प्राचीनतम इंजीनियरिंग कॉलेज के स्वर्ण जयंती समारोह भी सुसंपन्न हुए। इस कॉलेज के विस्तार हेतु भी उन्होंने बांगड़ परिवार से दान जुटाकर कॉलेज को नया स्वरूप देने का अहम कार्य किया है। जोधपुर शहर में आईआईटी लाने में जो लोग आगे आये उनमें श्री भूतड़ाजी अग्रणी रहे हैं। आज जहां विश्वभर में विदेशी क्लबों की धूम है, श्री सोहनजी भारत में प्रवर्तित 'जाइण्ट्स इण्टरनेशनल' जैसी क्लब से न सिर्फ जुड़े, वर्षों इसके महत्वपूर्व पदों पर भी कार्य किया। इस संस्था की विश्वभर में अनेक शाखायें हैं।

संस्कारों का क्षरण सबसे बड़ी क्षति

आज के युवाओं में बढ़ते अवसाद एवं आत्महत्याओं से श्री भूतड़ाजी चिंतित हैं एवं उनके अनुसार इसका मुख्य कारण उन चिरपोषित संस्कारों का लुप्त होना है जो हमारे लालन-पालन का हिस्सा थे। पहले हम हर संध्या माता-पिता के ही नहीं, चाचा-चाची एवं अन्य बुजुर्ग रिश्तेदारों तक के पांव छूते थे, दूर-दूर तक के रिश्तेदार हमारे जीवन का हिस्सा थे, सबके साथ सुःख-दुःख बांट लेते थे। अब वे प्रथायें नहीं रही तो वो अपनापन भी कहां रहा जहां दुःख का सहज रेचन हो जाता था। आज का तन्हा युवा इसीलिये नैराश्य के अंधेरे में डूब गया है। हमारे युवाकाल में हम सहज ही साईकिल पर कॉलेज चले जाते थे। आज के संघर्षविहीन युवा को कार तक में जाने में तकलीफ होती है। जब तक हम इस पीढ़ी को संघर्ष एवं संस्कारों की महत्ता से रू-ब-रू नहीं करवाते, स्थितियों में परिवर्तन कठिन लगता है। श्री सोहनजी भूतड़ा जोधपुर के प्रसिद्ध 'डूंगरिया मनोकामेश्वर महादेव मंदिर न्यास' कार्यकारिणी के अध्यक्ष भी हैं। कायलाना पहाड़ियों में स्थित इस प्राचीन मंदिर को जोधपुर माहेश्वरी समाज के कतिपय माहेश्वरियों के श्रम, संघर्ष एवं आर्थिक योगदान ने एक अपूर्व दर्शनीय स्थान में तब्दील कर दिया है।

With Best Compliments From

Since 1971
Chemicals for a Changing World

KALANI BIOCHEMICALS

Harshita Exim

Deals in all type of chemicals for Textile, Food, Paints, Detergent, Poultry and Animal Feed

Distributors of:

Anthem Cellutions · BAKELS · BUNGE · DANISCO · DSM · FINE ORGANICS · Firmenich · MORDE · Piramal Healthcare knowledge action care · SOLVAY asking more from chemistry · TATA TATA CHEMICALS

and many more .....

OFFICE :

Jodhpur:
First Floor, Plot No. 7, Section 7, New Power House Road, Jodhpur-342003
Ph: 94141-33736 • Email: chemicals@kalani.in

Jaipur:
Room No. 7, Block A, Amrit Kalash, Near Kamal & Co., Jaipur-302015
Ph: 98290-27736 • Email: abhishek@kalani.in

Balotra:
Khed Road, Near Industrial Area, Balotra, Ph: 94141-34736

सुरेश राठी सिक्यूरिटीज ग्रुप के चेयरमेन एक ऐसे व्यवसायी हैं, जिन्होने अपने व्यवसाय से देशभर में विशिष्ट शिखर की ऊँचाई प्राप्त की। फिर मन सेवा पथ की ओर जो मुड़ा तो फिर मानवता के पुजारी ही हो गये। उनका सम्पूर्ण जीवन ही सेवामय हो गया।

लक्ष्मी के शिखर से सेवा के पथिक सुरेश राठी

जोधपुर में श्री राठी की पहचान विशेषतौर पर दो रूप में है, शहर को प्रथम शेयर ब्रोकिंग फर्म की सौगात देने वाले शेयर ब्रोकर तथा दूसरी समाजसेवा को ही जीवन अर्पित कर देने वाले समाजसेवी के रूप में। दौलतमंदो में शुमार हो चुके सुरेश राठी को 1993 में लगा कि अब इतना कमा लिया है कि दाल-रोटी की कमी ताउम्र नहीं होगी, तय कर लिया कि अब कमाई और बढ़ाने का जतन नहीं करूंगा। इसमें ही लगा रहा तो खर्च कब और कहां करूंगा? 36 साल की उम्र में खुद से पूछे इस सवाल के जवाब में बिजनेस से धीरे-धीरे नाता तोड़ने का मन बना लिया। घरवालों को लगा पागल हो गए है, मगर अपने फैसले पर अड़े रहे। बेटा सौरभ छोटा था, थोड़ा बड़े होने का इंतजार किया और सुरेश राठी सिक्यूरिटीज की जिम्मेदारी उसे सौंपकर खुद मानव सेवा में जुट गए। मानवसेवी के रूप में आज जोधपुर में उनका बड़ा नाम है। कई स्वयंसेवी संस्थाएं उनकी आर्थिक मदद के भरोसे ही चल रही है।

ऐसे छुआ सफलता का शिखर

अल्प आयवर्गीय परिवार में जन्मे श्री राठी ने सीए करने के बाद 1981 से वित्तीय एवं विनियोग (इन्वेस्टमेंट) सलाहकार का कैरियर चुना। इस हेतु वे एक न्यूज लेटर भी निकालते थे। रिफकॉन के नाम से 1981 में जोधपुर शेयर ब्रोकिंग फर्म शुरु की। सुरेश राठी बताते है कि रिफकॉन अपनी तरह की जोधपुर की पहली फर्म थी। संचार के साधन नही होने के चलते सुबह जल्दी उठकर टेलीफोन एक्सचेज जाते और खरीद-बेचान के सौदे मुंबई में ब्रोकर को लिखवाते। दूसरे दिन सुबह वापस वही सिलसिला जारी रहता, एक दिन पहले के सौदे की जानकारी लेकर नए सौदे दर्ज करवाते। रिफकॉन की जगह आज सुरेश राठी सिक्योरिटीज ने ले ली, मगर जोधपुर के नंबर वन शेयर ब्रोकिंग हाउस का दर्जा इन्हीं के नाम है। शेयर ब्रोकिंग का काम चल पड़ा तो 1989 में मुंबई स्टॉक एक्सचेंज के सदस्य बन गए और मुंबई में ही कॉरपोरट ऑफिस खोल लिया।

लोगों की पीड़ा ने बदला जीवन

सब ठीक चल रहा था कि अचानक मुंबई में 1993 में सीरियल बम ब्लास्ट हो गए। सुरेश राठी की पत्नी शशि राठी बताती हैं कि इनके चेहरे पर चोट आई थी। 50-60 जगह टांके लगाने पड़े। अस्पताल का माहौल, लाशों के ढेर और घायलों की चीत्कार के बीच में यही कहते रहे, अब अपने दाल-रोटी का घाटा नहीं हे। यही काम जोधपुर में ही बैठकर कर सकते हैं, माता-पिता की देखभाल भी हो जाएगी। यह सोच जोधपुर लौट आए। कॉरपोरेट ऑफिस लगा पूरे देश में फैले सब ब्रोकर के नेटवर्क यहीं से चलाने लगे। फिर उस दौरान लोगों की जो पीड़ा देखी उसने उनका जीवन के 'सत्य' से साक्षात्कार करवा दिया। उन्हें लगा कि धन का सच्चा आनंद उसके उपभोग में नहीं बल्कि समाजसेवा में उपयोग में है। बस उनका जीवन बदल गया और धीरे-धीरे वे एक पैसा कमाने वाले शेयर ब्रोकर से मानवता की सेवा में पैसा खर्च करने वाले समाजसेवी बन गये

अब समाजसेवा ही जीवन की खुशहाली

श्री राठी प्राकृतिक चिकित्सा, स्वदेशी आन्दोलन एवं अन्य लोकोपकारी गतिविधियों से जुड़े है। अपने बड़े भाई श्री आनंदजी राठी को वे अपना कर्मदाता ही नहीं गुरु मानते हैं एवं स्वयं की सफलता का समूचा श्रेय भी उन्हीं को देते हैं। प्रभु कृष्ण को वे दाता एवं ग्राहको को अन्नदाता कहते हैं समाजसेवा श्री राठी की अभिरूचि नहीं, मूल स्वभाव है। उन्होंने जीवन में कुछ आदर्श नियम बना रखे हैं। समाजसेवा के अन्य आयामों एवं सेवाकार्यों पर वे खुलकर खर्च करते हैं एवं शहर का शायद ही कोई एनजीओ, समाजसेवी संस्थान होगी जो उनके परिवार द्वारा प्रायोजित एन.के. राठी मेडिकल एज्यूकेशन एवं चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा लाभान्वित न हुआ हो। इस ट्रस्ट के मार्फत प्रतिवर्ष वे शहर की अनेक समाजसेवी संस्थाओं को सहयोग देते हैं। उन्होंने अपने साथी समाजसेवियों के साथ मिलकर माहेश्वरी परिचय सम्मेलन का आयोजन भी दो साल तक करवाया।

With Best Compliments From

Delhi Rajasthan Transport Co. Ltd.

DRTC

(An ISO 9001 : 2008 Certified Company)

Regd.Office : DRTC House, Behind Olympic Complex, Jodhpur-342001
Phone : 0291-2633673-74 **Fax :** 0291-2636201
E-mail: jodhpur@drtcindia.com Website : www.drtcindia.com

Jodhpur
(Booking & Delivery Office)

F-670, Transport Nagar, Basni 2nd Phase
Phone : 0291-2633672, 2633675
Mobile : 98291-12119, 98290-17119

REGIONAL OFFICES

AHMEDABAD
No.2/A Raipur Co. op. Hsg. Ltd.
Opp. Diwan Ballubhai School
Kankaria Road
Tel. 25467622, Mobile : 99099-46326
E-mail : ahmedabad@drtcindia.com

AMRITSAR
164-165, O/s Ghee Mandi
Bali Singh Bhagwan Singh Road
Tel-2702071, 3257294
Mobille : 98146-67119
E-mail : amritsar@drtcindia.com

BANGALORE
41, III rd Cross, Kalasipalayam
New Extension
Tel. 022223219, 22234238
Mobile : 93430-44739
E-mail : bangalore@drtcindia.com

CALICUT
Parassery Complex, D.No. 19/36
FG Puthiyapalam, Mooriyad Road
Chalappuram
Tel-2303119
Mobille : 98958-50286
E-mail : calicut@drtcindia.com

ERODE
358-B, Sathy Road
Tel. 2211836, 2224250
Mobile : 94430-39119
E-mail : erode@drtcindia.com

INDORE
10, T.S. Navlakha, Loha Mandi
Tel-4285607, 4059119
Mobille : 99935-35119
E-mail : indore@drtcindia.com

JAIPUR
42, Madhobihari Mandir,
Sansar Chandra Road
Tel. 2370784, 2363828
Mobile : 98292-50119
E-mail : jaipur@drtcindia.com

MUMBAI
1206, 12 th Floor, Ambience Court
Sector-19/D, Vashi, Navi Mumbai
Tel-022-41291800, 41291808
Mobille : 9819857119, 9819887119
E-mail : mumbai@drtcindia.com

SECUNDERABAD
101, 1st Floor
Suryakiran Complex, S.D. Road
Tel. 69993119, 65152119
Mobile : 98852-82119
E-mail : secunderabad@drtcindia.com

SURAT
1587, Near Vitthal Dyeing
Umerwadi, Tekara
Tel-3273474, 2355036
Mobille : 93770-66023
E-mail : surat@drtcindia.com

Regular parcel service from & to for all the destination of

| RAJASTHAN | GUJARAT | HARYANA | MAHARASTRA | ANDHRA PRADESH | PUNJAB |
| KARNATAKA | TAMIL NADU | JAMMU | KERALA | UTTAR PRADESH | MADHYA PRADES |

नारी की पीड़ा को नारी ही समझ सकती है। चाहे सदियों से उसे देवी के रूप में पूजा गया हो लेकिन फिर भी उसकी स्थिति क्या रही यह किसी से छुपी नहीं है। इसी पीड़ा के साथ महिला अधिकारों के प्रति महिलाओं में जागरूकता उत्पन्न कर रही हैं - डॉ. फूलकौर मूंदड़ा।

नारी को नारायणी बनाती डॉ. फूलकौर मूंदड़ा

07 सितम्बर 1948 को जन्मी डॉ. फूलकौर मूंदड़ा एक ऐसी शिक्षाविद हैं, जिनका समस्त जीवन संघर्ष, शैक्षिक उन्नयन एवं स्त्री अधिकारों को उन्नत करने में बीता है। एम.कॉम व पीएच.डी तक शिक्षित डॉ. मूंदडा ने महिला अधिकारों के प्रति जागरूकता बनाने में अहम कार्य किया है। वे सोमाणी कॉलेज, जोधपुर में अर्थशास्त्र की व्याख्याता रही एवं उन्होंने दीर्घावधि तक प्राध्यापकीय एवं गृहस्थ जीवन में स्त्री की वास्तविक दशा को अनुभूत किया। उन्हें लगा स्त्री घर-बाहर सर्वत्र अनेक अधिकारों से वंचित है। उसका जीवन 'अबला जीवन हाय तुम्हारी यही कहानी, आंचल में है दूध और आंखों में पानी' में सिमट जाता है। डॉ. मूंदडा का स्पष्ट मानना है कि स्त्री अपने मूलभूत अधिकारों से आज भी अनभिज्ञ है। उनका कहना है कि स्त्री पारिवारिक, सामाजिक संस्कारों की रक्षा करते हुए भी इन अधिकारों का प्रयोग कर अपने सम्मान एवं निजता की रक्षा कर सकती है।

उनका मानना है कि स्त्री कोमल फूल की तरह होती है। वह मूलतः सेवाभावी, सहिष्णु एवं संवेदनशील होती है। उपयुक्त वातावरण मिलने पर फूल महक उठता है एवं प्रतिकूल, प्रताड़नापूर्ण वातावरण मिलने पर यही फूल मुरझा जाता है। वह तब रोष से भर उठती है।

अभी पश्चिमांचल संयुक्त मंत्री

डॉ. फूलकौर मूंदडा पूर्व में 'पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन' की अध्यक्षा रही हैं एवं इसके पूर्व इसी संगठन की 'महिला अधिकारों एवं संस्कार समिति' में भी सह-संयोजिका होकर जुड़ी रही हैं। वर्तमान में वे अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन, पश्चिमांचल की संयुक्त मंत्री भी है। आपके पति स्व. प्रो. कुशलचंद मूंदडा ख्यात समाजसेवी रहे हैं एवं उन्होंने डॉ. मूंदडा को आगे आने में कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग दिया था। डॉ. मूंदडा की अभिलाषा है कि स्त्री अपने अन्य अधिकारों के साथ शिक्षा, रोजगार एवं सम्मान से जीने के अधिकार को भी शिद्दत से समझें। विधवाऐं अपने कानूनी अधिकारों को समझें, नासमझी में अपना हक ना खोये, अपने पति द्वारा एवं स्वयं भी वसीयत बनाकर अपना हक महफूज करें। उन्होंने वर्किंग लेडीज को रथ के दो पहियों में से एक पहिया बताया। दोनों पहिये तालमेल से चलें तो घर जन्नत बनकर महक सकते हैं। उन्होंने सेक्शन 498-ए 'दहेज प्रताड़ना कानून' का सही प्रयोग करने की भी वकालात की। उनका कहना है कि सदियों संघर्ष से प्राप्त इन अधिकारों का यदि दुरूपयोग हुआ तो एक दिन यह अधिकार पुनः लुप्त हो सकते है।

श्री माहेश्वरी टाईम्स के 'जोधपुर विशेषांक' पर

हार्दिक शुभकामनाएँ

Exclusive Showroom

। बेडशीट । पिल्लो । कारपेट । कम्बल ।

Rajkumar Textiles

Mfg. & Suppliers

● Print Bed Sheet in Hand ●

● Screen ● Tie-Dye Print ●

● Blanket ●

Balkishan Jaisalmeria

Rajkumar Jaisalmeria

Shree Vallabh

Ploot No. 113, Near Parwati Shiv Kripa Complex,
1st A-B, Link Road, Sardarpura, JODHPUR-342003 (Raj.)
Phone : 0291-2618917 (S), 0291-2621610 (R), Mobile : 098297 90857, 096808-47111

कुरीतियों का शमन सिर्फ सहयोग से सम्भव

संदीप काबरा

वर्तमान में अ.भा. माहेश्वरी महासभा को महामंत्री के रूप में सेवा दे रहे संदीप काबरा जोधपुर के ही है। वे जोधपुर शहर भाजपा के लोकप्रिय कार्यकर्ता होने के साथ स्वदेशी आंदोलन से भी गहरे से जुड़े हैं। खुलकर दिल की बात कहने वाले श्री काबरा जन समस्याओं के प्रति भी उतने ही संवेदनशील हैं। साहित्य पठन-पाठन में उनका गहरा लगाव है एवं वे शहर के साहित्यिक मंचों पर भी देखे गये हैं। उनकी पहचान सम्पूर्ण समाज में एक प्रखर वक्ता व हरदिल अजीज समाजसेवी के रूप में है। आईये जानें उनसे हुई महत्वपूर्ण चर्चा के अंश।

▸ सबसे पहले तो आपको महासभा के नये सत्र में महामंत्री पद पर चयन हेतु बधाई। इस बार बिना चुनाव निर्विरोध चयन कर महासभा ने एक नज़ीर प्रस्तुत की है। क्या ऐसा अन्य जगहों पर एवं महासभा में भी आगे किया जा सकता है?

निश्चय ही ऐसा आगे अन्य छोटे-बड़े हर पदों पर किया जा सकता है बशर्ते हम समन्वय, एकता, साहचर्य के भाव से भरें। दृढ़ इच्छाशक्ति से क्या संभव नहीं है? इससे समय, श्रम एवं धन की बचत तो होती ही है, हम उस मानसिक विघटन एवं मनोवैज्ञानिक दुराव को भी रोक पाते हैं, जो चुनावों के दरम्यान ना चाहते हुए भी पैदा हो जाता है। निर्विरोध चुनाव 'एक सबके लिये एवं सब एक के लिये' के पावन भाव को पुष्ट करता है।

▸ अनेक लोगों का कहना है कि महासभा में धनबल का वर्चस्व रहा है। सम्भवतः आप पहले पदाधिकारी हैं जिसने अपनी प्रतिभा एवं नेतृत्व क्षमता से इस परिपाटी को तोड़ा हैं। इस दुष्कर कार्य को आपने कैसे अंजाम दिया?

मैं इस तरह नहीं सोचता, मेरे मत में महासभा में पूरा लोकतंत्र है एवं उस लोकतंत्र ने ही मेरे जैसे साधारण व्यक्ति का मार्ग महामंत्री पद तक प्रशस्त किया है। आज महासभा में कार्यकर्ताओं की कद्र है। धन की महत्ता, बल को मैं दरकिनार नहीं करता, पर जीवन में आगे बढ़ने के लिये तो कड़ी मेहनत एवं प्रतिभा ही महत्वपूर्ण है। हम कहें न कहें, कार्यकर्ता दूर-दरांत से भी अपने कार्य से हमें अवगत करवा देता है।

▸ महासभा में गांव-कस्बों-शहरों से लेकर महानगरों तक को प्रतिनिधित्व मिले, इसके लिये आपकी क्या योजना है?

ऐसा तो पहले से है। महासभा के विधान ने इसकी स्पष्ट व्याख्या की है। हर पांच सौ परिवारों से चाहे वे गांव, शहर, महानगर कहीं के भी हों, जनसंख्या के आनुपातिक आधार पर एक प्रतिनिधि महासभा तक पहुंचे, यही हमारा लक्ष्य है। महिला संगठन एवं युवा संगठन के पदाधिकारी भी विधान संरचना एवं पदेन नियुक्तियों के अनुरूप महासभा में पहुंच रहे हैं। हमारी यह भी इच्छा है कि देश की अन्य प्रतिभा को भी हम इसमें समाविष्ट कर सकें, तो महासभा एक शक्तिशाली संगठन के रूप में उभरेगी। विशेषज्ञों, नामवर चेहरों को आमंत्रित कर उनके वक्तव्यों की व्यवस्था भी गत कई वर्षों से प्रचलन में है।

▸ महासभा को स्थापित हुए अनेक दशक बीत गये लेकिन दहेज, गिरता लिंगानुपात, स्त्रियों के प्रति पूर्वाग्रह, शादी-विवाह के दिनों-दिन बढ़ते खर्च, भोज में अनेक आईट्म्स एवं अन्य अनेक कुरीतियां आज भी जस-की-तस है। महासभा इनके निराकरण का प्रयास क्यों नहीं करती?

कुरीतियों के शमन हेतु महासभा के गठन के समय से ही प्रयास जारी हैं। हमारी महासभा ने इस हेतु अनेक एतिहासिक फैसले लिये हैं। बड़ी उम्र का विधुर छोटी उम्र की लड़कियों से विवाह नहीं करेगा, विधवा विवाह जैसे प्रस्ताव तो महासभा सौ वर्ष पूर्व पास कर चुकी है। महासभा ने गांधी के स्वदेशी आंदोलन का प्रस्ताव भी पास कर इसे पुरजोर किया था। तब से अब तक प्रचलित कुरीतियों के शमन पर निरंतर कार्य जारी है। हमारे टॉक शो इसी शृंखला की एक कड़ी हैं। हमारी जाति में कन्या भ्रूण हत्या नगण्य है, दहेज प्रचलन में है पर मांगने का साहस किस में है, विधवा-विधुर विवाहों के कार्यक्रम खुले आम हो रहे हैं। आज राष्ट्र के आर्थिक मोर्चे पर भी हम विकास बिंब बनकर उभरे हैं। आज महासभा मात्र एक जातीय संगठन न होकर राष्ट्र विकास का अहम् सोपान बन गया है। अब तो हम अन्य पिछड़ी जातियों के विकास तक में भूमिका की बात सोचने लगे हैं। महासभा का कार्य नीति निर्धारण एवं नियामक का है, कुरीतियों का शमन सबकी सहभागिता से ही होगा। निज पर शासन फिर अनुशासन। मैं भी एक कदम बढाऊं, आप भी बढ़ायें तभी हम सब महासभा के इस वटवृक्ष तले महफूज़ महसूस हो सकेंगे। आज माहेश्वरियों में बढ़ती शिक्षा एवं उनके बढ़ते आर्थिक विकास को देखकर मैं तो यही कहूंगा कि माहेश्वरी राष्ट्र के गौरव हैं एवं आगे भी रहेंगे।

मानव जब जोर लगाता है, पत्थर पानी बन जाता है

जे.एम.बूब

अपनी प्रगति में वे अपनी पत्नी श्रीमती चन्द्रा बूब को बराबर का साझीदार मानते हैं। वह सदैव उनके सुख-दुःख, संघर्ष की सहभागिनी रही हैं।

नवंबर १९५१ में एक साधारण परिवार में जन्में जे.एम. बूब ने आज के मुकाम तक पहुंचने में लंबा संघर्ष किया है। उनके अनुसार कड़ी मेहनत एवं दूरदृष्टि हमें अपने मुकाम तक ले ही आती है। श्री बूब साहब को संस्कार विरासत में मिले हैं एवं उन्होंने यही संस्कार अपने परिवारजनों को दिये हैं। आपने बी.एससी. गोल्डमेडलिस्ट के रूप में कर मुंबई से बी.एससी., टैक्सटाईल्स केमिस्ट्री में भी की। शिक्षार्जन के बाद जयश्री टेक्सटाईल्स में कुछ वर्ष कार्य किया एवं यही से आपको केमिकल व्यवसाय की दिशा मिल गई। वर्ष १९९७ में आप होटल इण्डस्ट्री की ओर मुड़े एवं वर्तमान में जोधपुर शहर की नामचीं होटल चन्द्रा इन, चन्द्रां इम्पीरीयल एवं ग्राण्ड बसंत का सफल संचालन कर रहे हैं। एक और भव्य होटल 'चन्द्रा ग्राण्ड' निर्माणाधीन है। आप जोधपुर शहर में व्यक्तिगत एवं ट्रस्टों के माध्यम से शैक्षिक एवं अनेक लोकोपकारी कार्यों से जुड़े हैं। आप मारवाड कलर केमिकल एसोसिएशन के फाउण्डर प्रेसीडेंट, मारवाड चेम्बर ऑफ कॉमर्स के सचिव एवं लायंस क्लब जोधपुर के अध्यक्ष भी रहे हैं।

▸ आपने व्यावसायिक जगत विशेषत: केमिकल्स एवं होटल इण्डस्ट्री में अच्छा मुकाम बनाया है। इस यात्रा के बारे में क्या कहेंगे?

इस यात्रा में अनेक खट्टे-मीठे अनुभव तो हैं ही, अपनो का सहयोग एवं संघर्ष की लंबी दास्तां भी है। बिरलाज् में कार्य करते हुए मेरी योजनाओं एवं दृष्टि से कंपनी की लाभप्रदता में आशातीत इज़ाफा हुआ। यहीं से मेरे मन में स्वयं के व्यवसाय का बीजारोपण हुआ। मैं नौकरी छोड़कर जोधपुर आया एवं यहीं केमिकल्स व्यवसाय से अपने कैरियर का आग़ाज किया। इस व्यवसाय की सफलता ने मेरा हौंसला बढ़ाया, कालांतर में पूंजी बढ़ने के साथ मैं होटल व्यवसाय की ओर उन्मुख हुआ। ईश्वर की कृपा एवं आप सबकी दुआओं का असर है कि मुझे मेरे श्रम का फल मिला एवं मैं अपने स्वप्न फलीभूत कर पाया।

▸ आप 'पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महासभा' के अध्यक्ष भी हैं। प्रदेश भर में भ्रमण करते हुए आपका क्या अनुभव रहा?

मुझे लगा हम माहेश्वरी एक बुद्धिमान, संघर्षशील कौम हैं, जिन्हें सुअवसर एवं सहयोग मिले, तो बहुत आगे बढ़सकते हैं। एक धनाढ्य एवं साधारण माहेश्वरी के बीच अवसर एवं पूंजी का ही गैप है। यह गैप पूरा हो जाय तो आगे बढ़ने का, कार्य करने का बहुत स्कोप है। अन्य सामाजिक, परिवेशगत समस्याएं भी हैं, शैक्षिक, आर्थिक विकास के साथ यह समस्यायें स्वतः मिट जायेगी।

▸ आप महासभा शैक्षिक प्रकोष्ठ से भी संबंधित रहे हैं। क्या माहेश्वरी बंधुओं को उच्च शिक्षा व उच्च पदों पर आने में समुचित मार्गदर्शन मिल रहा है?

हमारे द्वारा प्रायोजित 'कैरियर गाइडेंस शिविर' का यही अहम उद्देश्य था। हमने आईआईटी, आईआईएम एवं शिक्षा के अन्य उच्चतर सोपानों से आम माहेश्वरी को इन कैम्पों के माध्यम से जागरूक करने का पूरा प्रयास किया है।

▸ आप एवं चन्द्राजी दोनों साहित्यप्रेमी भी हैं एवं हर साहित्यिक प्रोग्रामों में अपनी होटल का हॉल आदि निःशुल्क देते हैं। इस अभिरूचि का उद्देश्य क्या है ?

साहित्य सभ्य समाज की आत्मा है, हमारे संस्कारों के आगे चलने वाली मशाल है। मैं सोचता हूं, साहित्य को प्रोन्नत करना पूरे समाज का दायित्व भी है। कोई भी कौम अपने साहित्य की रोशनी से ही जागती है।

हर सुधार का आग़ाज अपने घर से हो

रतनलाल डागा

जोधपुर जिला माहेश्वरी सभा के वर्तमान एवं पूर्व में भी अध्यक्ष रह चुके रतनलाल डागा एक ख्यात समाजसेवी तो हैं ही, कृषि क्षेत्र में भी एक जाना माना नाम हैं। मूलतः कृषि स्नातक श्री डागा की कृषि क्षेत्र विशेषतः रसायनमुक्त खेती के क्षेत्र में अनुसंधान में समझ इतनी गहरी है कि वे दूरदराज शहरों में भी हजारों किसानों को इस हेतु प्रशिक्षण देने जाते हैं। वे 'भारतीय किसान संघ' के राष्ट्रीय जैविक प्रमुख तो हैं ही, 'राष्ट्रीय दलहन उत्पादकता समिति' एवं 'राजस्थान स्पाइस बोर्ड' के भी सदस्य हैं। आप 'जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय' की वित्त कमेटी से भी जुड़े हैं। आपको नाबार्ड, कृषि मंत्रालय राजस्थान, भारत सरकार कृषि मंत्रालय एवं कई अनेक संस्थानों द्वारा महत्वपूर्ण पुरस्कारों से नवाजा गया है। वे जोधपुर शहर के प्रमुख फल, सब्जी, बीज व्यवसायी होने के साथ-साथ स्वयं की ६० एकड़ जमीन पर कृषि कार्य भी करते हैं।

▸ कृषि क्षेत्र विशेषतः रसायनमुक्त खेती के क्षेत्र में आपका अहम योगदान है। इस अभिरुचि के कारण क्या रहे हैं?

मेरा मानना है कि पूर्व में रासायनिक उर्वरों के बहुत अधिक प्रयोग के कारण मिट्टी की उर्वरा अत्यंत प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुई। यही कारण है कि हरित क्रांति के बाद वाले दशकों में अनाज का प्रति हेक्टेयर उतना उत्पादन नहीं हुआ। हमें किसानों को अंततः रसायनमुक्त कृषि की बात समझानी होगी और किसानों की समस्याएं भी समझनी होगी। आज सभी किसानों के नाम पर रोटियां सेक रहे है, करते कुछ नहीं। हम उनकी मूल समस्याओं को समझें एवं उनकी आवाज बनें।

▸ कृषि क्षेत्र में महाजन कम देखे जाते हैं, इसका कोई खास कारण?

हमारे यहां श्रम को आदर नहीं दिया जाता, कृषि की पावनता को हम पहचान नहीं पाये हैं। लोग यह कहने तक से नहीं चूकते कि बनिये भी क्या किसान होते हैं? अनेक जगह तो हमारे अपने ही हमारे प्रतिस्पर्धी बनकर टांग खिंचाई करने लगते है। हम इसी कारण तो किसान आंदोलन के प्रणेता नहीं बन पाते। हमारी राजनीतिक लॉबिंग भी इससे प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुई है।

▸ किसान आज भी आत्महत्याएं कर रहे हैं, उसे उसके श्रम का फल आखिर कब मिलेगा?

अब परिस्थितियां बदली हैं। आज किसान शिक्षा का महत्व पहचान रहे हैं। वह साल में दस-दस फसलें तक ले रहा है। विविध एवं वैकल्पिक फसलों से न सिर्फ किसान की आय बढ़ेगी, बल्कि वह अधिक सुरक्षित भी महसूस करेगा।

▸ आप जोधपुर जिला माहेश्वरी सभा के लंबे समय अध्यक्ष रहे हैं। आखिर दहेज, मृत्युभोज, कन्याभ्रूण हत्या, गिरता लिंगानुपात जैसी गंभीर समस्याऐं जस की तस क्यों है? आपको क्या नहीं लगता कि अब समाज में मार्गदर्शक, सुधारक बौने हो गये हैं, मात्र धनी व्यक्ति पदाधिकारी बनकर अपने अहम् को संतुष्ट कर रहे हैं?

बहुत हद तक आप ठीक कहते हैं लेकिन परिस्थितियां हमें ही बदलनी होगी। परिवर्तन का आगाज हमें स्वयं से करना होगा एवं जोधपुर परिवर्तन का बिगुल बजाने के लिए सबसे अनुकूल शहर है। मैंने सभी पंचों, पदाधिकारियों को कहा भी है कि वे उदाहरण बनकर उभरें, परिवर्तन तभी संभव है। हमारी कथनी एवं करनी में भेद न हो। हम टॉक शो आदि द्वारा जागरूकता पैदा करें। महासभा में गांव से शहर तक सबको प्रतिनिधित्व दें। कुरीतियों का शमन हुआ भी है लेकिन इसकी प्रक्रिया बहुत धीमी है। खैर, आगाज हुआ है, तो बात अंजाम तक भी जायेगी।

जल देवता

जिनमें आप पायेंगे
न सिर्फ भारतीय संस्कृति
बल्कि सम्पूर्ण विश्व ने
स्वीकारी है जल की महत्ता.

Rs. 150/-
डाक खर्च सहित

वेद-पुराण-कुरान-बायबिल सहित
सभी धर्मग्रन्थों ने भी कहा है-
'जल है तो कल है'।
इन्हीं सन्दर्भों से सन्दर्भित
डॉ. विवेक चौरसिया
के जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह 'जल देवता'.

90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

श्री माहेश्वरी टाइम्स जोधपुर विशेषांक

एक से एक मिले तो कतरा बन जाता है दरिया

हरिगोपाल राठी

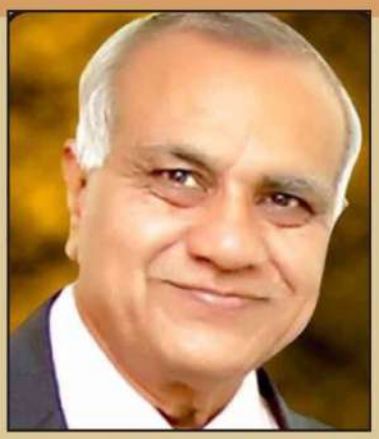

बहुआयामी प्रतिभा के धनी श्री हरिगोपालजी राठी, जोधपुर माहेश्वरी समाज के ही नहीं पूरे शहर का खास चेहरा हैं। अपनी सहज मुस्कुराहट, पारदर्शिता से वे सबका मन मोह लेते हैं। उनका आतिथ्य, सेवाभाव एवं सहयोग देखते बनता है। आप उनके पास किसी कार्य को लेकर चले जायें, वे उसे इस भाव से निष्पादित करते हैं मानो ये उनके स्वयं का कार्य हो। श्री राठी वर्तमान में 'राजस्थान अरबन कोआपरेटिव बैंक्स फेडरेशन, जोधपुर नागरिक सहकारी बैंक लि. के अध्यक्ष, शहर भर में लोकप्रिय 'महेश शिक्षण संस्थान' के मानद् सचिव एवं माहेश्वरी समाज, जोधपुर के उप-मंत्री भी हैं। वे भाजपा राजनीति से भी जुड़े हैं एवं वर्तमान में वार्ड पंच भी हैं। आप शहर के प्रमुख 'उम्मेद क्लब' के भी वर्षों अध्यक्ष रहे हैं। विश्व हिन्दू परिषद से भी जुड़े हैं।

▸ आप समाजसेवा, राजनीति, व्यवसाय से संबंध इतनी संस्थाओं के शिखर पदों से जुड़े हैं। आप इन सबका समन्वय कैसे करते हैं? आपकी उर्जा का स्त्रोत क्या है?

मैं टीमस्प्रीट, डेलिगेशन एवं सभी के सहयोग को महत्ता देता हूं। अनेक जगह तो मैं कार्यकर्ताओं को व्यक्तिगत स्तर पर भी रेखांकित करता हूँ। जब कोई कार्यकर्ता स्फूर्त होता है, प्रेरित होता है, तो वह बढ़-चढ़कर कार्य करता है। 'मोटिवेशन इज द की'। कोई एक व्यक्ति खेल नही जीतता, फुटबाल की टीम में सभी अच्छा खेलेंगे तभी तो गोल होगा।

▸ आप 'महेश शिक्षण संस्थान' के मानद् सचिव हैं। इस संस्था के तहत अनेक विद्यालय, कॉलेज एंव शिक्षण संस्थायें आती है, हजारों बच्चे भी पढ़ते हैं, ऐसे में आप शिक्षा की गुणवत्ता पर कैसे ध्यान दे पाते हैं?

आपको यह जानकर हैरानी होगी कि इस वर्ष नहीं अनेक वर्षों से दर वर्ष हमारे विद्यालयों से बच्चे बोर्ड में मैरिट लाये हैं। हम बच्चों, अध्यापकों एवं स्टाफ को हर तरह से प्रोत्साहित करते हैं, उनका पूरा ध्यान रखते हैं। मैं विद्यार्थियों के समग्र विकास की बात सोचता हूं। मात्र शिक्षा ही नहीं शिक्षेत्तर खेलकूद, वाद-विवाद आदि अन्य प्रतियोगिताओं में भी विद्यार्थियों को आगे बढ़ना चाहिये। आज के बच्चे ही तो कल के नागरिक हैं, आगे इन्हें ही नेतृत्व संभालना है। अगर जड़े कमजोर रह गई तो वृक्ष मजबूत कैसे होगा? हमें विद्यार्थियों में संस्कारों का भी रोपण करना है ताकि वे आज एवं आगे जाकर दिशाभ्रमित न हो। आज बाह्य वातावरण, पाश्चात्य संस्कृति, बाजारवाद की ताकत एवं प्रभाव पहले से कई गुना हो गया है। हमारे संस्कारों की ताकत इससे अधिक होगी तभी बच्चे वक्त की आंधियों का मुकाबला कर सकेंगे।

▸ क्या आपकी संस्थानों में योग्य माहेश्वरियों को रोजगार मिलता है?

निश्चय ही हमारे भाई की पीड़ा सर्वोपरि है। अगर हम अपनो की पीड़ा का अहसास नहीं कर सकते तो अन्यों का कैसे करेंगे? दीया पहले घर में जलाकर मंदिर में जलाया जाता है। मैं यथायोग्य, चाहे बात रोजगार की हो अथवा अन्य, सबको सहयोग करने का भाव रखता हूं। मैं युवा पीढ़ी को यह भी कहना चाहता हूं कि वे किसी कार्य को छोटा न माने, हाथ काले करना भी सीखें, कड़ी मेहनत करें, भाग्य बदलने में देर नहीं लगती। फल श्रम का अनुसरण करते हैं।

▸ आज हमारे समाज में स्त्री-पुरुष अनुपात गंभीर रूप से बिगड़ गया है। दहेज एवं अन्य कुप्रथाऐं भी जस की तस ही नहीं वरन् बढ़रही हैं, इन्हें रोकने के लिये क्या कहेंगे?

मैं विशेषतः मध्यम वर्ग से अनुरोध करूंगा कि वे उच्चवर्ग के कार्यक्रमों को मानदण्ड बनाकर प्रतिस्पर्धा न करें। आप अपने बजट में कार्य करें। होड़ा-होड़, गोड़ा फोड़। कोई भी आपके विवाह आदि कार्यक्रमों से घर आकर कुछ नहीं कहता। किसी को इन बातों पर टिप्पणी करने की फुर्सत कहां है? हम हमारे कार्यक्रम हमारी चादर में करें। घर फूंक तमाशा समाज एवं स्वयं के लिए भी घातक है।

डॉ. एच.एल. माहेश्वरी की पुस्तक "खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद".

खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद

55 के बाद की जिन्दगी सपनों का अन्त नहीं बल्कि उन्हें साकार करने का स्वर्णिम समय है. बस इसके लिए जरूरी है खूबसूरती से जीना कैसे जीएँ... इसी के सूत्र बताती है

Rs. 120/-
डाक खर्च सहित

ऋषिमुनि प्रकाशन

90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

ताकत वतन की हमसे है
जुगल काबरा

जोधपुर शहर राजनीति के धूमकेतु श्री जुगल काबरा गत अनेक वर्षों से राजनीति में सक्रिय हैं। वे शहर को विधायक के रूप में अपनी सेवा दे चुके हैं। श्री काबरा छात्र जीवन से ही राजनीति में आ गये थे एवं दो बार जोधपुर विश्वविद्यालय स्टुडेण्ट एसेंबली में चुने गये। वर्ष १९७० में जोधपुर विश्वविद्यालय छात्रसंघ के अध्यक्ष पद पर विजयी हुए। समाजवादी एवं गांधी चिंतन का प्रखर प्रभाव होने के कारण आप वर्षों कांग्रेस पार्टी के अहम् कार्यकर्ता रहे। जोधपुर शहर माहेश्वरी समाज से अब तक वे एकमात्र चयनित विधायक रहे हैं। राजनीति में आप पूर्व मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत, श्री हीरालालजी देवपुरा जैसी दिग्गज हस्तियों एवं श्री नेमीचंद जैन जैसे विख्यात गांधीवादी चिंतकों के करीबी रहे हैं। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के सचिव तथा अध्यक्ष पद को भी आपने सुशोभित किया है। आर्थिक मोर्चे पर 'टवंटी पोईंट प्रोगाम' कमेटी के भी अध्यक्ष रहे हैं। राजनीति से इतर अनेक समाजसेवी, लोकोपकारी कार्यों से भी जुड़े हैं, इसी कारण जब वे विधायक नहीं थे तब भी उनकी लोकप्रियता कम नहीं हुई।

▸ आप इतने लंबे समय से राजनीति में हैं विशेषकर एक ऐसी जाति से जिसका राजनीतिक दखल लगभग नगण्य था, ऐसे में इस मुकाम तक आप कैसे पहुंच पाये ?

मैं यह तो नहीं कहूंगा कि इस मुकाम तक आने में मेरे जाति भाइयों का सहयोग नहीं मिला। जहां-जहां बन पड़ा, माहेश्वरी बंधुओं ने मुझे सहयोग दिया लेकिन यह तथ्य तो सर्वविदित है कि संख्याबल में बहुत कम होने के कारण राजनीति में हमारी पहुंच दुष्कर बन जाती है। आज जन बल, लॉबिंग के बिना कुछ भी संभव नहीं है। लेकिन यह कमी हम हमारे व्यक्तित्व के दमखम से दूर कर सकते है। हम अगर व्यक्तित्व में दमखम बढ़ाये, समाजसेवा से जड़ों से जुड़े, लोगों के समय-समय पर काम आयें, उनके दुःख-दर्द पहचानें, तो संख्या बल में कम होने के बावजूद हमें आगे बढ़ने से कौन रोक सकता है? क्या आप सूर्य के प्रकाश को मुट्ठी में कैद कर सकते हैं? जिसे फैलना है वह अवश्य फैलेगा। हम आत्म-विश्वास से आगे बढ़ें, हौसला रखें, फिर मंजिल कहां दूर है।

▸ इस दरम्यान राजनीति में आपका कैसा अनुभव रहा? शहर भर में सभी कहते हैं कि आप उस मुकाम तक नहीं पहुंच पाये, जहां तक आपको पहुंचना था। आपको मंत्री एवं अन्य महत्वपूर्ण पद क्यों नहीं मिले?

मुझे अपने भाग्य से कोई शिकायत नहीं है, देर-सवेर सबको अपनी मेहनत का फल मिल जाता है। हम कर्म करें, यही हमारे बस में है, कर्मफल हमारा उदेश्य न बने तो अच्छा है। हां, इतना जरुर कहूंगा कि संख्या बल में कम होने के कारण शिखर स्तरों तक हम वो करिश्मा नहीं बना पाते जो अन्य जातियों के नेताओं ने बनाया है। राजनीति भीड़ की जुबान बोलती है। यहां माथे गिने जाते है।

▸ आज राजनीति मूल्यविहीन होती जा रही है? क्या कहना चाहेंगे?

आप ठीक कहते हैं। मूल्यों की जलती होली से आज हमारा समाज विषाक्त हो गया है। जिन सिद्धातों, मूल्यों के लिये नेहरू, बापू एवं अन्य स्वतंत्रता सैनानी लड़े, वे गौण हो गये है लेकिन लुप्त नहीं हुए हैं। वे सिद्धांत/संस्कार बीजरूप में आज भी मौजूद है। हम राष्ट्र के प्रति हमारे दायित्व को समझे, हमारा सिविक सेंस बढायें, जिम्मेदारियों से भरें एवं राष्ट्र प्रेम से आविर्भूत हों। अंततः आपको मानना होगा कि ताकत वतन की हमसे है। हम ही इसे हमारे सपनों का राष्ट्र बनायेंगे।

▸ माहेश्वरी युवा राजनीति में कैसे आयें एवं कैसे अपना वजूद बनायें?

युवक छात्र जीवन से ही इसका आग़ाज़ करें। आगे यही उसके राजनीतिक कैरियर की सीढ़ी बनेगी। यौवन से ही समाजसेवा, जनसहयोगी कार्यों से जुड़े, जन समस्याओं के प्रति संवेदनशील बनें, उनका समाधान करने का प्रयास करें, जनता में लोकप्रियता एवं आदरभाव बनायें तो फिर उन्हें आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता।

हमने अच्छे बीज बोये हैं

मेघराज लोहिया

२४ अगस्त १९५७ को जन्मे मेघराज लोहिया आपातकाल से ही राजनीति एवं इसके पूर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ गये थे। संघ ने उनके जीवन को अनुशासित तो किया ही, उन्हें एक अभिनव दृष्टि भी दी। वर्ष १९८० में वे जोधपुर युनिवर्सिटी में छात्रसंघ में तब उपाध्यक्ष बने, जब तुलनात्मक रूप से इन पदों पर अन्य जातियों का वर्चस्व था। १९८१ से वे भाजपा में आये एवं फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनका प्रभाव तब भी कम नहीं हुआ, जब वे सत्ता में नहीं रहे। बेहद खूबसूरत एवं मधुर आवाज के धनी श्री लोहिया का व्यक्तित्व इतना मनमोहक है कि आप उनसे प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकते। वे बहुत कम शब्दों में बहुत कुछ कह जाते हैं। आप 'राजस्थान भाजपा उद्योग प्रकोष्ठ' के वर्षों अध्यक्ष रहे एवं वर्तमान में राजस्थान लघु उद्योग निगम' में राज्यमंत्री हैं।

▸ क्या आपको नहीं लगता कि कॉलेज, विश्वविद्यालयों में छात्रसंघ राजनीति ने पढ़ाई का बंटाधार कर दिया है एवं इससे अनुशासनहीनता बढ़ी है ?

मैं ऐसा नहीं मानता। वस्तुतः मेरे मत में छात्र राजनीति चाहे वह विद्यालय, कॉलेज अथवा विश्वविद्यालय स्तर तक की क्यों न हो, हममें नेतृत्व के, लीडरशीप के गुण उत्पन्न करती है। नेतृत्व एकदम नहीं सीखा जा सकता, सीखने की भी शनैः शनैः प्रक्रिया है। यही नेतृत्व के गुण आगे जाकर राष्ट्रीय राजनीति को परिभाषित करते हैं। हमें राष्ट्र को दिशा देनी है, तो नेतृत्व के गुण विकसित करने होंगे। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी इसका स्पष्ट उदाहरण हैं। नेतृत्व के गुण उनमें बचपन से ही विकसित हो गये थे एवं तत्पश्चात् 'पूत के पग पालणे में दिखे' को चरितार्थ करते हुए उन्होंने इतनी सुदीर्घ यात्रा कर ली। वे देश के सफलतम प्रधानमंत्रियों में से एक है।

▸ आप सत्तारूढ़ भाजपा से जुड़े हैं। आपके मत में ऐसे कौन से कार्यक्रम हैं, जो देश को नई दिशा दे सकते हैं?

मैं राष्ट्रीय स्तर पर 'स्वच्छ भारत' एवं 'जन-धन योजना' का कायल हूं। राज्य स्तर पर 'न्याय आपके द्वार', 'जल स्वावलंबन' एवं 'भामाशाह योजना' आम आदमी के आर्थिक-सामाजिक जीवन को उन्नत करने हेतु प्रतिबद्ध योजनाऐं हैं। इन्होंने आम आदमी के जीवन में अभूतपूर्व परिवर्तन किये हैं। अन्य कई योजनाऐं भी आम जिंदगी में आमूलचूल, सकारात्मक परिवर्तन करेंगी, जरा समय लगता है, पर परिवर्तन अवश्यंभावी है।

▸ आज महंगाई ने आम आदमी का जीवन त्रस्त कर दिया है। आपकी आर्थिक नीतियों से देश में अवसाद पसर गया है, व्यापारी एवं उद्योगपति भी खुश नजर नहीं आते?

जब आप किसी मोर्चे पर आधारभूत परिवर्तन करते हैं, तो प्रारंभ में बहुधा ऐसा होता है लेकिन अंततः इसके अनुकूल परिणाम मिलते हैं। हमने अच्छे बीज बो दिये हैं। आज कालाधन कमाना लगभग असंभव हो गया है, वर्षों का जमा कालाधन बाहर आया है, भूमि-भवन के दाम अप्रत्याशित रूप से गिरे हैं, हमारी आर्थिक विकास दर एवं विदेशी भण्डार दिनों-दिन बढ़ रहे हैं। आज हमारी गिनती अमीर देशों तक में होने लगी है। जरा धैर्य रखें, गर्मी से सर्दी आई है, तो बसंत कौन सा दूर है।

आपसे कहा जाता है -
- संकट निवारण हेतु पानी में नारियल बहा दें।
- सांप दिखे तो काम टालें।
- नल को पानी टपकता न छोड़ें।

... और भी बहुत कुछ **तो फिर...**

ऐसा क्यों?
aisa kyon

जिसमें छुपा है आपके हर क्यों का जवाब
प्रश्न उठना स्वाभाविक है - "ऐसा क्यों?" लेकिन इसका उत्तर देगा कौन?
इसका उत्तर देगी गहन अध्ययन से संजोई पुस्तक

Rs. 100/-
डाक खर्च सहित

90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

अंधेरा दीपक जलाने से दूर होगा

दामोदरदास लोहिया

दिनांक २ नवम्बर १९४९ को श्री कानमलजी लोहिया एवं श्रीमती जेठीदेवी के यहां जन्मे दामोदरदास लोहिया अपनी अभिनव दृष्टि के कारण जोधपुर के औद्योगिक जगत में एक खास मुकाम रखते हैं। वे बिट्स पिलानी से बी.ई. ऑनर्स एवं आईआईटी कानपुर से एम.टेक. हैं। शहर के प्रमुख औद्योगिक संगठन 'मारवाड चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री' एवं अन्य अनेक औद्योगिक संस्थाओं के अध्यक्ष भी रहे हैं। जोधपुर शहर की अनेक समाजसेवी संस्थाओं से भी जुड़े हैं, उन्होंने शहर में बालिका शिक्षा की भी अलख जगाई है। वे टेक्स एडवाईजरी संस्थानों एवं रेलवे सलाहकार के रूप में भी कई संस्थानों से जुड़े हैं।

▸ बालिका शिक्षा को प्रोन्नत करने के लिए आपको शहर भर में याद किया जाता है। क्या आपको लगता है स्त्री शिक्षा अपने निर्दिष्ट मुकाम तक पहुंची है?

निश्चय ही बालिका शिक्षा की बात करें तो कल और आज में बहुत कुछ बदला है, लेकिन, हां, इस क्षेत्र में अभी बहुत कुछ किया जाना शेष है। बालिका शिक्षा विशेषतः बालिकाओं की उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अभी बहुत स्कोप है।

▸ इस राह में क्या रोड़े हैं?

हम सोच बदलें, समाज बदलेगा। अंधेरा दीपक जलाने से दूर होगा। आज भी स्त्री की उच्च शिक्षा के प्रति पुरातनवादी सोच कायम है कि उसकी उच्च शिक्षा उसमें अहम् पैदा करेगी, उसके गृहस्थ जीवन में बाधा बनेंगी, जो एक भ्रांति है। मेरा अनुभव कहता है कि अधिक पढ़ी-लिखी लड़कियां अधिक जागरूक होकर घर-गृहस्थी को भी बेहतर चलायेगी। ऐसा मैं अनेक जगह प्रत्यक्षतः फलित होते देख रहा हूं। आप आधी आबादी की संभावनाओं को समाप्त कर देगें तो फिर शेष क्या रह जायेगा? क्या आप एक हाथ से इतना कार्य कर सकेंगे जितना दो हाथों से होता है। हमें हमारी प्राथमिकताएं, चिन्तन बदलना होगा, यह समय की भी मांग है।

▸ आज संयुक्त परिवार विघटित हो रहें हैं, आपका क्या कहना है ?

हर समय, हर संस्था की एक नई व्याख्या करता हैं, आपको तद्रुरूप बदलना होगा। आज आवश्यक नहीं है कि बच्चा आपके साथ रहे, वह आपसे अलग होकर भी अपनी सोच में संयुक्त है। तो यह संयुक्त परिवार ही है। आज बच्चों के माइंडसेट, व्यक्तित्व कल से भिन्न हैं, आप उन्हें समझिये, उन्हें फ्री स्पेस दीजिये, वे आपका अधिक सम्मान करेंगे। उनके खाने-पीने-पहनने के नये नजरिये का भी स्वागत करिये, हिपोक्रेट न बने, युगधर्म के साथ चलें, तब वे मुक्त होकर भी बंधन में होंगे। परिवार संस्था को आप इसी से बचा पायेंगे।

▸ माहेश्वरी समाज में पुरुष-स्त्री अनुपात 100:80 रह गया है। इसे बढ़ाने हेतु आपका क्या मत है?

सक्षम परिवार एक-दो बच्चों तक सीमित न रहें। अच्छे, समृद्ध सांस्कृतिक परिवारों में बच्चे अधिक होंगे तो हमारी जनसंख्या, इसका अनुपात तो बढ़ेगा ही, हम सांस्कृतिक रूप से भी समृद्ध होंगे। बच्चों को विशेषतः बहू-बेटियों को समय-समय पर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। आप उपदेश न देकर स्वयं भी उदाहरण बनें। आज प्रशासनिक एवं व्यवसाय से इतर क्षेत्रों में माहेश्वरी बहुत कम है, हम उन क्षेत्रों में भी आगे आयें। बच्चों को अध्यात्म, समाज से भी जोड़े। उनका दृष्टिकोण, रुचियां भी जानें।

▸ आप जोधपुर औद्योगिक जगत के सिरमौर रहे हैं। जोधपुर शहर में औद्योगिक विकास की क्या संभावनाये हैं?

आने वाले समय में यह शहर औद्योगिक हब ही नहीं, आईटी हब भी बनेगा। सोलर एवं पवन उर्जा के विकास की भी यहां असीम संभावनायें हैं। सरकार को इस हेतु शहरों में ही नहीं गांवों में भी मूलभूत सुविधायें एवं सकारात्मक वातावरण विकसित करना चाहिये। आने वाले एक दशक में जोधपुर अब से चौगुना फैल जायेगा। यहां के व्यवसायियों के पास पूंजी एवं व्यावसायिक कौशल का मणिकांचन योग है। मात्र इसके दोहन की जरूरत है।

परिवार सबसे अहम् ईकाई

ओमप्रकाश फोफलिया

ओमप्रकाश फोफलिया समाजसेवा के ऐसे मौनसाधक हैं जो अपने सद्व्यवहार एवं ठोस कार्यों से अन्य समाजसेवियों के लिये आदर्श बन गये हैं। जहां अन्य समाजसेवी लोकप्रियता, अखबारों में छपना, मंचों के अपहरण में सिद्धहस्त होते हैं, श्री फोफलिया सर्वाधिक कार्य कर अन्तिम पंक्ति में खड़े हो जाते हैं। वे तुलसी की चौपाई 'लोकमान्यता अनल सम कर तप कानन दाहू' अर्थात् 'यश की चाह उस अग्नि की तरह है, जो हमारे सम्पूर्ण तप को दग्ध कर देती है' में अनन्य विश्वास रखते हैं। उनकी यशकाया सद्कार्यों से ही तृप्त होती है। उन्हें यह गुण अपने पिता श्री लक्ष्मीनारायणजी फोफलिया से विरासत में मिले हैं। शहर के दानदाताओं में वे सदैव अग्रणी होते हैं एवं उनका दान आंख नीची कर सर्वथा विनम्र भाव लिये होता है। हर एक को सहयोग हेतु तत्पर श्री फोफलिया ने सन १९६८ में बिट्स पिलानी से इंजीनियरिंग शिक्षा प्राप्त की है एवं वर्तमान में वे शहर की प्रतिष्ठित औद्योगिक ईकाई "मे. सिग्मा मिनरल्स" के निदेशक हैं। उन्होंने डेढ़ दशक पूर्व ही आगत पारिवारिक परिवेदनाओं को भांप लिया था। उन्हीं के बीजचिंतन से महासभा में 'परिवार परिवेदना निराकरण समिति' का प्रादुर्भाव हुआ है। आज यह समिति महासभा की सक्रिय समितियों में अग्रणी है।

▸ आप जोधपुर शहर में ही नहीं देशभर में पारिवारिक परिवेदनाओं के निराकरण पर अलख जगा रहे हैं। इस चिंतन का उद्देश्य आपको कैसे मिला?

परिवार व्यक्ति एवं समाज सभी के लिए एक महत्वपूर्ण ईकाई है। इस बरगद तले ही हम सुख-सुकून-चैन की जिंदगी जी सकते हैं। हमारे पास सब कुछ है लेकिन परिवार में किसी प्रकार का दुःख है, असामंजस्य है, पीड़ा है, तो अन्य सभी सुख व्यर्थ हैं, निरर्थक हैं। परिवार एक स्पोंज की तरह हमारे छोटे-मोटे हर दुःख को बिखरे पानी की तरह सोख लेता है। आप उन घरों में पीड़ा की कल्पना करिये जहां पति-पत्नी में असामंजस्य है, तलाकशुदा-विधवा-परित्यक्ता बैठी हैं, विधुर, चिरकुंवारों की समस्या है अथवा ऐसी ही कोई समस्या जो दिन-रात हमारा रक्त चूसती हो, तो जीवन नर्क बन जाता है।

▸ पारिवारिक परिवेदनाओं के अहम् कारण क्या मिले हैं?

यह कारण वैवाहिक असामंजस्य, आर्थिक, शारीरिक, मनोवैज्ञानिक कारण से लेकर अन्य कुछ भी हो सकते हैं। आज हर दस में से एक घर में वैवाहिक असामंजस्य की समस्या है। समाज तेजी से बदला है। वैश्वीकरण, बाजारवाद की आंधी के साथ हमारे मूल्य, संस्कार अंधकूप में जा गिरे हैं।आज सहनशीलता कम हुई है, अंहकार, ईर्ष्या एवं वैमनस्य के दूषित भाव ने हमें अजगर की तरह जकड़ लिया है। भौतिकवाद की चकाचौंध बढी है, आध्यात्मिक रूझान में न्यूनता आई है। इसी के चलते परिवार टूट रहे हैं और हम भी परेशान है । दिखने में लोग खुश होने का अभिनय कर रहे हैं, लेकिन जड़ों में दुःखी है।

▸ इसका समाधान क्या हैं?

रेचन, काउंसलिंग व समझाइश इसके समाधान में रामबाण सिद्ध हुए है। पंच परमेश्वर की भावना से अनेक समस्याओं का शमन संभव है। महासभा बधाई की पात्र है कि उन्होंने देशभर में सौ से अधिक' परिवार परिवेदना निराकरण प्रकोष्ठ खोलकर एक हजार से ऊपर प्रकरणों का सफल निस्तारण किया है। आज आपस में सुलह से समाधान बढ़े हैं, दहेज प्रताड़ना के मामले पहले से कम हुए हैं। इन प्रकोष्ठों के सदस्य अधिकतर प्रबुद्ध वर्ग से हैं, जो अनुकूल समाधान का सहज मार्ग प्रशस्त कर देते है। गोपनीयता एवं निजता की सुरक्षा इनका मूल मंत्र है। मेरा मानना है कि पांच व्यक्ति मिलकर किसी भी समस्या का हल निकाल सकते हैं। प्रकोष्ठों की सफलता के पीछे इसी जादूगरी ने चमत्कार किया है।

किसके रोके रुका है सवेरा

मधु समदानी

वर्ष २००७ में पति श्री विजय समदानी के निधन के बाद मधु समदानी लगभग टूट गई थी। एक लंबे अंतराल तक उन्होंने वैधव्य एवं एकाकीपन की पीड़ा को सहा। उनके पास दो विकल्प थे-प्रथम इस पीड़ा के साथ टूट जाना, दूसरा इसी पीड़ा से पीड़ित अन्य स्त्री-पुरुषों की व्यथा को समझकर उन्हें समाधान देना। उन्होंने दूसरा सकारात्मक मार्ग चुना। यह उनके चिंतन का 'नवभोर' था। आज वे समाजसेवा के अन्य आयामों से जुड़कर शहर की अन्य स्त्रियों के लिए नज़ीर बन गई हैं।

▸▸आपको समाजसेवा की प्रेरणा कैसे मिली ?

वस्तुतः मेरे दुःख, पीडा एवं संत्रास ने ही मुझे समाजसेवा की ओर उन्मुख किया। मुझे लगा अकेलेपन के इस अरण्य को भोगते मैं स्वयं तो टूट ही जाऊंगी, अपने परिवार के लिए भी बोझ बन जाऊंगी। जीवन के अंधेरे पक्ष हैं, तो उजले पक्ष भी हैं। उजाला अंधेरे के गर्भ से ही तो प्रकट होता है। मैंने महसूस किया कि समाज बदला तो है, पर भारतीय विधवा की स्थिति में कोई आमूलचूल परिवर्तन नहीं हुआ है। गांवों में स्थिति और भी भयावह है। आज भी विधवाओं को अनेक मांगलिक प्रसंगों में जाने से रोका जाता है। अनेक जगह पर अच्छे वस्त्र, श्रृंगार आदि पर प्रतिबंध है। उस मरी को मारने के लिए पग-पग पर हजार राक्षस खडे हैं। मैंने इस पीड़ा को शिद्दत से देखा, महसूस किया तो मुझे लगा मैं अंधेरे को मिटा तो नहीं सकती, हां, एक चिराग तो जला सकती हूं।

▸▸आप महासभा की 'परिवार परिवेदना निराकरण समिति' द्वारा प्रायोजित 'नवभोर' कार्यक्रम की प्रभारी हैं। इस कार्यक्रम के उद्देश्य क्या हैं?

'नवभोर' एक अभिनव कार्यक्रम है जिसके तहत हम विधवा, विधुर, तलाकशुदा स्त्री पुरुषों के बॉयोडाटा का संकलन तो करते ही हैं, मैं और मेरी टीम उन्हें काउन्सलिंग करने का कार्य भी करते हैं।

▸▸इस कार्य को आप कैसे अंजाम देते हैं ?

हम एसएमएस, फोन, पेंपलेट, संपर्कसूत्रों द्वारा उनके बायोडाटा ई-मेल पर प्राप्त करते हैं एवं उन्हें बायोडाटा बनाने में मदद भी करते हैं। हमारे पास अब तक 600-700 बायोडाटा आए है एवं हमारे प्रयासों से देशभर में करीब 50 ऐसे जोड़ो का पुनर्विवाह हुआ है। हमें ई-मेल से बायोडाटा मिलते हैं, हम उन्हें उनके बायोडाटा के अनुकूल बायोडाटा मात्र 24 घण्टे में ई-मेल कर देते हैं।

▸▸इस कार्यक्रम को गति देने हेतु आपने और क्या किया है?

आप जानते हैं, इस वर्ग की स्थिति 'नीर भरी दुख की बदली' जैसी है, हमने इस हेतु अनेक वर्कशॉप आयोजित किये हैं, लिटरेचर भी बांटा है। मैंने इस समस्या पर अनेक लेख भी लिखे हैं, जो प्रकाशित भी हुए हैं।

▸▸आपके कार्य में मुख्य अड़चने क्या आ रही हैं?

इस कार्यक्रम में मुख्य अड़चन तो समाज का नजरिया ही है। हम ऐसे अकेले स्त्री पुरूषों की पीड़ा, व्यथा को समझें, उन पर छींटाकशी न करें। बिजली किसी पर भी गिर सकती है। उन्हें अपना समझें और हौसला दें न कि उनके 'पर' काटें। आज हमारे समाज का पुरुष-स्त्री अनुपात 100:80 रह गया है। ऐसे में क्रोनिक बेचलर्स, विधुर, निसंदेह तलाकशुदा महिलाओं, विधवाओं से विवाह कर सकते हैं। मुझे आश्चर्य है कि अनेक अधेड़ उम्र के शिक्षित, संभ्रात विधुर, तलाकशुदा पुरुष यहां तक कहते हैं कि हमें तलाकशुदा, विधवा तो मंजूर है लेकिन निःसंतान। अगर आप एक विधवा, तलाकशुदा स्त्री से यह अपेक्षा करते है कि वह आपको नई सुकून भरी जिंदगी दे, आपके बच्चे पाले, तो पुरुष ऐसा क्यों नहीं कर सकते? वे विधवा के बच्चे क्यों नहीं स्वीकारते? समाज, महासभा एवं पदाधिकारी इन मुद्दों पर जागरूकता बनायें। ऐसे वर्ग के विवाह में विधिक समस्या लगभग नगण्य है। हम लोगों के दिलों में यह भ्रम है कि संपति का आगे बंटवारा, भविष्य कैसा होगा? आज के नए कानूनों ने इन तमाम समस्याओं का समाधान कर दिया है। विधवा, तलाकशुदा स्त्री के पुनर्विवाह होने पर उसके हक जस के तस रहते हैं। आप इच्छानुसार करार कर सकते है। हम आगे बढ़ें। सकारात्मक भाव से भरें। आशा संजीवनी है।

▸▸आपको ऐसे समाज उपयोगी कार्यक्रम को आगे लाने के लिए बहुत बहुत बधाई। आपके परिवार में अन्य कौन-कौन है?

मेरे पुत्र अर्पित एवं बहुरानी साक्षी दोनों आईआईटियन्स हैं। वे दोनों एमएनसी में कार्यरत हैं। दोनों मुझे बहुत हौंसला देते हैं।

▸▸आप समाजसेवा के अन्य किन आयामों से जुड़ी हैं?

मैं मारवाडी समाज की स्थानीय अध्यक्षा हूं। नीम महोत्सव, बेटी बचाओ-बेटी बढ़ाओ अभियान इसी संगठन की देन हैं। इसके तहत हमारे शहर में भी बहुत कार्य हुआ है। मैं नेत्रहीन विकास संस्थान, इंडियन स्काउट गाइड फैलोशिप, भारत विकास परिषद, रक्तदान संस्थाओं, वनबंधु परिवार, रोटरी क्लब एवं महासभा परिवार परिवेदना निराकरण समिति से भी जुडी हूं। स्थानीय माहेश्वरी समाज में पंच भी हूं। इन सभी संस्थाओं एवं इनसे जुड़े सेवा कार्यों में सहभागिता कर मुझे आत्मिक सुकून मिलता है। मेरा स्पष्ट मानना है कि गहन अंधकार के मध्य भी सूर्योदय को रोका नहीं जा सकता। ''किसके रोके रूका है, सवेरा।''

With Best Wishes
For
Jodhpur Visheshank

Video Classes for all Subject of Commerce

B.Com
CA
CS
CMA

R.R. Classes

Opposite Manidhari Hospital, Kalptaru Shopping Centre,
JODHPUR (Raj.), M. 93142 18117

अन्य क्षेत्रों की तरह ही जोधपुर शहर के आध्यात्मवेत्ताओं ने आध्यात्म के क्षेत्र में भी अपना अत्यंत विशिष्ट योगदान दिया है। इनके इन योगदानों से न सिर्फ समाज अपितु सम्पूर्ण क्षेत्र गौरवान्वित महसूस करता है।

आध्यात्म जगत के नक्षत्र

ब्रह्मलीन श्री नन्दकिशोरजी शारदा व सुश्री बसंतीजी मणियार

श्री नंदकिशोर शारदा को 14 वर्ष की अल्पायु में पिता के देहावसान के उपरांत भौतिक शरीर की नश्वरता का तीव्र बोध हुआ। उनके मन में जिज्ञासा उत्पन्न हुई कि उनके स्वस्थ पिता के भीतर से ऐसा क्या चला गया? इसी क्रम में आपनो अदृश्य, सर्वशक्तिमान चेतनशक्ति के अस्तित्व की खोज करने का बीड़ा उठाया। आप इस हेतु जगह-जगह साधु-महात्माओं के पास गये, अनेक आध्यात्मिक प्रश्नों का उत्तर जानना चाहा, लेकिन निराश लौटे। एक दिन एक तांत्रिक के पास गये। उसने बंद माचिस में कहीं और रखा रूपया अपनी माचिस की डिब्बी में खोलकर बताया जो पूर्णतः विज्ञान के विपरीत बात थी। श्री शारदा को फिर लगा कि अगर ऐसी क्षुद्र आत्माओं का अस्तित्व है, तो निश्चय ही उपलब्ध, पराआत्माओं एवं परमात्मा का भी अस्तित्व है। उन्होंने फिर रामकृष्ण परमहंस विवेकानन्द के साहित्य का अध्ययन किया तो इसकी पुष्टि हुई। तत्पश्चात उन्होंने मां त्रिपुरसुंदरी को भौतिक शरीर की भी मां मानकर कठोर साधना की, उनके दर्शन हुए एवं उन्होंने उन्हें ही गुरु बनाकर दिव्य लोकों का ज्ञान प्राप्त किया। इस ज्ञान को उन्होंने वैज्ञानिक तरीके से 'मृत्यु के बाद का अलौकिक संसार' पुस्तक में रचकर जगजाहिर किया। आज का युग विज्ञान का युग है, भौतिकवाद की चकाचौंध है, लोगों के पास ज्ञान-भक्ति-निष्काम कर्मयोग की साधना का समय नहीं है। ऐसे में श्री शारदा द्वारा प्रायोजित बुद्धि-विवेकयोग साधना आम साधक के लिये रामबाण है। इसके द्वारा व्यक्ति अपना भौतिक, आध्यात्मिक जीवन भी आनंद-शांति-उत्साह से व्यतीत कर मानव जीवन का उद्देश्य पूर्ण कर सकता है।

श्री शारदा जी अब ब्रह्मलीन हैं। वर्तमान में श्री शारदा की शिष्या सुश्री बसंती जी मणियार 'मणिद्वीप' ए-183, शास्त्रीनगर, जोधपुर से इस कार्य को आगे बढ़ा रही हैं एवं वे स्वयं भी इसी पथ पर गत 52 वर्षों से साधनारत हैं। उनके सान्निध्य में अनेक गृहस्थजन भी भौतिकवाद एवं अध्यात्म का समन्वय कर अपना जीवन आनन्द, खुशी से सराबोर कर रहे हैं। इस ज्ञान को प्राप्त करने में किसी प्रकार का धर्म-जाति-उम्र का बंधन भी नहीं है। विवेकानंद ट्रस्ट से बालिकाओं को छात्रवृति एवं संस्कार भी दिये जा रहे हैं।

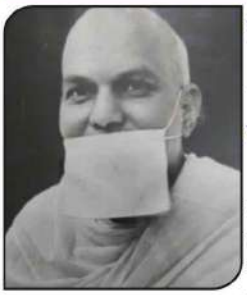

ब्रह्मलीन श्रीअशोकमुनिजी महाराज

श्री अशोकमुनि बचपन में खेलते हुए एक ऐसे स्थान पर पहुंच गये जहां प्रखर जैन मुनि श्री चौथमलजी 'वैराग्य एवं उसकी पारलौकिक महत्ता' पर व्याख्यान दे रहे थे। इस ओजपूर्व व्याख्यान का उनके बालमन पर इतना गहरा असर हुआ कि वे घर छोड़कर उनके साथ ही हो लिये। उनके माता-पिता का भी इस घटना के दो वर्ष पूर्व निधन हो गया था, वे इस घटना से भी क्लान्त थे। चौथमलजी के व्याख्यान ने उनके वैराग्य को परवान चढ़ाया एवं तत्पश्चात वे उम्र भर जैनमुनि बनकर ही जिये।

श्री अशोकमुनि जी के घर का नाम जेठमल राठी था, अशोकमुनि नाम उन्हें दीक्षा के बाद मिला। वे प्रखर पण्डित, कवि, लेखक एवं ओजस्वी वक्ता भी थे। जोधपुर शहर में ही नहीं, पूरे राजस्थान, यहां तक कि दक्षिण भारत के दूर-दराज के शहरों में भी उन्होंने समाजसेवियों को उत्प्रेरित कर अनेक लोकोपकारी कार्यों को अंजाम दिया। वे आचार्य तुलसी, नानालालजी, हस्तीमलजी जैसे परमपूज्य जैन मुनियों के सान्निध्य में भी रहे। उन्होंने अपने विरल ज्ञान एवं अनुभव को अनेक पुस्तकों में कलमबद्ध किया। वर्ष 1982 में पूना शहर में उनका निधन हो गया।

महिला संत महाराज श्री 1008 शांतेश्वरजी

त्याग, ज्ञान एवं वैराग्य की मूर्ति महिला संत महाराज श्री 1008 शांतेश्वरजी जोधपुर के ख्यात भक्तिस्थल अजनेश्वर धाम में भक्ति की गंगा बहा रही है। उनका मानना है कि भक्ति, सुमिरन एवं श्रद्धा प्रभु प्राप्ति के सहज सोपान है एवं यह तीनों ही निर्मल मन से सिद्ध होते है। उन्होंने मानस की लोकविख्यात पंक्तियां 'निर्मल जनमन सो मोहि पावा, मोहि कपट छल छिद्र न भावा' का हवाला देते हुए कहा कि अगर हमारे मन में छल-कपट नहीं है, अगर हम जन-जन के हितकांक्षी हैं, तो मन सहज ही निर्मल हो जाता है। निर्मल मन, आत्मा को पवित्र एवं शांत बनाता है एवं ऐसी स्थिति में परमात्मा की प्रतीति स्वतः होने लगती है। जोधपुर के प्रतिष्ठित परिवार की श्री रामदयालजी बिड़ला एवं तीजीबाई की इस यशस्वी पुत्री ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिये कठोर संघर्ष तो किया ही है, निर्बाध तपस्या भी की है। आपके पति श्री नारायणदास तापड़िया का निधन मात्र 15 वर्ष की थी, तभी हो गया। ऐसी विकट स्थिति में जीवनयापन के लिये आपको कठोर श्रम करना पड़ा लेकिन अंततः जीवन की नश्वरता एवं मोहमाया की निरर्थकता को देखते हुए आप वैराग्यपरायणा होकर भक्ति, स्वाध्याय के पथ पर अग्रसर हुई। आपके माता-पिता एवं नाना-नानी ने बचपन से ही आपको भक्ति के संस्कार दिये। बीज रूप में पहले से विद्यमान इस संस्कार को आपके गुरु श्री तुलसीदासजी महाराज ने भक्ति के विशाल वृक्ष में तब्दील कर दिया। उनके अजनेश्वर धाम में बिना किसी जाति भेदभाव के महिला-पुरुष दोनों ही आते हैं लेकिन यह स्थान महिलाओं के लिये विशेष आकर्षण का केन्द्र है। यहां रात्रि में महिलाओं के लिए आवास की भी व्यवस्था है। अतः भक्तिभाव से प्रेरित होकर महिलायें कुछ समय यहां निवास करने भी आयें, तो उनका स्वागत है। यहां प्रतिवर्ष रामनवमी, जन्माष्टमी आदि अनेक उत्सव धूमधाम से मनाये जाते हैं।

श्री माहेश्वरी टाईम्स के 'जोधपुर विशेषांक' प्रकाशन पर

हार्दिक शुभकामनाएँ

भारतीय संस्कृति को, जीवन में हम अपनाएँ ।
द्वेषपूर्ण भावनाओं को, अपने भीतर से हटाएँ।
स्नेह का दीप हम सभी, मिलकर के जलाएँ।
आओ एकजुटता से, समाज को सशक्त बनाएँ।

Poornima Kabra

- President, Lions Club Jodhpur Fort
- District Chair Person (Administrate) Lions Club, Jodhpur
- Former Apex Art of Living
- Ex-President, Jodhpur City Maheshwari Mahila Mandal

"Ashirwad", A-336,
Shastri Nagar, Jodhpur (Raj.)
Ph. : 0291-2430468, 2642009,
M. 94141 15177

जोधपुर माहेश्वरी समाज ने ऐसे कई समर्पित समाजसेवी, शिक्षाविद, न्यायविद, राजनेता, व्यवसायी व उद्यमी दिये हैं, जिन्होंने अपने योगदानों से जोधपुर शहर को एक विशिष्ट पहचान दी है। इन पर न सिर्फ समाज अपितु सम्पूर्ण क्षेत्र गर्व करता है।

सोलर ऊर्जा उद्यमी - योगेश बिड़ला

भगवान भास्कर ऊर्जा के अक्षय भण्डार हैं। योगेश बिड़ला व्यावसायिक रूप से तो सीए (गोल्डमेडलिस्ट) है, लेकिन उन्होंने सूर्य की इस ऊर्जा के महत्व को जन-जन तक रेखांकित किया। इतना ही नहीं उन्होंने राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश आदि कई राज्यों में सोलर पॉवर प्रोजेक्ट्स लगवाकर इस अनंत ऊर्जा को लाभार्जन में भी बदल दिया है। यह चमत्कार उन्होंने वर्ष 2008 में भारत सरकार की सोलर पॉलिसी घोषित होने के पश्चात् कर दिखाया है। सैकड़ों मेगावाट के सोलर पॉवर प्रोजेक्टस लगवाने वाले योगेश ने देश का ही नहीं, वैश्विक समुदाय का भी ध्यान इस ओर आकर्षित किया है। श्री बिड़ला ने अनेक विदेशी निवेशकों को भी राजस्थान में ऐसे प्रोजेक्ट्स लगाने हेतु प्रोत्साहित किया है। उनके इस कार्य की प्रशंसा तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, तत्कालीन केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री फारूख अब्दुल्ला एवं वर्तमान ऊर्जा मंत्री पुष्पेन्द्रसिंह एवं अन्य मंत्रालयों तक ने की है। वे चाहते है कि माहेश्वरी समाज के व्यवसायी इस कार्य को आगे ले जायें एवं इस हेतु वे हर प्रकार के सहयोग को तत्पर है। श्री बिड़ला इसके साथ समाज सेवा के अन्य आयामों से भी जुड़े हैं। इसी के अन्तर्गत वर्तमान में ग्लोबल ह्यूमनिटी फाउंडेशन के ट्रस्टी है।

शिक्षा की ज्योत जलाते- श्री शाह

15 फरवरी 1962 को जन्में नंदकिशोर शाह कर्म एवं व्यावहारिकता को जीवन का मूलमंत्र मानते है। कर्म उनकी सांसों में महकता हैं। वृहत्तर उद्देश्य की प्राप्ति के लिए वे व्यक्तिगत हितों की कुर्बानी हेतु भी तत्पर रहते हैं। फकत तीन सौ रुपये माहवार की नौकरी से अपने कैरियर की आगाज़ करने वाले श्री शाह आज शहर के सफलतम व्यवसायियों में गिनती रखते है। शैक्षिक, समाजसेवा के किसी कार्य में उनकी अग्रणी भूमिका है। वे गत 8 वर्ष से 3000 बालिकाओं वाली शहर की प्रतिष्ठित 'महालक्ष्मी शिक्षण संस्थान' के अध्यक्ष हैं। यह संस्थान किसी भी धर्म, जाति के पूर्वाग्रह बिना चलाई जाती है। यहां बीपीएल, अन्त्योदय वर्ग की भी अनेक बालिकाऐं पढ़ती हैं। यह संस्था 1920 से नारी शिक्षा के लिए कटिबद्ध है एवं तत्कालीन समय से माहेश्वरी समाज द्वारा प्रायोजित है। श्री शाह ने अपने कार्यकाल के दरम्यान संस्थान को स्वालंबन के द्वार पर ला खड़ा किया है। वे शिक्षा, व्यवसाय, हुनरमंदी के क्षेत्र में नई पीढ़ी को मार्गदर्शन तो करते ही है, उन्हें वांछित सहयोग हेतु भी तत्पर रहते हैं। वे युवा पीढ़ी को शिक्षित होने के साथ हुनरमंद होना भी देखना चाहते हैं।

साहित्य जिनकी आत्मा - उषा माहेश्वरी

माहेश्वरी स्त्री साहित्यकारों में सिरमौर उषा माहेश्वरी साहित्य जगत में एक जाना-माना चेहरा है। वर्ष 1973 में उनकी प्रथम कविता 'चेतन प्रहरी' में प्रकाशित होने के पश्चात् से उनकी साहित्यिक यात्रा निर्बाध जारी है। उन्हें यह अभिरुचि विरासत में मिली है। उनके पिता साहित्य पठन में विशेष रुचि रखते थे, उन्हीं पुस्तकों को पढ़ते-पढ़ते वह स्वयं भी साहित्य-सृजन की ओर उन्मुख हुई। हिंदी में एमए, पीएचडी उषा ने अब तक तीन कथा-संग्रह, एक काव्य-संग्रह, एक नाटक एवं एक उपन्यास का सृजन किया है। कई पुरस्कारों से नवाजी उषा का कहना है कि दुःख पीड़ा एवं संत्रास सृजन की खाद है। उनका मानना है कि साहित्य लेखन एक कला है एवं यह कला ईश्वर प्रदत्त है। जैसे मुट्ठी में प्रकाश बंद नहीं किया जा सकता वैसे ही कला भी समय आने पर प्रेरी हुई-सी प्रकट हो जाती है। आपके भीतर का द्वंद, कश्मकश, उमड़-घुमड़ तब आपको सृजन हेतु बाध्य कर देता है।

एक विरल नेत्री - उमा बिड़ला

जिला माहेश्वरी महिला मण्डल की पूर्व अध्यक्ष उमा बिड़ला विरल नेत्री तो हैं ही, अपने अनूठे समाजसेवी कार्यों से शहर में सेवा एवं सहयोग का पर्याय भी बन गई हैं। वे बहुमुखी प्रतिभा की धनी तो हैं ही, उनका कार्यकौशल भी अद्भुत है। बात महिलाओं को जागरूक करने की हो अथवा मुद्दा फिर कन्या भ्रूण हत्या के विरोध का हो, महिलाओं की ब्रेस्टफीडिंग, ब्रेस्टकैंसर, रजोनिवृति आदि महत्वपूर्ण विषयों पर जागरुकता का हो, महिलाओं की व्यवसायिक प्रतिभा उजागर करने का हो, उमाजी सदैव व हर गतिविधि में अग्रणी रहती हैं। पारिवारिक परिवेदना की सम्मानित सदस्या के रूप में उन्होंने न सिर्फ अनेक टूटे परिवारों को मिलाया है, कई परिवारों को आर्थिक सहयोग, ऋण इत्यादि दिलवाकर भी ऊपर उठाने का पावन कार्य किया है। आपने शहर के जनाना अस्पताल, अनाथ आश्रम एवं अनेक स्वास्थ्य केन्द्रों पर भी जागरूकता कार्यक्रम चलाये हैं। महिला स्वरोजगार एवं स्वावलंबन को वे सर्वाधिक वरीयता देती हैं। आप स्थानीय एवं राज्य स्तर भी अनेक पुरस्कारों से नवाजी गई हैं। आपके समाजसेवी कार्यों की पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गेहलोत एवं वर्तमान मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने भी भूरि-भूरि प्रशंसा की है। उन्होंने मारवाड़ की संस्कृति को मुखर करने के लिए 'मारवाड़ी गीत-संग्रह' भी प्रकाशित करवाया है।

मारवाड़ की सुरीली धड़कन - विशाखा आगल

होनहार बिरवान के होत चीकने पात' अर्थात मनुष्य की छुपी प्रतिभा अल्पायु में ही उजागर हो जाती है। 16 जुलाई 1992 को जन्मी विशाखा ने मात्र 12 वर्ष की उम्र में 'सिंगर ऑफ जोधपुर' बनकर इस मुहावरे को चरितार्थ कर दिखाया। क्लासिकल संगीत में रुचि रखने वाली एवं सीए फाईनल की विद्यार्थी विशाखा यहीं नहीं रुकी, आगे वर्ष 2004 में 'सुरसंगम राष्ट्रीय प्रतियोगिता' में भी तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके बाद भी संगीत के अनेक मंचों पर विशाखा ने अपनी गायन प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उन्हें 'माहेश्वरी गोल्डन वॉयस' एवं 'मारवाड की आवाज' जैसे प्रतिष्ठित खिताबों से भी नवाजा गया है। उनकी इसी प्रतिभा के मद्देनजर उन्हें मात्र 19 वर्ष की उम्र में 'वीर दुर्गादास अवार्ड' भी प्रदान किया गया। विशाखा ने उस्ताद शकूर खां एवं डॉ. बृजभान व्यास जैसे प्रख्यात गुरुओं से क्लासिकल गायन की शिक्षा ली और मीनाज मसानी, दीपक पण्डित, अश्विनी भिड़े, शाल्मिली जोशी, अमजद अली खां जैसे दिग्गजों के साथ मंच पर गायन भी प्रस्तुत किया है। पण्डित जसराज जैसे राष्ट्रीय लिजेण्डस ने भी उनकी प्रतिभा की सराहना की है। असीम संभावनाओं से भरी विशाखा, लताजी एवं रफी साहब की आवाज से अत्यधिक प्रभावित है। उनका कहना है कि इन दोनों की गायकी में क्लासिकल टच है। विशाखा ने संस्कार, भक्तिसागर एवं सत्संग राष्ट्रीय चैनल्स पर भी अपनी प्रस्तुति दी है।

चाह को राह दिखाती - कंचन जाजू

अगर मनुष्य की अभिरुचि, हॉबी को पंख मिल जाये तो मनुष्य आसमान छू सकता है। इसी अभिरुचि को अगर व्यवसायिक बाना पहना दिया जाय, तो यही आपके रोजगार एवं प्रतिष्ठा की भी अहम सूत्रधार बन सकती है। कंचन जाजू ने यह सिद्ध कर दिखाया है। संगीत, नृत्य, वाद-विवाद प्रतियोगिता आदि में बचपन से रुचि रखने वाली श्रीमती जाजू शहर की संगीत संध्याओं में आज एक नामवर चेहरा बन गया है। उनकी इंवेट मैनेजमेंट कंपनी शहर के वैवाहिक कार्यक्रमों के आयोजन, संचालन प्रतिभागियों को नृत्य आदि सिखाने व उन्हें प्रोत्साहित करने की अहम संस्था बन गई है। श्रीमती जाजू के वाणी पर सरस्वती सवार है एवं उनका वक्तव्य एवं कार्यक्रम की अदाकारी देखते बनती है। श्रीमती जाजू को अनेक निजी संस्थाओं एवं राजकीय स्तर पर तो पुरस्कार मिले ही हैं, ऑल इण्डिया रेडियो पर भी उनके कार्यक्रम प्रसारित होते रहते हैं। उनके पति सुरेश जाजू भी सहयोगी बनकर उनकी अभिरुचि एवं व्यवसाय दोनों को उन्नत कर रहे हैं।

योग से भगाती रोग - वीणा मूंदड़ा

जोधपुर शहर में ख्यात योग प्रशिक्षका के रूप में पहचान है वीणा मूंदड़ा की। उनका कहना है कि हर अंधेरी रात के गर्भ में उजाला होता है, बशर्ते हम इस तथ्य को सिरे से समझ सकें। बचपन में स्वयं उन्हें गठिया, माइग्रेन जैसे रोगों ने घेर लिया था, उन्हें खाने तक से उबकी आती थी। यह समस्या लंबे समय तक रही, बहुत इलाज करवाया पर बीमारी नहीं मिटी। उन्हें फिर उनके दादाजी ने योग, प्राणायाम करने को कहा, एक वर्ष के अंतराल पर चमत्कारिक रूप से अनुकूल परिणाम सामने आये एवं यहीं से योग उनकी आत्मा में बस गया। उन्होंने निश्चय किया कि मैं भी इस विधा में पारंगतता हासिलकर जनमानस को व्याधियों से मुक्ति दिलाऊंगी। तत्पश्चात उन्होंने एमए हिन्दी, पीएचडी के साथ 'पोस्टग्रेज्यूट डिप्लोमा इन योगा' एवं मास्टर्स एवं ग्राण्ड मास्टर्स कोर्स किये। उज्जैन, देहरादून एवं अन्य स्थानों पर जाकर योग, प्राणायाम से रोग निदान का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। आज 'वीणा योग केन्द्र' गीता भवन में नित्य उनके मार्गदर्शन में सैकड़ों लोग योग सीखते हैं। उनका कहना है कि उच्च रक्तचाप, मधुमेह, वेरिकोज वैन्स, साइटिका, स्लिपडिस्क ही नहीं यहां तक कि अवसाद जैसे मनोरोग भी योग द्वारा ठीक हो सकते हैं। वे अनेक संस्थानों, क्लबों एवं कार्पोरेट सेक्टर तक में योगा सिखाती हैं।

समाज सुधार के क्रांतिकारी- सुशील कालानी

रोटेरी इण्टरनेशनल जोधपुर शाखा के पूर्व अध्यक्ष एवं उप. प्रान्तपाल सुशील कालानी की पहचान क्षेत्र में एक समाज सुधारक के रूप में है। श्री कालानी शहर की अनेक सामाजिक सेवाओं से तो जुड़े ही हैं, अपनी ओर से सबको सहयोग करने को भी सदैव तत्पर रहते हैं। आप स्काउट गाईड फैलोशिप के जिलाध्यक्ष हैं एवं इस संस्था के बैनर तले अनेक सामाजिक कार्यों को अंजाम देते रहते हैं। श्री कालानी का कहना है कि गांवों में मृत्युभोज, पर्दाप्रथा जैसी कुप्रथायें आज भी बदस्तूर जारी हैं एवं इसे हटाने के लिये वहां के जागरूक युवकों एवं प्रतिष्ठित लोगों को ही नहीं, महासभा को भी आगे आना होगा। गांव के मातबर माहेश्वरी इन कुप्रथाओं पर विराम लगाने स्वयं आगे आयें। किसी भी कुप्रथा को हटाने के लिए मात्र दो-चार ठोस उदाहरण चाहिये, आम जनता श्रेष्ठजनों के आचरण का स्वतः अनुसरण कर लेती है।

साहित्य-कला की प्रतिभा- विकास चाण्डक

वरिष्ठ समाजसेवी व राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष कमलकिशोर चाण्डक के पोते विकास चाण्डक की पहचान एक विशिष्ट प्रतिभा सम्पन्न युवक के रूप में है। विकास को देश के कतिपय साहित्यकारों की पुस्तकें पढ़ते-पढ़ते विकास को लगा कि वे भी लिख सकते है। इसी ललक को रेचित करते हुए जब उन्होंने पहले उपन्यास 'ब्रेकआउट विथ अननोन रिवेंज' का अंग्रेजी भाषा में मात्र 19 वर्ष की आयु में सृजन किया एवं इसकी अच्छी प्रतिक्रिया मिली तो विकास की प्रेरणा को पंख लग गये। तत्पश्चात उन्होंने आगे फकत एक वर्ष में दो और उपन्यासों का सृजन किया। इसी दरम्यान कुछ वर्षों के लिये वे चित्रकला की ओर मुड़ गये एवं उनकी पैंटिंग्स की भी देश-देशांतर में प्रशंसा हुई। उनकी पैन्टिग्स अपने मुंह खुद बोलती हैं। उनके बनाये चित्रों का मैग्जीन 'ई-फिक्शन' में भी चयन हुआ है। ख्यात अन्तर्राष्ट्रीय संस्थान 'पिकासो' द्वारा आयोजित ऑनलाईन आर्ट कम्पीटीशन में उन्हें 'गोल्डन आर्टिस्ट अवार्ड' जैसे प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा गया है। अपनी विरासत को सहेजते हुए विकास ने कुछ समय पूर्व अपने मूल गांव खींवसर पर पुस्तक 'अनदेखी' का सृजन किया। इस पुस्तक में उन्होंने गांव के इतिहास, अहम व्यक्तित्व एवं अनदेखे विकास बिंबों पर विस्तार से चर्चा की है। इस पुस्तक के लोकार्पण एवं उनकी चित्रकला की प्रदर्शनी का अनेक समाचार पत्रों, चैनल्स पर भी प्रसारण हुआ है। वे आगे फिल्म प्रॉडक्शन एवं निर्देशन क्षेत्र से भी जुड़ना चाहते हैं एवं इस हेतु अपनी योजनाओं को शीघ्र ही अमलीजामा पहना रहे हैं। फिल्म इंडस्ट्रीज से जुड़े ख्यात गायक राहुल जैन, एवं पंजाबी गाय जगजीत सिंह के साथ कई वर्षों तक काम किया। इसके साथ ही समाजसेवी गतिविधियों में सक्रिय रहते हुए जेएनयू के मुद्दे को उठाया एवं स्वच्छ भारत अभियान से भी जुड़े हुए है। करप्शन को मिटाने के मुद्दों पर भी चर्चा में रहे है।

बेसहारों का सहारा - शिवजी सोनी

गीतांजलि में कविवर टैगोर की पंक्तियां है 'तू भगवान को इन पत्थर की मूर्तियों में ढूंढने की बजाय असहाय, अपाहिज, अनाथ एवं विमदितों में क्यों नहीं ढूंढता'। अनेक लोगों के सेवा कार्य में ये पंक्तियाँ चरितार्थ होती हैं। शिवजी सोनी एक ऐसे ही विरल समाजसेवी हैं जो जोधपुर शहर स्थित 'अपनाघर' के माध्यम से 170 ऐसे असहाय, ठुकराये लोगों के सेवाकार्य में लगे हैं। जिन्हें सबने ठुकरा दिया, जो सड़कों पर लाचार, विवश पड़े रहते हैं, उन्हें वहां से उठाकर ये' अपनाघर' नामक संस्था में लाते हैं, जहां अंधकार में डूबी इन मजबूरों की जिंदगी को एक नयी रोशनी मिलती है। उनके इस कार्य में समाज सदस्य ओम सोनी, भंवर सोनी, महादेव झंवर, संजय बाहेती, राहुल सोनी, प्रेमसुख सोनी एवं महासभा महामंत्री संदीप काबरा भी जी जान से सहयोग करते हैं। ऐसे सेवाभावी समूचे समाज के गौरव एवं दीप-स्तम्भ है।

संस्कारों के भी बिल्डर - श्याम बाहेती

जोधपुर शहर के प्रमुख कोलोनाईजर, बिल्डर एवं 'होटल कस्तूरी ओर्चिड' के प्रबंधक निदेशक हरदिल अजीज श्याम बाहेती ने अत्यन्त साधारण आर्थिक स्थिति से अपने कैरियर का आग़ाज कर आज जिन व्यावसायिक बुलंदियों का छुआ है, वह काबिले तारीफ तो है ही, अनुकरणीय भी है। होटल कस्तूरी आर्चिड आज वैवाहिक एवं अन्य मांगलिक कार्यक्रमों के लिये शहर का एक प्रमुख होटल बन गया है। श्री बाहेती का कहना है कि हम पारिवारिक परिवेदनाओं का निराकरण करने के बजाय पारिवारिक संस्कारों को, जड़ो को सींचे तो परिवेदनाएं मूल से ही समाप्त हो जायेंगी। आज रिश्ते बिगड़ने का अहम कारण यह है कि हम बच्चों की ढंग से परवरिश नहीं कर रहे हैं। हम उनकी हर जिद को बचपन से पूरा करते है फिर बड़ा होकर वह मनमानी करता है। हमें बच्चों की नींव में संस्कार डालने होंगे इसलिये पहले हम स्वयं नज़ीर, उदाहरण बनकर उभरें। हम स्वयं मां-बाप की सेवा करें, परिवार-रिश्तेदारों से सौहार्द्र बनायें तो बच्चे सेवा अवश्य करेंगे। धनी लोगों को भी अपने बच्चों को संघर्षमय वातावरण में बड़ा करना चाहिये ताकि वह पिता के संघर्ष का मोल समझें। हम उन्हें सीधा शिखर पर न बिठाकर एक-एक सीढ़ी चढ़ाये। श्री बाहेती का कहना है कि ऐसा करके ही हम पारिवारिक कारोबारों को बचा पायेंगे अन्यथा आज ऐसे व्यवसायी हैं जिन्होंने शिखर तो छुआ लेकिन उनके बच्चों ने सट्टे, अय्याशी, दारूखोरी में सब कुछ उड़ा दिया। हमें नयी पीढ़ी को प्रारंभ से यह समझाना होगा कि हमें व्यापार करना है, व्यावसायिक गुण हमारे रक्त में, धमनियों में हैं। हम नौकर बनकर अपनी प्रतिभा का फल दूसरे को क्यों दें? हमें हमारी प्रतिभा से हमारे कारोबार पल्लवित करने चाहिये अन्यथा भावी पीढ़ी नौकरों की पीढ़ियां बन जायेगी।

प्रख्यात सीए कोच - राकेश राठी

अत्यन्त विपन्न अवस्था में जीवपयापन करने वाले राकेश राठी ने वर्ष 1999 में सीए एवं तत्पश्चात सीएमए कर छोटे स्तर पर सीए कोचिंग का कार्य किया एवं वर्तमान में जोधपुर शहर की प्रतिष्ठित कोचिंग संस्था में भागीदार एवं जाने माने टयूटर एवं मार्गदर्शक है। समाज के ही नहीं अन्य तबकों के निर्धन बच्चों हेतु वे कोचिंग अनेक बार निःशुल्क अथवा रियायत दरों पर करते है। श्री राठी का मानना है कि आज शिक्षा विशेषतः सीए जैसी प्रोफेशनल शिक्षा की अहमियत बहुत बढ़ गई है। वे कहते हैं कि हर माहेश्वरी मूलतः अपने डीएनए में सीए है, उसे बस किंचित मार्गदर्शन की जरुरत है। उनकी एक शिष्या अमिता सोनी (माहेश्वरी) ने वर्ष 2009 की सीए परीक्षा में देशभर में प्रथम रैंक हासिल की है।

राष्ट्रभाषा के उन्नायक - त्रिलोक राठी

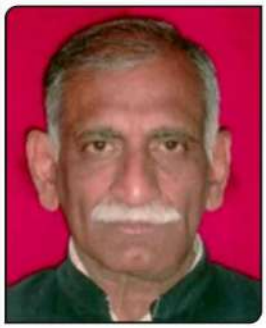

भारतेन्दु की लोकविख्यात कविता 'निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल, बिन निज भाषा ज्ञान के मिटै न हिय को शूल' के मूल भाव को प्रशस्त करते हुए जोधपुर शहर के एडवोकेट शिक्षाविद् एवं राष्ट्रभाषा आंदोलन के प्रखर प्रणेता त्रिलोक राठी ने यौवन में ही यह तय कर लिया था कि वे कथनी एवं करनी के अंतर को मिटाते हुए ताउम्र अपने प्रोफेशन में भी हिंदी में कार्य करेंगे। वकालत के क्षेत्र में जहां चार दशक पूर्व अंग्रेजी, उर्दू का वर्चस्व था, त्रिलोक ने इस शब्दावलियों का हिंदी में अनुवाद कर न सिर्फ स्वयं तयालीस वर्षों तक हिंदी में कार्य किया, बल्कि वे इन शब्दावलियों, अर्थों को जन-जन को सुलभ कर राष्ट्रभाषा के प्रहरी बनकर आगे आये। उन्होंने 'विधि भाषा सुधार परिषद' का गठन कर न्यायालय के अनेक प्रपत्रों को हिंदी में अनुवाद कर सबके लिये सरल बना दिया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारत विकास परिषद आदि से वे वर्षों जुड़े रहे। 70 वर्ष की उम्र में आज भी वे तंदुरूस्त लगते हैं। वे संवतसर प्रचार/प्रसार से भी जुड़े हैं, जिसका एक अंश विक्रम संवत के नाम से भी जाना जाता है। यह काल गणना की एक पद्धति है।

सेलिंग के जादूगर - राजीव मूंदड़ा

किसी शायर का कलाम 'खुदी को कर इतना बुलंद कि हर तकदीर से पहले, खुदा बंदे से खुद पूछे बता तेरी रजा क्या है' जोधपुर शहर के युवा व्यवसायी राजीव मूंदड़ा पर अक्षरशः खरा उतरता है। फकत 19 वर्ष में व्यावसायिक क्षेत्र में कदम रखने वाले इस युवा ने हर क्षेत्र में सफलता का परचम लहराया है। बिरला व्हाइट सिमेंट के व्यवसाय में उन्हें गत 12 वर्षों से निरंतर 'बेस्ट सेलर' का अवार्ड मिला है। वर्ष 2006 में मारुति डीलरशिप मिलने के बाद उनके 'श्रीकृष्णा ग्रुप' ने इस क्षेत्र में भी विक्रय के सारे रिकार्ड तोड़ दिये है। वर्ष 2014 में उन्हें उत्तर भारत में सर्वाधिक वाहन बेचने का अवार्ड भी मिला है। श्री मूंदड़ा उत्कृष्ट व्यवसाय एवं समाजसेवा का मणिकांचन योग हैं। मिलनसार, हंसमुख, श्रमवीर एवं सकारात्मक विचारों के धनी राजीव समाजसेवा को कर्तव्य से भी आगे अपना धर्म कहते है एवं इसी भाव के साथ सर्वत्र सेवा में संलग्न रहते हैं।

मारवाड़ रत्न - नंदकिशोर जैसलमेरिया

शबरी के झूठे बेर खाने वाले प्रभु श्री राम द्वारा प्रशंसित बेरों को अपने अनुसंधान एवं व्यावसायिक कौशल द्वारा श्री नंदकिशोर जी जैसलमेरिया ने गांव-कस्बों से शहरों एवं महानगरों तक पहुंचा दिया है। उनके प्रयासों से आज बंजर, रेतीली जमीनों में बेर की फसलें लहलहा रही हैं। उनके इस अनुसंधान की चर्चा दुबई, इटली, रूस, इजराइल, फ्रांस आदि दूर-दराज देशों तक में हुई है। इस हेतु उन्हें कृषि मंत्रालय, भारत द्वारा 'कृषि शिरोमणी अवार्ड' एवं अन्य देशों से भी अहम पुरस्कार मिले हैं। उन्हें 'मारवाड़ रत्न' एवं अन्य ईनामों से भी नवाजा गया है।

गर्भस्थ शिशु संरक्षक - आशा फोफलिया

26 सितंबर 1952 को जन्मी श्रीमती आशा फोफलिया उस समय की बीएससी बायलोजी है जब लड़कियों में शिक्षा का प्रसार अपेक्षाकृत कम था। बेहद सौम्य, गंभीर एवं मधुरवाणी की धनी आशाजी समाजसेवा की मौनसाधिका ही नहीं उन स्त्रियों के लिए उदाहरण भी है जो परम्परागत, सामाजिक ढांचे में परिवेश, संस्कारों को जिंदा रखते हुए समाजसेवा करना चाहती है। बालिका शिक्षा को प्रोन्नत करने एवं उसकी महत्ता को रेखांकित करने में उनकी अहम भूमिका है। वे इन्नरव्हील क्लब, वनवासी कल्याण परिषद, एवं जिला माहेश्वरी संगठन से तो जुड़ी ही है कन्या भ्रूणहत्या के निषेध पर भी अलख जगा रही है। उनका मानना है कि महिलायें असीम संभावनाओं से भरी होती है, उचित अवसर आने पर वे पुरूषों के समकक्ष प्रदर्शन कर सकती है जैसा कि हालही ओलंपिक खेलों में महिलाओं ने किया है। वे समाज के गिरते पुरूषःस्त्री अनुपात को लेकर चिंतित है एवं उनका मानना है कि अगर दहेज, स्त्री अशिक्षा, उसे दोयम दर्जे का नागरिक मानना एवं कन्या भ्रूणहत्या जैसे अपराध नही रोके गये तो कलपुरूष को पत्नी मिलना भी दुष्कर हो जायेगा। उन्होंने कहा कि समाज और उसके रहबर इन समस्याओं के गंभीर दुष्परिणामों का सही आकलन नहीं कर पा रहे है। मात्र कानून बनाने से समस्या का समाधान नहीं होने वाला है, इसके लिए जागरूकता भी जरूरी है। आज तमाम कानूनी अवरोधों के बावजूद कन्या भ्रूणहत्या हो रही है। पिछले एक दशक में पचास लाख से उपर बेटियां अजन्मी रह गई। अब तो यह धन्धा गांव - कस्बों तक फैलगया है। यह कैसा समाज है एवं कैसा आश्चर्य भी कि पुरूष को पत्नी चाहिये, हमें पुत्रवधु चाहिये लेकिन पुत्री नहीं चाहिये। इसका मूलकारण दहेज आदि वे कुप्रथायें है जिनके मूल में स्त्री शोषण का भाव है। इस अपराध के पीछे वे पुरातनवादी, परम्परागत रूढियां भी है जो कन्या को बोझ एवं स्त्री को दोयम दर्जे का नागरिक घोषित करती है। वे 'राजस्थान गर्भस्थ शिशु संरक्षण समिति' की सहप्रभारी है एवं इस हेतु उन्होंने अनेक रैलियां भी आयोजित की है।

हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस- दिनेश माहेश्वरी

माहेश्वरी समाज अपनी शीर्ष विशिष्ट सेवाओं के लिये देशभर में पहचाना जाता है। इसमें जोधपुर भी पीछे नहीं है यहीं के मूल निवासी न्यायधिपति श्री दिनेशजी माहेश्वरी वर्तमान में मेघालय हाईकोर्ट, शिलांग के मुख्य न्यायाधीश के रूप में सेवा दे रहे हैं। इसके साथ वे एक प्रखर चिंतक, राष्ट्रप्रेमी एवं शिक्षाविद् भी है। सामाजिक समस्याओं के अनेक मुद्दों पर आपका चिंतन सटीक एवं स्तुत्य है। साहित्य, दर्शन एवं कला के अनेक पहलुओं पर आपका विश्लेषण अद्भुत ही नहीं, चमत्कृत कर देने वाला है। उनके अनेक निर्णयों ने न्याय क्षेत्र में एक नज़ीर प्रस्तुत की है।

जिलाधीश आईएएस- चन्द्रशेखर मूथा

स्पष्ट, पारदर्शी एवं मन की बात कहने वाले श्री चन्द्रशेखर मूथा मूलतः जोधपुर के हैं एवं वर्तमान में जिलाधीश प्रतापगढ़पद पर तैनात हैं। सीए करने के पश्चात भी श्री मूथा ने प्रशासनिक सेवाओं का रास्ता चुना एवं वे वर्ष 1984 में इस क्षेत्र में आये। 32 वर्ष के सेवाकाल में श्री मूथा ने राजस्थान के अनेक महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर कार्य किया है। उच्च पदों पर रहते हुए भी उन्होंने स्वयं को सदैव जनसेवक ही माना। उनका मानना है कि प्रेम, सहयोग एवं सद्भावना से असंभव कार्य भी संभव बन जाते हैं। कविहृदय श्री मूथा साहित्य प्रेम से सराबोर हैं एवं उन्होंने स्वयं भी अनेक कविताएं, लेख लिखे हैं जो समय-समय पर प्रकाशित भी हुए हैं। श्री मूथा के अनुसार हमारा समाज लक्ष्मीपुत्रों का समाज है एवं यही कारण है कि हमारे यहां सारस्वत गुणों का अपेक्षाकृत कम आदर है। हमारे महत्वपूर्ण पदों, मंचों एवं पुरस्कारों पर भी धनबल का प्रभाव स्पष्ट है। समय आ गया है जब हम व्यवसायेत्तर गुणों को भी मान दें, समाज के साहित्यकारों, लेखकों, विद्वदजनों को भी सम्मान दें। आज भी प्रशासनिक सेवाओं, राजनीति, स्पोर्ट्स, संगीत, कला आदि क्षेत्रों को हम कैरियर प्लानिंग में कम तरज़ीह देते हैं, हमें इस ओर ध्यान देने की जरुरत है। समाज के सर्वांगीण विकास के लिये भी यह परमावश्यक है।

भगवान घर के सेवक- सोहनलाल जैसलमेरिया

हंसमुख, समाजसेवा के अनेक आयामों से जुड़े श्री सोहनलालजी जैसलमेरिया शहर में अनेक मंदिरों के रखरखाव, सफाई व्यवस्था से जुड़े हैं। उनका मानना है कि स्वच्छता, पारदर्शिता में ईश्वर का निवास है। वे शहर के प्रसिद्ध 'पुष्टिमार्गीय मनोहर प्रभु मंदिर चौपासनी' कार्यसमिति में प्रमुख हैं एवं 'जोधपुर वेलफेयर बोर्ड' तथा 'नाथद्वारा टेंपल बोर्ड' से भी जुड़े हैं। उन्हीं के मंडोर स्थिति मंदिर में यात्रियों के ठहरने, खाने-पीने की सुविधा भी आप मुहैया करवाते हैं। श्री जैसलमेरियाजी का मानना है कि जोधपुर शहर ही नहीं, माहेश्वरी समाज की विरासत भी अत्यंत गरिमामय है एवं हमें हमारे पुरखों की हर धरोहर का संरक्षण कर अक्षुण्ण रखना चाहिये। इस जोधपुर विशेषांक के लिए उन्होंने कई अहम जानकारियां उपलब्ध करवाई है। श्री जैसलमेरियाजी का कहना है कि हम कार्य को शांति से, श्रेष्ठ स्तर तक करें, उत्कृष्ट कार्य ईश्वर की इबादत का ही एक रूप है। वे अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा कार्यकारी मण्डल के सदस्य भी हैं।

कुछ भी असम्भव नहीं- प्रो. शिवरतन भूतड़ा

उम्र तो है 85 वर्ष लेकिन शिवरतन भूतड़ा का हौसला ऐसा है कि वे जिस काम को भी हाथ में लेते है पूरा करके ही दम लेते है। मामला चाहे क्षेत्र में पोस्ट ऑफिस खुलवाने का हो अथवा इलाके में अस्पताल बनवाने का श्री भूतड़ा विभिन्न विभागों में संयोजन कर कार्य को अंजाम दे ही देते हैं। वे मानव अधिकारों के चितेरे हैं एवं हर व्यक्ति को उसका जायज हक दिलवाने हेतु संघर्ष करते रहते हैं, चाहे वह किसी भी जाति-धर्म का क्यों न हो। इस हेतु विभिन्न सरकारी विभागों से उनका पोस्टकार्ड अभियान चलता रहता है। राजकीय कॉलेज के प्रीसिंपल पद से सेवानिवृत प्रो. भूतड़ा पिछले 25 वर्षों से लेखन, जनसेवा एवं वंचितों को हक दिलवाने की लड़ाई में लगे हैं। अंतर्राष्ट्रीय दलित साहित्य सम्मेलन द्वारा उन्हें वर्ष 2016 हेतु डॉ. अम्बेडकर नेशनल फैलोशिप अवार्ड से नवाजा गया है। वर्ष 1932 में जन्मे श्री भूतड़ा की एक और विशिष्ट सेवा शेयर्स विनियोग को ठोस एवं सही शेयर्स खरीदने हेतु अनुशंसा की है। वे विभिन्न कंपनियों के वित्तिय अनुपातों, ट्रेक रिकार्ड आदि देखकर इस हेतु जनसाधारण को पेम्प्लेट भी देते हैं ताकि विनिवेश की जोखिम न्यूनतम हो सके। उनका पेम्प्लेट 'कंगाल से करोड़पति बनने की यात्रा' असंख्य विनिविशेकों द्वारा चाव से पढ़ा गया है। इस क्षेत्र में उन्होंने अनेक स्थानों पर उद्बोधन तो दिये ही हैं, अनेक पुस्तकों का भी सृजन किया है।

घर तक शिक्षा पहुँचाते- जयकिशन राठी

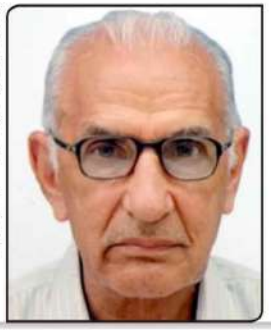

माहेश्वरी समाज में पिछले छः दशक से छात्रवृत्ति निधि के मार्फत शिक्षा को प्रोन्नत करने वाले श्री जयकिशनजी राठी इसके अतिरिक्त भी सेवा के अनेक आयामों से जुड़े हैं। नारी उद्यमिता हेतु 'माहेश्वरी नारी उद्योगशाला' में भी आप कार्यकारिणी सदस्य हैं। आपको जिला प्रशासन, माहेश्वरी समाज जोधपुर के अतिरिक्त 'जोधपुर एशोसियेशन, मुंबई' द्वारा भी 'समाज रत्न अवार्ड' से नवाजा गया है।

संगीत को समर्पित एक पूरा परिवार - श्री बसन्त काबरा, श्री बृजभूषण काबरा

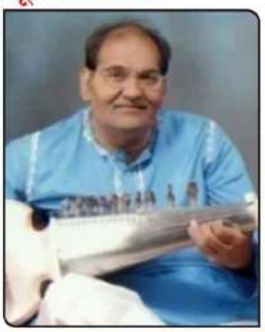

संगीत आत्मा की स्वर लहरियां है। प्रख्यात सरोद वादक बसंत काबरा ने क्लासिकल संगीत की पारिवारिक थाती को कायम रखते हुए व्यवसाय के साथ अपनी इस अभिरुचि को भी परवान चढ़ाया है। देश-विदेश में अनेक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देने वाले श्री काबरा आज क्लासिकल संगीत की दुनिया में एक जाना-पहचाना नाम है। संगीत-प्रेम उन्हें पारिवारिक धरोहर के रूप में मिला है। उनके दादा श्री गोवर्धनलाल काबरा, जोधपुर स्थित हवेली में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन करते थे। उनके पिता श्री दामोदरलाल काबरा को भी क्लासिकल संगीत एवं सरोदवादन में महारथ हासिल था। बसंत काबरा ने सरोदवादन का प्रशिक्षण अपने पिता एवं गुरु मां अन्नपूर्णादेवी से प्राप्त किया है। आपको राजस्थान सरकार द्वारा 'युवारत्न अवार्ड' के अतिरिक्त राजस्थान गौरव, मारवाड संगीत रत्न, राजस्थान संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार सहित अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजा गया है। आकाशवाणी, दूरदर्शन में भी क्लासिकल संगीत के क्षेत्र में आपकी गिनती विशिष्ट लोगों में की जाती है। आपके चाचा श्री बृजभूषण काबरा भी आज क्लासिकल गिटारवादन के क्षेत्र में एक नामवर चेहरा है एवं आपको भी देश-विदेश से अनेक पुरस्कार मिल चुके हैं। श्री बृजभूषण काबरा ने गिटारवादन को क्लासिकल संगीत, रागों इत्यादि से जोड़कर इस क्षेत्र में एक विरल, वैश्विक स्थान बनाया है।

क्वीन ऑफ टप्पर वेयर - प्रभा सोनी

टप्परवेयर कंपनी की ग्रुप प्रबंधक प्रभा सोनी माहेश्वरी ने अल्प समय में ही किचनवेयर क्षेत्र में अहम मुकाम बनाया है। वे अन्य महिलाओं को भी इस क्षेत्र में जोड़कर उनकी पारिवारिक आय में इजाफा करने की अहम सूत्रधार बन गयी है। इन्हें 'क्वीन ऑफ टप्परवेयर इन नार्थ' एवं 'टॉप फाइव मैनेजर्स ऑफ इण्डिया' जैसे प्रतिष्ठित खिताबों से भी नवाजा गया है। शहर में महिला प्रतिभा विशेषतः महिला उद्यमिता को प्रश्रय देने में उनका अहम् योगदान है।

किसी का दर्द मिल सके तो ले उधार

वीरों की भूमि जोधपुर का कण-कण मानवता की भावना में भी पीछे नहीं है। कोई भी सेवा गतिविधि हो उसमें बस शुरुआत की देर होती है, कारवां बनते देर नहीं लगती। आइये जानें माहेश्वरी समाज के ऐसे ही सेवाभावी समूहों की सेवा की बानगी।

रोगियों के फरिश्ते . . .

राधाकिशन फोफलिया
जनाना उम्मेद अस्पताल

अमरचन्द मंत्री
जनाना उम्मेद अस्पताल

सत्यप्रकाश मानधना
जनाना उम्मेद अस्पताल

बद्रीनारायण भूतड़ा
एमडीएम अस्पताल

पुखराज माछर
महात्मा गांधी अस्पताल

गोपाल भूतड़ा
महात्मागांधी अस्पताल

तुलसीदास मूंदड़ा
महात्मागांधी अस्पताल

जोधपुर के अस्पतालों में समाज सेवियों का एक समूह जरूरतमंद रोगियों की निःस्वार्थ सेवा करता अक्सर नजर आ जाऐगा। इस समूह में शामिल लोग विभिन्न अस्पतालों के रोगियों की सेवा की जिम्मेदारी संभालते हैं। इनमें शामिल राधाकिशन फोफलिया, अमरचंद मंत्री व सत्यप्रकाश मानधना-जनाना उम्मेद अस्पताल, बद्रीनारायण भूतड़ा-एम.डी.एम. अस्पताल, पुखराज माछर, गोपाल भूतड़ा व तुलसीदास मूंदड़ा-महात्मा गांधी अस्पताल में नित्य अपनी निःस्वार्थ सेवा देते हैं।

ये न सिर्फ निर्धनों को निःशुल्क/अल्पशुल्क पर दवाइयाँ दिलवाते हैं, बल्कि उनकी पर्ची बनाना, जांच करवाना, टेस्ट करवाना आदि कार्य भी सुगम कर देते हैं। डाक्टर की पर्ची देखकर यह अनेक बार जेनेरिक दवाइयां भी उपलब्ध करवाते हैं। जिनका मूल्य एमआरपी से 60 से 90 प्रतिशत तक कम होता है। किसी भी रोगी का उस अस्पताल से संबंध कोई कार्य अथवा समस्या हो तो ये उसका समाधान करने को तत्पर रहते हैं। बीमारी अनुसार यह रोगी को संबंध डॉक्टर से तुरंत कॉ-आर्डिनेट करवा देते है। इस कार्य हेतु अस्पताल प्रशासन ने उन्हें अधिकृत कर बैठने हेतु स्थान भी उपलब्ध करवाया है। इतना ही नहीं समाज के अन्य दानदाताओं से समन्वय कर इन्होंने कई वार्डों को गोद लेना, मरम्मत करवाना, वहां वांछित उपकरण सामग्री यथा बैंच, स्टूल, गद्दे, तकिये, ऑपरेशन एवं अन्य टेबल्स उपलब्ध करवाना, मरीजों के बैठने, लाने-ले जाने की व्यवस्था करवाने हेतु वांछित सामग्री भी उपलब्ध करवाई हैं। ये समाजसेवी सरकारी योजनाओं एवं उनसे होने वाले फायदों के बारे में भी रोगियों को बताते हैं। दूरस्थ निवास करने वाले रोगियों की मृत्यु की स्थिति में शव निर्दिष्ट स्थान पर पहुंचाने की व्यवस्था भी करते हैं। इनमें से कुछ मरीज एवं उनके परिजनों के रहवास, भोजन आदि की भी ये व्यवस्था करते हैं। इन समाजसेवियों ने अनेक स्वास्थ्य कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने में सहयोग दिया है। ये इसके साथ ही कई अन्य लोकोपकारी कार्यों से भी जुड़े हैं।

अंतिम यात्रा के फरिश्ते

मोहन राठी

किशनस्वरूप मूंदड़ा

चन्द्रप्रकाश भूतड़ा

"छिति पावक जल गगन समीरा, पंचरचित यह अधम शरीरा ....."। मनुष्य की जीवन-यात्रा के तो अनेक सहयोगी हैं लेकिन मनुष्य की अंतिम यात्रा भी गरिमामय हो, इसके सहयोगी बहुत कम होते हैं। मोहन राठी, किशन स्वरूप मूंदड़ा व चंद्रप्रकाश भूतड़ा आदि ऐसे समाजसेवी है, जिन्होंने लोगों की इसी अंतिम यात्रा को सुगम बनाने का बीड़ा उठाया है। ये समाजसेवी न सिर्फ श्मशान के मरम्मत कार्य, पुनरूद्धार एवं वहां वांछित सामग्री उपलब्ध करवाने की व्यवस्था करते हैं, अर्थी बनाने, शव जलाने एवं इस सम्बंध में अन्य सभी औपचारिकताओं को अन्जाम भी देते हैं। किसी के घर में गमी हो जाये तो शव-वाहन, बॉडी रखने के रेफ्रिजरेटर आदि कहां उपलब्ध होंगे, जैसी समस्त जानकारी तुरन्त मुहैया करवा देते हैं। जोधपुर शहर में किसी माहेश्वरी बन्धु का निधन हो जाये तो परिवारजनों को मात्र घी लेकर जाना होता है, अन्य सारी व्यवस्था समाज के श्मशान में ही उपलब्ध हो जाती है। इस हेतु कोई शुल्क भी नहीं मांगा जाता।

रक्तदान के फरिश्ते

अशोककुमार लोहिया

मनीष राठी

रक्त की कीमत क्या होती है, सिर्फ वह बता सकता है, जिसका कोई अपना रक्त की कमी से दम तोड़ रहा हो। यदि ऐसे में कोई रक्तदाता मिल जाऐ तो उन्हें तो वह 'फरिश्ते' से कम नहीं लगता। ऐसे ही रक्तदान के फरिश्ते हैं, प्रेम के. मालपानी, पुखराज न्याति, अशोक कुमार लोहिया, पवन माछर, अनिल जाजू, हरिश भूतड़ा व मनीष राठी जो किसी भी जरूरतमंद को खून उपलब्ध करवाने हेतु हर समय तत्पर रहते हैं। इस हेतु वे समय-समय पर ब्लड डोनेशन कैम्प का आयोजन तो करते ही हैं, देशभर की विभिन्न ब्लड बैंकों से लायजन एवं अंतर संबंध भी रखते हैं। अनेक बार यह समाजसेवी निःशुल्क दवाइयां भी उपलब्ध करवाते हैं। इनके पास एक एम्बुलेंस भी उपलब्ध है, जो अत्यन्त अल्प मूल्य पर रोगी के निवास पर पहुंच जाती है।

प्रेम. के. मालपानी

पवन माछर

अनिल जाजू

हरीश भूतड़ा

पुखराज न्याति

जोधपुर विशेषांक के सहयोगियो का

आभार

सूर्यनगरी जोधपुर पर विशेषांक का प्रकाशन अत्यंत कठिन कार्य था। यह कठिन कार्य समस्त समाजजनों के सहयोग से पूर्ण हुआ। इसके बाद समस्या थी, श्री माहेश्वरी टाईम्स को जोधपुर के घर-घर तक पहुंचाने की। इस जिम्मेदारी को भी समाज के समर्पित समाजसेवियों ने अपनी जिम्मेदारी की तरह स्वीकार कर लिया। श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार जोधपुर विशेषांक के प्रकाशन व वितरण में सहयोगी बने इन समस्त समाजसेवियों का आभारी है - श्री चतुर्भुज राठी, डॉ. फूलकौर मूंदडा, श्रीमती मधु समदानी, श्री राजकुमार कोठारी, श्री डी.डी. मूंदड़ा, श्री मदनलाल पुंगलिया, श्री ओमप्रकाश फोफलिया, श्रीमती उमा बिड़ला, श्री शशिकुमार बिड़ला, श्री योगेश बिड़ला, श्रीमती अनुसूया भट्टड़,श्रीमती कंचन जाजू, श्रीमती डॉ. सूरज माहेश्वरी, श्री शिवजी शाह एवं श्री राजेश लोहिया

चिकित्सा सेवा में भी सबसे आगे 'माहेश्वरी'

चिकित्सा एक ऐसा गरिमामय व्यवसाय है, जो नवजीवन देता है। इस सेवा व्यवसाय में सेवा देने में भी माहेश्वरी पीछे नहीं हैं। यदि आंकड़े देखे जाऐं तो जोधपुर शहर के माहेश्वरी समाज ने जितने चिकित्सक दिये हैं, उनका आंकड़ा यहाँ के दूसरे सभी समाजों में सबसे ऊपर ही है। ये न सिर्फ शहर या क्षेत्र बल्कि विश्व के कई देशों में भी गौरव पताका फहरा रहे है।

हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. पवन शारदा

डॉ. पवन शारदा इनमें से ही एक जाना माना नाम है। ख्यात हृदयरोग विशेषज्ञ डॉ. शारदा एम्स दिल्ली के मुख्य चिकित्सा अधिकारी भी रह चुके हैं। आप कार्डियोलोजी में डीएम है एवं हृदयरोग के प्रसिद्ध शल्य चिकित्सक है। आपकी ख्याति शहर में ही नहीं दूर-दराज तक फैली है। आप देश-देशांतर में प्रशिक्षण देने भी जाते रहते है। आपने 6000 से ऊपर एज्योग्राफी, 2000 से ऊपर एन्ज्योप्लास्टी एवं अनेक बाईपास ऑपरेशन भी किये है। आपने हृदयरोग पर जागरूकता बनाने के लिये शहर में समय-समय पर कैम्प्स भी लगवाये है।

शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. सत्यनारायण चितलांग्या

पीजीआई चण्डीगढ से पोस्टग्रेज्यूऐट डॉ. सत्यनारायण चितलांगिया एम.बी.बी.एस गोल्डमेडलिस्ट रहे हैं। आपने देश के अहम अस्पतालों में एवं विदेशों तक में सेवायें दी हैं, वर्तमान में जोधपुर में चिकित्सकीय सेवायें दे रहे हैं। वे एक प्रतिष्ठित शिशुरोग विशेषज्ञ हैं।

स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मंजू लोहिया

डॉ. मंजु लोहिया शहर की ख्यात स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं। आप ब्रेस्ट फीडिंग की महत्ता एवं ब्रेस्ट कैंसर आदि विषयों पर भी अलख जगा रही है। आपने शहर में अनेक कैम्प भी आयोजित किये हैं।

बैरियाट्रिक सर्जन डॉ. सुनील-रेखा चाण्डक

शहर में बैरियाट्रिक सर्जरी यानि मोटापा घटाने की सर्जरी एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी का आग़ाज करने वाले डॉ. सुनील चाण्डक ने मात्र एक दशक में पांच अस्पताल खोलकर शहर में स्वयं एवं माहेश्वरी समाज का गौरव बढ़ाया है। डॉ. चाण्डक का कहना है कि सम्पन्नता के लिए कंसिस्टेंसी एवं विद्वता तो जरूरी है ही, लक्ष्य पर प्रतिपल नजर भी आवश्यक है। उनके अस्पतालों में वे सुपर स्पेशियलिटी सर्जिकल सुविधाएं हैं, जिनके लिए शहरवासियों को पहले अहमदाबाद, मुंबई जाना होता था। उनकी पत्नी डॉ. रेखा चाण्डक भी उन्हें इस कार्य में भरपूर सहयोग करती है। रेखा चाण्डक रोटेरी क्लब, धरोहर संरक्षण एवं अन्य अनेक लोकोपकारी कार्यों से भी जुड़ी हैं।

दंत चिकित्सक डॉ. सूरज माहेश्वरी

सदैव सहयोग को तत्पर, सहज मुस्कुराहट की धनी डॉ. सूरज माहेश्वरी शहर की नामी दंत चिकित्सक है। आप समाजसेवा के अनेक आयामों यथा परिवार परिवेदना काउंसलिंग, ब्लडबैंक्स, वैवाहिक परामर्श समिति एवं अन्य कई कार्यों से भी जुड़ी हैं। आपने अनेक मेगा मेडिकल कैम्प भी किये हैं एवं ब्लाइंड स्कूल में भी निस्वार्थ सेवायें दे रही हैं। उनका कहना है कि आज लेजर कॉस्मेटिक डेंटिस्ट्री के चलते दंत चिकित्सा के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए है एवं यह सभी उनके अस्पताल में उपलब्ध हैं।

चिकित्सा सेवा स्तम्भ डॉ. अशोक राठी परिवार

शहर के ख्यात 'राठी हॉस्पीटल' के प्रबंध निदेशक डॉ. अशोक राठी पल्मनरी क्रीटिकल केयर, छाती, एलर्जी, अस्थमा एवं अनिद्रा जैसे गंभीर रोगों के विशेषज्ञ हैं। 40 कमरों वाले इस अस्पताल में वे वर्ष 1990 से सेवायें दे रहे हैं। इस अस्पताल की ख्याति दूर दराज तक फैली है। उनके एक पुत्र डॉ. अंकित राठी आईसीयू के प्रथम क्वालिफाईड विशेषज्ञ एवं पुत्रवधू डॉ. अनुभा दंत चिकित्सा में आर्थोडेन्टिस्ट हैं।

मगराज फोफलिया व डॉ. पुष्पा शारदा

82 वर्षीय श्री मगराज फोफलिया गत 60 वर्षों से शहर में प्राकृतिक चिकित्सा पर अलख जगा रहे हैं। वर्तमान में वे स्वास्थ्य साधना केन्द्र, जोधपुर से जुड़े हैं। आपका कहना है कि स्वास्थ्य के मामले में हर व्यक्ति को स्वयं स्वावलंबी होना चाहिये एवं ऐसा संभव है। इसी तरह डॉ. पुष्पा शारदा शहर में एक्यूप्रेशर सेवाऐं दे रही हैं।

सेवा सदन ने बनाया ''आरोग्य भवन''

जोधपुर शहर में 'एम्स' खुलने के साथ ही शहर के चिकित्सा इतिहास को एक नया माइलस्टोन मिला है। रोगियों एवं उनके रिश्तेदारों की सुविधा हेतु माहेश्वरी सेवासदन ने एम्स के ठीक सामने 70 कमरों वाला 'आरोग्य भवन' भी बनवाया है।

दिनांक 05 जून 1949 को जन्में शशिकुमार बिड़ला जोधपुर शहर व शिक्षा जगत में एक जाना पहचाना चेहरा हैं। आप स्वयं के परिवार द्वारा स्थापित विभिन्न विद्यालयों के प्रबंधक तो है ही, स्वयं शिक्षक एवं प्रिंसीपल भी रहे हैं। शिक्षक के रूप में आपकी ख्याति इतनी अधिक है कि वे आज भी अपने शिष्यों द्वारा गरिमा से याद किये जाते हैं। शैक्षिक जगत के अतिरिक्त अनेक सामाजिक गतिविधियों से जुड़े हैं। भारत विकास परिषद के स्थानीय अध्यक्ष एवं इसकी सेन्ट्रल बॉडी तक में नाम दर्ज किया है। अनेक गौशालाओं के संरक्षक हैं एवं शहर में व्यक्तिगत प्रयासों से अनेक पारिवारिक परिवेदनाओं को सुलझाया है। साहित्य-लेखन उनकी विशिष्ट अभिरूचि है एवं उनकी दो पुस्तकों 'सिसकती जिंदगी एवं मरहम' (काव्य-संग्रह) तथा 'जिसकी तलाश थी' (कथा-संग्रह) की साहित्यिक हलकों में अच्छी चर्चा हुई है। उन्हें 'समाज-गौरव', भारत विकास रत्न सहित अनेक सम्मानों से नवाजा जा चुका है। मातृशक्ति को विशेष सम्मान देते हुए वे अनेक विशिष्ट प्रतिभावान महिलाओं को मातृशक्ति अवार्ड दे चुके हैं। उनकी 'भाव विभोर चौपाल' की शहर भर में चर्चा है, इस चौपाल का उद्देश्य परिवारजनों की प्रतिभा का रेचन, उनकी समस्याओं का समाधान एवं उनके आनंद का मार्ग प्रशस्त करना है। प्रस्तुत रचना उनकी कविताओं की गागर में सागर से लिया गया है एक मोती।

चैक पर हस्ताक्षर करने दो

कल मुझे जाना है, सच है
अतः आज का दिन, मुझे सजाने दो
कोई भी ऋण, अभी भी बाकी समझते हो
तो चैक पर हस्ताक्षर करने दो
आशा की किरण, कि द्वार पर हँसकर मेरा स्वागत हो
और प्रभु बोले। अरे आओ.....
तुम्हारा ही इन्तजार है।
तो क्या मैं, यह मंजर
सहन कर पाऊंगा, फिर भी मंजर तो यही चाहूंगा
कि प्रभु बोले, अरे आओ। तुम्हारा ही इन्तजार हैं
सजाने दो, समय बहुत कम है,
आज का दिन मुझे सजाने दो
सजा दो जिसकी नजर में, मैं गुनाहगार हूं
कोई तो आके बताए, कुछ गलत-सलत
पश्चाताप का इन्तजार है
कोई भी ऋण अभी भी बाकी समझते हो।
तो चैक पर हस्ताक्षर करने दो
चरणों में गिरने दो, अदब से, जो मेरे से बड़े हैं
खूब बांहे फैलाने दो, जकड़ने के लिये उनको,
जो मेरे से छोटे हैं।
प्यार की मुस्कान, जो बराबर के साथी हैं
और! और अनजानों से भी गले मिलने दो
आज जो दुश्मन बन बैठे मेरे
दुश्मनी भुला, हाथ से हाथ मिलाने दो,
कोई भी ऋण अभी भी बाकी समझते हो
तो चैक पर हस्ताक्षर करने दो
कभी मुंह से निकले, अवांछित शब्द
बदले में फूलों की बौछार करने दो
मन्द बन्द-आंखें, करबद्ध खड़े
लाचार, भली नजरों, पलकों को झुकाने दो
ये तन ये मन ये धन
किसी के काम आने थे
और हिच रह गई, मेरी उस वक्त
आज ब्याज सहित, वो परहित भरने दो
कोई भी ऋण अभी भी बाकी समझते हो
तो चैक पर हस्ताक्षर करने दो
सेवा रह गई जो अधूरी, थोड़ा समय घड़ी में बढ़ाने दो
अधूरी सेवा को पूरा करने का, साहस करने दो
भक्ति इतना सरल मार्ग, फिर भी अनजाने से
बैठे ठाले समय गवां दिया
आज उसी के आमने सामने साक्षात्कार को होने दो,
कल मुझे जाना है, सच है
अतः आज का दिन मुझे सजाने दो
कोई भी ऋण अभी भी बाकी समझते हो
तो चैक पर हस्ताक्षर करने दो।

समाज के सेवा के सितारे

'अपने लिये जिये तो क्या जिये ए दिल तू जी जमाने के लिये' के परम लोकोपकारी भाव को चरितार्थ करते हुए दुनिया में ऐसे अनेक चेहरे भी हैं जो सम्मुख एवं नामचीं तो नहीं होते पर नेपथ्य में, मौन, ऐसे सेवा कार्यों को अंजाम देते रहते हैं जिनकी उपयोगिता सर्वकालिक तो होती ही है, उनके कार्य अनुकरणीय भी होते हैं। जोधपुर माहेश्वरी समाज में ऐसे चेहरों की भरमार है जो स्वयं को पर्दे में रखते हुए सेवा एवं सृजन के ऐसे लोक हितकारी कार्यों को निष्ठा एवं एकाग्रता से सम्पन्न कर रहे हैं। वस्तुतः इनसे अलग से मिलने अथवा फिर इन सेवाओं के लाभार्थियों से यदा-कदा प्राप्त सूचनाओं के आधार पर ही हम उनके विरल कार्यों को जान पाते हैं। ऐसे सभी लोग निश्चय ही बधाई के पात्र हैं एवं यहां हम कतिपय ऐसे समाजसेवियों के चित्र उनके कार्य के संक्षिप्त परिचय के साथ प्रकाशित कर रहे हैं। सम्भव है ऐसे अनेक लोग हमसे छूट जाये, उन्हें भी हम हृदय से नमन करते है। तुलसी की लोक विख्यात चौपाई 'एक कहहि कहहि करहिं अपर एक कहहि न बांगहि' को वे सटीक चरितार्थ करते है अर्थात इस संसार में तीन प्रकार के लोग होते हैं, एक मात्र कहते हैं करते कुछ नहीं, दूसरे कहते है तो करते भी हैं लेकिन इन दोनों से इतर तीसरे वर्ग में ऐसे लोग होते हैं जो कहते कभी नहीं, मात्र करते हैं। तमस में डूबे संसार में ऐसे लोग दीपक की तरह जहां भी जलते हैं, अपने इर्दगिर्द रोशनी फैलाते रहते हैं।

रानी माहेश्वरी
पूर्व प्रान्तपाल, इन्नरव्हिल क्लब एवं शिक्षाविद्

ओमप्रकाश भूतड़ा
वैवाहिक परामर्श कार्य

ख्याति जाजू
कत्थक नृत्यांगना

आमोद कालानी
इंटर स्कूल तैराकी में गोल्डमेडल

अरुण जैसलमेरिया
शहर के औद्योगिक, सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में योगदान

डॉ. नीलम मूंदड़ा
चेयरपर्सन, वुमेन एम पॉवरमेंट एवं उपाध्यक्ष भाजपा महिला मोर्चा

शिवप्रकाश शाह
विधवा विवाह के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान

प्रीति लोहिया
महिला उद्यमिता के क्षेत्र में देश-देशान्तर तक कार्य

डॉ. बी. एल. चितलांगिया
प्रख्यात सर्जन बॉम्बे हॉस्पीटल, मुम्बई

राजेश लोहिया
प्रखर समाजसेवी एवं भाजपा एक्टिविस्ट

अनुसूईया भट्टड़
पारिवारिक परिवेदनाओं के निराकरण पर कार्य

हरनारायण सोमानी
पचास वर्षों से माहेश्वरी छात्रनिधि पर कार्य

ओम लोहिया
रोटरी उद्योग एवं रेलवे सुधारों से जुड़े हैं

ओ.पी. माहेश्वरी
बिजली खर्च बचाने पर अहम कार्य किया है। रेलवे सुधारों से जुड़े हैं

शिवनारायण मून्दड़ा
विभिन्न अस्पतालों में भोजनालय एवं अन्य कार्य

सुरेश गट्टानी
संयोजक महेश रोजगार प्रकोष्ठ

नैन भूतड़ा
अस्पतालों में मरीजों एवं प्रशासन को हर प्रकार का सहयोग

अशोक मोहता
विशेषांक सहयोगी

ठाकुरदास बूब
विशेषांक सहयोगी

एडवोकेट एन.के. चाण्डक
समाज के विधिक कार्यों में सहयोग

रमेश सोनी
कृषि क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान

एस.पी. राठी
बैंक यूनियन के प्रखर नेता

जोधपुर नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड

प्र.का.: 152/153, मानजी का हत्था,पावटा,जोधपुर, फोन नं0 0291–2547041/2547355/2543683, फेक्स–0291–2546190

अमानतों पर ब्याज दरें– प्रभावी तिथि– 07.07.2016

क्र.सं.	मियादी जमा का आकार	वार्षिक ब्याज दर 07.07.16 से लागू	
		सामान्य हेतु	वरिष्ठ नागरिकों हेतु
1	15 दिन से 45 दिन तक	4.00%	4.00%
2	46 दिन से 90 दिन तक	5.00%	5.00%
3	91 दिन से 180 दिन तक	6.00%	6.00%
4	181 दिन एंव अधिक एक वर्ष से कम	7.00%	7.00%
5	एक वर्ष एंव अधिक तीन वर्ष तक	7.75%	8.25%
6	तीन वर्ष से अधिक पॉच वर्ष तक	7.25%	7.75%
7	पॉच वर्ष से अधिक दस वर्ष तक	7.00%	7.50%

1. नई दरें नवीन मियादी जमाओं एवं नवीनीकरण पर देय होगी। 2. समय पूर्व भुगतान प्राप्त करने पर 1 प्रतिशत ब्याज की कटौती। 3. दरें परिवर्तनशील है ।

ऋणों पर वर्तमान ब्याज दर– प्रभावी तिथि– 29.02.2016

क्र.सं.	ऋण योजना	वर्तमान ब्याज दर	संशोधित ब्याज दर (29.02.16 से लागु)
1.	व्यक्तिगत ऋण–सरकारी/अर्द्धसरकारी एवं शिक्षण संस्थाओं (अनुमोदित) के कर्मचारियों हेतु	18.00%	18.00%
2.	आवास ऋण –		
	(1) रहवासीय भवन खरीदने /निर्माण/मरम्मत हेतु	10.50%	10.00%
	(2) वाणिज्यिक– दुकान/कोम्पलेक्स/फैक्ट्री खरीदने/ निर्माण कार्य हेतु	12.00%	12.00%
3.	वाहन ऋण – सभी तरह के वाहन के लिए– निजी/वाणिज्यिक	13.00%	12.50%
4.	केश केडिट लिमिट – 1) रू. 1.00 लाख तक	14.50%	14.50%
	2) रू. 1.00 लाख से अधिक रू.10.00 लाख तक	13.00%	12.50%
	3) रू. 10.00 लाख से अधिक	12.50%	12.00%
5.	(1) मोरगेज ऋण – रू0 50.00 लाख से कम रू0 50.00 लाख एंवं अधिक	14.00% 12.50%	13.50% 12.00%
	(2) मोरगेज केश केडिट लिमिट– रू0 50.00 लाख से कम रू0 50.00 लाख एंवं अधिक	14.00% 12.50%	13.50% 12.00%
6.	टर्म लोन – (व्यवसायिक)– रू0 50.00 लाख से कम रू0 50.00 लाख एंवं अधिक	14.00% 12.50%	13.50% 12.00%
7.	एन.एस.सी./के.वी.पी. आदि की सिक्यूरिटी पर ऋण	13.50%	13.50%
8	शिक्षा ऋण	12.50%	12.50%
9.	अमानतों की सिक्यूरिटी पर ऋण (टर्म लोन/सी0सी0लिमिट)	1%अधिक (देय ब्याज से)	1%अधिक (देय ब्याज से)

1. कोई फोरक्लोजर चार्ज नहीं। 2. 15 वर्ष की अवधि हेतु मोरगेज ऋण उपलब्ध। 3. ऋण पत्रावली की जांच कराने एवं विशेष सहायता हेतु प्रधान कार्यालय में विशेष प्रकोष्ट। 4. विशेष जानकारी हेतु समवर्ती अंकेक्षक मो0 97994–98102,ग्राहक सेवा–9799422400. 5. आवास ऋण 20 वर्ष हेतु उपलब्ध

लॉकर सुविधा (सभी साईजों में) उपलब्ध

वार्षिक किराया छोटी साईज रू. 850/–, मिडियम साईज रू.1700/–, बडी साईज रू. 3400/– सर्विस टेक्स अतिरिक्त

1. लॉकर व अमानतों पर नोमिनेशन सुविधा। 2. देश भर में ड्राफ्ट सुविधा। 3. बचत खाता रू.1000/– एवं चालु खाता रू. 3000/– से खोलने की सुविधा । 4– RTGS/NEFT सुविधा – सभी शाखाएं CBS

"सर्वोत्तम ग्राहक सेवा ही बैंक का ध्येय"

हरिगोपाल राठी	निर्मल कछवाह	देवेन्द्र अमरावत
अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	प्रबन्ध संचालक

संचालकगण– कृष्ण व्यास, कानराज मोहनोत, मनीषकुमार राठी,डी.के.भूतडा,शिवदत्त व्यास, प्रदीप गांग, विजय मेहता, गौतम मुथा, श्यामलाल माली

अमानतों एवं ऋणों पर समस्त शाखाओं में सेवाऐं उपलब्ध, अधिक जानकारी के लिए नजदीकी शाखा से सम्पर्क करें।

विदेशों में भी जोधपुर की शान

जोधपुर के माहेश्वरी समाजजनों की कर्मठता व उनकी सूझबूझ का हर कोई लोहा मानता है। यहां के कई समाजजन दुनिया के कई देशों में भी जोधपुर की गौरव पताका अपनी सफलता से फहरा रहे हैं। आईये जाने इनकी संक्षिप्त जानकारी इनके विदेशों के अनुभवों के साथ।

अंकुर खेतावत
कुवैत

मीनाक्षी माहेश्वरी
न्यूजर्सी, यूएसए

गोपाल लोहिया
मस्कट, ओमान

कुसुम तापडिया
इंडोनेशिया

श्याम तापडिया
इंडोनेशिया

आशीष मूंदडा
ऑस्टीन यूएसए

नीतू सोमानी
सिंगापुर

डी.डी. मूंदडा
इण्डोनेशिया

तारा मूंदडा
इण्डोनेशिया

विमला गट्टानी
जर्मनी

डॉ. राम खेतावत
फिरदौस (ईरान)

सीमा काबरा
केरोलीना यूएसए

खुशबू कोठारी
केलिफोर्निया यूएसए

बेहतर रोजगार एवं सुअवसरों की तलाश में हर शहर से कुछ लोग प्रवास पर विदेशों में रहते हैं। ऐसे लोगों के अनेक खट्टे-मीठे अनुभव हैं। जोधपुर शहर से भी अनेक शिक्षित, उच्च शिक्षित लोग विदेशों में जा बसे हैं। न्यूजर्सी, यूएसए में गत एक दशक से निवास करने वाली मीनाक्षी माहेश्वरी लिखती है कि अमेरिका प्रवास आनंद एवं चुनौतियों का समिम्श्रण रहा है। बाहर आकर जहां हम विभिन्न संस्कृतियों, संस्कारों एवं प्रथाओं के बारे में जानते हैं, वहीं अनेक बार यह अप्रत्यक्ष भय भी सालता है कि कहीं हम एवं हमारे बच्चे मूल संस्कारों से न भटक जायें। अमेरिका चूंकि बहुत दूर है, तो बहुधा लंबे अंतराल से जाना होता है। अतः घर वालों की याद सताती है। भारत में भारतवासी उत्तर-दक्षिण - पूर्व-पश्चिम अथवा किसी धर्म-जाति के हों, यहां आकर एक हो जाते हैं। यहां अधिकांश कार्य हाथ से करने होते हैं। अतः यह सीखने को मिलता है कि कोई कार्य छोटा-बड़ा नहीं है एवं न ही इसे करने वाला। राष्ट्रप्रेम की मूल भावना को हम हमारे देश से कहीं अधिक यहां महसूस करते हैं।

मीनाक्षी माहेश्वरी वहां गृहिणी है एवं उनके आईआईटीयन पति आनंद माहेश्वरी वहां किसी कंपनी में मार्केटिंग इंजीनियर हैं। इंडोनेशिया से श्याम तापड़िया एवं कुसुम तापड़िया विदेशी प्रवास को विरल अनुभव मानती हैं एवं उनका कहना है कि विदेशी प्रवास उच्च शिक्षित लोगों को बाहर अपनी प्रतिभा के पूर्ण रेचन का अवसर देता है। यहां भाषा, खानपान, रहन-सहन के मूलभूत अंतर, धार्मिक रीति-रिवाजों आदि से भी समायोजन करना पड़ता है। श्री तापड़िया एवं उनके बच्चे वहां अपना निजी व्यवसाय करते हैं। केलिफोर्निया यूएसए से खुशबू कोठारी लिखती है कि यहां के निवासियों से स्वच्छता एवं विनम्रता सीखने लायक हैं। यहां परिवहन सुविधाएं भी उत्कृष्ट हैं। केरोलीना यूएसए से सीमा काबरा, मस्कट से गोपाल लोहिया एवं कुवैत से अंकुर खेतावत का कहना है कि यहां आधारभूत सुविधाएं अच्छी हैं, जो हर एक को विकास का अवसर देती हैं। यहां प्रदूषण भी बहुत कम है। यहां का अनुशासन, समयबद्धता आदि गुण अनुकरणीय हैं।

सिंगापुर में रहने वाली श्रीमती नीतू सोमानी वहां योगा ट्रेनर हैं। कुछ प्रवासी ऐसे भी हैं जो वर्षों विदेशों में रहकर अब जोधपुर आकर पुनः बस गये तथा यहां आकर मानव सेवा के अनेक आयामों से जुड़ गये हैं। बर्लिन, जर्मनी से लौटी विमला गट्टानी शहर में मानवाधिकारों की अलख जगा रही हैं। वे अभी 'अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा परिषद' जोधपुर चैप्टर की अध्यक्ष हैं। फिरदौस (इरान) से लौटे शिशुरोग विशेषज्ञ डॉ. राम खेतावत का कहना है कि बाहर खानपान, भाषा, बच्चों के शिक्षा की समस्या है, लेकिन वहां इज्जत एवं आदर बहुत मिलता है। श्री डीडी मूंदड़ा 14 वर्ष पूर्वाकार्ता, इण्डोनेशिया रहकर जोधपुर आये हैं। पूर्वाकार्ता में वे साउथ पैसेफिक विस्कोज कंपनी में निदेशक थे एवं अब नार्थ साउथ फाउंडेशन यूएसए के सहयोग से इंजीनियरिंग, डॉक्टरी, बी.फार्मा, डेंटल में प्रवेश लेने वाले जरूरतमंद एवं प्रतिभावान छात्रों को स्कालरशिप दिलवाते हैं। उनके पुत्र आशीष मूंदडा आस्टीन यूएसए में रहते हैं एवं उनका कहना है कि यहां सभी उत्सव, त्यौहार भारतीय साथ होकर मनाते हैं। उस समय विदेश में भी एक छोटा इण्डिया एकत्र हो जाता है।

श्री माहेश्वरी टाईम्स के 'जोधपुर विशेषांक' पर
हार्दिक शुभकामनाएँ

S N G C

Chaturbhuj Rathi
(Director)

Arjundas Rathi
(Director)

(Govt. Recognised Export House)

Shri Nath Gum & Chemicals

Mfg. & Expt. of Gaur Gurn Splits & Powder

E-278, M.I.A., 2nd Phase, Basni, JODHPUR - 342005 (Raj.) INDIA
Phone : 0291 2741848, Fax : 0291 2740950, Mobile : 094141 31848
E-mail : shrinathgum.chemical@gmail.com
Website : www.shrinathgum.com

जोधपुर माहेश्वरी समाज का स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान

जरा याद करो कुर्बानी

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम हमारे इतिहास का वह स्वर्णिम पृष्ठ है, जो देश की आजादी के रंग से रंगा हुआ है। इसे कभी इतिहास विस्मृत नहीं कर सकता। इस आंदोलन में योगदान देने में जोधपुर माहेश्वरी समाज भी पीछे नहीं रहा। उनके योगदानों पर न सिर्फ समाज बल्कि सम्पूर्ण क्षेत्र आज भी गर्व करता है। आइये जानें जोधपुर माहेश्वरी समाज के इन सपूतों का योगदान।

श्री केवलचंद मोदी

प्रखर गांधी चिंतक

जोधपुर शहर में माहेश्वरी जाति में भी स्वातंत्र्य प्रेमियों का संघर्ष एवं जुनून सर चढ़कर बोला है। स्व.श्री केवलचंदजी मोदी एक सम्पन्न घराने से ताल्लुक रखने के बावजूद विद्यार्थी जीवन से ही स्वतंत्रता आन्दोलन से जुड़ गये। उनमें राष्ट्रप्रेम कूट-कूट कर भरा था। अंग्रेजों से विरोध के कारण उन्हें स्कूल से निष्काषित भी होना पड़ा। वे भारत छोड़ो आन्दोलन में भी सक्रिय रहे। इस आंदोलन की स्वर्ण-जयंती पर उन्हें स्वातंत्र्येत्तर सम्मानित भी किया गया। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् भी ताउम्र शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं अनेक समाजसेवा के आयामों से जुड़े रहे। आपके मन में कभी भी पद की लालसा नहीं रही।

श्री रणछोड़दास गट्टानी

माहेश्वरी स्वतंत्रता सैनानियों में एक और अहम नाम स्व. श्री रणछोड़दासजी गट्टानी का है। अत्यन्त विपन्न पारिवारिक परिवेश होने के बावजूद देशप्रेम उनमें हिलौरे लेता था। विद्यार्थी जीवन से ही वे महात्मा गांधी से प्रभावित थे। उन्हीं की प्रेरणा से उन्होंने जोधपुर में 'प्रजामण्डल जोधपुर' एवं 'मारवाड़ लोक परिषद' की स्थापना की, जिसका उद्देश्य अंग्रेज एवं उनके पिट्ठू जागीरदारों का विरोध करना था। जोधपुर में 'भारत छोड़ो आन्दोलन' की व्यूह रचना उन्होंने वर्धा में गांधीजी से व्यक्तिशः मिलकर तैयार की। इस हेतु वे गांधी के साथ 45 मिनट तक रहे। इस आंदोलन का अगुआ होने के कारण उन्हें दो वर्ष बाली किले में नजरबंद रखा गया। जोधपुर रियासत के भारत में विलीनीकरण में भी उन्होंने अहम भूमिका निभाई। वे छुआछूत विरोधी एवं अंतरजातीय विवाहों के पक्षधर थे। उन्होंने स्वयं अपने घर में एक हरिजन से रसोई बनवायी। बाद में वे न्यायाधीश भी बने। वे मात्र खादी की दो ड्रेस अपने साथ रखते थे। सादा जीवन उच्च विचार उनकी जीवनशैली ही नहीं आत्मनाद था। 1977 में वे जनता पार्टी से जोधपुर के सांसद बने एवं जमीन से जुड़ी अनेक समस्याओं के समाधान का मार्ग भी प्रशस्त किया।

1977 चुनाव के बाद विजय जूलुस में बीच में खड़े

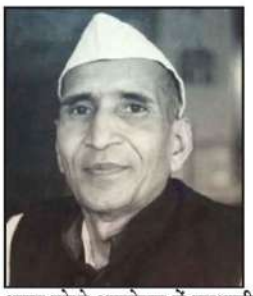

भारत छोड़ो आन्दोलन में सहभागी

श्री तुलसीदास राठी

हटड़ियों का चौक, जोधपुर में जन्में श्री तुलसीदासजी राठी भी प्रखर गांधीवादी थे। 8 अगस्त 1942 को वे जोधपुर में ही भारत छोड़ो आन्दोलन के जुलुस के दरम्यान गिरफ्तार हुए। रिहाई के कुछ समय पश्चात् ही अस्वस्थता के कारण उनका निधन हो गया।

गांधी की डांडी यात्रा के सहयात्री

श्री फाऊलाल राठी

स्वातंत्र्य सूरमाओं में एक नाम स्व. श्री फाऊलालजी राठी का भी है जिन्होंने तत्कालीन समय में बानर सेना बनाकर अंग्रेजों की नींद उड़ाई। वे गांधी की डांडी यात्रा में भी उनके सहयात्री थे। उन पर भी गांधी, जयनारायण व्यास का बहुत प्रभाव था। वे रियासतकालीन जोधपुर माचियापार्क सफारी जेल में तीन वर्ष रहे। इसके अतिरिक्त भी इस स्वातंत्र्य यज्ञ में अनेक स्थानीय माहेश्वरियों ने प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से योगदान दिया। जोधपुर माहेश्वरी समाज ही नहीं समूची सूर्यनगरी आज भी इन स्वतंत्रता सैनानियों को श्रद्धा से याद करती है।

श्री माहेश्वरी टाईम्स के 'जोधपुर विशेषांक' प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाएँ

Since 1937

This Festive Season Celebrate the Biggest Religion of Non Violence

Khadi Stores
THE ORIGINAL FREEDOM WEAR

pahnava
DESI WEAR FOR MEN & WOMEN

Muslin Khadi
Silk Khadi
Colour Khadi
Poly Khadi
Sarees
Dhotis/Lungis
Shawls/Stoles
Womens Salwar Suits
Ghamcha/Towels
Napkins/Hankerchiefs
Home Linen
Soaps/Agarbathies

Sherwanis
Indowesterns
Jodhpuri Suits
Achkan Sets
Kurta Sets (Mens/Kids)
Hunting Shirts & Polo Trousers
(For Mens Womens & Kids)
Pathani Sets
Shirts
Nehru Jackets
Womens Kurtis/Bottoms
Saffas/Mojaris

Custom Tailoring Provided

3, Ajit Bhawan, Circuit House Road, Jodhpur (Raj.)-342 001
Tel. : +91-291 3263882, +91-291 2513550, **E-mail** : pahnavajodhpur@gmail.com

Associate

145, Prarthana Samaj, Mumbai-400004
Tel. : +91-22 23856550, Fax : +91-22 23884577

13/14, Hallmark, Mulund (West), Mumbai-400080
Tel : +91-22 25906550, 30903882

146, Prarthana Samaj, Mumbai-400004
Tel. : +91-22 2389 3882/5700, 30020304, Fax : +91-22 23884577

बेसहारों का अपनत्व भरा सहारा 'साँवरिया'

बेसहारा होने का दर्द वही जानता है, जो इसे भुगत रहा हो। न तो उसके पास कोई उसका दु:ख बांटने वाला होता है और न ही खुशी। पूरी दुनिया में सिर्फ वह होता है और उसकी तन्हाई। ऐसे ही लोगों के जीवन में अंधेरे में चिराग की तरह अपनत्व से परिपूर्ण सहारा बन रही है, संस्था ''साँवरिया''। ''साँवरिया'' के रूप में इस संस्था की स्थापना करने वाले समाज सदस्य हैं, कैलाशचंद्र लड्ढा।

राजस्थान के भीलवाड़ा शहर के श्री रामनारायण लड्ढा एवं श्रीमती लक्ष्मीदेवी लड्ढा के पुत्र कैलाशचंद्र लड्ढा ने बेसहारा गरीबों और अनाथ व्यक्तियों एवं निर्धन कन्याओं की हर संभव मदद करने का बीड़ा उठाया। इसके लिये श्री लड्ढा ने अपने स्वयं के जेब खर्च से 10 प्रतिशत हिस्सा इस कार्य के लिए बचाना शुरू किया। फिर अपने घर की अनुपयोगी वस्तुओं को बेसहारा गरीबों के लिये एकत्र करना भी शुरू कर दिया। इसे और वृहद रूप देने के लिए 31 जुलाई 2007 को www.sanwariya.webs.com के नाम से वेबसाइट बनाकर लोगों को प्रेरित करने और ऐसी सोच वाले व्यक्तियों से संपर्क करना शुरू किया। बस फिर क्या था, उनके जैसे निःस्वार्थ समाज सेवी जुड़ते चले गये और कारवां बनता गया। उनकी सेवा यात्रा जो प्रारंभ हुई, तो फिर थमी नहीं।

ऐसे चली सेवा यात्रा

अब तक साँवरिया द्वारा कई बेसहारा गरीबों को कपड़े, चप्पल, शॉल, कंबल आदि बांटे जाते रहे हैं। गांवों में गरीब परिवारों को निःशुल्क दवा वितरण हेतु भी मेडिकल स्टोर से संपर्क कर ये सुविधा शुरू की गई है। फेसबुक के माध्यम से बेसहारा अनाथ बच्चों के लिये जोधपुर में अत्यंत उत्कृष्ट कार्य किया गया। इसमें एक कैंसर मरीज के परिवार के राशन प्रबंध के साथ ही उस परिवार के बच्चों की शिक्षा का प्रबंध भी संस्था द्वारा किया गया। साँवरिया द्वारा

www.sanwariyaa.blogspot.com नाम से एक ब्लॉग संचालित है, जो आयुर्वेद व भारतीय संस्कृति से संबंधित जानकारी को प्रसारित कर आम जनता को लाभान्वित करने के लिये बनाया गया। इसके साथ https://www.facebook.com/sanwariyaclub नाम से एक फेसबुक पेज भी संचालित है। दीपावली पर पटाखे आदि में होने वाली फिजूलखर्च को एकत्र कर अन्य ग्रुप के साथियों के साथ मिलकर आंध्रप्रदेश, नासिक, जोधपुर आदि जगहों पर बेसहारा गरीबों को कपड़े, चप्पल, शाल, कम्बल आदि वितरीत किये गये। भविष्य में सांवरिया द्वारा वृद्धाश्रम, अनाथालय, अस्पताल, गौशाला व अखंड भोजनशाला आदि विभिन्न सेवा प्रकल्प की स्थापना करने का उद्देश्य रखा गया है।

संस्था के विशिष्ट योगदान

पर्यावरण दिवस पर पौधे लगवाकर पौधारोपण की शुरुआत की गई। 64 वें गणतंत्र दिवस पर पौधा रोपण कार्यक्रम के तहत जागरुकता फैलाकर सरकारी ग्रामीण विद्यालय में 500 पौधे लगवाने का कार्य किया गया। साँवरिया द्वारा 15 सितम्बर 2013 को फेसबुक के एक ग्रुप स्वाति नक्षत्र के साथ मिलकर डॉ. नीलम मूंदड़ा की अध्यक्षता में पहला रक्तदान शिविर आयोजित किया गया, जिसमें 274 लोगों ने रक्तदान किया। साँवरिया द्वारा रक्तदाताओं व जिनको रक्त की जरुरत होती है उनके लिए वेबसाईट www.sanwariya.org का लोकार्पण विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रवीण भाई तोगड़िया के हाथों से करवाया गया। 16 अप्रैल 2015 को साँवरिया व एक्सिस बैंक के संयुक्त तत्वावधान में जोधपुर में एक्सिस बैंक की सभी शाखाओं में रक्तदान शिविर आयोजित कर 49 युनिट रक्त की उपलब्धता करवाई गई व जागरुकता हेतु अभियान चलाया गया। इसी प्रकार 6 जनवरी 2016 को साँवरिया के संस्थापक के जन्मदिन के मौके पर साँवरिया व जोधपुर शहर माहेश्वरी महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में डॉ. नीलम मूंदड़ा की अध्यक्षता में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया, जिसमें 74 यूनिट रक्तदान हुआ। इसमें 15 दम्पत्तियों ने रक्तदान कर एक मिसाल कायम की। साँवरिया की अध्यक्ष डॉ. नीलम मूंदड़ा के अनुसार संस्था 1 लाख नीम लगाने हेतु भी संकल्पित है।

कैसे बनें संस्था में सहयोगी

शुरुआत में साँवरिया का सहयोग करने के लिए आप अपने घर की अनुपयोगी वस्तुएं जैसे कपड़े, किताबें, दवाइयाँ, जूते-चप्पल या अन्य सामग्री जो आपके काम नहीं आ रही हों, उन्हें फेंकें नहीं बल्कि किसी निराश्रित बेसहारा गरीब के लिये एकत्र कीजिये। यदि आप सक्षम हैं या पैसे की मदद कर सकते हैं, तो अपने जेब खर्च या धार्मिक बचत को गरीब निर्धन कन्याओं के विवाह, मरीजों की दवाइयों और गोसेवा के लिए एकत्रित कीजिए। आपकी छोटी सी मदद किसी गरीब के लिये जीवनोपयोगी साबित हो सकती है। यदि आप ये सब देना चाहते हैं तो संस्था की वेबसाइट www.sanwariya.org या उनके ईमेल radhikasanwariya@gmail.com से संपर्क कीजिये या संस्था कार्यालय पहुंचा दीजिये। साँवरिया द्वारा उपरोक्त कपड़े, दवाइयाँ, जूते-चप्पल, किताबें व अन्य सामग्री को उचित बेसहारा व्यक्तियों में वितरीत किया जाता है।

With Best Compliments From

SONI TRADERS

SINCE 1980

A House of Sanitary Goods

Deals in -

- All Kind of PVC Pipes & Fittings (SWR, Agri, CPVC, UPVC, PPRC, & Drainage)
- Sanitary wares & Whirlpools
- GI Pipes & Fittings
- CI Pipes & Fittings
- CP Taps & Fittings
- SS Kitchen Sinks
- Domestic & Pressure Pumps
- Water Meters
- Bath Accessories

&

All Type of Sanitary Goods

Authorised Distributor for :-

Supreme People who know plastics best | CERA | Aqua Group TEXMO | Roca

Head Office : 344, Jwala Vihar, Chopasni Road, 1st Puliya, Jodhpur 0291-2754429
Branch Office : 1st C Road, Golebuilding, Sardarpura, Jodhpur 0291-2433406
soni.traders@rediffmail.com

(Contact Person)

Anand Soni
+91 86964 50300

Vimal Soni
+91 94141 32406

बहुत याद आते हैं...

जोधपुर माहेश्वरी समाज ने जो विकास यात्रा तय की है, इसमें समाज के ऐसे कई समाज-सेवियों का योगदान रहा है, जिन्होंने हर कदम पर मार्गदर्शित किया। अब इनकी तो स्मृति ही शेष हैं, लेकिन उनके आदर्श आज भी समाज को उन्नति के पथ पर अग्रसर कर रहे हैं।

श्री बद्रीदासजी जैसलमेरिया

श्री दाउलालजी शारदा

शाह श्री गोवर्द्धनलालजी काबरा

श्री गंगाविशनजी गट्टानी

श्री शिवराजजी मोहता

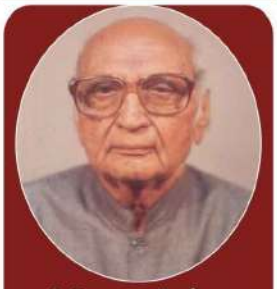

श्री एल एन लड्ढा
प्रथम माहेश्वरी आईएएस,जोधपुर

श्री मगराजजी जैसलमेरिया

श्री सोहनलालजी मनिहार

पुरखों के आदर्श, संस्कार एवं लोकोपकारी कार्य हर समाज की थाती होते हैं। जैसे कोई भी मकान अपनी नीवों पर ही खड़ा होता है, हमारे पूर्वजों के सत्कार्य भी हमें सतत प्रेरणा एवं ठोस आधार देते हैं। जोधपुर माहेश्वरी समाज में भी अनेक ऐसे समाजसेवी हुए हैं जिन्होंने दशकों पूर्व आगत समाज का स्वरूप एवं इसकी रूपरेखा को पहचान लिया था। तदनुरूप उन्होंने न सिर्फ जमीनें खरीदकर न्यात के लिए भवन, हॉस्टल, शैक्षिक संस्थायें, ठहरने के स्थान आदि बनवाये, समय-समय पर तात्कालिक समस्याओं, कुप्रथाओं एवं गलत परम्पराओं को हटाने पर भी कठोर संघर्ष किया। इन समाजसेवियों ने सती-प्रथा उन्मूलन, पर्दाप्रथा हटाने एवं स्त्री अशिक्षा के विरूद्ध भी बिगुल बजाया। तात्कालीन समय में उन्हें इस हेतु अनेक विरोधों का भी सामना करना पड़ा पर वे अडिग रहे। जोधपुर शहर में बालिका शिक्षा का आग़ाज सौ वर्ष पूर्व हो गया था। मृत्युभोज जैसी कुप्रथाओं को हटाने पर भी इन समाजसेवियों ने महत्वपूर्ण कार्य किया। इतना ही नहीं उन्होंने प्रतिभावान बच्चों को छात्रवृति एवं अन्य हर प्रकार की सहायता देकर आगे लाने का भी बीड़ा उठाया। स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार एवं इस हेतु जागरूकता बनाने पर भी उन्होंने अनवरत प्रयास किये। जोधपुर शहर के स्व. दाऊलालजी शारदा जरूरतमंद समाज बंधुओं की दवाई, इलाज की व्यवस्था करवाने, बेरोजगारों को रोजगार दिलवाने एवं विधवा, असहाय बहनों को स्वावलंबी बनाने के लिए दिनभर पैदल भ्रमण करते थे। इसी तरह स्मृतिशेष श्री बद्रीदासजी जैसलमेरिया, शाह श्री गोवर्धनलालजी काबरा, श्री गंगाविशनजी गट्टानी, श्री सोहनलालजी मनिहार, श्री शिवराजजी मोहता, श्री मगराजजी जैसलमेरिया एवं अन्य कई समाजसेवी शहर के लोकोपकारी कार्यों में अग्रणी रहे। स्व. श्री एल.एन. लड्ढा जो कि पूर्व वित्त सचिव भी रहे हैं, ने जोधपुर से प्रथम आईएएस बनकर तात्कालीन युवकों के समक्ष एक उदाहरण प्रस्तुत किया। उन महामना, पुण्यवान बुजुर्गों को इस अंक में स्मरण कर हम शब्दांजलि तो दे ही रहे हैं, श्रद्धांजलि भी दे रहे हैं।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित -

डॉ. देवकीनन्दन, सोहनलाल, कमलेश, दीपक, विमलेश जैसलमेरिया

वर्ल्ड ऑफ टाईटन

महात्मा गांधी अस्पताल के सामने, जोधपुर

फार्मास्युटिकल डिस्ट्रीब्यूटर्स

- **शुभलक्ष्मी एजेन्सीज़,** महात्मा गांधी अस्पताल के सामने, जोधपुर
- **धनलक्ष्मी एजेन्सीज़**
- **शुभलक्ष्मी एजेन्सीज़,** सी स्कीम, जयपुर
- **देव आशीष सर्जिकल्स,** फिल्म कॉलोनी, जयपुर

सम्पर्क : 0291-2640640, 2613513, 0-98280-33133

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

सेठो रो कानून

खम्मा घणी सा हुक्म सलमान खान री रिहाइं सूं आ पंक्ति म्हारे दिमाग में आयी कि-

हिरण मारियों गोळी सुं, गाड़ी सूं इंसान।
कानून मारियों पैसा सूं, म्हारो देश महान।।

हुक्म म्हने कोई बतायों कि पूरे भारत में सिर्फ 57 लोग जिण पर सरकारी बैंकों रा 85,000 करोड़ उधार है और ये सब वे लोग है हुक्म जो 500 करोड़ सुं कम रो लोन लेवणो अपने आप री शान रे खिलाफ माने , मतलब अगर बैंक रो लोन लेने ही चंपत हुवणो है तो 500 करोड़ सुं कम लेने भी कांई सरकार ने गोळी देवणी..

अगर विचार करां भी कि इण देश रो कानून गरीब और अमीरों रे लिये अलग है तो इणमें कोई शंशय नहीं .. क्योंकि पैसा वाळा रे लिये कानून मात्र खिलौना भर है । सलमान खान रे केस सुं साफ़ जाहिर हुवे कि जिने कने अकूत दौलत नहीं है उन्हें तो बैल जोतण रा खरीदण में सालो साल लाग जावें और जिने कने रसूख है, दौलत है, वे गुनाहगार होते हुए भी बरी हूँ जावे ।

सही में हुक्म अब कानून रो डर लोगा में नहीं रहयो पर हुक्म एक बात है इणमें ईमानदार लोगा ने दिक्कत आवे इन्हीं वजह एकदम साफ है 'एक ही कानून पर सबरे वास्ते एक नहीं।'

भारत रे कानून पर या बात खरी लागे सा कि-

कानून रा रखवाला
अब धनवाळो रा रखवाला है
जिने कने हुक्म दौलत है
उन्ही रा बोलबाला है ..

जय धनपति,
जय लक्ष्मीपति जय जय धनी सेठो की...
पैसो भगवान सुं कम नहीं
जो कानून ने भी वश में की...।

- जुगलकिशोर सोमानी, जयपुर

राजिया रा दूहा

राजिया रा दुहा ..... प्रसिद्ध राजस्थानी कवि स्व. किरपा रामजी खिडिया की रचना ....

खूंद गधेड़ो खाय , पैलां री बाड़ी परे;
आ अण जुगती आय , रड़कै चित्त में , राजिया .....

अर्थ : अपना गधा अगर दूसरे के खेत को खा रहा है तो अपने को क्या हानि हो रही है ! पर ध्यान रहे - आपकी आत्मा आप स्वयं को अपराधी तो घोषित कर ही रही है, कचोट रही है- आपको

आज के सन्दर्भ में : क्या कहा जाय, कूए भांग पड़ी है, यही तो हो रहा है - चारों तरफ ! कृपया आत्मिक भाव से, गहराई से समझें- तभी काले धन और भ्रष्टाचार से मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होगा

मुलाहिज़ा फरमाइये

कुछ यूं हो रहा है रिश्तों का विस्तार,
जितना जिससे मतलब, उतना उससे प्यार।

अगर नियत अच्छी हो तो,
नसीब कभी बुरा नहीं होता !

हीरे को परखना है तो अँधेरे का इंतज़ार करो,
धूप में तो कांच के टुकड़े भी चमकने लगते हैं।

दुनिया में सबसे ज्यादा वजनदार खाली जेब होती है,
चलना मुश्किल हो जाता है।

रात भर गहरी नींद आना इतना आसान नहीं,
उसके लिए दिन भर ईमानदारी से जीना पड़ता है।

भीड़ में खड़ा होना मकसद नहीं है मेरा,
बल्कि भीड़ जिसके लिए खड़ी है, मुझे वो बनना है।

हद से बढ़ जाये तालुक तो गम मिलते हैं...
हम इसी वास्ते अब हर शख्स से कम मिलते हैं।

▸▸ ज्योत्सना कोठारी, मेरठ

A Perfect Destination for Wedding Ceremonies

Chandra Grand

E-6A, Mandore Industrial Area, 9 Mile, Nagaur Highway, Jodhpur (Raj.)

- 9000 Sqft Airconditioned Jashn Banquet Hall with prefunction area to accommodate 1000 guests
- 45000 Sqft Lush Green Lawn to accommodate upto 3500 guests
- 81 Rooms including Suite Rooms
- Coffee Shop, DJ Hall, Mehfil Hall
- Swimming Pool facility
- Vegetarian kitchen facility
- Honeymoon packages available
- 9 Mile Pure Veg Restaurant
- Catering facility available

Ideal for Birthdays, Weddings, Ladies Sangeet, Reception, Conferences & Business events.

For enquiries call :

H.O.: 114, Central School Scheme, Near Officer's Mess, Ratanada, Jodhpur
(M) 9829021999, 9829023666, 9950921999, 9928021333

शनिदेव लगातार ढाई वर्ष तक वृश्चिक राशि में भ्रमण करते हुए गत २६ जनवरी को वृश्चिक से धनु राशि में प्रवेश कर चुके हैं। ज्योतिष की दृष्टि से शनि का राशि परिवर्तन सर्वाधिक महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि शनिदेव सर्वाधिक समय तक एक राशि में रहते हैं। आइये देखें, शनिदेव कितनी कृपा बरसाएंगे?

26 जनवरी से धनु में

फिर बड़ा परिवर्तन लाऐंगे शनिदेव

डॉ. महेश शर्मा, जयपुर
मो. 9414370518

मंद गति से भ्रमण करने वाला मांदी ग्रह शनि लगभग 30 माह में राशि परिवर्तित करता है। 26 जनवरी, 2017 को गोचर भ्रमणवश शनिदेव वृश्चिक से धनु राशि में प्रवेश करेंगे। राशि परिवर्तन के कारण शनि की ढैया तथा साढ़े साती से व्यक्ति विशेष प्रभावित होते हैं। गोचर भ्रमणवश जब शनि किसी जातक की राशि से बारहवें, प्रथम या द्वितीय स्थान में हो, तो यह शनि की साढ़े साती कहलाती है। वहीं चौथे या आठवें स्थान पर शनि संचार करे तब शनि की ढैया कहलाती है। शनि के धनु राशि में प्रवेश करते ही मकर राशि पर शनि की साढ़े साती प्रारम्भ होगी जबकि वृश्चिक और धनु राशि पर साढ़े साती यथावत् चलती रहेगी। वहीं तुला राशि के जातक साढ़े साती के प्रभाव से मुक्त हो जायेंगे। सिंह और मेष राशि से शनि की ढैया उतर कर कन्या और वृष राशि पर प्रारम्भ होगी। 20 जून से 26 अक्टूबर, 2017 तक वक्र गति से शनि के वृश्चिक राशि में पुनः प्रवेश के कारण मेष व सिंह राशि के जातक शनि की ढैया व तुला राशि के जातक साढ़े साती से पुनः प्रभावित होंगे। जिनकी जन्म कुंडली में शनि श्रेष्ठ स्थान, उच्च, स्वग्रही या मित्र राशि में हो और दशान्तर्दशा श्रेष्ठ चल रही हो तो उनके लिए शनि ढैया और साढ़े साती काल में अशुभ न होकर शुभ फलदायक ही रहेगा।

हमेशा अशुभ नहीं होते शनि देव

शनि की दृष्टि विच्छेदात्मक होती है। यह जिस राशि अथवा भाव पर दृष्टि डालता है, उस भाव से संबंधित फलों में प्रायः न्यूनता लाता है। शनि 3, 7 व 10वें स्थान को पूर्ण दृष्टि से देखता है। धनु राशि में गतिशील शनि कुंभ राशि को तृतीय पूर्ण दृष्टि से देखेगा, परन्तु कुंभ राशि का स्वामी होने के कारण अशुभ फल प्रदान नहीं करेगा। सप्तम एवं दशम पूर्ण दृष्टि अपनी मित्र राशि क्रमशः मिथुन और कन्या राशि पर रहेगी। शनि सदैव अशुभ फल ही प्रदान करते हैं, यह भ्रांति गलत है। वस्तुतः शनि कर्म प्रधान ग्रह है। कर्मनिष्ठ व्यक्तियों को शनि कुशल प्रशासक तथा प्रबंधक बनाता है। संतुष्ट होने पर राज्यसुख, मान-प्रतिष्ठा और पदवी देता है। अकर्मण्य व्यक्तियों को शनि प्रताड़ित करते हैं, ताकि वे सन्मार्ग पर चलने के लिए उत्प्रेरित हो सकें। न्यायप्रिय देवता होने के कारण शनिदेव व्यक्ति के पाप कर्मों का न्याय कर उन्हें पाप मुक्त करते हैं। यह तुला में उच्च तथा मेष राशि में नीच का होता है तथा मकर और कुंभ राशि का स्वामी है। यह पश्चिम दिशा का स्वामी है। शनि देव चोट, क्षति, विभाजन तथा संबंध विच्छेद का परिचायक है। यह अंतःप्रेरणा, अतिबुद्धिता, आविष्कार व अनुसंधान का भी कारक है। अशुभ शनि से जब रोग की स्थिति आएगी तो यह वायुरोग, कब्ज, हृदय की कमजोरी, रक्ताल्पता, रक्तचाप, सिर की पीड़ा, कुष्ठ रोग, मूत्र रोग, गंजापन तथा नाक-कान में पीड़ा देगा।

धनु राशिस्थ शनि का राशियों पर प्रभाव

मेष- इस राशि पर शनि का रजत के पाया से नवम भाग्य स्थान में होगा। अतः व्यापार से भाग्योन्नति, भूमि वाहनादि सुख व धर्म कर्म में वृद्धि होगी।

वृष- इस राशि पर लौह पाया से शनि की ढैया प्रारम्भ होगी। व्यावसायिक उलझनें बढ़ेंगी। खर्च अधिक होगा। मानसिक तनाव, पारिवारिक क्लेश जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। कठोर परिश्रम से कुछ लाभ की संभावना बनेगी। सुविवेक से कार्य करना उचित रहेगा।

मिथुन- शनि का प्रवेश ताम्र पाया से होने के कारण आय के कुछ साधन बनते रहेंगे। मांगलिक कार्य संपादित होंगे एवं शुभ कार्यों पर खर्च होने के योग बनेंगे। शनिदेव की सप्तम पूर्ण दृष्टि इस राशि पर रहेगी। कारोबार में बाधाएं, आय कम तथा खर्च अधिक होंगे।

कर्क- इस राशि पर शनि का प्रवेश स्वर्ण पाया से होगा। शारीरिक कष्ट, आय कम, खर्च अधिक, तनाव से परेशानी के योग हैं। आपकी राशि से शनि छठवें स्थान पर होने से शत्रु हावी होने की कोशिश करेंगे, सावधान रहें। विषम परिस्थितियों के बावजूद निर्वाह योग्य आय के साधन बनते रहेंगे।

सिंह- रजत पाया से पंचमस्थ शनि के कारण उच्च विद्या प्राप्ति, पदोन्नति, धन लाभ, उत्साह में वृद्धि तथा विवाह आदि सुखों की प्राप्ति होगी।

कन्या- लौह पाद से शनि की ढैया प्रारम्भ होगी। धन का अपव्यय, मानसिक तनाव, माता को कष्ट, गृहक्लेश तथा व्यवसाय में उलझनें बढ़ने के संकेत हैं। परेशानियों के साथ आय के साधन बनते रहेंगे।

तुला- ताम्र पाद से तृतीयस्थ शनि शुभ रहेगा। भूमि, मकान, वाहनादि, सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी।

वृश्चिक- चाँदी के पाया से शनि की साढ़ेसाती गतिशील रहेगी। पाया रजत होने से धन लाभ, विदेश गमन तथा भूमि-वाहनादि सुखों की भी प्राप्ति होगी।

धनु- इस राशि पर सोने के पाया से शनि की साढ़ेसाती यथावत जारी रहेगी। फलस्वरूप शरीर कष्ट, तनाव एवं संघर्ष अधिक रहेगा। आय कम, खर्च बढ़ेगा। नेत्र, छाती, पैर में पीड़ा की शिकायत रहेगी। स्वजनों, मित्रों से विवाद, बुद्धि मालिन्य और शासन से भय की संभावना रहेगी।

मकर- इस राशि से शनि के बारहवें स्थान पर आने से साढ़ेसाती प्रारम्भ होगी। पारिवारिक एवं व्यावसायिक उलझनें बढ़ेंगी। शनि पाया भी लौह होने के कारण कार्य व्यापार में विघ्न एवं विलम्ब पैदा होंगे। खर्च अधिक, व्यापार में लाभ कम, निकटस्थ भाई-बंधुओं से मतान्तर हो सकता है। सावधानी बरतें। स्वास्थ्य एवं शिक्षा की दृष्टि से समय अशुभकारी रहेगा।

कुंभ- इस राशि पर शनि स्वर्ण पाया से लाभ स्थान में आएगा। परिश्रम के बाद धन लाभ एवं उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रतिष्ठा में वृद्धि, सुख, क्रय-विक्रय में संतुष्टि। उत्साह तथा धैर्य में कमी के चलते बनते काम बिगड़ेंगे। नई योजनाएं बनेंगी, सावधानी बरतें।

मीन- इस राशि पर दशमस्थ शनि का प्रवेश ताम्र पाया से होगा। बिगड़े कामों में सुधार होगा। आकस्मिक लाभ भी होंगे। राज्य सत्ता से लाभ, वाहन व धन लाभ, दाम्पत्य सुख, पदोन्नति के योग बनेंगे।

श्री महेश्वरी टाईम्स के 'जोधपुर विशेषांक' प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाएँ
डॉ. नीलम-सुनील मून्दड़ा
• पूर्व सचिव, जोधपुर शहरी माहेश्वरी महिला संगठन
• महामंत्री, पश्चिमी राजस्थान महिला संगठन
• उपाध्यक्ष, महिला मोर्चा (भाजपा)
• अध्यक्ष, साँवरिया
विला नं 28, उम्मेद हेरीटेज, रातानाड़ा, जोधपुर (राज.)
M. 97821 50463, E-mail : dr.neelamsunilmundra25@gmail.com

श्री महेश्वरी टाईम्स के 'जोधपुर विशेषांक' प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाएँ
INDIA'S PREMIUM D3 WOOD ADHESIVE
WOOD ADHESIVE
with excellent bonding strength
Stärke
POWER BONDING
NEW GENERATION WOOD ADHESIVE
Stärke
Water Based Yet Water Resistant Adhesive
SURFACTANT INDUSTRIES
G1-87, New Jodhpur Industrial Area,
Jodhpur - 342 003 INDIA
Email: lohiyas@gmail.com
Call us: +91-291-2740294, +91-98291-00870
/StarkeAdhesive
Website: www.woodadhesives.in

राशिफल

श्री ॐ गं गणपतये नमः

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष- यह माह आपके लिये सामान्य रहेगा, अस्थिरता बनी रहेगी किंतु अपनो से मुलाकात होगी। कार्यों में सफलता मिलेगी। शुभ कार्य होंगे, यात्रा के योग बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग प्राप्त होगा। खर्च अधिक बढ़ेगा। मौज-मस्ती में समय व्यतीत होगा। राजकीय कार्यों में लाभ के योग, विरोधी परास्त होंगे। रुके कार्य पूर्ण होंगे एवं वर्चस्व बढ़ेगा। बड़े लोगों से संपर्क रहेगा। गुस्से पर काबू रखें। धन लाभ के योग बनेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृषभ- यह माह मिश्रित फलदायी रहेगा। धार्मिक एवं सामाजिक कार्य में रुचि बढ़ेगी। जीवन साथी से वैचारिक मतभेद रहेंगे। काम-काज का भार अधिक रहेगा। जमीन-जायदाद के मामले उलझेंगे। पानी से दूर रहें। आलस्य बना रहेगा, खान-पान पर विशेष ध्यान रखें। नौकरी में अधिक प्रयास करने पड़ेंगे। वृद्ध माता-पिता के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी, वाहन चलाते समय सावधानी रखें।

मिथुन- इस माह में आपको सामाजिक कार्यों में सफलता मिलेगी, मान-सम्मान प्राप्त होगा। दौड़-धूप अधिक रहेगी। शुभ कार्य होंगे, मेहमानों की आवभगत से परेशानी बनी रहेगी। जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी, सम्पत्ति खरीदेंगे। चापलुस मित्रों से दूर रहें। अपनी सुझबूझ से विरोधी को भी अपना बना लेंगे। आय की अपेक्षा व्यय अधिक होगा। शेयर, सट्टे से हानि होगी। यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे। मन में सुख शांति बनी रहेगी।

कर्क- यह माह आपके लिये लाभदायक रहेगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यापार में सफलता एवं वृद्धि होगी। विदेश यात्रा के योग बनते हैं। न्यायालयीन प्रकरण में सफलता एवं परिवार के साथ घूमने-फिरने का प्रोग्राम रहेगा। रुका हुआ धन मिलेगा। विरोधियों प्रशंसा के पात्र रहेंगे। नौकरी में प्रमोशन के योग बनेंगे। जीवन साथी एवं संतान का ध्यान रखे। व्यर्थ के खर्च से बचें पुराने मित्रों से मुलाकात होगी। अधिकारी वर्ग से परेशानी उठाना पड़ेगी।

सिंह- यह माह भाग्योदय कारक रहेगा। यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे। रुके कार्य पूर्ण होंगे। प्रेम प्रसंग बढ़ेंगे। मनोरंजन मौज-मस्ती में व्यस्त रहेंगे। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। रुका पैसा मिलेगा। उच्च अधिकारी सहायता करेंगे। समाज में मान प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। नये-नये लोगों से मुलाकात होगी। व्यापार में वृद्धि होगी। भाग-दौड़ की अधिकता बनी रहेगी। चाहे लगने का भय भी बना रहेगा। स्वास्थ्य नरम-गरम रहेगा।

कन्या- यह माह आपको आर्थिक लाभ दायक रहेगा। जीवन साथी का पूरा सहयोग मिलेगा। अचानक लाभ व्यापार में धीरे-धीरे वृद्धि की ओर बढ़ेगा। विशेष कार्य होने पर उत्साह एवं हर्ष होगा। शुभ समाचार, उच्चाधिकारियों, मित्रों से लाभ अविवाहितों का विवाह होगा। घर परिवार में उत्साह का माहौल रहेगा। सम्पत्ति के मामले सुलझेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, तनाव समाप्त होगा।

तुला- इस माह आपको शुभ समाचार प्राप्त होगा। यश मिलेगा। अधूरे कार्य पूर्ण होंगे। नये अवसर मिलेंगे, जो प्रगति के लिये लाभदायक रहेंगे। संतान से संबंधी परेशानी दूर होगी। दौड़-धूप अधिक करनी पड़ेगी। न्यायालयीन प्रकरण से दूर रहे। जीवन साथी का स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। संतान की ओर से आपको सामान एवं यश मिलेगा। रुका धन प्राप्त होगा। खर्च की अधिकता रहेगी। गणमान्य लोगों से मुलाकात होगी। घर परिवार के लोगों का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक- यह माह आपके लिये सुख-शांति दायक रहेगा। पैतृक सम्पत्ति मिलेगी। परिवार में शांति का वातावरण रहेगा। सुख-समृद्धि बढ़ेगी। सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी। जीवन साथी के साथ लंबी यात्रा के योग, संतान का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। परिवार में विवाह उत्सव व मांगलिक आयोजन होंगे। नौकरी में प्रमोशन होगा। अपने उद्देश्य में सफलता मिलेगी। प्रेम प्रसंग बढ़ेंगे।

धनु- यह माह आपके लिये व्यस्तता भरा रहेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। नये-नये कार्य होंगे। लॉटरी में लाभ होगा। संतान की ओर से खुशी मिलेगी। खर्च की अधिकता रहेगी। व्यापार में धीरे-धीरे लाभ की ओर अग्रसर होंगे। सम्पत्ति क्रय करेंगे। मनोरंजन, शान-शौकत में समय व्यतीत करेंगे। प्रेम प्रसंग में अग्रणी रहेंगे।

मकर- इस माह आपको व्यापार में अनुकूलता मिलेगी। मित्रों का सहयोग परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। न्यायालयीन प्रकरण में विजय मिलेगी। पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि, संतान के कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी एवं भूमि-भवन के कार्य पूरे होंगे। योग साधना में रुचि बढ़ेगी। पारिवारिक समस्या बढ़ेगी। व्यापार में यथोचित लाभ होगा। रुका धन प्राप्त होगा, प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी।

कुंभ - यह माह आपके लिये सर्वथा अनुकूल है। व्यापार में उन्नति, लाभ, धन, यश, मान-सम्मान प्राप्त होगा। नौकरी में आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। विद्यार्थी वर्ग को परीक्षा में सफलता मिलेगी। नवीन कार्यों की योजना बनेगी। आय में वृद्धि होगी। घर का वातावरण उल्लास पूर्ण रहेगा। परिवार एवं मित्र पूरा सहयोग देंगे। दाम्पत्य सुख में कमी रहेगी। अपनी प्रतिभा एवं सूझबूझ का लाभ उठाएंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। संतान के प्रति मोह अधिक रहेगा।

मीन - इस माह में आपको सहयोगियों से अनुकूलता मिलेगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। विलासिता की प्रवृत्ति रहेगी। अधिकारियों से सहयोग मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग को परीक्षा में सफलता एवं लक्ष्य की प्राप्ति होगी, यात्रा होगी। विपरीत योनी की ओर रुझान रहेगा। परिवार में उत्साह और प्रसन्नता का वातावरण बना रहेगा। पैतृक सम्पत्ति प्राप्त होगी। विरोधी परास्त होंगे। महिला वर्ग से सहायता मिलेगी।

With Best Compliments From

To hold your Dream
Wedding

- Specious Delux Club Rooms/Suits/Luxury Suits
- Health Club & Spa.
- Fully Wi-fi environment.
- Best Vegetarian Restaurant in Town.
- Conference Halls.
- Space for Kitty Parties & B'day Parties
- 24hrs Room Service.
- Ample parking space.

Experience the New benchmark in
HOSPITALITY and SERVICE

SHREE RAM INTERNATIONAL
"A Unit of Shree Ram Hotels"

Residency Road, Jodhpur - 342001 (Rajasthan) India
Tel : +91-291-2671100, 2671151/52/53/54
Mobile : +91-92144-88170
E-mail : info@shreeraminternational.com
Web : www.shreeraminternational.com

श्री माहेश्वरी टाईम्स
जोधपुर
विशेषांक

हार्दिक शुभकामनाएँ

संदीप काबरा
राष्ट्रीय महामंत्री
अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा

खुश रहें... खुश रक्खें...

हार की संभावना से बचाती है ... परिवार की ताकत

■ पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

काम नहीं करने के सबके पास अपने-अपने बहाने होते हैं। एक बार मैंने एक महीने के लिए एक प्रयोग किया। जब भी मैं किसी से मिलता था और मुझे लगता था कि ये बहाने बना रहे हैं तो मैं नोट कर लेता था। एक माह बाद मैंने हिसाब लगाया था कि कितने किस्म के बहाने लोग बनाते हैं।

सबसे अधिक बहानों में था, परिवार। उसके बाद समय और उसके बाद स्वास्थ्य। इन्हीं तीनों की आड़ में लोग अपने निकम्मेपन को छिपाते हैं। कई लोगों का तो मानना है कि भौतिक प्रगति में परिवार एक बाधा है। अब तो परिवार इतने सिमट गए हैं कि लोग छोटे को भी बाधा मानते हैं और संयुक्त परिवारों को भी दोष देते हैं। कई लोग अपने पारिवारिक दायित्व के कारण आगे नहीं बढ़पाते, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि परिवार को दोषी बताया जाए। परिवार को केंद्र में रखकर अपनी प्रगति के क्षेत्र बदले जा सकते हैं।

जैसे देखा जाता है कि बूढ़े माता-पिता या अन्य भाई-बहनों की जिम्मेदारी होने पर कुछ लोग अपने नगर से बाहर नहीं जा पाते और फिर जीवनभर मन ही मन दुखी होते रहते हैं, लेकिन ऐसे भी लोग देखे गए हैं जिन्होंने जिम्मेदारियाँ पूरी निभाई और अपने कॅरियर में आगे भी बढ़े। दरअसल, परिवार को ताकत मानने के लिए परिवार में रहने का तरीका थोड़ा बदलना होगा।

परिवार कमजोर बनता है, जब सदस्यों में अहंकार आ जाता है। एक मनोवैज्ञानिक तथ्य है कि हर मनुष्य में कुछ हिस्सा पशुओं का होता है और कभी-कभी वह वैसा आचरण करता भी है। पशु तुल्य होना एक दोष है, लेकिन पशुओं की एक खूबी है कि उनमें 'मैं' नहीं होता। घर में रहते हुए हम इस 'मैं' विहीन पशु-भाव को बनाए रखें। हमारा यह जंगलीपन परिवार को हमारी ताकत बना देगा। जिसके साथ परिवार की ताकत है, उसके हारने की संभावना सदैव कम रहेगी।

Net Protector
NP AV
Total Security
PC, Laptop, Tablet, Mobile
Total सुरक्षा
Call :
9272707050 / 9822882566
india antivirus.com

Computerised Horoscope
Most Advanced Mathematical Software in India
Windows based Software
- Accurate Calculations
- Accurate Charts
- Full Screen VIEW Facility
- Use any printer - Dot Matrix or Inkjet or Laser.

Choice of 6 Languages
English
Marathi
Hindi
Gujarati
Kannada
Telugu

Call: 9225664817
020-65601926
Kundali 2012
www.kundalisoftware.com

किचन का खजाना

मारवाड़ के स्पेशल केसर के लड्डू

सामग्री- मोटा पीसा हुआ गेहूँ का आटा 300 ग्राम, गुड़ स्वादानुसार, सुखा नारियल कद्दूकस किया हुआ -दो बड़े चम्मच, ईलायची के दाने बुरबुरे - 1/2 छोटा चम्मच, काली मिर्च बुरबरी - 1/2 छोटा चम्मच, दूध में भीगी हुई केसर - 1/4 छोटा चम्मच, चांदी के बरक - ईच्छानुसार, घी में तले हुए बादाम, पिस्ते की कतरन - 12 नग प्रत्येक की, घी - 100 ग्राम, साबूत धनिया तवे पर सिक्के हुए - 1/2 छोटा चम्मच, बुरबुरे लौंग- सात नग, जावित्री, जायफल का पाउड़र - 1/2 छोटा चम्मच, तवे पर सिक्के हुए सफेद तिल - एक बड़ा चम्मच, घी में तला हुआ गोंद- तीन बड़े चम्मच।

ऐसे बनायें - कड़ाही में तीन बड़े चम्मच घी गरम कर, आटा ड़ाल सुनहरा होने तक पका ले। कड़ाही में पानी गरम कर गुड़ ड़ाल चासनी बना लें। कांच के प्याले में तैयार मिश्रण, गुड़ की चासनी, निवाया घी, केसर, ईलायची पाउड़र, मेवे की कतरन एवं बाकी सारी सामग्री ड़ाल अच्छी तरह मिला लें। हाथ पर पानी लगा मन चाहे आकार के लड्डू बना लें। कसार के लड्डू पर बरक, केसर, ईलायची पाउडर डाल खिलायें।

मंजू जैसलमेरिया, जोधपुर
मो. 98285 22322

With Best Compliments From ॥ जय श्याम री ॥

Vikas Road Carriers Ltd.

A-10, Industrial Estate, Jodhpur (Raj.)

Fleet Owners & Transport Contractors Railway Leasing Contractors

Ganga Das Boob 98290 23890
Rajesh Boob 94141 34684
Ramesh Boob 98290 24890
Natansh Boob 88750 14000
Naman Boob

Jodhpur ⟷ Delhi
Panipat ⟷ Ajmer & Jodhpur
Delhi ⟷ Ajmer, Jodhpur & All Western Rajasthan

All Rajasthan Transport Contract for Coca-Cola

Sister Concern

Vikas Cargo Movers

C & F Godown of Coca-Cola

Address : D-43, Kamla Nehru Nagar, Jodhpur (Raj.), Mobile : 88750 22515, 88750 22518

श्री माहेश्वरी टाईम्स के 'जोधपुर विशेषांक' प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाएँ

पवन मूँदड़ा

आशाराम राठी एण्ड कम्पनी

दालों, किराणा मर्चेंट एवं गुड़, खाँड एंड कमीशन एजेंट

सी-4, मुख्य मण्डी, मण्डोर रोड, जोधपुर-342007 (राज.)
दूरभाष : 2570115, 2545661,
मो. 94607 72271, 91160 55661

Yashoda Chemicals

Mfd. Hydrated Line, Quick Line, Other Chemicals

D-98, Dharamnarayanji Ka Hatta, Paota,
Jodhpur (Raj.)

Sharad Moondra
94141 35661

श्री माहेश्वरी टाईम्स के 'जोधपुर विशेषांक' प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाएँ

मानवता की सेवा में समर्पित

साँवरिया

Website : www.sanwariya.org
E-mail : mastermindkcl@gmail.com

श्री रामनारायण - श्रीमती लक्ष्मीदेवी लढ़ा,

संस्थापक अध्यक्ष – विनय बाल सेवा समिति, बापूनगर–भीलवाड़ा

जगदीश–हेमलता लढ़ा
जिला IT प्रभारी – भाजयूमो, भीलवाड़ा
जिला महामंत्री – माहेश्वरी युवा संगठन, भीलवाड़ा

जितेन्द्र–सुनिता लढ़ा
जिला प्रभारी – विवेकानन्द केन्द्र, राजसमन्द
प्रदेश कोषाध्यक्ष – दक्षिणी राज. प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन

कैलाश–सोनू लढ़ा
संस्थापक – ''सांवरिया'' जोधपुर
सदस्य – पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन

विनय–ममता लढ़ा
नगर सदस्य – माहेश्वरी युवा संगठन, बापूनगर
सदस्य – विवेकानन्द केन्द्र, भीलवाड़ा

बाल गोपाल – सावन, तरूण, मयंक, कुंज एवं मितिका

प्रतिष्ठान

विनय बाल विद्या मन्दिर, बापूनगर–भीलवाड़ा
मो. 9462637301, 01482-240315

विनय कम्प्यूटर्स, बापूनगर–भीलवाड़ा
मो. 9887347407, 9413631893

विनय कम्प्यूटर्स, राजनगर–राजसमन्द
मो. 9414677357, 02952-223691

विनय स्टेशनर्स, बापूनगर–भीलवाड़ा
मो. 9352437301, 7597168350

कैलाशचन्द्र लढ़ा

संस्थापक- साँवरिया
M. : 93521 74466,
94685 42315, 70140 35405

अन्तर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं में म.प्र. मार्शल आर्ट अकादमी की खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

बधाई!

श्री शिवराज सिंह चौहान
माननीय मुख्यमंत्री

लतिका भण्डारी
14वीं अन्तर्राष्ट्रीय ताइक्वांडो ओपन चैम्पियनशिप 2016
इज़रायल

कांस्य

श्रुति यादव

रजत

दिव्या पंवार

स्वर्ण

अंजली शर्मा

कांस्य

मनी सिंह गौर

रजत

दीपा कुमारी

स्वर्ण

अन्तर्राष्ट्रीय बॉक्सिंग स्पर्धा 2016, रूस

खेल और युवा कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश

D80304

सत्य परेशाँ हो सकता है, पराजित नहीं

श्री श्याम सोनी
सभापति

श्री सन्दीप काबरा
महामंत्री

श्री अजय काबरा
संगठनमंत्री

श्री रामेश्वरलाल काबरा
अर्थमंत्री

नन्दकिशोर लखोटिया

के अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के

संयुक्तमंत्री (पूर्वांचल)

पद पर निर्वाचित होने पर

हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई

शुभेच्छु

माहेश्वरी सभा, हावड़ा
माहेश्वरी युवा मंच, हावड़ा
माहेश्वरी महिला संगठन , हावड़ा

श्री श्याम सोनी
सभापति

श्री सन्दीप काबरा
महामंत्री

श्री अजय काबरा
संगठनमंत्री

श्री रामेश्वरलाल काबरा
अर्थमंत्री

आभार एवं बधाइयाँ

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा पूर्वांचल के
सभी आशीर्वाददाताओं एवं सहयोगियों के प्रति
विनम्र आभार
तथा 28वें सत्र के सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

नंदकिशोर लखोटिया
संयुक्त मंत्री (पूर्वांचल) अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा

AN ISO 9001 2008 CERTIFIED ORGANISATION

॥ जय माता दी ॥

LAKHOTIA DIAGNOSTIC SERVICE PVT. LTD.

A MRI & CT SCAN CENTRE

FACILITIES AND SERVICES AVAILABLE

• MRI (1.5 Tesla) • Spiral CT SCAN 16 SLICE • ULTRASOUND (4D) with ECHOCARDIOGRAPHY DOPPLER STUDY • BRIVO DR-F DIGITAL RADIOGRAPHY • MAMOGRAPHY • BMD • OPG • EEG, EMG & NCV • UROFLOWMETRY • HOLTER • TMT • ECG • PFT • ENDOSCOPY, COLONOSCOPY • COMPLETE RANGE OF FULLY AUTOMATED PATHOLOGY WITH AUTOMATED IMMUNOASSAY, BIOCHEMISTRY, ELECTROLYTE, COAGULATION, SEMEN ANALYZER, HbA_{1c} by HPLC, Allergy, Next generation of To RCH Testing, Vitamin Deficiency Test • HOME COLLECTION • MULTI SPECIALITY POLYCLINIC • AMBULANCE

Regd. Office :
493/C/A, G.T. Road, Vivek Vihar,
Block- E, Howrah 711 102.

Corporate Office & Central Lab :
4/2, Agrasain Street,
Liluah, Howrah 711 204.

श्री माहेश्वरी टाईम्स के 'जोधपुर विशेषांक' प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाएँ

LAXMI PLASTICS
RATHI POLYMERS
FOR FLEXIBLE PACKAGING

MFG. OF : ROTO & FLAXO PRINTING, PLAIN ZIPPER & PP / LLD / HM / TWO LAYER FILM & BAG.

Gravure Printing in eight colours

Laminated Pouches

Flexo Printing

Standy Pouches

(MR) 98280 33019
(F) 0291-2764322

(SGR) 9828031181
(AR) 9828033419
(F) 0291-2431069
2635025

FOR : RATHI POLYMERS

FOR : LAXMI PLASTICS

H-2-470, SANGARIA IInd PHASE, JODHPUR (Raj.)

Fact. : P-5, INDUSTRIAL ESTATE, NEAR GANDA NALA, NEW POWER HOUSE ROAD, JODHPUR-342 001 (RAJ.)

श्री माहेश्वरी टाईम्स के 'जोधपुर विशेषांक' प्रकाशन पर

हार्दिक शुभकामनाएँ

STOCK BROKING SERVICES SINCE 1981

TRADING & DEMAT A/c

absolutely **FREE**

Why Suresh Rathi ?

- Instant Sauda SMS Confirmation
- Avail Lotus Scheme & Save upto 60% for Demat Charges
- First year Demat AMC Free
- Price Variation SMS Available Whenever your Demat Script is Up/Down by 5%
- Daily SMS for Net position of F&O & Commodities Transactions
- Mobile Trading in Equity & Commodities

Mobile Backoffice

DOWNLOAD SURESH RATHI

application from Mobile Playstore, Tablet

Live MTM for all Segments

Ledger Balance

Outstanding Position For Derivatives Segment

Holding (Beneficiary, Collateral, DP With Valuation)

KYC Details
(DP Code, Bank Details, Email, Mobile Number)

SR Since 1981

Suresh Rathi

Wealth Creator thru Systematic Investment

MEMBER : BSE / NSE / DERIVATIVES / CDSL / NCDEX / MCX

Equities ~ Commodities ~ F&O ~ Currency Futures
Mutual Funds ~ IPOs ~ Internet Trading ~ Mobile Trading
Online Back Office ~ Mobile Back Office

SEBI REGN. NO.				
	BSE - INB 010976334	DERV - INF 010976334	NCDEX - MEM No.00898	IN-DP-CDSL-22-99
	NSE - INB 230976335	F&O - INF 230976335	MCX - MEM No.35710	AMFI - ARN 20569

— Corporate Office —

Mahesh Hostel Complex, Opp. Bombay Motors, Chopasni Road, JODHPUR - 342 003 (Raj.)
Tel. : 0291-5155555 • 98287 54000 • info@sureshrathi.in • www.sureshrathi.com

— Registered Office —

11 & 12, 'A' Wing, 'Mithila' Apt., Opp. Jankalyan Bank, J.B.Nagar, Andheri (E), MUMBAI - 400 059
Tel. : 022-283 54000 • Fax : 022-28205533 • Mobile : 93224 54000 • E-mail : mumbai@sureshrathi.in

A PERSON WHO KEEPS PATIENCE IS SURE TO WIN IN SHARE MARKET

श्री माहेश्वरी टाईम्स के 'जोधपुर विशेषांक' प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएँ

SHRI MAHESH SHIKSHAN SANSTHAN
Siwanchi Gate, JODHPUR (Raj.)
Ph.: 2632850 / 56
visit us at : www.maheshedu cation.org

श्री महेश शिक्षण संस्थान की सहयोगी संस्थाऐं

SHAH GOVERDHANLAL KABRA TEACHER'S COLLEGE
Near Geeta Bhawan Gate, Jodhpur Tel.: 2632851

ONKARMAL SOMANI COLLEGE OF COMMERCE
Kamla Nehru Nagar, JODHPUR Ph.: 0291-2753660

श्री महेश सीनियर माध्यमिक विद्यालय
हिन्दी माध्यम (छात्र वर्ग)
सिवांची गेट, जोधपुर फोन: 2632852

Shri Sohan Lal Manihar Girls' Sr. Sec. School
English Medium (Girls)
Siwanchi Gate, Jodhpur Ph.: 2632854

Shri Maheshwari Sr. Sec. School
English Medium (Boys)
Siwanchi Gate, JODHPUR Ph.: 2632853

MAHESH PUBLIC SCHOOL
English Medium (Co-Ed.)
Kamla Nahru Nagar, I[st] Puliya, Jodhpur. Tel. 2753610

Shri Mahesh Children's School
English Medium (Co-Ed.)
Opp. Bombay Motors, Behind Mahesh Hostel, Jodhpur. Tel. 2632859

श्री महेश प्राथमिक विद्यालय
हिन्दी माध्यम
सिवांची गेट, जोधपुर

श्री महेश छात्रावास
बोम्बे मोटर्स के सामने, जोधपुर फोन: 2632860

श्री महेश शिक्षण संस्थान, जोधपुर

रमेश सोमानी	हरीगोपाल राठी	कैलाश मोदी
अध्यक्ष	मानद् सचिव	कोषाध्यक्ष

डायबिटीज एवं मोटापा सर्जरी

Josh

JODHPUR OBESITY SURGERY HUB

** मोटापा सर्जरी से निम्न बीमारियों से निजात :

- मधुमेह (डायबिटीज)
- साँस फूलना / दमा
- हार्ट की समस्या / ब्लड प्रेशर
- जोड़ों का दर्द
- डिप्रेशन (तनाव इत्यादि)

** अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें -

डायबिटीज मरीजों के लिए विशेष "मिनी गेस्ट्रीक बाईपास" ऑपरेशन द्वारा बीमारी से निजात

** हम डायबिटीज को कंट्रोल नहीं, वरन् जड़ से मिटा सकते हैं ।

डॉ. सुनिल चाण्डक
M.S., F.A.I.S., F.M.A.S., F.I.A.G.E.S., F.I.C.S.
Head of Bariatric Surgery Deptt.

SHRI RAM HOSPITAL

श्रीराम हॉस्पीटल

(सुपर स्पेशलिटी सर्जिकल सेन्टर)

www.facebook.com/shriramhospitaljodhpur www.shreeramhospital.com dr.chandaks@gmail.com

पाल रोड़, जोधपुर | पावटा, जोधपुर | बनाड़ रोड़, जोधपुर | पाली | बीकानेर

श्री माहेश्वरी टाईम्स के 'जोधपुर विशेषांक' पर हार्दिक शुभकामनाएँ

शादी, विवाह एवं ठहरने हेतु A.C. हॉल एवं A.C. कमरों के साथ जेनरेटर सुविधा सहित उत्तम व्यवस्था

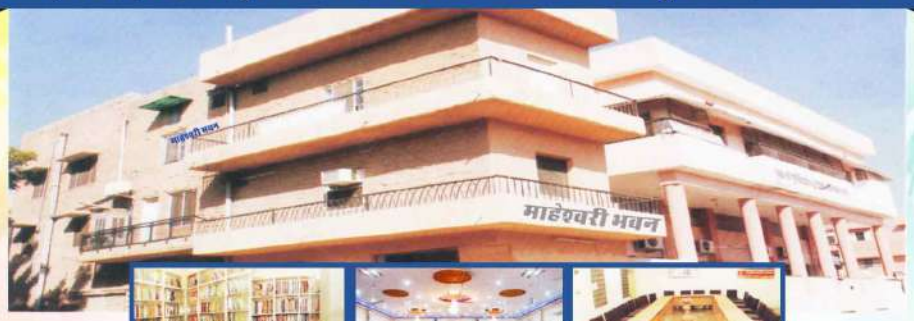

महेश बुक बैंक

सुसज्जित ए.सी. हॉल (सभागार)

कॉन्फ्रेंस हॉल

श्री माहेश्वरी समाज समिति पश्चिमी क्षेत्र, जोधपुर

ए-193-194, कमला नेहरू नगर, द्वितीय विस्तार, जोधपुर (राज.), फोन : 0291-2751626, 2750625
Website : www.info@maheshwarisamajwrj.org

ओमप्रकाश लाहोटी	अरुण बंग	योगेन्द्र माहेश्वरी	पुखराज फोफलिया	श्यामसुन्दर धूत
अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	सचिव	कोषाध्यक्ष	सह सचिव

एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य

जोधपुर विशेषांक के प्रकाशन के अवसर पर
जोधपुर के समाजजनों को श्री माहेश्वरी टाईम्स की स्नेहील सौगात
माहेश्वरी टाईम्स की सदस्यता के साथ पाएें

तीन उपहार ऋषिमुनि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित लोकप्रिय पुस्तके

निवेदन – यह उपहार योजना केवल जोधपुर के पाठकों के लिए त्रैवार्षिक व आजीवन सदस्यता पर ही मान्य। योजना का लाभ लेने के लिए इस विज्ञापन की कटिंग प्रेषित करना अनिवार्य है।

HARI KRIPA & CO.

जोधपुर विशेषांक

MAHALAXMI AJWAIN

जोधपुर विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएँ

MAHARANI AJWIAN

HARI KRIPA & CO.

Prahlad Shah
M. 94141-32927

Manufacturers
Gola | Khajoor | Dhania | Ajwain | Methi,
Grain Merchant & Commission Agent

F-II/7, Manodore Mandi, Jodhpur (Raj.)-7
Ph. 2570927, 2752739
E-mail : harikripa@yahoo.com

जोधपुर विशेषांक

जोधपुर विशेषांक के प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाएँ

जुगलकिशोर सोमाणी

- कार्यालय मंत्री (महामंत्री कार्यालय), अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा
- पूर्व संयुक्तमन्त्री (पश्चिमाञ्चल), अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा

एस - 2, पर्ल एन्क्लेव, 97, बृज मण्डल कॉलोनी, कालवाड़ रोड , झोटवाड़ा, जयपुर-302012 (राज)
मोबाइलः 09314521649, 09414011649, E-mail : jksomanijaipur@gmail.com

श्रीमती मनीषा राठी

इटारसी. अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति पद्मश्री बंशीलाल राठी के भतीजे विजय राठी की धर्मपत्नी श्रीमती मनीषा राठी का श्रीजी शरण गत 12 जनवरी को हो गया है। आप अपने पीछे शोकाकुल भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

श्री राजेंद्रकुमार सोमानी

हापुड़. पश्चिमी उत्तरप्रदेश माहेश्वरी युवा संगठन के राष्ट्रीय कार्यक्रम संयोजक हर्षवर्धन माहेश्वरी हापुड़ निवासी के पिताजी श्री राजेंद्र कुमार सोमानी का निधन गत 31 दिसंबर को हो गया है। आप अपने पीछे पौत्र-पौत्री आदि का भरापूरा परिवार छोड़ गये हैं।

श्री भंवरलालजी बाहेती

मालेगांव. समाज सदस्य कैलाश व मनोज बाहेती के पिताजी श्री भवंरलाल बाहेती का निधन 79 वर्ष की अवस्था में हो गया है। आप अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़कर गए हैं।

श्रीमती पूर्णिमा-श्री उपेंद्र सारडा

कोटा. स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष 47 वर्षीय श्रीमती पूर्णिमा शारदा व उनके पति माहेश्वरी समाज कोटा के सलाहकार 51 वर्षीय श्री उपेंद्र शारदा का गत 26 दिसंबर को एक सड़क दुर्घटना में दुखद निधन हो गया। इस घटना ने पूरे समाज में शोक की लहर छा गई है।

श्री पुरुषोत्तम काबरा

उज्जैन. वरिष्ठ समाजसेवी व पापुलर रिटेल शॉप के प्रमुख 91 वर्षीय श्री पुरुषोत्तम जी काबरा का गत 18 जनवरी को देहावसान हो गया। आप आपने पीछे पुत्र महेश, कैलाश व संतोष काबरा व पौत्र-पौत्री आदि का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

श्रीमती रेणुकादेवी मूंदड़ा

उदयपुर. हिरण नगरी सेक्टर 14 निवासी रेलवे से सेवानिवृत्ति समाज सदस्य रामेश्वरलाल मूंदड़ा की धर्मपत्नी श्रीमती रेणुका देवी मूंदड़ा का स्वर्गवास गत 17 दिसंबर को हो गया। वे अपने पीछे अरुण मूंदड़ा सहित तीन पुत्र और पौत्र-पौत्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

श्री रामदयालजी चांडक

जगदलपुर. माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ सदस्य श्री रामदयाल चांडक का 93 वर्ष अवस्था में गत 8 जनवरी को निधन हो गया। आप चंद्रेश चांडक, संजय चांडक व प्रकाश चांडक के पिताजी थे। आप 3 पुत्रियों व पौत्र-पौत्रियों से भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। आप छ.ग. प्रादेशिक माहेश्वरी सभा अध्यक्ष विट्ठल भूतड़ा के ससुरजी थे।

श्री माहेश्वरी टाईम्स

अपने विशेषांकों से करेगी, शक्ति को नमन

आगामी मार्च-2017 अंक रहेगा

अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन को समर्पित

"युवा शक्ति विशेषांक"

लेख । रचनाएँ । विज्ञापन आमंत्रित

E-mail : smt4news@gmail.com

फिर अप्रैल 2017 में पाऐंगे

नारी शक्ति को नमक करता

"महिला विशेषांक"

जिसमें समाहित होगी

ऐसी विशिष्ट नारी शक्ति की कहानी

जिन्होंने अपने विशिष्ट योगदानों से

किया है समाज को गौरवान्वित।

सम्पर्क

90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) 456010

दूरभाष : 0734-2526561, मो. 94250 91161

"सभी माहेश्वरी बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ - जय महेश"

श्री मुकनचन्द सोनी - 9829163101 (M)

अध्यक्ष- माहेश्वरी समाज तिंवरी
भुतपूर्व अध्यक्ष - ओसियां तहसील माहेश्वरी समाज
कोषाध्यक्ष - रामकृष्ण गौशाला, तिंवरी
सदस्य - जोधपुर जिला माहेश्वरी समाज, जोधपुर
सदस्य - आदित्य विक्रम बिड़ला सहयोग केन्द्र, चैन्नई
ट्रस्टी - श्री रामप्रसाद रामस्नेही गुरुकुल विद्यापीठ, तिंवरी
भूतपूर्व उपसरपंच - ग्राम पंचायत तिंवरी
उपसचिव - सेवल्या माता मन्दिर समिति, ओसियाँ

रमेशकुमार सोनी - 9829029723, महेशकुमार सोनी - 9413061446
अशोककुमार सोनी - 9829851301, सी.ए. अरविन्द सोनी - 9426805791

Endeavor & Ventures - Business Establishments

Agriculture Farms :
- **BALAJI KRISHI FARM,** Gagari Road, Tinwari
- **RAMDEV KRISHI FARM,** Gewara Road, Tinwari
- **MAHESH KRISHI FARM,** Bheser Road, Tinwari
- **KRISHNA KRISHI FARM,** Geeta Dham Road, Tinwari
- **BAJRANG KRISHI FARM,** Lorata, Chamu
- **HANUMAN KRISHI FARM,** Lordia, Phalodi
- **MAHADEV KRISHI FARM,** Gadrali, Phalodi

Industries :
- **Balaji Agro Industries,** G/27-28, Agro Food Park, Boranada, Jodhpur
- **Balaji Embroidery (P) Ltd.,** 390-393, Unity Estate, Surat
- **Sahara Export** Unit (I)- 4306/4, GIDC, Sachin, Surat
  Unit (II)- 279-280, Sunshine Textile Park, Sayan, Surat

Trading & Commision Agent :
- **Bhagwati Trading Co.,** Station Road, Tinwari
- **Pushp Trading Co.,** 38 Veer Sanwarker, Mandore Mandi, Jodhpur
- **Pranjal Retail (India) Pvt. Ltd.,** T 7054-55 RKTM Market, Ring Road, Surat

Consultancy :
- **Sharp & Associates, "Charted Accountant"**
  8011 World Trade Centre, Surat

Residence

MUKUND
19 1st Polo, Paota, Jodhpur
Email : balajiagro29@gmail.com

CHANDAN PALACE
Station Road
Tinwari (Jodhpur)

CA ARVIND SONI
B/502 Sejal Apartment, City Light, Surat
Email : pricefca@gmail.com
website : www.prajalretail.com

श्री माहेश्वरी टाईम्स के 'जोधपुर विशेषांक' पर हार्दिक शुभकामनाएँ

श्री माहेश्वरी भवन

जसवंत कॉलेज के सामने, पुलिस लाईन रोड, रातानाडा, जोधपुर

सौजन्य से

स्वाति नक्षत्र ग्रुप

स्वाति 'सरु' जैसलमेरिया
370 ए/1, 'हरि निवास'
ब्यूटी ज्वैलर्स के पास,
गांधी मैदान के पास,
तीसरी 'सी' रोड़, सरदारपुरा,
जोधपुर - 342 001
मो. 75680-76940

राज मालपाणी
वृत्ति : व्यवसाय (टेक्सटायल)
मूल निवास : जोधपुर (राज.)
वर्तमान निवास : मालपाणी हाउस
जैलाल स्ट्रीट, शोरापुर-585224
यादगिरी जिला - कर्नाटक
मो. 8792143143

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 February, 2017

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah),
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. 0734-2526561, 2526761, Mo. : 94250 91161
E-mail : smt4news@gmail.com

FREE REGISTRATION AT www.srimaheshwarimelapak.com